

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

मुख्य कार्यालय, तिसरा मजला, छत्रपती शिवाजी महाराज सभागृह

मा. महासभा दि. ०३/०८/२०२२

बुधवार दि. ०३/०८/२०२२ रोजी मिरा भाईंदर महानगरपालिकेची मा. महासभा सकाळी ११.०० वाजता सभा सुचना क्र. ०३ दि. २६/०७/२०२२ रोजीच्या विषयपत्रिकेवर विचार विनिमय करणेकरिता महापालिका सभागृह, ३ रा मजला, छत्रपती शिवाजी महाराज सभागृह येथे मा. महापौर यांच्या अध्यक्षतेखाली आयोजित केली असता खालीलप्रमाणे सदस्य हजर होते.

उपस्थित सदस्य

| | | |
|-----|--------------------------|----------------------|
| १) | हसनाळे ज्योत्सना जालींदर | महापौर |
| २) | दळवी प्रशांत जानदेव | सभागृह नेता |
| ३) | शाह राकेश रतिशचंद्र | सभापती, स्थायी समिती |
| ४) | भोईर सुनिता शशिकांत | सदस्या |
| ५) | शाह रिटा सुभाष | सदस्या |
| ६) | तिवारी अशोक सूर्यदेव | सदस्य |
| ७) | पाटील रोहिदास शंकर | सदस्य |
| ८) | गोहिल शानू जोरावर सिंह | सदस्या |
| ९) | कांगणे मीना यशवंत | सदस्या |
| १०) | सिंह मदन उदितनारायण | सदस्य |
| ११) | शेट्टी गणेश गोपाळ | सदस्य |
| १२) | ढवण निलम हरीशचंद्र | सदस्या |
| १३) | कदम अर्चना अरुण | सदस्या |
| १४) | नलावडे दिनेश दगडु | सदस्य |
| १५) | भोईर गणेश गजानन | सदस्य |
| १६) | पाटील प्रभात प्रकाश | सदस्या |
| १७) | गुप्ता कुसुम संतोष | सदस्या |
| १८) | पाटील वंदना मंगेश | सदस्या |
| १९) | सिंग श्रीप्रकाश जिलेदार | सदस्य |
| २०) | धृवकिशोर मन्साराम पाटील | सदस्य |
| २१) | जैन गीता भरत | सदस्या |
| २२) | जैन सुनिता रमेश | सदस्या |
| २३) | भूपताणी रक्षा सतीश (शाह) | सदस्या |
| २४) | मोकाशी दिपाली आनंदराव | सदस्या |
| २५) | व्यास रवि वासुदेव | सदस्य |
| २६) | रकवी वैशाली गर्जेद्र | सदस्य |
| २७) | अग्रवाल सुशील गोपीकिशन | सदस्य |
| २८) | खंडेलवाल सुरेश जगदीश | सदस्य |
| २९) | परदेशी गिता हरीश | सदस्या |
| ३०) | पाटील नरेश तुकाराम | सदस्य |
| ३१) | शेख अमजद गफार | सदस्य |

| | | |
|-----|-----------------------------|--------|
| ३२) | पाटील जयंतीलाल गुरुनाथ | सदस्य |
| ३३) | घरत तारा विनायक | सदस्या |
| ३४) | पांडे स्नेहा शैलेश | सदस्या |
| ३५) | शिर्के अनंत गेणू | सदस्य |
| ३६) | पाटील वंदना विकास | सदस्या |
| ३७) | पाटील प्रविण मोरेश्वर | सदस्य |
| ३८) | डॉ. पाटील प्रिती जयप्रकाश | सदस्या |
| ३९) | मेहता डिम्पल विनोद | सदस्या |
| ४०) | शिंदे रुपाली वसंत (मोदी) | सदस्या |
| ४१) | थेराडे संजय अनंत | सदस्य |
| ४२) | मुखर्जी अनिता बबलू | सदस्या |
| ४३) | चंद्रकांत सिताराम वैती | सदस्य |
| ४४) | पारधी सुजाता यशवंत | सदस्या |
| ४५) | म्हात्रे सचिन केसरीनाथ | सदस्य |
| ४६) | यादव मिरादेवी रामलाल | सदस्या |
| ४७) | म्हात्रे मोहन गोपाळ | सदस्य |
| ४८) | सोनार सुरेखा प्रकाश | सदस्या |
| ४९) | भोईर विणा सुर्यकांत | सदस्या |
| ५०) | भोईर कमलेश यशवंत | सदस्य |
| ५१) | पाटील अनिता जयवंत | सदस्या |
| ५२) | म्हात्रे परशुराम पदमाकर | सदस्य |
| ५३) | भोईर भावना राजू | सदस्या |
| ५४) | भोईर राजू यशवंत | सदस्य |
| ५५) | मांजरेकर आनंद दत्ताराम | सदस्य |
| ५६) | अरोरा दीपिका पंकज | सदस्या |
| ५७) | बेलानी हेमा राजेश | सदस्या |
| ५८) | गजरे दौलत तुकाराम | सदस्य |
| ५९) | नाईक विविता विवेक | सदस्या |
| ६०) | सॉस नीला बर्नाड | सदस्या |
| ६१) | राय विजयकुमार सिस्थन नारायण | सदस्य |
| ६२) | शेख रुबीना फिरोझ | सदस्या |
| ६३) | डिसा मर्लिन मर्विन | सदस्या |
| ६४) | सावंत अनिल दिवाकर | सदस्य |
| ६५) | मेहरा राजीव ओमप्रकाश | सदस्य |
| ६६) | परमार हेतल रतिलाल | सदस्या |
| ६७) | भट दीप्ती शेखर | सदस्या |
| ६८) | जैन दिनेश तेजराज | सदस्य |
| ६९) | भावसार वंदना संजय | सदस्या |
| ७०) | शाह सीमाबेन कमलेश | सदस्या |
| ७१) | दुबे मनोज रामनारायण | सदस्य |
| ७२) | अहमद साराह अकरम | सदस्या |

| | | |
|-----|----------------------------|--------------------|
| ७३) | इनामदार जुबेर अब्दुल्ला | सदस्य |
| ७४) | शेख अशरफ मोहम्मद इब्राहीम | सदस्य |
| ७५) | भोईर जयेश भानुदास | सदस्य |
| ७६) | म्हात्रे नयना गजानन | सदस्या |
| ७७) | भानुशाली वर्षा गिरधर | सदस्या |
| ७८) | म्हात्रे विनोद काशिनाथ | सदस्य |
| ७९) | गोविंद हेल्न जॉर्जी | सदस्या |
| ८०) | बगाजी शर्मिला विन्सन्ट | सदस्या |
| ८१) | शर्मा भगवती शर्मा | नामनिर्देशित सदस्य |
| ८२) | अँड शफीक अहमद सादत खान | नामनिर्देशित सदस्य |
| ८३) | भोसले अनिल बाबुराव | नामनिर्देशित सदस्य |
| ८४) | अजित भगवान पाटील | नामनिर्देशित सदस्य |
| ८५) | सिंह विक्रमप्रताप रमाप्रती | नामनिर्देशित सदस्य |

गैरहजर सदस्य -

| | | |
|-----|----------------------------|-----------------|
| १) | गेहलोट हसमुख मोहनलाल | उपमहापौर |
| २) | पाटील धनेश परशुराम | विरोधी पक्षनेता |
| ३) | पांडेय पंकज सूर्यमणि | सदस्य |
| ४) | रावल मेघना दिपक | सदस्या |
| ५) | जैन राजेंद्र भवरलाल | सदस्य |
| ६) | रॉड्रीकस मोरस जोसेफ | सदस्य |
| ७) | परेरा कॅटलीन एन्थोनी | सदस्या |
| ८) | सय्यद नुरजाहॉ नाझर हुसेन | सदस्या |
| ९) | पाटील संध्या प्रफुल्ल | सदस्या |
| १०) | शेट्टी अरविंद आनंद | सदस्य |
| ११) | कासोदारिया अश्विन शामजीभाई | सदस्य |
| १२) | विराणी अनिल रावजीभाई | सदस्य |
| १३) | बांड्या एलायस दुमिंग | सदस्य |

रजेचा अर्ज - निरंक

मा. महापौर :-

सचिव साहेब

सभेला सुरुवात करावी.

नगरसचिव :-

सभासुचना टाईप करणे. 1 ते 6 सत्कार केलेले टाईप करणे.

प्रशांत दळवी :-

नवनिर्वाचित राष्ट्रपती मा. श्रीम. द्रौपदीजी मुर्मू यांनी ओडिशा सरकारसाठी लिपिक म्हणून आपल्या व्यावसायिक कारकिर्दीची सुरुवात करून पुढे त्या पाटबंधारे आणि ऊर्जा विभागात कनिष्ठ सहाय्यक झाल्या. तदनंतरच्या काळात त्यांनी श्री. अरबिंदो इंटिग्रल एज्युकेशन अँड रिसर्च सेंटर, रायरंगपूर येथे मानद शिक्षिका म्हणून काम केले. 1997 मध्ये रायरंगपूर नगर पंचायतीमध्ये मा. श्रीम. द्रौपदीजी मुर्मू या नगरसेविका म्हणून निवडून आल्या. दि. 6 मार्च 2000 ते 6 ऑगस्ट 2002

पर्यंत वाणिज्य आणि परिवहन राज्यमंत्री तर 6 ऑगस्ट 2002 ते 16 मे 2004 पर्यंत मत्स्यव्यवसाय आणि पशु संसाधन विकास राज्यमंत्री होत्या. सन 2000-2004 आणि 2004-2009 मध्ये रायरंगपूर विधानसभा मतदारसंघातील आमदार पदी विराजमान असताना सन 2007 मध्ये ओडिशा विधानसभेने "सर्वोत्कृष्ट आमदार" म्हणून नीलकंठ पुरस्काराने सन्मानित केले होते. मा. श्रीम. द्रौपदीजी मुर्मू या झारखंडच्या पहिल्या महिला राज्यपाल होत्या. दि. 21 जुलै 2022 मध्ये भारताच्या नवनिर्वाचित राष्ट्रपती म्हणून त्यांची निवड करण्यात आली असून त्यांनी दि. 25/07/2022 रोजी शपथ ग्रहण करून आपल्या पदाचा कार्यभार स्विकारला. आज या मा. महासभेत देशाच्या प्रथम नागरिक म्हणून भाजप प्रणित राष्ट्रीय लोकशाही आघाडी अर्थात एनडीएच्या विजेता उमेदवार / मा. राष्ट्रपती श्रीम. द्रौपदीजी मुर्मू (Draupadi Murmu) यांचा सभागृहात उपस्थित मा. महापौर / मा. उपमहापौर, मा. आयुक्त, मा. नगरसेवक / नगरसेविका, पदाधिकारी, अधिकारी/कर्मचारी वर्ग, पत्रकार बंधु/भगिनी यांच्या तर्फे अभिनंदन करून त्यांच्या पुढील यशस्वी कारकिर्दीस शुभेच्छा देत आहे.

राकेश शाह :-

माझे अनुमोदन आहे.

मा. महापौर :-

ठराव सर्वानुमते मंजूर.

अभिनंदन ठराव क्र. 23 :-

नवनिर्वाचित राष्ट्रपती मा. श्रीम. द्रौपदीजी मुर्मू यांनी ओडिशा सरकारसाठी लिपिक म्हणून आपल्या व्यावसायिक कारकिर्दीची सुरुवात करून पुढे त्या पाटबंधारे आणि ऊर्जा विभागात कनिष्ठ सहाय्यक झाल्या. तदनंतरच्या काळात त्यांनी श्री. अरबिंदो इंटिग्रल एज्युकेशन अँड रिसर्च सेंटर, रायरंगपूर येथे मानद शिक्षिका म्हणून काम केले. 1997 मध्ये रायरंगपूर नगर पंचायतीमध्ये मा. श्रीम. द्रौपदीजी मुर्मू या नगरसेविका म्हणून निवडून आल्या. दि. 6 मार्च 2000 ते 6 ऑगस्ट 2002 पर्यंत वाणिज्य आणि परिवहन राज्यमंत्री तर 6 ऑगस्ट 2002 ते 16 मे 2004 पर्यंत मत्स्यव्यवसाय आणि पशु संसाधन विकास राज्यमंत्री होत्या. सन 2000-2004 आणि 2004-2009 मध्ये रायरंगपूर विधानसभा मतदारसंघातील आमदार पदी विराजमान असताना सन 2007 मध्ये ओडिशा विधानसभेने "सर्वोत्कृष्ट आमदार" म्हणून नीलकंठ पुरस्काराने सन्मानित केले होते. मा. श्रीम. द्रौपदीजी मुर्मू या झारखंडच्या पहिल्या महिला राज्यपाल होत्या. दि. 21 जुलै 2022 मध्ये भारताच्या नवनिर्वाचित राष्ट्रपती म्हणून त्यांची निवड करण्यात आली असून त्यांनी दि. 25/07/2022 रोजी शपथ ग्रहण करून आपल्या पदाचा कार्यभार स्विकारला. आज या मा. महासभेत देशाच्या प्रथम नागरिक म्हणून भाजप प्रणित राष्ट्रीय लोकशाही आघाडी अर्थात एनडीएच्या विजेता उमेदवार / मा. राष्ट्रपती श्रीम. द्रौपदीजी मुर्मू (Draupadi Murmu) यांचा सभागृहात उपस्थित मा. महापौर / मा. उपमहापौर, मा. आयुक्त, मा. नगरसेवक / नगरसेविका, पदाधिकारी, अधिकारी/कर्मचारी वर्ग, पत्रकार बंधु/भगिनी यांच्या तर्फे अभिनंदन करून त्यांच्या पुढील यशस्वी कारकिर्दीस शुभेच्छा देत आहे.

सुचक :- श्री. प्रशांत दळवी

अनुमोदन :- श्री. राकेश शाह

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

प्रशांत दळवी :-

महाराष्ट्र राज्याच्या मुख्यमंत्रीपदी मा.ना. श्री. एकनाथजी शिंदे तर उपमुख्यमंत्री पदी मा.ना.श्री. देवेंद्रजी फडणवीस विराजमान झाले त्याबद्दल सभागृहाच्या वतीने त्यांचे हार्दिक अभिनंदन! मा.ना. श्री.

एकनाथजी शिंदे हे वागळे इस्टेट परिसरात राहून ऑटोचालक म्हणून काम केले. मा.ना. श्री. एकनाथजी शिंदे हे कट्टर शिवसैनिक, बाळासाहेबांच्या जाजवल्या विचारांचे पाईक आहेत. ते एक कुशल संघटक आणि जनतेचे सेवेकरी आहेत. 1980 पासून शाखाप्रमुख ते पुढे येत वेगवेगळी पदे भुषवविलेली आहेत. सन 1984 मध्ये किसननगर शाखाप्रमुख दिघेसाहेबांच्या नेतृत्वात अनेक आंदोलनात सहभाग घेतला. सामान्यांना न्याय देण्यासाठी ते लढले. 2004 पासून सलग चार वेळा ते महाराष्ट्राच्या विधानसभेत पोहोचले. सीमाप्रश्नांवर जे आंदोलन झाले त्या आक्रमक आंदालनात एक नेता म्हणून दबदबा निर्माण केला. 1997 साली ठाण्यात नगरसेवक, मनपा सभागृह नेते, आमदार, जिल्हाप्रमुख पासून आज महाराष्ट्र राज्याच्या शिवसेना-भाजप युतीचे मुख्यमंत्री पदी विराजमान झालेले आहेत. अशाप्रकारे मा.ना. श्री. एकनाथजी शिंदे यांचा ऑटोचालक-आमदार-मंत्री ते महाराष्ट्र राज्याचे मुख्यमंत्री असा प्रवास झालेला आहे. मा.ना. श्री. देवेंद्रजी गंगाधर फडणवीस नागपूर नैऋत्य विधानसभा मतदारसंघातून निवडून आलेले आमदार असून 31 ऑक्टोबर 2014 रोजी वयाच्या 44 व्या वर्षी मुख्यमंत्रिपदाची शपथ घेणारे फडणवीस हे महाराष्ट्राचे दुसरे सर्वात तरुण मुख्यमंत्री आहेत. मा.ना.श्री. देवेंद्रजी फडणवीस हे भाजपाच्या सर्व कार्यकर्त्यांसाठी ते प्रेरणास्थान आहेत. त्यांच्याकडे सरकारचे नेतृत्व करण्याचा दांडगा अनुभव आणि कौशल्य आहे. याच संस्कारांच्या ठेवेची जपणूक करत पक्षाचा आदेश शिरोधार्य मानत माना.श्री. देवेंद्र फडणवीस यांनी उपमुख्यमंत्री पदाची शपथ घेतली. आज या मा. महासभेत हिंदुत्वाच्या विचारांचा वारसा घेऊन आणि युतीतून जन्माला आलेल्या सरकारचे नेतृत्व करणारे मा.मुख्यमंत्री देवेंद्रजी फडणवीस यांनी मिळून स्थापन केलेल्या युती सरकारचे सभागृहामध्ये उपस्थित मा. महापौर / मा. उपमहापौर, मा. आयुक्त, मा. नगरसेवक / नगरसेविका, पदाधिकारी, अधिकारी/कर्मचारी वर्ग, पत्रकार बंधु/भगिनी यांच्या तर्फे अभिनंदन करून त्यांच्या पुढील यशस्वी कारकिर्दीस शुभेच्छा देत आहे.

धृवकिशोर पाटील :-

माझे अनुमोदन आहे.

मा. महापौर :-

ठराव सर्वानुमते मंजूर.

अभिनंदन ठराव क्र. 24 :-

महाराष्ट्र राज्याच्या मुख्यमंत्रीपदी मा.ना. श्री. एकनाथजी शिंदे तर उपमुख्यमंत्री पदी मा.ना.श्री. देवेंद्रजी फडणवीस विराजमान झाले त्याबद्दल सभागृहाच्या वतीने त्यांचे हार्दिक अभिनंदन! मा.ना. श्री. एकनाथजी शिंदे हे वागळे इस्टेट परिसरात राहून ऑटोचालक म्हणून काम केले. मा.ना. श्री. एकनाथजी शिंदे हे कट्टर शिवसैनिक, बाळासाहेबांच्या जाजवल्या विचारांचे पाईक आहेत. ते एक कुशल संघटक आणि जनतेचे सेवेकरी आहेत. 1980 पासून शाखाप्रमुख ते पुढे येत वेगवेगळी पदे भुषवविलेली आहेत. सन 1984 मध्ये किसननगर शाखाप्रमुख दिघेसाहेबांच्या नेतृत्वात अनेक आंदोलनात सहभाग घेतला. सामान्यांना न्याय देण्यासाठी ते लढले. 2004 पासून सलग चार वेळा ते महाराष्ट्राच्या विधानसभेत पोहोचले. सीमाप्रश्नांवर जे आंदोलन झाले त्या आक्रमक आंदालनात एक नेता म्हणून दबदबा निर्माण केला. 1997 साली ठाण्यात नगरसेवक, मनपा सभागृह नेते, आमदार, जिल्हाप्रमुख पासून आज महाराष्ट्र राज्याच्या शिवसेना-भाजप युतीचे मुख्यमंत्री पदी विराजमान झालेले आहेत. अशाप्रकारे मा.ना. श्री. एकनाथजी शिंदे यांचा ऑटोचालक-आमदार-मंत्री ते महाराष्ट्र राज्याचे मुख्यमंत्री असा प्रवास झालेला आहे. मा.ना. श्री. देवेंद्रजी गंगाधर फडणवीस नागपूर नैऋत्य विधानसभा मतदारसंघातून निवडून आलेले आमदार असून 31 ऑक्टोबर 2014 रोजी वयाच्या 44 व्या वर्षी मुख्यमंत्रिपदाची शपथ घेणारे फडणवीस हे महाराष्ट्राचे दुसरे सर्वात तरुण मुख्यमंत्री आहेत. मा.ना.श्री. देवेंद्रजी फडणवीस हे भाजपाच्या सर्व कार्यकर्त्यांसाठी ते प्रेरणास्थान आहेत. त्यांच्याकडे सरकारचे नेतृत्व करण्याचा दांडगा अनुभव आणि कौशल्य आहे. याच संस्कारांच्या ठेवेची जपणूक करत पक्षाचा

आदेश शिरोधार्य मानत माना.श्री. देवेंद्र फडणवीस यांनी उपमुख्यमंत्री पदाची शपथ घेतली. आज या मा. महासभेत हिंदुत्वाच्या विचारांचा वारसा घेऊन आणि युतीतून जन्माला आलेल्या सरकारचे नेतृत्व करणारे मा.मुख्यमंत्री देवेंद्रजी फडणवीस यांनी मिळून स्थापन केलेल्या युती सरकारचे सभागृहामध्ये उपस्थित मा. महापौर / मा. उपमहापौर, मा. आयुक्त, मा. नगरसेवक / नगरसेविका, पदाधिकारी, अधिकारी/कर्मचारी वर्ग, पत्रकार बंधु/भगिनी यांच्या तर्फे अभिनंदन करून त्यांच्या पुढील यशस्वी कारकिर्दीस शुभेच्छा देत आहे.

सुचक :- श्री. प्रशांत दळवी

अनुमोदन :- श्री. धृवकिशोर पाटील

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

निलम ढवण :-

प्रशांतजी तुमच्या पहिल्या अभिनंदनाच्या ठरावामध्ये आदरणीय राष्ट्रपती मुर्म यांच्यामध्ये एक वाक्य टाकले आहे तुम्ही की भाजपा आणि एन.डी.ए च्या समर्थनात त्या राष्ट्रपती झाल्यात त्याला शिवसेनेने ही सपोर्ट केलेला आहे. त्यामुळे मी आदिवासी समाजातून पूढे येणाऱ्या आदरणीय राष्ट्रपती मुर्म यांचे अभिनंदन करते आणि पुढील वाटचालीसाठी शुभेच्छा देते.

प्रशांत दळवी :-

एन.डी.ए. मध्ये सर्व पक्ष आले.

निलम ढवण :-

विषय बदलू नका, नाही तर बाकीचे विषय होणार नाही.

प्रशांत दळवी :-

एन.डी.ए. म्हणजे सर्वच पक्ष आले. ज्यांनी ज्यांनी एन.डी.ए. ला सपोर्ट केला ते सगळेच पक्ष आले.

निलम ढवण :-

मग तुम्ही भाजपा आणि एन.डी.ए. मॅशन का केलं. त्यांना शिवसेनेने देखील सपोर्ट केलेला आहे. त्याच्यात दुमत घ्यायचे कारण नाही. त्याच्यात दुरुस्ती करा एवढेच आमचे म्हणणे आहे.

अनिल सावंत :-

भारताच्या पहिल्या आदिवासी राष्ट्रपती द्रौपदी मुर्म यांचे काँग्रेस पक्षातर्फे सुध्दा हार्दिक अभिनंदन आणि पुढील वाटचालीसाठी त्यांना हार्दिक शुभेच्छा. दुसरा जो अभिनंदनाचा ठराव मा. सभागृह नेते प्रशांत दळवी यांनी मांडलेला आहे. एकनाथरावजी शिंदे आणि देवेंद्र फडणवीस यांचा लिडरशिपचा. योग्यपणाचा आदर राखून मला एवढेच बोलावेसे वाटते की ज्या काही बाबी रात्रीच्या काळोखात घडतात त्या अभिनंदनास पात्र नसतात. महाराष्ट्रामध्ये जे एक महिनाभर चाललेले आहे आणि आपण एक संपूर्ण शहराचे विश्वस्त म्हणून ह्या सभागृहामध्ये आलेलो आहोत त्यांना पुढील वाटचालीसाठी मी काँग्रेस पक्षातर्फे शुभेच्छा देतो पण त्यांचे अभिनंदन मात्र बिलकुल करणार नाही.

दिपाली मोकाशी :-

सन्मा. विरोधी पक्षनेते पदी अजित दादा पवार यांची निवड झाली त्यांचे ही अभिनंदन करणे जरूरी आहे त्यांचेही अभिनंदन.

विक्रमप्रताप सिंह :-

महापौर मॅडम भारत की महामहिम राष्ट्रपती श्रीम. द्रौपदी मुर्मजी के राष्ट्रपती चुने जानेपर में इस महासभा और से बहुत बहुत शुभकामना देता हूँ और महाराष्ट्र के हिस्ट्री में बहुत ही कर्मिंट

व्यक्ती जो अभी अभी महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लिया ऐसे मा. एकनाथजी शिंदे साहेब को मे ढेर सारी शुभकामना देता हूँ। और हम सब मिरा भाईंदर रहिवासी के लिए विशेष गर्व की बात है की हमारा मिरा भाईंदर महापालिका उस ठाणे जिल्हे में आता है जहाँ से हमारे मा. मुख्यमंत्री बिलॉग करते हैं। यहाँ पे ही उनका जीवन का संघर्ष जो है हम सभी लोगो ने देखा है, निश्चित तौर पे एक सामान्य घर में पैदा होके एक सामान्य से परिवार में एक गरीब माँ के बेटे के यहाँ जन्म लेके आज वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में महाराष्ट्र मुख्यमंत्री का सिंहासन सुपुर्त कर रहे हैं निश्चित तौर पे हम सभी मिरा भाईंदर के जितने भी महासभा में बैठे हुए मँबर और साथ साथ में सभी रहिवासीयो के लिए यह बहुत ही सुख का विषय है की ठाणे जिले के साथ साथ महाराष्ट्र के साथ साथ मिरा भाईंदर में विशेष हमारा विकास कार्य जो है मा. मुख्यमंत्रीजी के माध्यम से हो सकेगा उसी के साथ साथ उपमुख्यमंत्री मा. श्री. देवेंद्र फडणवीसजी का विशेष अभिनंदन करते हैं की उन्होंने भी जो है उपमुख्यमंत्री का पद जो इन्होंने स्विकारा है उसके लिए महाराष्ट्र की जनता आपको हमेशा याद रखेगी और अभी हमारी बडी बहन निलम ताईने कहाँ की एन.डी.ए. का घटक शिवसेना नही है तो यह में नही मानुंगा की ऑलरेडी जो है शिवसेना पक्ष जो है एकनाथ शिंदे साहब जो है हमारे शिवसेना के विशेष नेता है और हम शिवसेना पक्ष जो है अभी तक एन.डी.ए के घटक के रूप में मुख्यमंत्रीने शपथ लिया।

निलम ढवण :-

प्रतापजी आपको जितना बोलना है उतना आप बात करो जादा बात मत करो। में गटनेता के हिसाब से मेंने जो बात करना था वो वही है वो मेंने कर दी है आप मेरा रेफरन्स मत दो आपको जो बात करना है वो करो।

मा. महापौर :-

ठिक आहे विषयाला सुरुवात करा. कृपया सर्व सभागृहाला विनंती आहे विषयपत्रिकेवरती विषय भरपूर आहेत आणि हे विषय आपल्याला आजच्या मिटींगमध्ये संपवायचे आहेत. म्हणून कृपया आपण विषयावरती बोला.

नगरसचिव :-

प्रश्नोत्तराच्या तासाला आपण सुरुवात करतो. पहिला प्रश्न आहे श्री. अनिल सावंत यांचा प्रश्न क्र. 42. वेळ 11 वाजून 48 मिनिटे झाली आहेत.

अनिल सावंत :-

महापौर मॅडम प्रश्नोत्तराच्या तासाला सुरुवात होत आहे मला फक्त आयुक्त साहेब इथे आहेत टाऊन प्लानिंग डिपार्टमेंटला जरा बोलवून घ्या आणि 18 नोव्हेंबर 2021 पासून त्याला साधारण 9 महिने झालेत. 9 महिन्यांमध्ये शहरातील जवळ जवळ 26 गार्डन याची देखभाल मनपा करत होती. ती मनपाने देखभाल करणे बंद केलेले आहे आणि जी जागा विकासकाला दिलेली आहे. हे कशाच्या आधारावर त्यांनी दिलेली आहे त्याचा मला टाऊन प्लानिंग विभागाकडून खुलासा पाहिजे.

संभाजी पानपट्टे (मा. अति. आयुक्त) :-

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो विषय जरा वेगळा विचारला सर जो प्रश्न उत्तरामध्ये प्रश्न विचारलेला आहे त्याच्यामध्ये एकूण शहरात किती सार्वजनिक.....

अनिल सावंत :-

शहरातील गार्डन आहेत. म्हणून मी विचारले किती गार्डनची आपण देखभाल करतो. त्यामध्ये 26 गार्डनची देखभाल नोव्हेंबरपासून करत नाही त्याचे कारण काय. तेवढाच प्रश्न आहे.

संभाजी पानपट्टे (मा. अति. आयुक्त) :-

आजच्या प्रश्नोत्तरामध्ये तो विषय नव्हता म्हणून मी म्हणतो.

अनिल सावंत :-

तो गार्डनचाच विषय आहे तेवढे मला कारण सांगा. त्यात अडचण काय.

संभाजी पानपट्टे (मा. अति. आयुक्त) :-

जो तुमचा विषय आहे त्या प्रश्नाचे उत्तर आमच्याकडे आहे. आता अचानक तुम्ही प्रश्न विचारला त्याची माहिती उपलब्ध नाही.

अनिल सावंत :-

त्याची माहिती तोंडावर पाहिजे मिटींगमध्ये ते झालेले आहे असे काय करता नाहीतर मी माहिती सांगतो कशाच्या आधारावर केले आहे त्यांच्याकडे माहिती नसेल तर.

मा. महापौर :-

तुम्हाला माहिती आहे मग कशाला माहिती मागता.

अनिल सावंत :-

मला टाऊन प्लानिंग त्यांच्या तोंडातून माहिती पाहिजे.

मा. महापौर :-

बर ठिक आहे साहेबांच्या मुखातून त्यांना माहिती पाहिजे.

अनिल सावंत :-

थोडक्यात उत्तर द्या मला चालेल. ठाकुर साहेब प्रश्न असा आहे नोव्हेंबर 2021 पासून शहरातील 26 गार्डनची देखभाल दुरुस्ती करणे पालिकेने थांबविलेले आहे आणि ती जागा विकासकाला हँड ओव्हर केलेली आहे. त्याचे फक्त कारण सांगा.

हेमंत ठाकुर :-

साहेब याच्यामध्ये असे आहे की माझ्याकडे ही माहिती नाही परंतु आपल्या ज्या मागे मिटींग झालेल्या आहेत त्याच्यानुसार मला जी ज्ञात माहिती आहे त्यानुसार मी असे सांगतो की याच्यामध्ये आता यू.डी.सी.पी.आर जो आहे आपला हा 2 डिसेंबर 2020 पासून लागू झालेला आहे त्या यू.डी.सी.पी.आर मध्ये आता आर.जी. बदल अशी एक तरतूद आलेली आहे आपली की त्या आर.जी. ज्या आहेत त्या संबंधित ज्या सोसायटी आहेत त्या सोसायट्याला ते आपल्याला निहित करणे आवश्यक आहे. म्हणजे त्यांच्याकडे वर्ग करणे आवश्यक आहे आणि जर ते सोसायटी जर देखभाल करू शकली नाही तरच त्या महापालिकेने घ्यायचे आहे त्याबद्दल आपण त्यांच्याकडून मोबदला वसूल करायचा आहे.

अनिल सावंत :-

महापौर मॅडम ठाकुर साहेब त्यामध्ये डिसेंबर 2020 पासून शासनाचा एक नविन यू.डी.सी.पी.आर आला त्याला अधीन एकूण त्यांनी ह्या याच्यावर सोसायटीचा हक्क येतो तरी सुध्दा यांनी त्या जागा विकासकाला दिलेल्या आहेत.

हेमंत ठाकुर :-

ते सोसायटींना निहित केल्या आहेत त्या आपण विकासकाला नाही.

अनिल सावंत :-

मी सांगतो महापौर मॅडम आयुक्तांच्या अध्यक्षतेखाली 18 नोव्हेंबर 2021 ला एक मिटींग झाली पण आयुक्त साहेब त्या मिटींगला नव्हते. विजयकुमार म्हसाळ साहेब होते अतिरिक्त आयुक्त त्यांना आणि इतर सर्व एच.ओ.डी. होते. त्यामध्ये त्यांनी आता जो उल्लेख केला यू.डी.सी.पी.आर 2 डिसेंबर 2020 चा 3.4.2 (II) ह्या महापौर मॅडम हा फार महत्वाचा विषय आहे या तरतूदीनुसार महापालिकेने त्याच्यावर करोडो रुपये खर्च केले. लोकप्रतिनिधींनी आपले निधी वापरले मग ते आमदारासोबत, खासदारासोबत नगरसेवक असो असे शितल नगर, साईबाबा नगर, शांती नगर, शांती पार्क, नविन आर.जी. या मिटींग नंतर त्यांनी बिल्डरला देऊन टाकल्या. सोसायटीला दिलेल्या नाहीत. यू.डी.सी.पी.आर काय म्हणतो त्यांनी जो उल्लेख केलेला आहे पहिली गोष्ट शासनाचा कुठचाही जो

जी.आर. येतो तो पुर्वलक्षी त्याला आपण इम्प्लीमेंटेशन करू शकत नाही. त्या दिवसापासून तो इफेक्ट होतो. जी.आर. आला 2020 मध्ये आणि जे 25-30 वर्ष महापालिकेच्या ताब्यात असलेली गार्डन बिल्डरला देऊन टाकली जवळ जवळ 90 हजार स्क्वेअर मीटर विचार करा केवढी मोठी जागा आहे त्यांनी जो उल्लेख केला 2020 मध्ये त्याच थोडक्यात मी जो पॉईंट सांगितला 3.4.2 (II) त्याचा जो उल्लेख त्यांनी केला की त्या अनुषंगाने तो काय म्हणजे म्हणजे तिथे कॉमन पिपल आहेत जे तिथे राहतात. त्यांचीच मालकी त्या आर.जी. वर आहे. म्हणजे जर सोसायटी फम झाली नसेल तर जिथे सोसायटी फम झाली असेल तर ती जागा सोसायटीच्या मालकीची आहेत आणि ह्या 25-30 वर्ष झालेली आहेत ज्यांना ओ.सी. मिळालेल्या आहेत जे सोसायटीच्या पडेशनमध्ये त्या होत्या आणि महापालिका त्याची देखभाल करत होती.

मा. महापौर :-

नेमका तुमचा प्रश्न काय आहे.

अनिल सावंत :-

त्यांनी हँड ओव्हर बिल्डरला कसे केले जागा त्याच्यामुळे त्यांनी मॅडम माझा स्पष्ट आरोप आहे ह्या जागांमध्ये नगरसेवक निधी लागलेला होता मी सांगितले होते लोकप्रतिनिधींचा निधी लागलेला होता. यू.डी.सी.पी.आर चा चुकीचा त्यामध्ये इम्प्लीमेंटेशन याच्यात कुठेही म्हटलेले नाही ठाकुर साहेब सांगतात की आम्ही सोसायटींना दिलं सोसायटींना दिलेले नाही. बिल्डरची सिक्युरीटी तिथे बसलेली आहे. गार्डन मॅटेनन्स होत नाही. जे फुलासारखे आम्ही जे फुल झाडं लावलेली होती लहान मुलांसारखे गार्डन डेव्हलप केले होते त्या ठिकाणी आमचे स्विकृत नगरसेवक अजित पाटील त्यावेळी होते. अक्षरशः डम्पींग ग्राऊंड होते साईबाबा नगर, शांती नगरमध्ये त्याठिकाणी लोकप्रतिनिधी मागे लागुन लागुन स्वच्छ आणि सुंदर अशी गार्डन डेव्हलप केली आणि टाऊन प्लानिंग आणि महापालिकेने बिल्डरला फायदा पोहचवा म्हणून ह्या यू.डी.सी.पी.आर चा चुकीचा अर्थ लावून ती जागा बिल्डरच्या घशात घातलेली आहे. कारण त्या यू.डी.सी.पी.आर मध्ये नविन ज्यावेळी रिडेव्हलप करायची असेल तर त्या जागेचा मोबदला त्या जागेचा एफ.एस.आय त्या बिल्डरला मिळवला म्हणून हे सगळे उद्योग केलेले आहेत. त्यावेळी करोडो रुपयाचा भ्रष्टाचार झालेला आहे हा माझा स्पष्ट आरोप प्रशासनावर आहे. दुर्दैव लोकांचे दुर्दैव हा भ्रष्टाचाराचा आरोप झाला त्या गार्डनचा आज 9 महिने जवळ खंडरचे स्वरुप झालेले आहे. तिथे देखभाल केली जात नाही. पालिका तिथे काही गार्डनर नसतात काही नसतात. बिल्डर फक्त सिक्युरीटी तिथे देतो. तो सकाळी त्याच्या मनावर येईल तेव्हा उघडतो मनाला वाटेल तेव्हा बंद करतो. ज्या आर.जी. मध्ये महापालिकेने काही समाज मंदिरे बनविलेली त्या जागी आजूबाजूच्या ज्या महिला आहेत, बचत गट आहेत त्यांना स्वस्तामध्ये तिथे सांगा करता यावा. घरगुती व्यवसायाचे प्रशिक्षण देण्यात यावं ह्यासाठी मनपाने करोडो रुपये खर्च करुन तिथे लोकप्रतिनिधी मागे लागुन समाज मंदिर बनवली. पण आज मी समाज मंदिर सुध्दा पूर्ण बिल्डरच्या ताब्यात गेलेली आहेत आणि बिल्डर काय करतो त्याला एवढी भिख लागलेली आहे की ती समाज मंदिर भावाने अडीच ते तीन हाजर, 5 हजार रुपये भाडे घेऊन ती समाज मंदिर देतो. पालिकेची प्रॉपर्टी भाड बिल्डर घेतो आणि कुठच्याही प्रकारचे मॅटेनन्स नाही हा लोकांना होणारा जो त्रास आहे लोक गार्डनमध्ये जाऊ शकत नाही. गार्डनमध्ये संपूर्ण कचरा पडलेला असतो. बिल्डरने आपले बोर्ड लावलेले आहेत ठाकुर साहेब सांगत आहेत ते चुकीचे आहे. सोसायटीला दिलेले नाही. शितल नगरमध्ये बिल्डरने बोर्ड लावलेले आहे. सातबारा तिघांच्या नावावर आहेत. पजेशन देऊन टाकलं लोकांना विश्वासात घेतले नाही. मॅडम आपण लोकप्रतिनिधी आहोत लोकांनी आपल्याला निवडून दिलेले आहे. आज आपण एक प्रथम नागरिक आहात. हा विषय ह्या पूर्वी सुध्दा मी काढला होता अधिकारी येतील आणि जातील. शहराची बांधिलकी आपल्याशी आहे लोकप्रतिनिधींशी आज जी गार्डन त्यांना मिळत नाहीत तुम्ही सुध्दा तुमच्या केबीनमध्ये मिटींग झालेली होती मी स्वतः होतो तुम्ही आदेश दिलेत की त्यांची

देखभाल दुरुस्ती ओनरशीप कोणाचीही असू देत देखभाल दुरुस्ती पालिकेने करावी. परंतु अजून सुध्दा पालिका ते करत नाही.

मा. महापौर :-

ठिक आहे आपण प्रशासनाकडे याचे उत्तर खुलासा मागु. साहेब सांगा.

दिपीका अरोरा :-

महापौर मॅडम देखभालची सुरुवात करुन घ्या.

मा. महापौर :-

अन्य नगरसेवक जे मिरारोडचे आहेत त्यांचा पण हाच विषय आहे प्रशासनाने त्याच्यावरती खुलासा द्यावा. उत्तर द्यावं. मला असे वाटते सन्मा. सावंत साहेब आपले आणखीन पण प्रश्न आहेत जर ह्या सभागृहामध्ये आपले प्रश्न संपवले तर जास्त बर होईर कारण पुढच्या टर्मला नविन प्रश्न येतील.

दिपक खांबित :-

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो 2014 मध्ये शांती स्टार बिल्डर आणि युनिक शांती बिल्डर ह्या दोन्ही ज्या त्यांच्या आर.जी. आहेत ह्या महापालिकेला नोंदणीकृत करारनामा करुन हँड ओव्हर केल्या होत्या. त्यामुळे महापालिकेने जो 2019 ला आपला करारनामा रद्द झाला तेव्हा त्यांना हँड ओव्हर केल्या त्या सोसायट्या तिकडे तेव्हा झाल्याच नव्हत्या. तिकडे लहान लहान सोसायट्या आहेत आणि बिल्डरच्याच ताब्यामध्ये त्या आहेत.

अनिल सावंत :-

हे कोणी ठरवले? सोसायट्या झालेल्या नाहीत. सोसायट्या नाहीत खांबित साहेब तुमच्या माहितीसाठी सांगतो आयुक्त साहेब त्यावेळी नव्हते दुसरे आयुक्त होते. आर.जी. मोकळ्या जागांवर अतिक्रमण होते म्हणून राज्य शासनाने त्यावेळी जी.आर. काढला होता ज्या आर.जी. आहेत त्या ताब्यात घ्या आणि महापालिकेने त्या मॅटेन करायला घ्या हा जी.आर काढला होता. 2010 मध्ये तुमच्याकडे कॉपी नसेल तर कॉपी देतो आणि त्यावेळी आपण सर्व सोसायट्यांचे स्टॅम्प पेपरवर अंडरटेकींग घेतलेले आहेत की मनपाने मॅटेन कराव्यात. मनपाने खर्च करावा. सोसायट्या झालेल्या आहेत लोक तिथे टॅक्स देत आहेत, वृक्षकर देत आहेत. तिथले लोकप्रतिनिधीकडून देत आहेत. मग आपण का खर्च करू नये असे त्यावेळी बालाजी खतगावकर साहेब चिफ ऑफिसर होते त्यावेळी त्यांनी तो निर्णय घेतलेला होता आणि त्या अनुषंगाने ती गार्डन सगळी डेव्हलप झाली. स्वच्छ सुंदर गार्डन डेव्हलप झाले. चुकीची माहिती सभागृहाला देऊ नका.

मा. महापौर :-

ठिक आहे आयुक्त महोदय आपण ह्या विषयावरती बोलत आहेत का?

मा. आयुक्त :-

आमचे अतिरिक्त आयुक्त बोलतील त्यानंतर मी फायनल बोलतो.

संभाजी पानपट्टे (मा. अति. आयुक्त) :-

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो, शासनाने जो यू.डी.सी.पी.आर रुल काढला आहे त्यानुसार आपण ते त्याला हँड ओव्हर केलेले आहेत. ते आपल्याला रद्द करायचे असेल तर महासभेने निर्णय घ्यावा लागेल आपल्याला निर्णय घेतल्यानंतर पुढील कारवाई करता येईल.

अनिल सावंत :-

साहेब मी तुम्हाला मगाशी वाचून दाखवेल मी सांगितल ना त्यामध्ये बिल्डरला द्यायचं अस नाही आहे.

मा. आयुक्त :-

2010 ला जे शासनाकडून आपल्याकडे शासनाने आदेश केला त्यानुसार मनपाने अतिक्रमण होऊ नये म्हणून आर.जी. मॅटेन करावी असा करार झाला. त्यानंतर राज्य शासनाच्या जी.आर नुसार राज्य शासनाने पुन्हा एकदा जी.आर काढला आणि त्यात सांगितले की ज्यांच्या आर.जी. होत्या त्यांना त्यांनी त्या त्यांनीच मॅटेन कराव्यात. ज्या आर.जी. ज्या ज्या सोसायटीच्या आहेत त्यांनी त्या त्या सोसायटीने मॅटेन करणे अभिप्रेत आहेत ज्याला नोंदणीकृत करार हा 2014-15 ला आपण त्या वेळेस जे बिल्डर होते त्यांच्याकडून केलेला होता. त्यांच्या सोबतचा नोंदणी करार हा संपुष्टात आला किंवा रद्द करण्यात आलेला आहे अशा अनुषंगाने आपण काढल्यानंतर हा गार्डन मॅटेनन्स त्या त्या सोसायटीने करणे अपेक्षित आहे. ज्या ठिकाणी ग्रुप ऑफ सोसायटीच्या वतीने जर बिल्डर मॅटेन करत असेल तर त्या बिल्डरने करणे अपेक्षित आहे. जी.आर हा त्या सोसायटीचा भाग असतो. त्यामुळे तिथे राहणारे सोसायटी चेअरमन सदस्य आणि सेक्रेटरी ड्रेझरर जे असतील त्यांनी संबंधित आर.जी. हा सोसायटीचाच भाग आहे आता काही ठिकाणी जर बिल्डर मॅटेन करत असेल ग्रुप ऑफ सोसायटीमध्ये तर तो विषय सोसायटी आणि बिल्डरच्या मधला आहे. ज्या ठिकाणी डायरेक्ट सोसायटीने तो वर्ग करून घेतला आणि त्या सोसायटीने मॅटेन करणे अपेक्षित आहे आणि ज्या ठिकाणी ग्रुप ऑफ बिल्डींग आहेत किंवा मोठी गार्डन आहेत आणि तो बिल्डरच पूर्वी मॅटेन करत होता तर अशा केसमध्ये सोसायटीला सोयीचे असेल असं महापालिकेची सक्ती नाही की त्याच बिल्डरने करावे बिल्डरचा आणि आर.जी. चा तसा परत देण्याचा संबंधच येत नाही. ज्या ज्या ठिकाणी सोसायटीज आहेत सोसायटीच्या प्लानमध्ये आर.जी. आहेत म्हणजे याचा सरळ सरळ असा अर्थ आहे ज्या ठिकाणी बिल्डींग बांधली त्या ठिकाणच्या सोसायटीच्या मालकीची ती आर.जी. असते आणि रद्द करण्याचे कारण काय राज्य शासनाचा जी.आर आलेला आहे. राज्य शासनाने सांगितले की ज्यांची आर.जी. आहेत त्यांनी मॅटेन केली पाहिजे. महापालिकेने त्याच्यावर खर्च करू नये. राहिला प्रश्न तुमचा मालकी हक्काचा ज्या सोसायटींना गार्डनच्या मालकी हक्काबद्दल अडचण असेल आम्ही त्यांच्यावर करार करून त्यांना जागा दिलेली नाही. तो करार जो अगोदर केला होता तो रद्द केलेला आहे. ह्याच्याच अर्थ असा आहे ज्या सोसायटीची जागा असेल त्या सोसायटींना आपली गार्डन आणि आर.जी. मॅटेन करावी. हे तर त्याच्या घशात घालण्याचा मॅटेन करण्याचा प्रश्न उद्भवतच नाही.

दिपीका अरोरा :-

जो लेआऊट का जो लेआऊट का बिल्डर का जबाबदारी था गार्डन बनाके देना सोसायटीवालो को उस समय वह चला गया बडा नॉर्मलसा एक अॅग्रीमेंट करके पालिका के साथ की डेव्हलपमेंट मॅटेनन्स टू बी इन बाय द एम.बी.एम.सी. लाखो रुपये हमने उसके उपर खर्चा कर दिए गार्डन डेव्हलप कर दिए गए। बिल्डर के पैसे बचाए और फिर वापीस से डेव्हलप कि हुई चिज को हम उसको वापस भेट में दे रहे हैं ले भाई हमने डेव्हलप कर दिया यह थाली में सोने की थाली में आपको सजा के दे रहे हैं जो पैसा हमने लगाया है उसका हम लोगो को जो कॉमन मॅन को बेफिट जाना चाहिए था वो नहीं मिल रहा है।

मा. आयुक्त :-

मॅडम ह्याच अनुषंगाने मी आताच उल्लेख केला राज्य शासनाचा जसा जी.आर आलेला आहे त्याची अंमलबजावणी करणे महापालिकेचे प्रशासनाचे काम आहे. आपली याबाबत काय वेगळी भावना असतील महासभेने ठराव करावा. राज्य शासनाला आपल्या भावना कळविण्यांत येतील आणि त्या राज्यशासनाने पुर्नविचार करून जो त्याची आर.जी. मॅटेन कर असे महापालिकेला आदेश दिले तर ज्याची मनपा प्रशासन अंमलबजावणी करेल.

अनिल सावंत :-

महापौर मॅडम मला आयुक्तांना सर्व नॉलेज आहे आणि ह्या आयुक्तांबरोबर आम्हाला लपंडाव खेळायला मजा येते. पण मला दुर्दैव अस म्हणाव लागतं की डिपार्टमेंटने आणि इतर अधिकाऱ्यांनी

आयुक्तांची दिशाभूल केलेली आहे. याच्यामध्ये ओ.सी. ज्यावेळी तुम्ही बिल्डरला देता त्यावेळी ते आर.जी. सोसायटीला हँड ओव्हर करणे ही बिल्डरची जबाबदारी असते. तरच तुम्ही ओ.सी. देता. आज परिस्थिती अशी आहे शांती नगरमध्ये कुठचेही आरक्षण नाही आणि तरी सुध्दा नविन जो जी.आर आला आपण म्हणता आपले सोसायटी ते करून देईल ते ह्या यू.डी.सी.पी.आर चा ते उल्लेख करत आहेत तो 2020 चा आहे. त्याच्या अगोदरचा कुठचा जी.आर असेल तर मला दाखवा आणि ते तुम्ही महासभेच्या निदर्शनास का नाही आणले की असा जी.आर आलेला आहे आपल्याला करायचे आहे. आज प्रशासन अत्यंत चुकीची माहिती देत आहे. विकासकाचा शांती स्टारचा याच्यामध्ये काही देणेघेणे नाही तरी सुध्दा त्याच्या ताब्यामध्ये चाव्या दिलेल्या आहेत. गेटच्या त्याच्या सिक्युरिटी बंद करतात सिनिअर सिटीजनला पण जायला देत नाहीत ही वस्तुस्थिती आहे आणि प्रशासन त्याकडे परपजली डोळे झाक करत आहे असे मला दुर्दैवाने म्हणावे लागेल. त्याच ठिकाणचा मॅडम एक विषय होता आरक्षणाचा ह्या महासभेत सुध्दा विषय झाला त्यावेळी तुम्ही ही 2021 ला जी मिटींग झाली नोव्हेंबरमध्ये त्यावेळी आयुक्तांचे निर्देश आहेत आरक्षण क्र. 203 ही जागा मनपाच्या ताब्यात घेण्यासाठी नगररचना विभागाने आवश्यक ती कायदेशीर व प्रशासकीय प्रक्रिया पार पाडावी. काय प्रक्रिया पार पाडली हो? 203 आरक्षण ताब्यात घेण्यासाठी काय प्रक्रिया पार पाडली. ऑक्टोबर 2020 पासून अजून तिथे पत्रे लागलेले आहेत. महापौरांच्या केबीनमध्ये मिटींग झाली त्यावेळी निर्देश दिले आयुक्तांच्या अध्यक्षतेखाली तुमची मिटींग होते त्याच्यामध्ये निर्देश दिले जातात आणि तुम्ही फक्त ए.सी. केबीनमध्ये बसून खुर्च्या गरम करता.

मा. महापौर :-

तुम्ही कोणाला बोलता.

अनिल सावंत :-

टाऊन प्लानिंगला. आयुक्तांनी आदेश दिलेले आहेत मग तुम्ही काय करता? त्याच्यावर काय केल आणि त्या ठिकाणी आयुक्तांनी सांगितले आहे महापौर मॅडम त्या सभेमध्ये पण एक निर्णय झाला मे. शांती स्टार बिल्डर, युनिक शांती बिल्डर डेव्हलपर्सकडून अनुक्रमे शांती नगर व शांती पार्क मधील आर.जी. जागेवर सन 2014 पासून करण्यात आलेल्या खर्चाबाबत तपशील उपलब्ध करून घेऊन उद्यान विभागाने आयुक्त मिरा भाईंदर महापालिका यांची स्वतंत्र मान्यता घेऊन सदर खर्च वसूल करावा. किती खर्च वसूल केला?

मा. महापौर :-

सावंत साहेब तुमचा प्रश्न खरोखर महत्वाचा आहे. तुम्हाला अस वाटते तुमच्या एकट्याचा नाही तर संपूर्ण.....

अनिल सावंत :-

मॅडम हा जो मुद्दा आहे आयुक्तांनी महापौरांनी गाईड लाईन दिल्यास त्याला मान्यता देत नाहीत आयुक्तांनी गाईड लाईन दिलेली.....

मा. महापौर :-

ह्या विषयावरती काहीतरी खुलासा आणि योग्य तो निर्णय आपण निर्णय घेतला पाहिजे.

अनिल सावंत :-

माझा स्पष्ट आरोप आहे प्रशासनाने करोडो रुपयाचा भ्रष्टाचार करून ह्या जागा विकासकाच्या ताब्यात दिलेल्या आहेत.

मा. महापौर :-

ह्या सभागृहामध्ये आपण ठरवू शकतो ना.

चंद्रकांत वैती :-

मा. महापौर मॅडम आणि सभागृहातील सन्मा. सदस्य, आयुक्त साहेब शांती स्टार बिल्डर हा 1985-86 च्या दरम्यानमध्ये विकर्स सेक्शनच्या नावाखाली एक मोठी वसाहत बनविण्यासाठी एक प्लान पास केला गेला. त्यांच्यासाठी त्यांनी स्वतंत्र पाण्याची व्यवस्था देखील केली. एम.आय.डी.सी. कडून 5 एम.एल.डी. पाण्याची मान्यता मिळवली. पैकी 1.5 एम.एल.डी. पाणी ते देत होते. शांती स्टार परिसराचं प्रतिनिधीत्व मी केले आहे आणि 4 वेळा केलेलं आहे आणि ह्या वेळेला शांती नगरमध्ये कुठचीही व्यवस्था करण शांती स्टारचे रस्ते त्याचे मेन्टेनन्स शांती स्टार बिल्डर करत होता. मैदानाची व्यवस्था शांती स्टार बिल्डर करत होता आणि स्ट्रीट लाईट देखील शांती स्टार बिल्डरच्या माध्यमातूनच तिथे बिल भरले जात होते त्याचा सर्व मेन्टेनन्स 14 रुपये 75 पैसे पर स्क्वेअर फिट शांती स्टार बिल्डर वसूल करत होता. त्या वेळेला त्या शांती नगरमध्ये कोणाला नविन टी.व्ही जरी आणायचा असेल किंवा आपला फ्रीज दुरुस्तीला न्यायचा असेल किंवा कुठच मटेरीयल देखील टाकायच असेल तर त्यांच्या ऑफिसमधून गेट पास घेतला जायचा अशी परिस्थिती मी प्रतिनिधीत्व करत असताना 2002 साली शांती स्टारची योजना मिरा भाईंदर महापालिकेला हॅंड ओव्हर करावी असा प्रस्ताव तयार केला आणि मिरा भाईंदर महापालिकेने पहिल्यांदा त्यांच्याकडची पाण्याची योजना आपल्याकडे हॅंड ओव्हर केली त्यांचे 1.5 एम.एल.डी. पाण्याच्या ऐवजी आपण त्याला 5 एम.एल.डी. पाणी शांती नगरला द्यायला लागलो. पण आपण रस्ते हॅंड ओव्हर करून घेतले, स्ट्रीट लाईन हॅंड ओव्हर करून घेतली त्या वेळेला तिथे शांती नगरमध्ये राहणाऱ्या सर्व सोसायट्यांचे रजिस्ट्रेशन झाले होते. ओ.सी. घेतलेल्या होत्या. फक्त गटार साफ करायचे काम आपण करतो. आज रस्ते दुरुस्ती आणि सगळ्या गोष्टी करायला लागलो. हे करत असताना जी गार्डन होती त्या गार्डनचे मेन्टेनन्स मिरा भाईंदर महापालिकेने करावं असे प्रयत्न मी केला. तत्कालीन त्यावेळेला वॉर्ड ऑफिसर अजित पाटील साहेब आज ह्या सभागृहाचे प्रतिवेदन करत आहेत ते वॉर्ड ऑफिसर होते आम्ही अक्षरशः त्या बिल्डरशी भांडण करून शांती नगरच्या रहिवाशांना काही गार्डन उपलब्ध करून दिली आणि याच्यावरती करोडो रुपयांचा निधी मनपाने खर्च केलेला आहे. मग तो सेक्टर 2 मध्ये असेल, सेक्टर 4 मध्ये असेल, सेक्टर 9,8 मध्ये, 7 मध्ये सेक्टर 3 मध्ये ह्या प्रत्येक ठिकाणी मनपाने आपला निधी तिथे खर्च केला त्या लोकांसाठी सगळ काही केलं. बिल्डरला हा प्लान पास करून दिला त्यावेळेला त्याच्यामध्ये अपेक्षित असल्याप्रमाणे एक फायर स्टेशनची रिझर्व्हेशन त्यांनी म्हणजे एवढी वर्ष सगळ आपण सांभाळलं आपण केल मग आपल्याकडून मुळातून हे हक्क सोडले कोणी. सेक्टर 9 मध्ये अनिल सावंत नगरसेवक प्रतिनिधीत्व करत असताना त्यांनी तिथे एक समाज मंदिर बांधलं होतं आणि जागेचा उतारा मनपाच्या नावावर होता हा उतारा जेव्हा फिरतो त्याचा मालक बदलतो तेव्हा स्थानिक स्वराज्य संस्था काहीच करू शकत नाही दिप्तीने ज्या वेळेला सेक्टर 2 चे प्रतिनिधीत्व करत असताना तिच्याकडून देखील तिचा नगरसेवक निधी ज्या गार्डनला लागला आहे ते गार्डन आपल्या ताब्यात राहत नाही याचे एवढे दुर्दैव काय. हा तर अगदी उघडपणे सर्वासमक्ष हा मनपाच्या प्रॉपर्टीवरती आणि जनतेच्या प्रॉपर्टीवरती घातलेला घाला आहे. याची पूर्ण चौकशी झाली पाहिजे काय व्हायचं ते होवो मी तर असे म्हणजे याची पोलिस चौकशी देखील झाली पाहिजे. सी.आय.डी. चौकशी देखील झाली पाहिजे अशी माझी इच्छा आहे.

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम खरतर त्या संकुलाचे भाव वाढले त्याचे महत्व वाढले. आयुक्त महोदय आपण मान्य करुया जागा आपली नाही नविन यू.डी.सी.पी.आर तुम्हाला ती जागा सोसायटीच्या ताब्यात गेली पाहिजे परत किंवा त्या सोसायटीने ज्या सोसायटीची जी जागा आहे बिल्डराने त्यांना दिली पाहिजे त्यांनी त्याची देखरेख डागडूजी लागणारी त्याची सोईसुविधा त्या सोसायटींनी केली पाहिजे असे स्पष्ट उल्लेख ह्या तुमच्या नविन यू.डी.सी.पी.आर मध्ये आहे. याच्यात टेक्नीकल वाद नाही. मुद्दा असा आहे याच्या आधी जेव्हा साहेब आपले नगररचना डिपार्टमेंट जेव्हा त्यांना ओ.सी. एक सिंगल लेटाऊटला

ओ.सी. जेव्हा तुम्ही देता ठाकुर साहेब कोणी असेल जेव्हा जो तत्कालीन तुमचा नगररचनाकार असेल त्यांनी दिलं असेल. ओ.सी. देताना आर.जी. ही त्याच्यातला एक मुद्दा आहे आर.जी. ला बाजूला काढून तुम्ही नविन ओ.सी. देऊ शकत नाही. त्याला शांती नगर वाल्याने दिलेला लेआऊट एकत्रित केलेला लेआऊट त्याच्यामध्ये 95 हजार स्क्वेअर मीटर आर.जी. आहे. ती आर.जी. तो जागा बदलू शकतो मात्र त्याला तो 95 हजारची चौरस मीटरची आर.जी. त्याला दाखवायची आहे. दर्शवायची आहे आणि ती कायम ठेवायची आहे. कारण तेवढा बांधकाम त्याने केलेल आहे. त्या सिंगल लेटाऊटची आर.जी. ती सोसायटीच्या हक्क आहे आयुक्त महोदय आज त्या आर.जी. वरती विकासक आपला ताबा करून बसलेला आहे. त्यांनी त्या असलेल्या आर.जी. ला कुलूप लावले आहे. त्यांनी स्वतःची सिक्क्युरीटी ठेवलेली आहे. तिथल्या स्थानिक लोकांना ते वापरू देत नाही हे अतिक्रमण नाही का महापौर मॅडम. सातत्याने नगरसेवकांनी, लोकप्रतिनिधींनी ह्या विषयावर तक्रारी केलेल्या आहेत. सभागृहामध्ये ह्या विषयावर चर्चा झालेली आहे. शांती नगर, शितल नगर, शांती पार्क ह्या परिसरातले नगरसेवक लोकप्रतिनिधी इथे उपस्थित आहेत.

मर्लिन डिसा :-

साईबाबा नगर पण.

जुबेर इनामदार :-

साईबाबा नगर जितके काही पुरे मिरा भाईंदर शहरातील लोकप्रतिनिधी उपस्थित आहेत हा मुद्दा काय फक्त एका कुठल्या परिसराचा एका नगरसेवकाचा एका वॉर्डाचा नाही. तुमच्या ताब्यात आलेली शांती नगर कुठल्याही विकासकाने सोडलेली आर.जी. तो परत आपल्या स्वतःसाठी घेऊ शकतो का त्याच्या घशात घालायची आहे का आपल्याला? शांती नगरचा विषय साहेब, आयुक्त महोदय 2015 मध्ये केलेला करारनामा डागडूजीसाठी दिलेली त्याने करारनामा केलेला 2019 मध्ये त्याने तो रद्द केला एक बाजूने तो आता आपण 2022 मध्ये पालिकेने त्याला करून दिला का 203 नंबरचे आरक्षण तो आपल्या ताब्यात देणार होता. एकमेव आरक्षण आहे. शांती नगर संकुलामध्ये एकमेव आरक्षण ते आरक्षण आम्ही आजपर्यंत ताब्यात घेऊ शकलो नाही. त्याच्यामध्ये असलेली तांत्रिक अडचण ही का पालिका दुर करत नाही? आम्ही का पुढाकार घेतला पूढे करायचा. ती एक महत्वाची बाब याच्यामध्ये आहे. आज हे लोकप्रतिनिधी बोलतात त्याला कारण आहे ना. लोकांना उत्तर कोण देणार आहे की आमची आर.जी. तुम्ही बंद करून टाकली तुम्ही विकासकाकडे हात मिळवणूक केली असेल अशाप्रकारे आरोप होतात. कोणाला उत्तर द्यायचे आम्ही कस द्यायचं महापौर मॅडम ह्या विषयावर खरतर तुम्हाला प्रशासनाकडून स्पष्टीकरण घेऊन यावर निर्णय घेतला पाहिजे ही माझी तुम्हाला विनंती आहे.

दिप्ती भट :-

मॅडम बोलायला दिल्याबद्दल धन्यवाद मॅडम. आपण नोव्हेंबर पर्यंत मला वाटतं नोव्हेंबरमध्ये आपण महापौरांच्या अध्यक्षतेखाली आयुक्तांना घेऊन जी मिटींग घेतली त्याच्यामध्ये सगळ्या चर्चा झाल्या तेव्हा आपण असे सांगितले की, 2010 च्या आर.जी. च्या अनुषंगाने आपण ह्या घेतल्या. पण त्याच्यामध्ये असा कुठला उल्लेख नव्हता कारण आम्ही सगळ्यांनी नगरसेवक निधी वापरलेला आहे. तेव्हा हा विषय असा होता की ते आता सांभाळायचे नाही असा जी.आर आला आहे. राज्य शासनाकडून आपण पत्रव्यवहार करणार होतो की ती कुठली तारीख आपण घेतलेली आहे आतपासून बंद करायची आहे की घेतलेली आहे ती ठेवायची आहे ते डिसीजन आपण घेणार होतो. आपण नगररचना विभागाला पत्रव्यवहार करायला सांगितले की 4-5 दिवसामध्ये आम्ही आपल्याला उत्तर देऊ आम्ही वारंवार पत्रव्यवहार करतो. म्हणजे प्रश्नचिन्ह हे आहे की किती तारीख पर्यंतचे घ्यायचे होते किती द्यायचे होते. पण राज्य शासनाकडे काही पत्रव्यवहार झालेला आहे की नाही ते अजून आम्हाला माहित नाही.

नगरसचिव :-

वेळ संपलेली आहे.

अनिल सावंत :-

माझी आपणाला विनंती आहे मला वेळ वाढवून मिळावी.

मा. महापौर :-

ठिक आहे आपण ह्या विषयावर वेळ वाढवू. पण पुढच्या विषयावरती कमी करू.

अनिल सावंत :-

महापौर मॅडम माझी आपणाला विनंती आहे वैती साहेबांनी सांगितल्याप्रमाणे ह्या संपूर्ण प्रकारची सी.आय.डी. चौकशी लावण्यासाठी तुम्ही राज्य शासनाकडे पाठपूरावा करावा. तुमच्यायाला वेटेज आहे आम्ही करूच तुम्ही करा आणि आपण 26 करोडचा ठेका गार्डन मॅटेनन्सचा 2 वर्षासाठी दिलेला आहे. त्याच्यामध्ये त्या ठेकेदारालाही गार्डन मॅटेन करायला लावा. ओनरशीपचा वाद मिटेल ना मिटेल तो तेव्हा मिटून जाईल त्याला मॅटेन करायला लावा ही माझी आपणाला कळकळीची विनंती आहे आणि तोपर्यंत त्या विकासकाच्या सर्व ज्या परवानग्या दिलेल्या आहेत त्या रोखून धरा.

मर्लिन डिसा :-

महापौर मॅडम डिसेंबर 2021 मध्ये ह्या नोटिस दिल्या सोसायटीना नोटिस दिल्या नव्हत्या मी जेव्हा त्या विभागात जाऊन विचारलं तर त्यांना माहित पण नव्हतं की कुठल्या सोसायटी येतात त्या आर.जी. अंडर आणि आम्हाला जे लोकप्रतिनिधी आम्ही लोकप्रतिनिधी आहोत आम्हाला सांगितले नाही एक सोसायटीमध्ये युनिटी नसते तर तुम्ही जरा विचार करा एवढ्या सोसायटी एकत्र मिळून कस काय मॅनेज करणार. त्यांनी काय स्पेशल ट्रेनिंग घेतलेली आहे. त्यांना काय नॉलेज आहे. गार्डन मॅटेनन्सच हॉर्टीकल्चरीस्ट तिथे आहेत का आम्ही एवढा पैसा खर्च करून पालिकेने पब्लीकचा टॅक्सचा पैसा वापरलेला आहे आणि हे गार्डन बनविलेले आहेत. पण आता त्यांना लावारीस सोडून दिलं ते झाड मरतात की जिवंत असतात ते कोणी बघितले नाही त्यांना पाणी कोण देणार. लोकांना कोणाला सांगायचं एकत्रित कसं करायचं. हे एकदम बेरहेम एकदम म्हणजे विदाऊट ऐनी ह्युमन कन्सन फॉर लाईफ त्यांनी एकदम बंद करून टाकले आहे धिस इज नॉट इन पब्लीकचा पैसा वापरलेला आहे आणि ते प्लिज चांगल्याप्रमाणे तुम्ही मेन्टेन करा आणि हे अगोदर 2010 मध्ये आम्ही केलेले आहे साहेब आम्ही नगरसेवक 2007 मध्ये इनाॅगरेट केलेले आहे. तर आता तुम्ही कसं ते झालेलं काम परत तुम्ही बॅकवर्ड जातात ते आय डॉट थिंग्स इज राईट, प्लिज थॅक्यु.

गिता जैन :-

महापौर मॅडम मला जास्त काय बोलायचे नाही. आता हे जे झालं आहे आपण एक सेन्टेन्स ठाकुर साहेबांनी जे सांगितले की हे परत सोसायटीला देणे गरजेचे होते. जे आपण केलेले नाही कोणाचीही चुक असु देत त्यात जायचे नाही. पण मला असे वाटते की ज्या ज्या बिल्डरने तिथे लॉक केलं आहे किंवा लोकांना तिथे जाऊ देत नाही त्यांना कार्पोरेशनने नोटीस देऊन ते पब्लिकसाठी खुलं कराव आणि आपला पत्रव्यवहार असा असावा की आतापर्यंत आम्ही सांभाळलेली वास्तु हे पर्यावरणाचेही नुकसान आहे तर आपण तस काय स्पेशल कंसिडरेशन मधुन असे आपण काही सांगु शकतात काय. आपण आतापर्यंत मी खर्च केलेली आम्ही सांभाळलेली वास्तु आमचे लोकप्रतिनिधींनी खर्च केलेली वास्तु हे परत जर आम्ही सांभाळली देखभाल दुरुस्तीसाठी आम्ही घेतली तर त्यासाठी आपण शासनाकडून निर्देश मागा आणि तिथुन पॉझिटीव्ह आन्सर आल्यावर मला अस वाटते की पहिला जस सुरळीत चालत होतं तसेच चालवा सगळ्यात पहिले हे करायचे की ज्या ज्या बिल्डरने त्याला लॉक केले आहे त्याला ओपन करून पब्लिकसाठी ओपन करायची जबाबदारी पण आपण घ्या कारण जबाबदारी आपली होती. आपण बिल्डरला द्यायचं नव्हतं. ठाकुर साहेबांनी आताच सांगितलं सोसायटीला द्यायचं होतं तर त्या सोसायटीसाठी ते ओपन करायचं त्या त्या बिल्डरला कम्पलशन करा.

शफीक खान :-

मी सेक्टर 4 चा नगरसेवक होतो. आम्ही पण त्या सेक्टर 4 मध्ये मोठे मैदान बांधले. स्व. राजीव गांधी मैदान म्हणून आम्ही नाव ठेवलेलं त्यामध्ये आमची निधी वापरली आणि माझे एवढे म्हणणे आहे की, अजूनपर्यंत आम्ही ते सांभाळून ठेवलेली आहे त्या सगळ्या मोकळ्या जागा अतिक्रमण होऊच दिले नाही आणि आतच शेवटी कशाला बिल्डरच्या ताब्यात पाहिजे मला पण तक्रारी आली मी पण तिकडे नगरसेवक होतो. ते बिल्डर जायला देत नाही आणि आमचा जो स्व. राजीव गांधीचा नावाचा बोर्ड होता तो काढून टाकलेला आहे. तिकडे तो बोर्ड लावा माझी विनंती आहे महापौर मॅडम आपण आदेश द्यावा तिथे स्व. राजीव गांधी बोर्ड लावण्यात यावे आणि बिल्डरकडे जो ताबा आहे तो त्याच्याकडून घेण्यात यावा ही माझी विनंती आहे.

दिनेश जैन :-

महापौर मॅडम विषय असा आहे की आपल्या अध्यक्षतेखाली मिटींग लावलेली होती. 2-3 वेळेस झाली त्याच्यामध्ये असे ठरले होते की 2014 मध्ये आपण करारनामा करून देखभाल दुरुस्ती करीता हॅंड ओव्हर घेतला होता. त्याच्यानंतर 2019 ला राज्य शासनाचा काही आदेश आला होता की जेवढे आर.जी. आहेत तेवढे तुम्ही मिरा भाईंदर महापालिका त्याच्यावरती खर्च करू शकत नाही. तर आम्ही सांगितले होते याच्यामध्ये मार्ग काढून आपण आपल्याकडे ठेऊ शकतो. कस काय करू शकतो ते करा. आम्ही सर्व नगरसेवकांनी सांगितले होते की आपली महापालिका त्याच्यावर खर्च करू शकते की नाही ते तुम्ही बघा. याच्यात मॅडम ह्या सभागृहामध्ये ह्या सर्व नगरसेवकांनी त्यांची जी भावना आहे ते सर्व बोलतात. परंतु याच्यामध्ये ह्या सभागृहाच्या बाहेर राजकारण चालले आहे. आम्ही सर्व प्रतिनिधींनी सांगितले होते की शक्य असेल तर राज्य शासनाला विनंती करा की आम्हाला जेवढे गार्डन डेव्हलप केलेले आहेत तेवढा मॅटेनन्स करायला आम्हाला परवानगी द्या. आपल्याला माहित नसेल की आज वन विभागाने जो खर्च केलेला आहे त्यांचे बील निघालेले नाही त्या ऑर्डरमुळे ह्या ऑर्डरमुळे त्यांचे बिल निघालेले नाही आणि नंतर ती आम्ही सर्व जनप्रतिनिधींनी सांगितले की महापालिकेने तेव्हा आपल्या राज्य शासनाकडून काय परत नविन ऑर्डर आणून काहीतरी करा परंतु ते आपण 2020-21 ला आपण तो करारनामा केलेला होता की, बिल्डरसोबत आपण कॅन्सल केला. आर.जी. चा आता आर.जी. आपण बिल्डरच्याकडून घेतली होती तेव्हा ती कॅन्सल केला. पण आता आपल्याला सोसायटीला जे द्यायची असेल तर मी टेक्निकल विचारतो आपण डायरेक्ट देऊ शकतो का? त्या सोसायटीला आपण टेक्निकली काही देऊ शकतो. टेक्निकली मी बोलतो. म्हणून आपल्याला इतर महापालिकेला मॅटेनन्स करायला लागेल. काय आहे की आमच्यावर शांती नगर सेक्टरमध्ये एक सेक्टरमध्ये कमीत कमी 25 ते 30-40 सोसायटीमध्ये एक गार्डन असतात कॉमन गार्डन असल्यामुळे मॅडम ते गार्डन सर्वांना युज आहे आणि सर्व सोसायटी ते गार्डन मॅटेन करू शकत नाही. एक सोसायटीचे गार्डन असते तरी सोसायटी ते मॅटेन करत नाही. मग एवढी सोसायटी असेल तर केवढी भानगड होईल आणि मला एक प्रश्न विचारायचा आहे बाहेर जे लोकांना भडकवतात की तुमची आर.जी. आहे त्याच्यावरती तुम्हाला तुमची आर.जी. गेली आणि त्याला बांधकामाची परवानगी द्या. मी नगररचनेला विचारले की ज्या आर.जी. मध्ये तुम्हाला रिडेव्हलपमेंटमध्ये गेलं तर तुम्ही आर.जी. मध्ये परत परमिशन देऊ शकतात का आर.जी. 15 टक्के मध्ये? महापौर मॅडम बाहेर जे राजकारण चालले आहे पहिला ते थांबवा. इकडे हाच प्रश्न होता आणि तुम्ही वेगळ मत बाहेर काढता. आमचा वॉर्ड आहे आम्हाला तिकडे बदनाम करण्यात येते आम्ही तेव्हा सांगितले होते की आर.जी. मनपाने खर्च करावा. आपण कॅन्सल केली आम्ही कॅन्सल करायला नाही सांगितले. आम्ही रोज गार्डनमध्ये सकाळी आणि संध्याकाळी फिरतो. आम्ही लोकांसमोर फिरतो. आपल्या जवळच्या लोकांना आमच्या वॉर्डमध्ये जवळच्या गार्डनमध्ये महापालिका त्यांना बिल्डर कसे ते गार्डन चालू असतात फक्त त्याला साफसफाई करत नाही तर तुम्ही परत घ्या मी तर तेच बोलतो. आपल्या महापालिकेने मॅटेन करायला

पाहिजे. परंतु तिकडच्या नगरसेवकांना बदनाम करायचं की ते बरोबर होत नाही म्हणजे आम्ही आवाज उठवत नाही?

मा. महापौर :-

ठिक आहे आपले म्हणणे कळलेले आहे.

अनिल सावंत :-

महापौर मॅडम, मला वाटतं हा प्रश्न.....

मा. महापौर :-

तुमचा तास संपलेला आहे. तुमचा विषययाचा तास संपलेला आहे.

अनिल सावंत :-

त्याच्यावर तुम्ही रुलिंग तर द्या.

मा. महापौर :-

देणार ना. इतर नगरसेवकांना ह्या विषयावर बोलून द्या.

सुरेश खंडेलवाल :-

महापौर मॅडम सर्व सदस्यांचे एकच म्हणणे आहे की जे गार्डन आहेत सर्वांनी आपआपले विषय मांडले आपआपल्या हिशोबाने सर्वांनी प्रशासनाला कन्व्हेंस करण्याचा प्रयत्न केला की आपल्याला ते गार्डन लोकांसाठी आणि लोकांच्या हितासाठी आपल्याला ते मॅटेन करावे उघडे आहे. बिल्डरकडून घ्यावे. त्या विषयावर मी जात नाही फक्त मी आयुक्त महोदय आणि ठाकुर साहेबांना एक विनंती करणार आहे सर्वांच्या वतीने की 2010 मध्ये सरकारने जी.आर काढला 2020 मध्ये यू.डी.सी.पी.आर मध्ये नविन डायरेक्शन झाले. काही विषय जे असतात ते कन्फ्युजींग असतात. म्हणजे त्याच्यामध्ये आपल्याला हे मागचे पण बंद करायचे आहे की पुढचे पण बंद करायचे आहे. त्याच्यामध्ये काहीतरी कन्फ्युजींगचे विषय असतात महापौर मॅडम त्याला प्रशासन डायरेक्शनसाठी पर युडी डिपार्टमेंटला पाठवतात की याच्यामध्ये आपण जे डायरेक्शन दिलेले आहेत त्यामध्ये आपल्याला मागचे जे गार्डन आहेत ते सर्व आपल्याला आता घेणार तर लॉयन ऑर्डरचा विषय निर्माण होऊ शकतो. लोकांना त्याचा खूप त्रास सहन करावा लागेल. तर तुम्ही एकदा परत युडी डिपार्टमेंटला पाठवायला पाहिजे होता. त्याच्यामध्ये त्यांची एक धारणा तुम्हाला विचारायला पाहिजे होती आणि तेव्हा तुम्ही जर हँड ओव्हर केलं असत सर कारण की बरेचशे विषय असे असतात गिलास आधा खाली और आधा भरा है आपण आपल्या हिशोबाने त्याचा अर्थ लावतो की आपल्याला कुठचे काय करायचे आहे आणि मी तुम्हाला एक अशी माहिती देतो सर की मिरा भाईंदरमध्ये 26 नाही असे भरपूर गार्डन आहेत जे आपण आर.जी. च्या हिशोबाने आजही ते आपण मॅटेन करत आहोत. तुम्हाला पाहिजे तर त्याची यादी मी देऊ शकतो. सर काय माहिती आहे महापौर मॅडम माझी एकच विनंती आहे साहेबांना की आपण युडी मधुन याचे डायरेक्शन स्पष्टप्रमाणे मागवून घ्या. याचा अर्थ वेगळा काहीतरी लावून आपण लोकांना त्याचा फार त्रास सहन करावा लागतो. तेवढीच माझी विनंती आहे.

मा. महापौर :-

सन्मा. सदस्य खंडेलवाल साहेब यांनी सांगितल्याप्रमाणे.....

अनिल सावंत :-

जे प्रशासनाने बोलायला पाहिजे ते नगरसेवक बोलत आहेत. मॅडम दोन विषय आहेत तुम्ही त्या हिशोबाने डायरेक्शन द्या एकतर भ्रष्टाचार आणि दुसरं मॅटेनन्स ह्या दोन्ही विषयावर तुम्ही रुलिंग द्या. आमदार मॅडम बोलल्या की कुठली चुक झाली असेल आपण त्याला तस अजिबात नाही तुम्ही सांगा भ्रष्टाचार झालेला आहे त्याची चौकशी करा. सी.आय.डी. चौकशी करा.

मा. महापौर :-

मी का सांगणार भ्रष्टाचार झालेला आहे.

जुबेर इनामदार :-

ई.डी. चौकशी लावा.

मा. महापौर :-

ती माझ्या हातात आहे का?

अनिल सावंत :-

तुम्ही राज्य शासनाला कळवू शकता. विषयाचे गांभिर्य लक्षात घ्या. आर.जी. मध्ये परमिशन देत नाही ठाकुर साहेब तिथे बसून बोलत आहेत. शांतीनगर सेक्टर 8 च्या आर.जी. मध्ये कमर्शियलसाठी परमिशन दिलेले आहे पंप हाऊस पंप हाऊसची जागा.

मा. महापौर :-

सन्मा. सर्व सदस्यांनी बसून घ्या.

दिपीका अरोरा :-

मॅडम विषयपटलावर आणा आणि त्याच्यावर निर्णय महासभेसमोर ठेवा.

मा. महापौर :-

यासाठी सर्वांनी आपल्या भावना या ठिकाणी व्यक्त केल्या सर्व सन्मा. नगरसेवकांनी आर.जी च्या जागा ज्या आहेत ज्या बिल्डरने सोसायटीसाठी सोडलेल्या आहेत तर त्या आर.जी च्या जागेवरती त्या तिथल्या सोसायटीचा आर.जी च्या जागा ज्या सोडलेल्या आहेत त्या जागावरती सोसायटीचा अधिकार असायला हवा. पण जर वेगळे नियम सांगून ह्या ठिकाणी त्या जागा बिल्डरच्या ताब्यात जर दिल्या असतील आणि नागरिकांना बंदी घातली असेल त्याठिकाणी तेव्हा त्या सुविधा नागरिकांना मिळत नसतील तर त्या आर.जी. च्या जागेचा काही उपयोग नाही असे मला सुध्दा वाटते. म्हणून ह्याबाबत प्रशासनाने सदरची जागा एकतर त्या सोसायटीला वापरण्यास मज्जाव करू नये आणि याबाबत शासनाने जे काही आपल्याला गाईड लाईन पाहिजे असतील तर त्या आपण मागवून घ्याव्यात तोपर्यंत सोसायटीला त्या जागा वापरण्यासाठी परवानगी द्यावी असे ह्या ठिकाणी मी आपल्याला आदेश करत आहे.

अनिल सावंत :-

महापौर मॅडम सोसायटी वापरत आहेत परंतु ते मॅटेन कोण करणार? मॅटेन कोण करणार हा महत्वाचा मुद्दा आहे.

मा. महापौर :-

सदरच्या जागा ह्या मॅटेनन्स आपल्या महापालिकेनेच कराव्यात. सर्व सन्मा. सदस्यांना कळविण्यांत येते की ज्या ज्या नगरसेवकांच्या वॉर्डमध्ये आर.जी च्या जागा आहेत त्या संदर्भामध्ये संबंधित विभागाचे अधिकारी सन्मा. पदाधिकारी, गटनेते यांच्या उपस्थितीमध्ये पुन्हा एकदा बैठक आपण आयोजित करत आहोत. लवकरच ती बैठक आपण घेणार आहोत आणि त्याविषयी आपली काय मत आहेत ती आपण तिथे मांडावीत लिहून आणावीत आणि यावरती योग्य तो निर्णय घेऊन आपण शासनाकडे त्याबाबत पत्रव्यवहार सुध्दा करू.

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम विषयपत्रिकेवरचे विषय सुरु होण्याच्या अगोदर एक ज्वलंत विषयावर माझा हरकतीचा मुद्दा आहे. आम्हाला बोलण्याची संधी देण्यात यावी. काल झालेल्या ह्या शहरामध्ये दुर्दैवी घटना म्हणजे असलेल्या लोकप्रतिनिधीसोबत ह्याच पालिकेच्या विश्वस्तांच्यासोबत झालेली ही घटना आहे त्या विषयावर मला इथे माझा आक्षेप नोंदवायचा आहे म्हणून मला त्याची संधी देण्यांत यावी. आणि आता देण्यात यावी कारण विषयपत्रिकेवर विषय सुरु झाल्यानंतर चर्चा होणार आहे त्यावर.

मा. महापौर :-

आपल्याला संधी दिली जाईल. लंच टाईम असेल त्या आधी संधी दिली जाईल. विषयाला सुरुवात करा.

जुबेर इनामदार :-

ठिक आहे.

नगरसचिव :-

आजच्या महासभेसाठी लक्षवेधी आलेली आहे. दिनेश जैन यांनी लक्षवेधी सादर केलेली आहे ती मी मा. महापौरांकडे सादर करतो.

मा. महापौर :-

सन्मा. सदस्य दिनेश जैनजी यांनी आजची लक्षवेधी या ठिकाणी सादर केलेली आहे. सदरची लक्षवेधी ही फेरिवाल्यांच्या संदर्भात आहे. सदरचा विषय हा रितसर विषय विषयपटलावरती आणावा आणि या लक्षवेधी वरती सर्व सभागृहामध्ये सविस्तर चर्चा होणे गरजेचे आहे. लक्षवेधी वरती एवढा वेळ मिळणार नाही सभागृहामध्ये चर्चा करायला म्हणुन पुढच्या महासभेमध्ये प्रशासनाने रितसर विषय विषयपत्रिकेवरती आणून ह्या वरती चर्चा करावी.

नगरसचिव :-

आजच्या महासभेपुढे 2 (के) खाली प्रशासनाकडून विषय मिळालेला आहे. मिरा भाईंदर महापालिकेत वाहने वाहन चालकांसह इंधनासह संपूर्ण सेवा भाड्याने घेणेकामी निविदा मागविणेकरिता आर्थिक व प्रशासकीय मंजूरी मिळणेबाबत. हा विषय 2 के खाली आलेला आहे ह्या विषयाला सभागृहाची मान्यता आहे का?

मा. महापौर :-

सदरचा विषय एच.ओ.डी ची मिटींग आपण घेतली त्या वेळेला सर्व सन्मा. आपले जेवढे पदाधिकारी होते आणि अधिकाऱ्यांना सांगण्यात आले होते की आपल्याकडे जे काही विषय असतील ते विषय तुम्ही महासभेला द्या. त्यामुळे महासभेला विषय हे फार जरा लेट मिळाले त्यामुळे आपण महासभा सुध्दा लेट लावली आणि आता क खाली तो विषय आणण्यापेक्षा पुढच्या येणाऱ्या महासभेमध्ये तो विषय घ्यावा आणि आता विषयपटलावरती जे विषय आहेत त्या विषयावरती आपण चर्चा करूया.

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. 20, दि. 25/01/2022 व 30/03/2022 रोजीच्या मा. महासभांचे इतिवृत्तांत कायम करणे.

प्रशांत दळवी :-

दि. 25/01/2022 व 30/03/2022 रोजीच्या मा. महासभेच्या इतिवृत्तांतामध्ये मा. सदस्य यांनी सुचविलेल्या दुरुस्त्यांसह इतिवृत्तांत कायम करण्यांत येत आहे.

सुरेश खंडेलवाल :-

माझे अनुमोदन आहे.

अनिल सावंत :-

महापौर मॅडम सचिव साहेब पेज नं. 98 मध्ये महत्वाची दुरुस्ती आहे. महापौर मॅडम तुमच्या सन्मा. महापौर प्रथम नागरिक तुम्ही एक डायरेक्शन दिलेले आहे. त्यामध्ये तुम्ही 98 नंबर पेज काढा. अनिल सावंत जे बोलले ते झाले. ज चा प्रस्ताव संपलेला आहे. सन्मा. नगरसेवक यांनी या विषयावर मा. आयुक्त महोदयांना पत्र दिले तर त्यांच्याही काही भावना आहेत त्यांची काही मत आहेत त्यांचे काही विचार आहेत त्या शहराच्या हिताकरिता आहेत तेव्हा हा विषय पुन्हा विषयपटलावर रितसर प्रशासनाने पुढच्या महासभेमध्ये आणावा. प्रकरण क्र. 1 मध्ये ठेवावा असा मी ह्या ठिकाणी निर्णय देत आहे. हा तुम्ही निर्णय 25 तारखेच्या मिटींगला दिलेला आहे. मग त्यानंतर दोन महासभा

झाल्या प्रशासनाने तो विषय का दिला नाही. तुम्ही डायरेक्शन दिले आहे की हा एक नंबर विषय ठेवा. म्हणजे महापौर मॅडम 5 वर्ष संपत आली आपण महापौर आहात. डिम्पल मॅडम महापौर होत्या.

मा. महापौर :-

मी 5 वर्ष महापौर आहे.

अनिल सावंत :-

डिम्पल मॅडम होत्या ना. अडीच वर्ष आता तुम्हीच आहात. पक्ष म्हणजे तुम्हीच आहात.

मा. महापौर :-

तस नसतं.

अनिल सावंत :-

तुम्ही दिलेल्या डायरेक्शनला प्रशासन.

मा. महापौर :-

हा विषय इतिवृत्तांमामध्ये दुरुस्तीचा आहे हे तुम्हाला माहित आहे.

अनिल सावंत :-

मॅडम त्याच्यामध्ये दिलेले तुम्ही डायरेक्शन बघा.

मा. महापौर :-

डायरेक्शन मी भरपूर दिलेले आहेत.

अनिल सावंत :-

मग त्यांना काही अर्थ नाही का मग एकदा सांगुन टाका. तुम्ही ज्या डायरेक्शन दिले त्याला काही प्रशासन किंमत देत नाही. असे विचारून बघा विषय मिटला. आम्ही विचारणार नाही.

मा. महापौर :-

मुख्यमंत्री पण भरपूर डायरेक्शन देतात. प्रधानमंत्री मत देतात आणि महापौर पण देतात. सगळ्याच गोष्टी होतात का?

अनिल सावंत :-

मॅडम शहराचे मग दुर्देव आहे. जर महापौर मॅडमचे प्रशासन ऐकत नसेल तर मग ह्या मिटींगला काय अर्थ आहे.

मा. महापौर :-

इतिवृत्तांमध्ये तुम्हाला काही बोलायचे आहे का?

अनिल सावंत :-

इतिवृत्तांमध्येच बोलायचे आहे.

मा. महापौर :-

इतर विषयांवरती बोलू नका इतिवृत्तांत दुरुस्ती बदल बोलायचे असेल तर बोला.

अनिल सावंत :-

मॅडम इतिवृत्तांतामध्ये बोलायचे आहे त्यामध्ये इतिवृत्तांत अर्धवट आहे दुरुस्ती आहे.

मा. महापौर :-

रुलिंगच्या विषयी तुम्ही बोलू नका दुरुस्ती आहे का?

अनिल सावंत :-

मॅडम हे मिनिट्स आहे.

मा. महापौर :-

तुम्ही सन्मा. सदस्य आहात ह्या सभागृहामध्ये तुम्हाला माहित नाही इतिवृत्तांमध्ये आपण करतो?

अनिल सावंत :-

काय करतो?

मा. महापौर :-

दुरुस्ती करतो. चर्चा करत नाही.

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम सन्मा. सदस्याला त्या इतिवृत्तांमध्ये काही त्रुटी होत्या किंवा मग त्यांचे काही प्रकरण घ्यायचं होतं महासभेपूढे हा जो विषय ज्या वेळेला झाला त्यानंतर सन्मा. सदस्यांनी आपल्याकडे पत्रव्यवहार केला का?

अनिल सावंत :-

एकदा विचारा महापौर मॅडमला मी किती वेळा भेटलो.

मा. महापौर :-

तुम्ही दोन महिने काय करत होते. रुलिंग मी जर दिली होती. तर त्या रुलिंग नंतर तुम्ही मला मागणी करायला पाहिजे होती. तुम्ही नाही केली आपली चुकी सांगायची नाही.

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम ह्यावेळी इतिवृत्तांत सभेपूढे कायम करण्यासाठी आलेला आहे. ह्या वेळेला प्रश्न उपस्थित करणे हे बरोबर नाही. याच्यात काही चुका असतील तर त्या द्याव्यात आणि हा इतिवृत्तांत कायम करण्यात येत आहे असा मी ठराव मांडत आहे.

अनिल सावंत :-

माझी हरकत आहे.

मा. महापौर :-

इतिवृत्तांत मंजूर करण्यांत येत आहे. पुढचा विषय घ्या. तुम्ही रुलिंगवर बोलत असाल तर मी रुलिंग देणार नाही.

अनिल सावंत :-

महापौर मॅडम आम्ही ह्या मिनिट्सला मान्यता देत आहोत.

मा. महापौर :-

रुलिंगवरती मी बोलू देणार नाही.

अनिल सावंत :-

तुम्ही सभागृहाची मान्यता घेत आहात ह्या सभागृहामध्ये प्रशासनाने अर्धवट मिनिट्स दिलेले आहेत.

जुबेर इनामदार :-

मिनिट्सच्या विरोधात आमचा ठराव आहे.

मा. महापौर :-

मग करा. तुमचा ठराव करा.

अनिल सावंत :-

प्रशासनाने राजकारण करू नये. त्यांनी अर्धवट मिनिट्स दिलेले आहेत.

मा. महापौर :-

रुलिंगवर तुम्ही बोलले तर असे हे चालणार नाही.

अनिल सावंत :-

का नाही चालणार?

मा. महापौर :-

दुरुस्ती असेल तर सांगा.

जुबेर इनामदार :-

तुम्ही दिलेल्या रुलिंगवर प्रशासनाने त्याची अंमलबजावणी केली नाही.

अनिल सावंत :-

महापौरांसमोर प्रशासन ऐकत नसेल तर आम्हाला हे मिनिट्स कशाला देता फेकून द्या ते मिनिट्स.

मा. महापौर :-

ही कुठली पध्दत आहे.

प्रशांत दळवी :-

ह्या सभागृहाचा अपमान आहे.

मा. महापौर :-

यांना निलंबित करा. सन्मा. अनिल सावंत यांना निलंबित करण्यांत येत आहे आजच्या सभेपुरता.

अनिल सावंत :-

चालणार नाही.

मा. महापौर :-

ही काय फेकाफेकी करता तुम्ही.

अनिल सावंत :-

तुम्ही दिलेल्या डायरेक्शनचे मी सांगत आहे. तुम्ही बोलता त्याला काही अर्थ नाही मग आमची मान्यता कशाला घेता.

मा. महापौर :-

प्रत्येक रुलिंगवरती चर्चा करणार काय?

अनिल सावंत :-

रुलिंगवरती मी नाही करत 98 पेज आहे. 100 पेज बदल मी काही बोललो नाही. दोन लाईनबद्दल बोलतो.

मा. महापौर :-

तुम्ही त्या रुलिंगवरती चर्चा करायला सांगत आहे असे नाही होतं.

अनिल सावंत :-

महापौरांना जर प्रशासन किंमत देत नसेल तर तो पूर्ण सभागृहाचा अपमान आहे.

मा. महापौर :-

सावंत साहेब वड्याच तेल वांग्यावर काढायला लागले तुम्ही.

अनिल सावंत :-

तस नाही मॅडम माझा रोश तुमच्यावर नाही. माझा रोश प्रशासनावर आहे. प्रशासन आम्हाला किती किंमत देते हे बघायच आहे.

मा. महापौर :-

पुढचा विषय वाचा.

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम, आमचा ह्या विषयावर ठराव आहे.

मा. महापौर :-

ठराव करा.

गिता जैन :-

पहिला सचिवांनी सांगावे की जेवढे इतिवृत्तांत आहेत ते सगळे मंजूरी आहे का? मी बजेट सेशनच बोलत आहे मला एवढ्या आवाजात माहित पडत नाही बजेटवर बोलत आहेत की त्या इतिवृत्तांतावर बोलत आहेत?

नगरसचिव :-

25/1/2022 आणि 30/3/2022 हे दोन इतिवृत्तांत आहेत.

गिता जैन :-

30/3/2022 चे बजेटचे घेतले ना.

नगरसचिव :-

हो.

गिता जैन :-

त्यावर माझा पण आक्षेप आहे.

नगरसचिव :-

तुमचा आक्षेप सांगा.

गिता जैन :-

साहेब जी यादी यात छापली गेली आहे. त्या यादीचे वाचन त्या दिवशी झालेले नव्हते. इतिवृत्तांतामध्ये त्या दिवशी सभेत झालेले जे संभाषण आहे ते तुम्हाला मिनिट्स करायचे असते त्यासाठी मी परत त्यांना फोन करून विचारलं साहेब ही यादी दिली तेव्हा वाचली गेलेली नव्हती तरीही ही यादी यात आहे. आता त्याचे दोन प्रॉब्लेम काय आहेत. आपण बजेटचे जे काही आहे तो ठराव आपण विखंडनाला पाठवलेला आहे. आता इतिवृत्तांताला जर आम्ही मंजूरी दिली म्हणजे त्या सगळ्या यादीला पण आमची मंजूरी झाली. पण ती यादी वाचलीच गेली नव्हती ती यादी तुम्ही अशी छापु कशी शकता? मला तो जवाब द्या साहेब. मला सचिवांनी जवाब द्यायचा दुसरा कोणाचा जवाब मला अपेक्षित नाही.

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम, रुलिंग आपणच द्यायची आहे परंतु ह्या विषयावरती आपण चर्चा करू शकतो. हा इतिवृत्तांत आपण कायम केलेला आहे म्हणून हे जे काय आले आहे ते आपण बजेटच्या वेळेलाच यादीसहीत आपण ते बजेट मंजूर केल आहे. सचिव साहेब आणि त्यावेळेला आपले कुठले सदस्यांनी आपल्याकडे वाचन करून घेतलं का किंवा अशी कुठले सभासद आहेत त्यांनी वाचन कराव म्हणून म्हटलं का?

गिता जैन :-

मी सांगितले होतं यादीचे वाचन करा तुम्ही वाचल नव्हतं.

प्रशांत दळवी :-

सचिव साहेब म्हणले का?

गिता जैन :-

होय ते ही छापलं गेलेलं नाही रेकॉर्डिंग काढा आणि बघा साहेब.

धृवकिशोर पाटील :-

महापौर मॅडम दरवर्षी आपण बजेट मंजूर करताना सोबत यादी जोडतो ही आजची रित नाही ही प्रत्येक वर्षाची आहे आणि यादी ही मोठी असते लांबलचक असते आणि जो सदस्य डिमांड करतो त्याचवेळी सचिव महोदय त्या यादीचे वाचन करतात. आपण बजेट मंजूर करताना सोबत जोडलेली जी यादी आहे ती यादी मंजूर झालेली आहे आणि तसेच इतिवृत्तांतामध्ये आलेले आहे.

गिता जैन :-

मॅडम आम्हाला त्या यादी बद्दल शंका आहे ना. आम्ही कसं सांगायच हीच यादी आहे.

भगवती शर्मा :-

महापौर मॅडम जिस समय यह ठराव पढा गया था उस समय ठराव के अंदर में यादी के क्रमांक एक से लेकर के लास्ट नंबर तक बोल करके ठराव पढा गया था। आप इतिवृत्तांत के अंदर में प्रोसिडिंग के अंदर में देख लीजिए जब उस यादी का पुरा नंबर के साथ में उल्लेख किया है। आज अगर यह इतिवृत्तांत में आया है तो यह कोई गलत नहीं है।

गिता जैन :-

सचिव साहेब तुमच्याकडून मला जवाब पाहिजे नाहीतर कमिशनर साहेबांनी उत्तर द्यायचं बाकीच्यांनी उठून मला जवाब द्यायची गरज नाही.

मा. महापौर :-

सचिव साहेब तुम्ही बोला.

गिता जैन :-

दोन गोष्ट आहेत सर्वप्रथम आपण बजेटमध्ये आर्थिक प्रशासकीय मान्यता द्यायची जी परंपरा आहे ती चुकीची आहे. त्यासाठी सचिव साहेब मी कधी ऑब्जेक्शन घेतले नाही की हे चुकीचे आहे बरोबर आहे का सचिव साहेब?

चंद्रकांत वैती :-

असे आहे की सभाशास्त्र काय सांगते की ह्या सभागृहात उल्लेख केलेला प्रत्येक शब्द आपल्या नोंदीत असतो आणि रेकॉर्डिंगला पण असतो आणि त्याची नोंद होते आणि एक चर्चा तुम्ही सांगितली महापौरांनी रुलिंग दिले असे काही सदस्यांनी सांगितलं तर हे सभागृह जे आहे त्याठिकाणी सर्व लोकप्रतिनिधी असतात तुम्ही असतात. तुम्ही जो बोलाल तो ह्या सभागृहातला कायदा होतो. त्याच्यामध्ये तुम्ही एखादा निर्देश दिला असेल तर त्याची अंमलबजावणी प्रशासनाकडून झाली पाहिजे आणि ती होत नाही. हे चुकीचे चालले आहे हा चुकीचा पायंडा आहे. आपण काय बोलतो काय नाही त्याच्यापेक्षा ह्या शहरातल्या जनतेचे प्रतिनिधीत्व करणारे आपण ह्या शहराच्या ओराग्याशी किंवा सोयीसुविधांशी किंवा त्यांच्या सुरक्षा सगळ्या गोष्टींमध्ये आपला सहभाग असतो आणि त्याच्यावरती ह्या सभागृहात चर्चा होते आणि तुम्ही बोलतात रुलिंग दिलात तो आजचा निर्णय असतो. ह्या सभागृहाला आजच्या दिवशी एवढी ताकद असते की ह्या सभागृहात एखाद्या अधिकाऱ्यांच निलंबन केलं तर ते देखील मान्य करावं लागते. मग तुम्ही दिलेला रुलिंग होतं त्या रुलिंग वरती अंमलबजावणी झाली पाहिजे सदस्यांनी काय चुकीचे सांगितले नाही. आजच्या दिवसापुरतं तुम्हाला एवढीच विनंती आहे की रुलिंग देतात त्याचे अंमलबजावणी करण्याचे काम प्रशासनाचे आहे.

मा. महापौर :-

एका रुलिंग दिली मान्य आहे. रुलिंग दिली. प्रत्येक विधानसभा असू दे, लोकसभा असू देत त्या ठिकाणी रुलिंग ही दिलीच जाते. प्रत्येक विषयावरती त्याच्यानंतर प्रशासनाने त्याची अंमलबजावणी केली पाहिजे. जर सन्मा. सदस्याला त्या विषयावरती गांभीर्य आहे. जर महापौरांनी रुलिंग दिली आहे एखादा विषय जो राहिला गेला असेल त्या सन्मा. सदस्याने त्याचा पाठपूरावा केला पाहिजे किंवा पत्रव्यवहार केला पाहिजे. महापौर मॅडम तुम्ही रुलिंग दिलेली आहे त्या रुलिंगवरती आता आम्हाला अॅक्शन पाहिजे. पण तसा काय प्रकार झालाच नाही. रुलिंग कागदावरती राहिलं प्रशासनाने जर कारवाई केली नसेल तर सन्मा. सदस्यांनी त्या विषयावरती मला निदर्शनास आणून द्यायला हवं होतं. एवढच म्हणणं होते बाकीच्या विषयावर म्हणणे नव्हते. त्यासाठी कागदपत्र आपटायची आणि फेकायची अशी काय गरज नव्हती आणि राहिला प्रश्न सन्मा. गिता जैन मॅडमचा जर ती लिस्ट त्या यादीमध्ये नसती म्हणजे लावली नसती गेली तर सन्मा. आयुक्त महोदयांनी विखंडनासाठी कुठली यादी पाठवलेली आहे?

गिता जैन :-

मॅडम माझा प्रश्न तो नाही कुठली यादी पाठवली माझा प्रश्न हे आहे की जेव्हा ती यादी वाचली गेली नाही तर ती यादी इतिवृत्तांतामध्ये कशी आली. इतिवृत्तांतामध्ये पण तेच सॅटेन्स असाव की जे यादी जोडून आम्ही तिथे ठरावाला दिली आहे ती यादी मंजूर करावी. कारण तुम्ही ती यादी जोडली आहे आणि आम्ही ह्या इतिवृत्तांताला मंजूरी दिली म्हणजे ह्या ही यादीला मंजूरी दिली.

मा. महापौर :-

ऑलरेडी यादी विखंडनाला गेलेली आहे.

गिता जैन :-

त्यावेळी कुठली यादी होती ते आम्हाला माहित नाही. तर मग आम्ही समर्थन कस द्यायच?

मा. महापौर :-

आयुक्त महोदयांनी हीच यादी पाठवलेली आहे की दुसरी यादी पाठवलेली आहे याचा खुलासा करावा ही यादी तुम्ही विखंडनाला पाठवलेली आहे की दुसरी पाठविलेली आहे? जर वाचली नव्हती पण सोबत जोडा म्हटलं होतं ठरावात तस म्हटलं की सोबत जोडली आहे मग हीच यादी आहे का?

गिता जैन :-

मॅडम ती आता यादी वाचायला चालु केलं तर 5 मिनिटांच्या आत मी ही यादी पूर्ण वाचू शकते. मी चॅलेंज देऊन चालू करते. जर त्यावेळी एवढ सगळ बोललं गेलं तर 5 मिनिटे अजून घेऊन यादी का वाचली गेली नाही? मॅडम तेव्हा मी नाही दुसऱ्यांनी पण सांगितले यादी वाचावी ते वाचली गेली नाही परपजफुली ती वाचली गेली नाही असा माझा आक्षेप आहे आणि जे वाचलं गेलं नाही ते आम्ही इतिवृत्तांतामध्ये मंजूरी कशी द्यायची तेवढाच मला एक प्रश्न पडला आहे की जे वाचलच गेलं नाही ते तुम्ही इतिवृत्तांतामध्ये टाकता कस?

मा. महापौर :-

पण ठराव सोबत मॅडम म्हटले आहे यादी जोडली आहे.

गिता जैन :-

मग तेच सॅटेन्स टाका ना ठरावासोबत जोडलेली यादी मग सॅटेन्स इतिवृत्तांतामध्ये तेच असावे.

मा. महापौर :-

जेव्हा असं वाटतं की तो ठराव त्या वेळेला मंजूर झाला त्याच्यानंतर तुम्ही शिरवळकर साहेबांना सचिव साहेबांना पत्रव्यवहार करून ठरावासोबत कुठली यादी जोडली आहे ती तुम्ही मागणी करू शकले असते.

गिता जैन :-

मॅडम माझा प्रश्न तो नाही माझा प्रश्न इतिवृत्तांतामध्ये तुम्ही न वाचलेली वस्तु आणु शकता का नाही? माझ्याकडे यादी ही आहे जी यादी विखंडनाला गेली ते ही आहे. तर ती वस्तु तुम्ही इतिवृत्तांतामध्ये टाकू शकता का?

जुबेर इनामदार :-

सभा शास्त्राबद्दल चर्चा चालू होती सभाशास्त्र हे ही सांगते ठराव जोपर्यंत सचिव वाचत नाही तोपर्यंत तो कायम होत नाही.

मा. महापौर :-

मग काय करायचे सर्व ठराव बंद करायचे का?

जुबेर इनामदार :-

असे आहे दोन पक्षांनी वाचलेले ठराव अशाप्रकारे दिलेली यादी आज ही घटना घडली उद्या पुढे काही घडू शकते हा दिलेला ठराव क्रमांक आम्ही केलेला ठराव क्रमांक आणि त्याच्या मधला मजकुर कोणी वाचलाच नाही. उद्या तो येणाऱ्या काळामध्ये किंवा त्याच्याबद्दल येणाऱ्या आपल्या

मिनिट्समध्ये इतिवृत्तांतामध्ये त्याच्यामध्ये बदल नाही घडेल किंवा घडवणार नाही याची शाश्वती कोण देऊ शकतो. त्याच कामाला सचिवांनी तो वाचून काय करायचा हा नियम आहे.

मा. महापौर :-

आता याच्यापुढे सचिवांना वाचायला देत जा. आता माझ्या रुलिंगला एवढं महत्त्व आहे तर ही रुलिंग मी आज ह्या ठिकाणी महापौर म्हणून देते.

जुबेर इनामदार :-

असे बोलू नका स्विकारायचा की नाही हा अधिकार तुमचा आहे.

मा. महापौर :-

सनमा. सदस्य जुबेर इनामदारजी यांच्या मागणीनुसार ह्यापुढे सर्व ठराव सचिव साहेब वाचतील. येणाऱ्या पुढच्या महासभेमध्ये अशा पध्दतीने कामकाज चालू राहिल.

जुबेर इनामदार :-

असे व्यवस्थित करा आणि जमल तर तुमच्या सचिव कार्यालयाच्या बाहेर लावून ठेवा.

मा. महापौर :-

बोल्डमध्ये लिहून ठेवा.

धृवकिशोर पाटील :-

महापौर मॅडम ठराव वाचण्याचा अधिकार सदस्यांचा आहे. सचिवांचा नाही. ठराव आपण मांडतो. प्रशासनाने एकदा विषय दिल्यानंतर ठराव आपण मांडतो मॅडम. सचिव कस मांडणार?

जुबेर इनामदार :-

सदस्यच ठराव मांडतात. धोरणात्मक निर्णय लोकप्रतिनिधी करतात कायम कोण करेल.....

धृवकिशोर पाटील :-

महापौर मॅडम ठराव सदस्यांनी वाचायचा असतो. सचिवांनी नाही. जर एखाद्या सदस्याने जर डिमांड केली तर सचिव वाचत असतो.

जुबेर इनामदार :-

असे काही नाही.

धृवकिशोर पाटील :-

तसच आहे.

जुबेर इनामदार :-

सचिवांनी वाचायचा उपविधी मंजूर आहे का तेही सांगा. उपविधी तीही मंजूर नाही. सभा कामकाज सभाशास्त्र विषयावर चर्चा चालू आहे तर ती उपविधी मंजूर आहे की नाही.

मा. महापौर :-

आता सचिव साहेबांना विचारून घ्या काय नियम असतो. नियम काय आहे तुम्ही वाचायला पाहिजे?

प्रविण पाटील :-

महापौर मॅडम तुम्ही आता ही चर्चा जी करत आहात हा विषयपत्रिकेवर विषय आहे का? तुम्ही आता जर इतिवृत्तांतावर चर्चा करत असाल तर मग इतिवृत्तांतावर चर्चा करा आजपर्यंत कुठे इतिवृत्तांतावर चर्चा केली? अनिल सावंतचा जो विषय होता तुम्ही रुलिंग दिलेला विषय न घेता मग तो कशाला घेतला. ह्या विषयावर इतिवृत्तांतावर चर्चा करता आमचा नामांतराचा विषय आहे. त्याच्यावर चर्चा करा. तुम्ही ठरवा इतिवृत्तांतावर चर्चा करायची आहे की विषयपत्रिकेवर विषय आहेत त्यावर चर्चा करायची आहे.

मा. महापौर :-

इतिवृत्तांताचा ठराव झालेला आहे.

प्रविण पाटील :-

मॅडम तुम्ही बऱ्याच गोष्टींवर रुलिंग दिलेली आहे. मग आता हे तुम्ही ठरवा की तुम्हाला कशावर चर्चा करायची आहे. सभा चालू झालेली आहे. इतिवृत्तांत मंजूरीचा विषय आहे. आजपर्यंत इतिवृत्तांताच्या विषयावर एवढी चर्चा झाली नाही.

मा. महापौर :-

इतिवृत्तांत मंजूर करण्यात येत आहे. पुढचा विषय घ्या.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

तुमचा विरोध असेल तर विरोध नोंदवा. दुरुस्ती असेल तर सुचवा.

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम ठराव झाला होता प्रकरण क्र. 103 त्याच्यामध्ये.....

नगरसचिव :-

कुठल्या तारखेचे आहे?

जुबेर इनामदार :-

पान क्र. 98 ऑनलाईन सभा होती. त्याच्यामध्ये ठराव केला होता मोकळ्या आर.जी जागेवर मुलभूत सुविधा उभारणे स्थानिक दिवाबत्ती, साफसफाई, इतर मनपा तर्फे तरतुद उपलब्ध करून देण्यांत येवी असा मी ठराव मांडत आहे ते वाक्य गाळलेले आहे ते वाक्य त्याच्यामध्ये जोडण्यांत यावे.

मा. महापौर :-

ठिक आहे.

गिता जैन :-

माझी पण आहे ना मी पण दुरुस्ती देते. ही सगळी यादी जीचे वाचनच केलेले नाही ते वगळून नविन इतिवृत्तांत घ्यावं नाहीतर ते पेज कॅन्सल करावं.

मा. महापौर :-

यादी जोडलेली आहे असे म्हटलेलं आहे. मॅडम ठरावामध्ये.

गिता जैन :-

तेवढे सेंटेंस ठेवा ना.

मा. महापौर :-

मग यादी जोडलेली आहे.

गिता जैन :-

मी दोन प्रश्न विचारले मला अजून जवाब मिळालेला नाही.

मा. महापौर :-

यादी जोडलेली आहे.

गिता जैन :-

मला दोन प्रश्नांचा जवाब पाहिजे मी देते मला दिलेला नाही.

मा. महापौर :-

कशाला नसायला पाहिजे?

नगरसचिव :-

फक्त जोडलेली एवढेच लिहा. नसायला पाहिजे.

गिता जैन :-

तेवढेच लिहा आणि दुसरं आजपर्यंत आपण केल आर्थिक प्रशासकीय मान्यता बजेट सेशनमध्ये होते का ते ही जवाब सचिवांनी द्यावे आणि जर होत नसेल तर पुढे तो पध्दत बंद करावी.

प्रविण पाटील :-

महापौर मॅडम, तुम्ही काय डिसाईड केलं तुम्ही इतिवृत्तांताला मंजूरी देणार आहेत का?

मा. महापौर :-

इतिवृत्तांताला मंजूरी दिली.

प्रविण पाटील :-

मग आमच्या नामांतराचा विषय आहे इतिवृत्तांताचा पण विषय आहे. तुम्ही आता इतिवृत्तांतावर चर्चा करता मॅडम आणि रुलिंगही देता.

मा. महापौर :-

विषयाला सुरुवात करा असे म्हटले.

प्रविण पाटील :-

तुम्ही ठरवा कुठल्या विषयावर बोलायचे. विषयपत्रिकेच्या विषयावर बोलायचे आहे की इतिवृत्तांतावर बोलायचे आहे.

मा. महापौर :-

विषयाला सुरुवात करा असे म्हटले ना मी.

प्रविण पाटील :-

आमचा मागचा विषय नामांतराचा विषय तुम्ही मागच्या इतिवृत्तांताला मंजूरी दिली होती. मग त्याच्यावर पण चर्चा करा.

मा. महापौर :-

सचिव साहेब विषयाला सुरुवात करा.

गिता जैन :-

सचिव साहेब माझी दुरुस्ती घ्या.

धृवकिशोर पाटील :-

मॅडम दुरुस्ती करण्याचा अधिकार फक्त त्या सदस्याला असतो जो बोलतो आणि ज्याचे रेकॉर्डिंग होते याच इतिवृत्तांतामध्ये नाव असतं तोच त्याची दुरुस्ती देऊ शकतो. मी बोललो असेल त्याची मी दुरुस्ती करू शकतो दुसरा सदस्य करू शकत नाही. जुबेरने जो ठराव मांडलेला आहे त्याच्यामध्ये एक वाक्य गाळले आहे म्हणून ती दुरुस्ती झाली. आता आमदार मॅडम जे बोलतात तो ठराव सभागृह नेत्यांनी ठराव मांडलेला आहे त्याच्यामुळे जर सुधारणा करायची असेल आणि काही वस्तु राहिली असेल काही गाळली असेल तर तो त्यांचा अधिकार आहे दुसऱ्या व्यक्तींचा नाही. दुसऱ्या सदस्याचा नाही मॅडम ही दुरुस्ती नाही. हे कमी करायचा जो मॅडम प्रयत्न करत आहेत दळवी साहेब त्यात दुरुस्ती करू शकतात दुसरा नाही.

गिता जैन :-

महापौर मॅडम एकदा सचिवांना बोलू द्या नाही तर कमिशनर साहेबांना बोलू द्या खर काय सगळ्यांनी आणखीन कशाला ज्ञान टाकायचं आपण मी हे सांगते तुम्ही फक्त ते सेंटेंस हे टाका की सोबत जोडलेली यादीप्रमाणे.

मा. महापौर :-

ज्यांनी ठराव वाचला तेच दुरुस्ती करू शकतात.

गिता जैन :-

म्हणजे तुम्ही काहीही देणार इथे सन्मा. सदस्यांनी काही चुकीचे झाले ते लक्षात आणून द्यायचं नाही?

मा. महापौर :-

तुमचा इतिवृत्तांताला विरोध आहे असे मांडून टाका ना.

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. 20, दि. 25/01/2022 व 30/03/2022 रोजीच्या मा. महासभांचे इतिवृत्तांत कायम करणे.

प्रशांत दळवी :-

दि. 25/01/2022 व 30/03/2022 रोजीच्या मा. महासभेच्या इतिवृत्तांतामध्ये मा. सदस्य यांनी सुचविलेल्या दुरुस्त्यांसह इतिवृत्तांत कायम करण्यांत येत आहे.

सुरेश खंडेलवाल :-

माझे अनुमोदन आहे.

मा. महापौर :-

ठराव सर्वानुमते मंजूर.

प्रकरण क्र. 20 :-

दि. 25/01/2022 व 30/03/2022 रोजीच्या मा. महासभांचे इतिवृत्तांत कायम करणे.

ठराव क्र. 25 :-

दि. 25/01/2022 व 30/03/2022 रोजीच्या मा. महासभेच्या इतिवृत्तांतामध्ये मा. सदस्य यांनी सुचविलेल्या दुरुस्त्यांसह इतिवृत्तांत कायम करण्यांत येत आहे.

सुचक :- श्री. प्रशांत दळवी

अनुमोदन :- श्री. सुरेश खंडेलवाल

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही /-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम हे सभागृहामध्ये प्रेक्षक गॅलरीमध्ये हे अशाप्रकारचे जर हे बॅनर वापरल असतील तर हे मान्यता आणि हे बॅनर घेऊन आले कसे काय महापौर मॅडम सुरक्षा रक्षक आहेत की नाही? अशा प्रकारचे आंदोलन आयुक्त महोदय इथे सभागृहाच्या बाहेर किंवा सभागृहाच्या ह्या गॅलरीमध्ये होऊ शकत नाही.

मा. महापौर :-

हे बॅनर त्वरीत काढण्यात यावे.

(सभागृहात गोंधळ)

जुबेर इनामदार :-

प्रेक्षक गॅलरीमध्ये उपस्थित ह्या शहराचे रहिवाशी आहेत ते. त्यांची भूमिका त्यांना मांडायची असेल तर ते मांडू शकणार नाही का? असे होऊ शकत नाही लोकतांत्रिक अधिकार आहे तो.

मा. महापौर :-

बॅनर बाहेर.

जुबेर इनामदार :-

लोकतांत्रिक अधिकार आहे तो सभागृहाच्या आतमध्ये नाहीत.

मा. महापौर :-

प्रेक्षक गॅलरीमध्ये बसू शकतात पण बॅनर नाही, बॅनर बाहेर.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

त्यांना बसायला आम्ही परवानगी देतो पण बॅनर बाहेर
(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

ज्यांनी हे बॅनर लावले त्यांनी स्वतः भ्रष्टाचार केला आहे.
(सभागृहात गोंधळ)

जुबेर इनामदार :-

मॅडम सभागृहाच्या बाहेरचा विषय आहे तो.

मा. महापौर :-

बाहेरचा नाही इथलाच विषय आहे तो.

जुबेर इनामदार :-

ज्या कोणी बदल तुमचा आक्षेप असेल त्यावेळेला सभागृहामध्ये असला तर तुम्ही
सभागृहामध्ये चर्चा करा. अन्यथा सभागृहाच्या बाहेर त्याची.....

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम आपण गेटच्या बाहेर आंदोलन करू शकतो. प्रेक्षक गॅलरीमध्ये आता पण असे
कुठलेही आंदोलन झालेले नाही आपण गेल्या बाहेर आंदोलन करावं आपले स्वागत आहे. प्रेक्षक
गॅलरीमध्ये ज्यांनी बॅनर लावले आहेत त्यांच्यावर गुन्हा दाखल करा. महापौर मॅडम हा सभागृहाचा
मनपाचा अपमान आहे.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

जोपर्यंत हे बॅनर काढले जात नाही तोपर्यंत ही सभा तहकुब करण्यात येत आहे ही सभा
तहकुब करण्यात येत आहे 10 मिनिटांसाठी. बॅनर काढल्यानंतर ही सभा राहू राहिल. बॅनर बाहेर काढा.
ही सभा 10 मिनिटांसाठी तहकुब करण्यांत येत आहे.

(सभागृहात गोंधळ)

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. 21 महिला व बालकल्याण समिती अंतर्गत विविध योजना / प्रशिक्षणासाठी
लाभार्थी निवड करणेकरिता धोरण निश्चित करणेबाबत. (मा. महिला व बालकल्याण समिती सभा दि.
03/06/2022 रोजीचे शिफारस केलले प्रकरण क्र. 04, ठराव क्र. 04)

मा. महापौर :-

जुबेरजी यावर तुमचा ठराव असेल तर ठराव करा. चर्चा न करता ठराव वाचा.

जुबेर इनामदार :-

सभागृहात बोलवता कशाला चर्चा करण्यासाठी ना आमचा तो अधिकार आहे.

मा. महापौर :-

तुमचा ठराव नसेल तर सचिव साहेब पुढचा विषय घ्या.

जुबेर इनामदार :-

आमचा ठराव आहे.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

मर्लिन डिसा मॅडम तुम्ही बोला.

मर्लिन डिसा :-

एम.एस.सी.आय.टी वेब डिझाईनिंग आणि टॅली कम्प्युटर हे प्रोग्राम्स आहेत. मला एक प्रश्न विचारायचा आहे. प्रत्येक व्यक्तीला आपण किती ट्रेनिंग देऊ शकतो एका वर्षाला किती ट्रेनिंग देऊ शकतो?

मा. महापौर :-

सन्मा. सदस्या आपल्या महिला बालकल्याण समितीने हा ठराव करून ह्या सभेला दिलेला आहे. महिला बालकल्याण समितीमध्ये तुम्ही आहात का?

मर्लिन डिसा :-

आता नाही गेल्या वर्षी होती.

मा. महापौर :-

मग तुमच्या पक्षाचे सदस्य त्यात नाहीत का?

मर्लिन डिसा :-

आहेत.

मा. महापौर :-

त्यांनीच ठराव करून इथे आणलेला आहे. तुम्ही नीट विषय वाचला नाही का? ह्या ठिकाणी हा ठराव मंजूरी करीता ह्या ठिकाणी आणलेला आहे.

मर्लिन डिसा :-

मी प्रशासनाविषयी तुम्हाला सांगते.

मा. महापौर :-

लाभार्थी निकडीचे निकष ठरवण्यासाठी हा विषय ह्या सभागृहामध्ये आलेला आहे. लाभार्थी निवडीबाबत निकष तुमच्याकडे आहे का? त्या निकषच्या व्यतिरिक्त लाभार्थी निवडीचा निकष आहे का?

मर्लिन डिसा :-

आहे.

मा. महापौर :-

मग त्याच्यावरतीच बोला.

मर्लिन डिसा :-

त्याच्यावरतीच मी बोलते. एकच व्यक्तीला एका वर्षात फक्त एकच प्रशिक्षण मिळतं ना. मग माझ्याकडे आता हे 2/3/2021 आणि 1/3/2021 मध्ये हे जे प्रशिक्षण दिलेले आहे सेम सेम नाव आहेत. एक पण नाव वेगळ नाही एका व्यक्तीला दोन दोन कोर्स आपण देऊ शकतो का? वेब डिझाईनिंग प्रशिक्षण आणि एम.एस.सी.आय.टी सेम नाव आहेत.

मा. महापौर :-

याच्या वरती प्रशासनाने योग्य ती शहानिशा करावी असे काही झाले असेल तर अनिल भोसले बोला.

मर्लिन डिसा :-

आणि जे सर्टिफिकेशन होतं त्यांना काही सर्टीफिकेट देत नाहीत कोर्सचे जे आपण ट्रेनिंग देतो त्याचे पुरावे कसलेच नाहीत.

अनिल भोसले :-

महापौर मॅडम आपल्या परवानगीने बोलतो गेल्या महासभेमध्ये एक व्यक्ती या ठिकाणी घुसला महासभा खराब करण्याचा प्रयत्न केला.

मा. महापौर :-

विषयावरती बोला.

अनिल भोसले :-

प्रेक्षक गॅलरी आहे त्या प्रेक्षक गॅलरीमध्ये त्या लोकांनी आज जो गोंधळ घातला हा सभागृहाचा अपमान आहे. त्यांच्यावर कायदेशीर गुन्हा दाखल करावा अशी मी आयुक्त साहेबांना विनंती करतो. कारण ह्या सभागृहाची गरीमा पाडावी कोणीही येतो काही करतो आंदोलनाचे जे काही लोकशाही पध्दतीने बाहेर मांडावं ह्या सभागृहामध्ये कोणतीही व्यक्ती ह्या ठिकाणी असे काम करत असेल त्याच्यावर गुन्हा दाखल व्हावा ही माझी विनंती आहे.

मा. महापौर :-

पुढचा विषय घ्या.

प्रशांत दळवी :-

आम्हाला सभागृहाला आपल्याकडून ह्या रुलिंगची अपेक्षा आहे. हे असे पहिल्यांदा झालेले नाही याच्या अगोदरही येऊन इथे धिंगाणे घातलेले आहेत. आपल्या सिक्युरीटीने जे काही काम केलं असेल ते केलं असेल त्याही बाबतीत आपण निर्देश देण्यात यावे. परंतु आज जे काही झालं बॅनर घेऊन ह्या सभागृहामध्ये आले उद्या महपौर मॅडम हत्यारं घेऊन हे लोक सभागृहामध्ये येतील.

(सभागृहात गोंधळ)

प्रशांत दळवी :-

म्हणून महापौर मॅडम आपल्याला सांगतो आपण याच्यावरती रुलिंग द्या. ह्यांच्यावर एफ.आय.आर दाखल करण्यांत यावे.

(सभागृहात गोंधळ)

प्रशांत दळवी :-

हे व्यक्ती चौकशी करायचे बोलतात त्यांनी स्वतःहून भ्रष्टाचार केलेला आहे. याची ही कारवाई करण्यात यावी. यांच्यावरही गुन्हा दाखल करण्यांत यावा.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

ह्या सभागृहामध्ये माझ्याकडे सुध्दा तक्रार आली होती. त्या व्यक्तीने ह्या संदर्भामध्ये भ्रष्टाचाराचे सांगितलेले आहे. त्या व्यक्तीने स्वतः त्यांच्याकडे पैसे मागणी केली होती. पैसे त्याला पुर्तता झाली नाही म्हणून.....

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

ज्यांनी ज्यांनी ह्या ठिकाणी बॅनर दाखवले आणि सभागृहाच्या कामकाजामध्ये भंग केला त्यांच्यावरती गुन्हे दाखल करा.

(सभागृहात गोंधळ)

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम चांगली गोष्ट आहे असे झालेले भ्रष्टाचार उघड झाले पाहिजेत कोणी मागितली आणि कोणी दिले.....

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

भ्रष्टाचार उघडण्यासाठी पैसे मागितले.

जुबेर इनामदार :-

मागितले तर त्याचा त्यांनी पुरावा द्यायचा.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

ठराव वाचा.

जुबेर इनामदार :-

आम्हाला याच्यावर चर्चा करायची आहे.

मा. महापौर :-

तुम्हाला ठराव वाचायचा नसेल तर मी पुढचा विषय घेते.

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम आमचा ठराव आहे आम्ही तो वाचणार आमचा अधिकार आहे चर्चा करायचाही अधिकार आहे.

मा. महापौर :-

ठराव वाचा.

मर्लिन डिसा :-

मॅडम याच्यापैकी कितीतरी दुसरे असे आहेत.

मा. महापौर :-

प्रशासनाकडे याची माहिती पूर्णपणे लेखी स्वरूपामध्ये घेऊ शकता. ह्या ठिकाणी हा विषय धोरण निश्चित करण्यासाठी आलेला आहे.

मर्लिन डिसा :-

आम्ही तुमच्या निदर्शनास आणले.

मा. महापौर :-

समितीमध्ये तुमचे सदस्य काय करतात.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

त्या वेळेला त्यांना कळत नाही का भ्रष्टाचार झाला. म्हणजे त्या भ्रष्टाचाराला तुम्ही सहमती देता. त्या वेळेला त्यांना कळत नाही भ्रष्टाचार चालला आहे.

(सभागृहात गोंधळ)

चंद्रकांत वैती :-

महापौर मॅडम आपण ह्या शहराचे प्रथम नागरीक आहात आणि आपण ज्या पध्दतीने भाषेचा प्रयोग त्या डायसवरून करत आहेत तो कृपया थांबवा. एकतर ही शेवटची निरोपाची सभा आपली चालू आहे. आज तुम्हाला मिळालेला एक सुंदर कालावधी आहे ह्या 4 महिन्यामध्ये तुम्ही ह्या शहरामधल्या स्वच्छतेविषयक, फेरिवालाविषयक किंवा अन्य सुविधा विषयक सभा लावू शकत होतात. प्रत्येक सभेमध्ये ह्या सदस्यांना दोन अडीच वर्षात.....

(सभागृहात गोंधळ)

चंद्रकांत वैती :-

तुम्ही ज्या पध्दतीने ह्या सदस्यांना बोलत आहेत ही पध्दत चुकीची आहे मॅडम.

मा. महापौर :-

अजिबात नाही.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

मी काय चुकीचा शब्द वापरला?

(सभागृहात गोंधळ)

चंद्रकांत वैती :-

सदस्यांना बोलू द्या.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

मी सगळ्यांना बोलायला संधी दिलेली आहे. सगळ्यांना प्रश्नोत्तराच्या तासामध्ये केवळ सन्मा. सदस्य अनिल सावंतजी ह्यांनाच बोलायचे होते पण तरी सुध्दा प्रश्नोत्तराच्या तासामध्ये मी सगळ्यांना सामावून घेतलं आणि वेळ कमी पडली आपले सनमा. काका त्यांनी वेळ वाढवून मागितली मी 15 मिनिटे वेळ आणखीन दिली. आणि असे नाही की फक्त सत्ताधाऱ्यांना दिली सर्व सदस्यांना सुध्दा दिली. हे जेव्हा करत असताना सन्मा. सदस्य जुबेर इनामदारजीने हरकतीचा मुद्दा उपस्थित केला मी त्यांना प्रॉमीस केले ह्या ठिकाणी की जेव्हा लंचची वेळ होईल त्याच्याआधी तुम्हाला त्यासाठी वेळ दिजा जाईल आणि विषयाला सुरुवात करा म्हणून सांगितले. विषयाला सुरुवात करत असताना सन्मा. सदस्य आणि सभापती मिरादेवी यादवजी यांनी ठराव वाचला ठराव वाचत असताना ह्या ठिकाणी आंदोलन कर्त्यांनी काहीतरी ते काळे बॅनर इथे आणून लावले आणि ते प्रदर्शन करायचा प्रयत्न केला तर हे काही सभागृहाच्या नियमाच्या कामकाजामध्ये नाही आहे म्हणून त्याच्यावरती आक्षेप घेऊन मी त्यानंतर सभा तहकुब केली बॅनरवाल्यांनी ती गोष्ट ऐकली ते निघून गेले आणि आता पुन्हा हा विषय सुरु झालेला आहे. आता महिला बालकल्याण समितीचा ठराव वाचला गेलेला आहे त्यावरती दुसरा ठराव सन्मा. सदस्य जुबेर इनामदारजीला वाचायचा आहे त्यामुळे ते वाचत आहेत आणि जेव्हा सन्मा. सदस्य वैतीजी आपण पण ह्या डायसवरती काम केलेले आहे ह्या डायसवरती काम करत असताना आपण नगरसेवकांना घेऊन कशा पध्दतीने काम करत करतो तुम्ही ह्या ठिकाणी भरपूर काही बोलले त्या वेळेला तिथुन मी पण भरपूर काही ऐकले पण आम्ही असं कधी बोललो नाही. पण ठिक आहे जे झालं ते झालं विषयाला सुरुवात करा.

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम माझी आपणांस विनंती आहे सभाकामकाज शांततेत चालले पाहिजे. प्रत्येकाला संधी प्राप्त झाली पाहिजे. त्यांनाही चर्चा करायची आहे. चर्चा हा लोकतांत्रिक अधिकार आहे. आमच्या पक्षातून आमचे 4 सदस्यांना बोलायची संधी द्या. दोन तीन मिनिटे तुम्हाला योग्य वाटेल त्या पध्दतीने त्यांना त्यांची भावना मांडू द्या. नंतर मी माझा ठराव मांडतो.

मा. महापौर :-

ठिक आहे.

(सभागृहात गोंधळ)

रुबिना शेख :-

मैं इस विषय पे कुछ बाते आपके सामने रखना चाहती हूँ पिछले 2 साल मे ऑनलाईन महासभा होती थी| हमको बोलने के मौके नहीं मिले और अपनी आज लास्ट सभा होगी अगर इसपर आज नहीं बोला तो कब बोलेंगे मॅम आपसे रिक्वेस्ट है की आप तीन मिनिट्स मुझे दिजीए|

मा. महापौर :-

बोलने के लिए मैंने मना किया नहीं बोलने के लिए सबको संधी दिया मगर बिचमें आपने जो किया वह गलत है|

मर्लिन डिसा :-

बिलींग करताना कोणतेही प्रमाणपत्र जोडलेले नाही. 40 टक्केहून अधिक लाभार्थी बोगस आहेत. काही लोकांनी फोन नंबर 9 डिजीट आहेत. 10 डिजीट नाहीत. कॉल करून चेक करताना मी पाहिलं. विद्यार्थ्यांकडून 500 ते 4500 रुपये अतिरिक्त शुल्क आकारले जाते. एम.एस.सी.आय.टी. आणि वेब डिझाईनिंग ह्या दोन्हीसाठी विद्यार्थ्यांची लाभार्थी यादी समान आहे. मी तुम्हाला आता पुरावा दाखवला.

मा. महापौर :-

आपल्याला जी तक्रार करायची आहे ती लेखी स्वरूपामध्ये मला करा आयुक्तांना करा, संबंधित विभागाच्या उपायुक्तांना करा.

मर्लिन डिसा :-

ठिक आहे देणार.

मा. महापौर :-

तुम्ही सगळ्यांना तक्रार करा आणि जर तुम्हाला याचे समाधानकारक उत्तर मिळाले नाही तर तुम्ही तुम्हाला जी भुमिका घ्यायची ती भुमिका घ्या आता ही महासभा धोरण ठरविण्याबद्दल आहे.

मर्लिन डिसा :-

जे विद्यार्थी फक्त चौकशीसाठी आले होते त्यांची देखील लाभार्थी म्हणून नोंद केली होती.

रुबिना शेख :-

मेरे सभी साथी नगरसेवक और नगरसेविका को मेरा प्रणाम जिनमें से कई मेरे पुराने और अब नए दोस्त हैं। 5 सालो में हम सभी ने मिरा भाईदर के अवाम के काम करने की कोशिश की है और इसमें हमने कितने काम जनहित में किए और कितने अहित में किए यह तो अवाम ही तय करेगी हम अपनी पिठ थपथपाने वाले कौन होते हैं। पिछले 5 सालो में मंडम जनप्रतिनिधी के तौर पर.....

मा. महापौर :-

हे काय आहे हे धोरण आहे का तुम्ही धोरणाबद्दल बोला.

रुबिना शेख :-

में विषय पे बोल रही हूँ।

मा. महापौर :-

मला असे वाटते ह्यांना काहीच बोलायचे नाही.

रुबिना शेख :-

महिला बालकल्याण का विषय है मंडम।

मा. महापौर :-

आप खुद समिती की सदस्या हो मंडम।

रुबिना शेख :-

सदस्य है मगर इसमें शामिल नहीं है मंडम।

मा. महापौर :-

आप इन सबसे बोलना चाहिए।

रुबिना शेख :-

वहाँ भी बोलती हूँ यहाँ भी बोलती हूँ। पानपट्टे साहब से पत्रव्यवहार किए हैं मंडम कमिशनर साहब को पत्र दिया है।

प्रविण पाटील :-

महापौर मंडम मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या सर्व महापालिकेचे जे विभाग आहेत त्याच्यात महिला बालकल्याण विभाग फार महत्वाचा आहे. कारण ह्या विभागाच्या ज्या ज्या योजना आहेत त्या मिरा भाईदर मधील सर्व सामान्य शेवटच्या घटकापर्यंत पोहोचल्या जातात. म्हणून ह्या विभागाचे फार मोठे महत्व आहे आजपर्यंत गेल्या कित्येक वर्षांपासून जी बजेटमध्ये तरतूद केली आहे त्याच्या अनुषंगाने मला वाटते पहिल्यांदा हे जे धोरण आखलेले आहे त्याचं मी खरोखर प्रशासनाचे अभिनंदन करतो. कारण आता जे तुम्ही निकष दिलेले आहेत तेच धोरण आहे का पहिला हा माझा प्रश्न आहे की एकच धोरण आहे? तेच धोरण आहे का खरतर गेल्या कित्ये वर्षांपासून ह्या विभागामार्फत अनेक कोर्सेस केले जातात. पण त्याच्यामध्ये अनेक प्रकारचे गैरव्यवहार केले त्याचे प्रत्येकाचे उदाहरण

आपण बघितले. म्हणजे आज आपण हा विषय घेतलेला आहे. त्याच्यासाठी खरोखर मी तुमचे पुन्हा अभिन्नंदन करतो. मॅडम खरतर ह्या धोरणाला अनुसरून अनेक प्रश्न उपस्थित राहतील आता तुम्ही नगरसेवकांच्या माध्यमातून जे शिफारस पत्र मागवता त्याच्यामध्ये अनेक न्ररसेवक आता हे टर्म गेल्यानंतर हा बजेट ह्या वर्षी लागू होणार आहे तर हे जे शिफारस पत्र आहे हे सर्व कोर्सला लागू तुम्ही काही याच्यामध्ये दिलेले नाही तर त्याच्यामध्ये नगरसेवकांचे शिफारस पत्र हे नंतरचे ह्या वर्षाच्या धोरणासाठी लागू होणार आहे का किंवा त्यांचे ते कम्पलशनल असणार आहे का? त्याच्यानंतर जी तरतूद आहे ती तरतूद मला वाटतं जी तरतूद आहे ती तरतूद आपण जर वाढवली तर शेवटच्या घटकापर्यंत हा पुरेपूर त्याचा फायदा होऊ शकतो आणि दुसरं म्हणजे यालाच अनुसरून महिला बालकल्याण किंवा विधवांसाठी एक योजना होती मॅडम तुम्ही आणलेली. 50 वर्षावरील विधवा महिलांसाठी त्या योजनेच काय झालं त्याची मला काही कल्पना नाही. परत एकदा सभापती मॅडम होत्या त्यांनी त्या वेळेला माय माऊली योजना. ती अत्यंत महत्वाची होती आणि त्याच्यामध्ये कुठल्याही प्रकारचं गैरव्यवहार होण्यासारखा नव्हता. अशी योजना जर तुम्हाला पुन्हा परत एकदा जर प्रशासनाच्या माध्यमातून आपल्या माध्यमातून तर खरोखर त्याचा ह्या शहराला पुरेपूर फायदा होऊ शकतो. तस ह्या धोरणामध्ये कुठेच दिसत नाही तर तरतूद नसेल तर तरतुदीची उपलब्धता करावी आणि दुसरं म्हणजे ह्या धोरणामध्ये पुरेपूर आपण काटेकोरपणे ह्या धोरणाप्रमाणे पालन करावं आणि दुसरं महत्वाच म्हणजे मॅडम मगाच जो विषय होता ह्याला अनुसरून होता. मॅडम तुमच्या तोंडातून एक महत्वाचे वाक्य निघाले तुम्ही जबाबदार व्यक्ती आहात याच्यामध्ये काही लोकांनी पैसे मागितले मॅडम जर पैसे मागितले असतील बघा तुम्ही जबाबदारीने बोलतात जर पैसे मागितले असतील तर त्याची सखोल चौकशी जुबेरजीने सांगितल्याप्रमाणे घेणाऱ्याची आणि देणाऱ्याची दोघांची चौकशी व्हावी अशी मी तुम्हाला विनंती करतो मॅडम.

मा. महापौर :-

ह्या शहराची महापौर म्हणा जबाबदार व्यक्ती म्हणा. मी डायसवरून बोलली ह्याअर्थी मी जबाबदारीने बोलली याच मला पूर्णपणे भान आहे आणि मी पूर्ण खात्रीपूर्वक बोलते की ज्यांनी हे केलेले आहे.....

प्रविण पाटील :-

याची सखोल चौकशी व्हावी संबंधित विभागाकडून चौकशी व्हावी अशी तुमच्याकडे मागणी आहे.

मा. महापौर :-

मी जबाबदारीने बोलते पूर्ण खात्रीपूर्वक बोललेली आहे.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

सन्मा. सदस्य जुबेर इनामदार आपल्याला जर ठराव मांडायचा असेल तर आपण तो ठराव मांडावा.

वंदना पाटील :-

महापौर मॅडम तुम्ही सर्वांचे एकले मी सभापती असताना मी एक माय माऊली म्हणजे आधार योजना चालू केलेली त्यासाठी आपण 15 लाख रुपये निधी ठेवलेला पण आपण 7 लाख 50 हजारच खर्च केले. एवढे फॉर्म असताना अधिकाऱ्यांना बोलवा का ते खर्च केले नाहीत. 7 लाख 50 हजार रुपये असेच ते का ठेवले? अधिकाऱ्यांना बोलवा. 7 लाख 50 हजारची निधी का खर्च केली नाही. त्या माय माऊली गरीब महिलांसाठी आणि तीही निधी तिथे खर्च केली नाही का खर्च केली नाही.

(सभागृहात गोंधळ)

वंदना पाटील :-

त्या अधिकाऱ्याला बोलवा त्यांनी 7 लाख 50 हजार रुपये का खर्च केले नाहीत.

(सभागृहात गोंधळ)

निलम ढवण :-

मॅडम माझी एक सुचना आहे महिला बालकल्याणचा विषय आहे.....

वंदना पाटील :-

मी किती वेळा पैसे दिले ते कॉन्ट्रॅक्टर पैसे खातात त्यांचे ड्रायव्हींगच बंद करा मग का बंद केले नाही? अधिकाऱ्यांना बोलवून मला उत्तर द्या.

(सभागृहात गोंधळ)

वंदना पाटील :-

एवढे फॉर्म जमा आहेत मी महासभेत बोलतो की इकडे 50 लाखाची निधी करा. सगळ्यांना तुम्ही 50-50 लाख केली मग माय माऊलीची तुम्ही का नाही केली विधवा महिलांसाठी?

मा. उपमहापौर :-

पाटील मॅडम, महापौर संधी देत आहेत खुलासा करत आहेत तुम्ही शांततेने बसून घ्यावे.

वंदना पाटील :-

मी चांगलं काम केलं आहे.

मा. उपमहापौर :-

तुम्ही दोन मिनिटे बसून घ्या अधिकारी महोदय इथे खुलासा करत आहेत.

निलम ढवण :-

महापौर मॅडम मला ह्या ठिकाणी एक सुचना द्यायची आहे. महापौर मॅडम आणि आयुक्त साहेब दोघांना एक विनंती आहे की विधवा महिलांसाठी जी पेशन जाहिर होते शासनातर्फे तर त्यासाठी 21 हजारांचा तलाठ्यांचा दाखला घेतला जातो. परंतु आता कुठचाही तलाठी 21 हजारांचा दाखला देत नाही. त्यामुळे आपणही प्रशासनामार्फत शासनाला एक पत्र देऊन जी 21 हजाराची ती जास्त करून जास्त उत्पन्नाची थोडी हे करून घेण्यात यावी तरतूद की जेणेकरून त्याचा लाभ त्या पॅशनचा लाभ विधवा महिलांना गरीब विधवा महिलांना मिळू शकेल. यासंदर्भात मी देखील शासनाकडे प्रशासनातर्फे शासनाकडे पाठविण्यासाठी विनंती करते. मी इथे पण पत्र दिले आहे आणि शासनाला पण दिलेले आहे.

वंदना पाटील :-

मला प्रशासनाकडून उत्तर हवे आहे.

निलम ढवण :-

आपण देखील पत्रव्यवहार करावा अशी मी विनंती करते.

मा. महापौर :-

सर्व सन्मा. सदस्यांना विनंती आहे की ह्या महिला बालकल्याण समितीच्या संदर्भामध्ये सन्मा. आयुक्त महोदय खुलासा करत आहेत. कृपया आपण सर्वांनी बसून घ्या.

दिनेश नलावडे :-

महापौर मॅडम महत्वाची समिती आहे मॅडम तुम्ही प्रत्येक वेळेला बोलत आहेत त्या समितीमध्ये महिला आहेत त्याच्यामध्ये नगरसेवक समाविष्ट होत नाहीत का त्या कामामध्ये? महापौर मॅडम 5 वर्षांमध्ये कुठल्या सदस्यांनी किती काम केले महिला बालकल्याणमध्ये आम्ही 7-8 महिने झाले आमचे टेंडर दिले नगरसेवक मधून एक एक कामासाठी...

(सभागृहात गोंधळ)

दिनेश नलावडे :-

ह्यांना रिसिव्ह करायला अलाव्ह नाही तुम्ही रिसिव्ह करायला आम्हाला अलाव्ह द्या. मग तुम्हाला आम्ही दाखवतो एका वर्षामध्ये आम्ही किती काम दिलेत आणि किती पास झाले.

मा. महापौर :-

आयुक्त महोदय खुलासा करा.

संभाजी पानपट्टे (मा. अतिरिक्त आयुक्त) :-

मा. महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो, मिरा भाईंदर महापालिकेच्या महिला बालकल्याण समितीमध्ये प्रत्येक जो विषय येतो की आर्थिक प्रशासकीय मंजूरीचा विषय येतो. योजना सुध्दा योजना सभापतीला, उपसभापती त्यांना माहिती आहे सर्व सदस्यांना माहिती असते आणि जेवढ्या काय योजनेच्या निकष आहेत महिला बालकल्याण यांनी ठरविले आहेत त्यांना अधिकार आहेत. आज जो इथे निर्णय घेण्यासाठी महासभेत आलेला आहे तो पूर्ण शहरासाठी आणि यापुढे भविष्यामध्ये जेवढ्या काय योजना आहेत याचे धोरण फिक्स असले पाहिजे हे घेतलेले आहे. जेवढ्या काय योजना आहेत त्याचा लाभ लाभार्थीनी घेतलेला आहे त्या सर्वच सदस्यांचे, त्यात शिफारस पत्र आहे. जेवढे काही लाभार्थी आहेत एखादा लाभार्थीने 2-3 वेळी लाभ घेतला असेल त्यांना जे आवश्यकता असेल त्यांनी घेतला असेल तस धोरण काही फिक्स झाले नव्हते. आता धोरण ठरलेले आहे. त्यामुळे एकाच लाभार्थीला एकच लाभ द्यावा असे धोरण घेतलेले आहे. ज्या वेळेस जे काही प्रशिक्षण होतं महिला बालकल्याण समितीने रितसर प्रस्ताव घेतलेला होता. निकष ठरविले होते. लाभार्थी कसे असले पाहिजे. लाभार्थी कोण असले पाहिजेत, सर्व सदस्यांचे प्रत्येक फॉर्म त्यानुसार आपण टेंडर दिले आहे. कुठल्याही प्रकारचा भ्रष्टाचार झालेला नाही. हे सर्व ज्ञात महिला बालकल्याण समितीला आहे.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

जर बीना परवानगी तुम्ही बोलत असाल तर मला निलंबनाचा कार्यवाही करायचे सुध्दा अधिकार आहेत. आजचा दिवस मला असे वाटते की शहराचे बरेचसे विषय चांगले विषय आपण विषयपटलावरती आणलेले आहेत. तर ह्या विषयावरती आपण चर्चा करता हा ही महत्वाचा विषय आहे. आजच्या विषयामध्ये यावरती आपण धोरण निश्चित करतो आणि हे धोरण निश्चित करत असताना येणाऱ्या पुढच्या टर्ममध्ये महिला बालकल्याण समितीला ह्या धोरणावरती कामकाज करावं लागणार आहे आणि आता आपण चर्चा जी केली आहे त्या संदर्भामध्ये सन्मा. आयुक्तांनी खुलासा केलेला आहे.

(सभागृहात गोंधळ)

वंदना पाटील :-

मॅडम त्याच्यात 7 लाख 50 हजाराचे फॉर्म काढले दुसरे फॉर्म का नाही काढले? 7 लाख 50 हजार पुढे फॉर्म असताना तुम्ही 7 लाख 50 हजाराचा निधी का नाही वापरला मला त्याचे उत्तर हवे आहे.

संभाजी पानपट्टे (मा. अतिरिक्त आयुक्त) :-

15 लाख रुपये होते तेवढे खर्च केलेले आहेत.

वंदना पाटील :-

कोणाचे फॉर्म काढले किती फॉर्म काढले?

संभाजी पानपट्टे (मा. अतिरिक्त आयुक्त) :-

प्रत्येक सदस्यांकडून 3-3 घेतलेले आहेत आपण.

संभाजी पानपट्टे (मा. अतिरिक्त आयुक्त) :-

मा. महापौर :-

वंदना पाटील ताई यांच्या प्रश्नाचा खुलासा देत आहेत.

संभाजी पानपट्टे (मा. अतिरिक्त आयुक्त) :-

महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो, मॅडम 15 लाखाची यादी माझ्याकडे आहे. एका सदस्याकडून 3 फॉर्म आपण घेतलेले होते त्यानुसार 15 लाखाची यादी आमच्याकडे आहे.

मर्लिन डिसा :-

यादी आहे पण मिळाले नाही.

संभाजी पानपट्टे (मा. अतिरिक्त आयुक्त) :-

तुमच्याकडे यादी आहे पण फक्त 7 लाख 50 हजारच खर्च झालेले आहेत. मी जबाबदारीने बोलत आहे मॅडम 15 लाख खर्च झाले आहेत त्याची यादी आमच्याकडे आहे. याच्यापेक्षा तुमचे समाधान मी करू शकत नाही.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. उपमहापौर :-

सर्वाना विनंती आहे चर्चा ज करत आहोत ती पूर्ण शहरासाठी आपण करत आहेत.

वंदना पाटील :-

मी फक्त माझ्यासाठी करत आहे असे मी म्हणत नाही. मी त्या गरीब महिलांसाठी भांडत आहे त्यांनी फॉर्म भरले होते ह्या सर्व नगरसेवकांनी माझ्या याच्यावर फॉर्म भरलेले होते की चांगली स्कीम काढली आणि सगळ्यांना चांगले प्रोत्साहन दिले की ज्या लेडीजला कधीच आपल्या मिरा भाईंदरमध्ये काहीच भेटले नव्हते. त्यांच्यासाठी आपण केलं आहे.

मा. उपमहापौर :-

तुम्ही जे बोलले ते शंभर टक्के खरं आहे इथे जे बसलेले सदस्य आहेत ते प्रत्येक लोकांसाठी काम करतात. आपण तूम्ही मी सर्व लोकांसाठी काम करतो. हात जोडून ही विनंती आहे की आपले जे काही प्रश्न आहेत आपली जी तक्रार आहे मी पानपट्टे साहेबांना विनंती करेल.....

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

वंदना ताई आपण बसून घ्या. सन्मा. सदस्य जुबेर इनामदारजी आपण ठराव वाचा. चर्चा भरपूर झालेली आहे.

जुबेर इनामदार :-

मी जास्त बोलणार नाही. माझी भूमिका मांडू दे.

मा. महापौर :-

प्रभात ताई यांना बोलू द्या.

प्रभात पाटील :-

यांची सुचना जी आहे ती मी आधी वाचते आणि मग मी माझं बोलते. मायमाऊली योजना 31 मार्च 2022 पर्यंत झालेल्या सर्व अर्ज मंजूर करावेत आणि ह्यासाठी लागणाऱ्या खर्चास ही सभा मंजूरी देत आहे अशी माझी सुचना आहे. खरतर आपण जे प्रोसिडींग मंजूर केलं त्या प्रोसिडींगमध्ये माझ मागच्या मिटींगमध्ये नमुद आहे. माय माऊली संदर्भात आहे आणि अपंगासाठी दिव्यांगाबद्दल पण आहे. पण मी त्या विषयावर बोलले नाही परंतु तो विषय मी मागच्या वेळी बोलले होते. पण आता बोलण्याचा योग मी बोलत नव्हते मी सकाळपासून गप्प होते. पण हा सगळा गोंधळ होता महिला बालकल्याणवर इतका गोंधळ आणि हा ठरलेला विषय आहे असे आज वाटायला लागले की खरच इथे.....

(सभागृहात गोंधळ)

प्रभात पाटील :-

विषय महिलांचा आहे. पण महिलांच्या विषयावर गोंधळ अस बोललं जाते. खरतर इथे सुशिक्षित आणि सुजाण महिला आहेत. व्हायला नको होते पण मला अधिकाऱ्यांना एवढंच सांगायचं

आहे आणि महापौर मॅडम आपल्यालाही सांगायचे आहे की हा गोंधळ केव्हा होतो जेव्हा आपल्याकडे समन्वयाचा अभाव असतो. हे मी नमुद करीन सगळ्यात शेवटी की त्या समन्वयावर आपण काय तोडगा काढावा. खरतर तुम्ही सगळेच तज्ञ आहात. पण या समन्वयावर तोडगा काढण्यासाठी वेळ येणे आता फक्त एकमेकांची झिंगा करायच्या बाकी होत्या असेच मी म्हणून आणि हा विषय इतका संवेदनशील आहे. खर तर ह्या योजना इतक्या चांगल्या आहेत ह्या शहरातल्या महिलांसाठी की अस व्हायला नको होते पण ते झालेले आहे. आणि ते आपण संपूर्ण सदस्यांनी ते पाहिले आणि बाहेर प्रेक्षक गॅलरीत बसलेले त्यांनी पण पाहिले. मायमाऊली मध्ये योजना खुप चांगली आहे. मगाशी प्रविण पाटील पण म्हणाले खुप चांगली योजना आहे. आम्हालाही आनंद वाटला की प्रत्येक विधवा महिलेला दर वर्षाला पाच हजार मिळत असतील तर खुप चांगले आहे. पण आपले नियोजन नीट नाही. आपल्या कॅटेगरीची योजना चुकली आणि पर्यायी झाल काय की, तुमच्या महापौर म्हणून तुम्ही 200 फॉर्म भरले. मी उदाहरण सांगते. मी असे सांगत नाही कोणी 100 भरले, कोणी 500 भरले, कोणी 300 आता तुम्ही महापौर म्हणून तुमची कॅटेगरी चालेल आणि तुमच्या अधिकारात तुम्ही 200 च्या 200 मंजूर केले. मी उदाहरण सांगते.

मा. महापौर :-

माझ उदाहरण नका देऊ प्लीझ. मला सोडून कोणाचं पण नाव घ्या.

वंदना मंगेश पाटील :-

मी आरोप केला तो मी महासभेत बोलणार. मी 5 लाखाचा निधी दिला. तुम्ही का पास केला नाही?

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

प्रभात ताईना बोलू द्या. तुम्ही बसा.

प्रभात पाटील :-

एखाद्याला 10 पण मंजूर करता आले नाही. त्यांचे 10 ही मंजूर झालेले नाहीत. म्हणजे हा जो समतोल झाला. इतर वादाला सुरुवात झाली आणि ह्या समतोलाचा आपण नियोजन केले नाही. म्हणून हा विषय चर्चला झाला हा एक विषय झाला. दुसरी योजना आपली आहे महिलांसाठीची ती म्हणजे हे प्रशिक्षण मी कालही आपल्याला आढावा बैठकीत बोलले. खरतर बोलायला नको होते पण तोच मुद्दा आता कोणी तरी दाखवून दिलं मला वाटत मर्लिन डिसा मॅडमने की एक-एक माणसांनी 4-4 बेनिफिट्स घेतले. त्याचे सुध्दा नियोजन व्हायला पाहिजे. एखादा माणूस 4 वेळा जर त्याचा लाभ घेतो. पण एखाद्या महिलेला जागा फुल झाल्या म्हणून परत पाठवल जातं याचेही नियोजन होणे आवश्यक आहे. त्याच्यानंतर दुसरा मुद्दा राहिला तो दिव्यांगाचा. दिव्यांगांना पेंशन आहे. साहेब मी तुमच्यासामोर पण येवून बसले होते. माझा त्या दिव्यांगांना एकाला सुध्दा ती पेंशन मिळालेली नाही. मला हे बोलताना अतिशय म्हणजे मी एखाद्या जबाबदार अधिकाऱ्याजवळ बसते आणि बोलते एखादा विषयावर तेव्हा त्याची एकाची तरी कार्यपुर्ती व्हायला पाहिजे ते झालेले नाही. त्याच्यानंतर तुम्हाला सांगते आपण योजना जाहिर केली की विधवा महिलांसाठी किंवा दिव्यांगासाठी ज्या आपण विद्यार्थ्यांची फी भरतो, किती तरी विद्यार्थ्यांची फी पेन्डींग आहे. आपण जरा काढून बघा. एक विद्यार्थी असा आहे माझ्याच वॉर्डाला बाकीचे जे असतील ते वेगळे आहेत. तो 9वी पास झाला त्याचे सर्टीफिकेट देत नाहीत. कारण त्याची 9वी ची फी बाकी आहे. तुम्हीसुध्दा शाळेशी बोललात पण त्या विद्यार्थ्याला शाळेत घेतले गेले नाही. त्याचे 10वी वर्ष वाया गेले याला जबाबदार कोण? आपले नियोजन जबाबदार आहे. आणि म्हणून मी सांगते की ह्या सगळ्या गोष्टी खुप चांगल्या आहेत. परंतु आपल्या नियोजनाचा अभाव आहे. आपल्या समन्वयाचा अभाव आहे आणि म्हणून ह्या गोष्टी व्हायच्या असतील तर तुम्ही मला वाटत तुम्ही चार लोक तर वरच डायसवर आहात. तुम्ही चार

लोकांनी बसून त्याचे नियोजन करा. त्याच्यात लक्ष घाला. त्याच्यात मार्ग काढा. आपल्या योजना चांगल्या आहेत. आपला पैसा खर्च होतो पण योग्य दिशेन योग्य ठिकाणी तो खर्च होत नाही. आणि राहिली गोष्ट जे बाहेर बॅनर दाखवले मॅडम हे ठेके घेणारे पण ह्या संस्थेचे चारच लोक आहेत. हे ठेके ओपन करा ना. ज्याला पाहिजे तो करेल. याचा जर तुम्हाला निपटारा हवा असेल तर ह्या डायस वरती तुम्ही लक्षात घेतले पाहिजे. चला हे वर्ष संपले पण येणाऱ्या 5 वर्षांमध्ये आपण हे समितीचे कार्य चांगल्याप्रकारे आपण निपटारू शकू अशी मला आशा आहे.

वंदना मंगेश पाटील :-

जी आपण माय माऊली योजना चालू केली विधवांसाठी आर्थिक मदत आम्ही आमच्या कमिटीने त्याला माय माऊली नाव दिले. कारण एखाद्याला कुठे तरी काय तरी सन्मा. नाव द्यावे म्हणून आम्ही ते नाव दिले. मॅडम त्यासाठी निधी कमी पडत होत म्हणून आम्ही प्रत्येक नगरसेवकाने कोणी पण असो म्हणजे सगळेच नगरसेवकांनी जसे मी 5 लाख, आपल्या उपसभापतींनी 2 लाख रु. असे प्रत्येक नगरसेवकांनी निधी दिला. त्या निधीचे काम झालं तुम्हाला किती वेळा लेटर द्यायचे ते पास होणार आहे की नाही होणार आहे. बहुतेक जणांनी त्या निधीच्या जिवावर फॉर्म भरले. त्या टाईमाला उत्तर मिळायला पाहिजे होते की नाही. आमच्या त्या 5 लाखांच्या निधीचे काय झालं? याचे मला उत्तर द्या.

निलम ढवण :-

महापौर मॅडम, विधवा महिलांना विधवा महिलांच्या मुलांना जेव्हा आपण शैक्षणिक मदत करत होतो तर त्यामध्ये जर महिलेचे 50 वय झाले तर त्या मुलांना शैक्षणिक मदत मिळत नाही. तर ही अट काढून टाकण्यात यावी. महिलांना 50 वय झाल्यानंतर त्या मुलांना शैक्षणिक मदत दिली जात नाही तर ही अट काढून टाकण्यात यावी. कारण त्याचा फायदा महिलांना, त्यात वयाचा दोष काय विधवा म्हंटल्यानंतर त्यांच्या मुलांना शैक्षणिक मदत मिळालीच पाहिजे. ही अट घातलेली आहे ती अट काढून टाकण्यात यावी. आणि माय माऊलीसाठी आपण प्रशासनातर्फे तरतुद करून सर्वानाच त्याचा लाभ कसा मिळेल आणि मग पुढच्या वेळी ज्या अटीशर्ती नाही पाहिजे असतील त्या अटी न घालून त्यानुसार फॉर्म आपण मागविण्यात यावे. परंतु आता ज्यांनी ज्यांनी भरलेले आहेत तर त्याचा लाभ त्या सर्व माय माऊलींना मिळावा अशी आपणांस विनंती करते.

अनिल सावंत :-

महिला बालकल्याणचा विषय असते वेळी बजेटमध्ये सुध्दा आपण जास्त तरतुद करतो की हे महिला बालकल्याणचे बजेट आहे ते महिलांसाठी या शहरासाठी उपयोगात यावे आता ह्यामध्ये अशाप्रकारे काम चालते हा महत्वाचा मुद्दा आहे. जस प्रभात ताईंनी मगाशी सांगितले कशाप्रकारे टेंडर दिली जातात, कशाप्रकारे काम चालते. महिला बालकल्याण विभागामार्फत आपण शहरामध्ये समोपदेशन कॉन्सलिंग सेंटर ह्या काळामध्ये चालू केले. टेंडर कधी लागले एप्रिल 2020 ला तेव्हा शहरामध्ये कोविड होता. घरातून कोणी बाहेर पडू शकत नव्हत. जून 2020 मध्ये त्यांना कार्यादेश दिला. तो पिरियड आठवा. म्हणजे ते जवळजवळ दिड वर्षांमध्ये ज्यावेळी शहरातील लोक बाहेर पडू शकत नव्हते त्यावेळी समुपदेशन केंद्र चालू ठेवण्यासाठी मनपा टेंडर काढते. त्याचा कार्यादेश देते आणि त्यांच्या जवळून माहिती मागितली की किती जणांचे तुम्ही काउंसलिंग केले. तुम्ही फुल पेमेंट केले नाही ते 5 लाख रुपये किती जणांचे काउंसलिंग केले. त्यांच्या जवळ ती लिस्ट नाही आणि हे काउंसलिंग अशा ठिकाणी केलेले आहे, भाईदर इस्टला तिथे इमारत आहे. वनरुम किचनचा फ्लॅट आणि त्याच्यामध्ये एक भाडोत्री. अशा जागेवर ते समुपदेशन केंद्र चालवते आणि मनपाने ते पैसे दिले यांच्याजवळ ती लिस्ट नाही. कोविड काळामध्ये मनपाला आपण पूर्ण अधिकार दिले होते. त्यातलाच हा प्रकार आहे त्याच्यात बरेच कोविड काळामध्ये झालेला खर्चाच्या बाबतीत बरेच आरापे झाले. त्याचे स्पष्टीकरण आम्हाला आमची टर्म संपली तरी सुध्दा मिळालेले नाही अशाप्रकारे जर महिला

बालकल्याणचे काम चालत असेल तर आपण करोडो रुपये इथे बजेट प्रोव्हिजन करून शहरातील गरीब महिलांना त्याचा फायदा कसा मिळणार.

मा. महापौर :-

महिला व बालकल्याणच्या सभापती मिरादेवी यादव मॅडम बोलत आहेत.

मिरादेवी यादव :-

महापौर मॅडम आपके परवानगीसे बोल रही हूँ, आज आश्चर्य यह हो रहा है की, 25 साल से आजतक किसी का महिला बालकल्याण समिती मे भ्रष्टाचार नहीं दिखा। मैं यह विषय इमानदारी से लायी थी मतलब सबको पता चलना चाहिए की यह काम मैं करने जा रही हूँ। इसके लिए मैंने बोला। दूसरी बात यह जो नियमावली का विषय आया मॅडम 15 लाख बजेट रखा गया था। ढाई हजार फॉर्म भरा गया था। उसमेसे 10 लाख रु. वापस से उसमे पुर्नविनियोजन किये गये है और 500 लाभार्थी को स्कीम दिया गया है। अब 25 लाख अभी बजेट मे रखा गया है। मैं महासभा मे आपसे आयुक्त साहब को विनंती करती हूँ की जो बचे है उनको और बजेट बढ़ा कर के उसको पुरा करो और नया फॉर्म की बात अभी जो बोल रहे थे नया फॉर्म क्यों नहीं भरे। पुराना पुरा नहीं हुआ तो नया कहाँसे भरोगे। मैं नया कुछ भी नहीं लायी हूँ, नया जो चीज लायी हूँ वो शहर मे आनेवाले समय मे देखीये मैं क्या लायी हूँ। अभीभी पेन्डींग मे है वो सब हमने नहीं बाहर लायी हूँ भी आयेगा सामने। आनेवाले समय मे सबको पता चलेगा और रही बात 25 साल किसी को भी महिला बालकल्याण नहीं दिखा आज दिख रहा है। मैं अपने आप को भाग्यशाली समझू की नहीं समझू। महापौर मॅडम अभी जो 25 लाख का बजेट है उसमे से अभी जितना है उतना दिया जाए। अभी 2 हजार फॉर्म पडे हुए है। 25 लाख बजेट है और 25 के बाद जो कम पडता है वो महासभा निर्णय ले। महिला व बालकल्याण समिती मार्फत राबविण्यात येणारे विविध प्रशिक्षणासाठी लाभार्थी निवडीचे निकष खालीलप्रमाणे आहेत.

| अ.क्र. | योजना/ प्रशिक्षणाचे नाव | उपलब्ध तरतुद | लाभार्थ्यांची संख्या (सन 2019-20 च्या निविदेतील दरानुसार) | लाभार्थी निवडीचे निकष |
|--------|---|--------------|---|--|
| 1. | MSCIT कोर्स | 25.00 लाख | 555 लाभार्थी | 1) महापालिका क्षेत्रातील 5 वर्षांचा रहिवाशी पुरावा (शिधापत्रक, भाडे करारनामा, आधारकार्ड व इ.) 2) स्थानिक नगरसेवकांचे शिफारस पत्र (प्रभाग निहाय) 3) तांत्रिक प्रशिक्षणाकरीता MSCIT उत्तीर्ण असलेले शैक्षणिक पात्रता प्रमाणपत्र 4) वय किमान 18 वर्ष व कमाल 45 वर्ष इतके असावे 5) लाभार्थीची निवडीसाठी उपरोक्त निकषासह अर्ज प्राप्त झाल्यानंतर लाभार्थ्यांची माहिती विचारात घेवून व त्यांची आर्थिक परिस्थिती व निकड |
| 2. | फॅशन डिझायनिंग कोर्स | 25.00 लाख | 969 लाभार्थी | |
| 3. | ब्यूटीपार्लर, नेल आर्ट, मेहंदी कोर्स | 45.00 लाख | 471 लाभार्थी | |
| 4. | वेब डिझायनिंग कोर्स | 20.00 लाख | 380 लाभार्थी | |
| 5. | ड्रायव्हिंग प्रशिक्षण (चार चाकी / तीन / दोन चाकी) | 25.00 लाख | 373 लाभार्थी | |
| 6. | ज्युडो-कराटे / योगा प्रशिक्षण | 15.00 लाख | 300 लाभार्थी | |
| 7. | बेसिक कॉम्प्युटर / डीटीपी कॉम्प्युटर, टॅली कॉम्प्युटर / इंग्लिश स्पिकींग कोर्स करणे | 10.00 लाख | 33 लाभार्थी | |

| | | | | |
|----|--------------------------|----------|--------------|---|
| 8. | कापडी पिशवी बनविणे कोर्स | 5.00 लाख | 175 लाभार्थी | लक्षात घेता पात्र अर्ज व लाभार्थ्यांची निवड महिला व बालकल्याण समितीच्या मान्यतेने करणेत येईल. |
|----|--------------------------|----------|--------------|---|

त्याअनुषंगाने महिला व बालकल्याण समिती सभा दि.03/06/2022 ठराव क्र.04 अन्वये मंजूर केलेल्या विविध प्रशिक्षणाकरीता महिला लाभार्थी उपरोक्त तक्त्यात नमूद केल्याप्रमाणे निवडीचे निकष निश्चित करणेस ही मा. महासभा मंजूरी देत आहे असा मी ठराव मांडत आहे. सर्व योजनेसाठी उपरोक्त प्रमाणे लाभार्थी निवडीचे निकष असतील.

विविधा नाईक :-

माझे अनुमोदन आहे.

जुबेर इनामदार :-

महिला बालकल्याण हा फक्त महिलांचाच अधिकार नाही तर त्याच्यामध्ये पुरुषांचाही अधिकार 25 टक्के आणि इतिहासामध्ये महिला व बालकल्याण समितीचे सभापती श्री. जयंत पाटील साहेब होऊन गेलेले आहेत. हा फक्त महिला बालकल्याण विषय नसू शकतो तर हा विषय महिलांच्या फायद्याचा ठरला पाहिजे. उदरनिर्वाहाचा त्यांचा मार्ग तयार झाला पाहिजे. ह्यासाठी महिला व बालकल्याण समितीच्या माध्यमातून वेगवेगळ्या योजना राबवल्या जातात. आयुक्त महोदय बऱ्याचश्या योजना राबवताना भ्रष्टाचाराचे आरोप का झाले त्याची कारणे काय आहेत. बऱ्याचचेळी आम्ही हा विषय मोघम पध्दतीने घेतो. कुठे तरी काही लोकांना त्याचा फायदा पोहचतो म्हणून त्याची जगजाहिर पध्दतीने चर्चा केली नाही. पण आता कुठेतरी त्याची गरज दिसून येते. साहेब आपण त्या महिला बालकल्याणच्या माध्यमातून गरजू महिलांना चक्की वाटप, आटा मशिन वाटप, शिलाई मशिन वाटप अश्या बऱ्याच काही योजनांमार्फत वाटप करीत असतो. सध्याचे आपले 95 सदस्य आहेत. स्विकृत सदस्य गेल्या वर्षामध्ये 5 वाढले. 100 सदस्य, मशिन आजपर्यंत किती आल्या त्याचा तुम्ही ऑडीट रिपोर्ट मागवा. कधी 150 कधी 200 हे गेले कुठे? आणि हे कुणला दिले जातात? म्हणजे साहेब सदस्य 95 प्रत्येक सदस्याला एक-एक मशिन किंवा एकच साहित्य वाटायचा अधिकार त्याने एकच मशिन द्यायची. तुम्ही एक शिफारस पत्र दिले आम्ही तुम्हाला एक देऊ.

वंदना मंगेश पाटील :-

तुम्ही जर आरोप करीत आहोत तर मला उत्तर देऊ देत. मी सांगते कोणाला दिले.

जुबेर इनामदार :-

आरोप असला तर मी कुठल्या सदस्यावर आरोप करीत नाही. मी ज्या पध्दतीने प्रशासकीय कामकाज सुरु आहे त्यावर करतोय. कारण आम्ही काही केल आम्ही उद्या ठराव करु महापालिका विकून टाका. प्रशासन आहे ना. चुकीचे खरा काय केल पाहिजे. त्याची आर्थिक अडचण काय आहे? त्याला नियम काय त्याला बांधिलकी काय त्याला विधिवत पध्दतीने कसं केल पाहिजे त्याची सुचना त्याला मार्गदर्शन प्रशासन देतो. कुठेतरी लोक चुकत असतील सर्वसामान्य महिला आहेत. त्यांची इच्छा भरपूर लोकांना भरपूर काही द्यावं पण तसं होत नाही. झाले असेल तर मग कुठे गेले त्याची शहानिशा करण्यासाठी हा विषय. मी इथे मुद्दामहून तुमच्या समोर साहेब सभागृहामध्ये आणला. साहेब चांगले धोरण ठरले मायमाऊली. घटस्पोटीत विधवा महिलांच्या मुलांच्या लग्नासाठी मदत घटस्पोटीत महिला व विधवा महिलांच्या मुलांच्या शैक्षणिक मदत अशा प्रकारे मदत दिली. ह्या पालिकेचा महत्वाचा विषय आहे. आयुक्त महोदय, ज्या पालकांचा पैसा त्यांच्या पर्यंत गेलेला पैसा शाळेत गेला का.....

मा. महापौर :-

ठराव वाचा. मला वाटते सन्मा. सदस्यांना भुक लागलेली आहे.

सुरेश खंडेलवाल :-

मॅडम मला वाटते आपण भरपूर सदस्यांना बोलायला संधी दिलेली आहे. आता मेहरबानी करून ह्यांना ठराव मांडायला सांगा.

(सभागहात गोंधळ)

जुबेर इनामदार :-

मी भाषण का नाही करणार तो माझा अधिकार आहे. सभा कशाला बोलवता.

मा. महापौर :-

तुमचा हरकतीचा मुद्दा आहे. मग तुम्ही आता ठराव वाचा. चर्चा झाली सगळ्या महिलांनी चर्चा केली. तुम्ही पण चर्चा केली. मला सांगा आता कोणी काय केले आहे. भ्रष्टाचार केला नाही केला प्रशासन बघेल. तुमच्या ठरावात सर्व नमुद करा.

जुबेर इनामदार :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिकेत महिला बालकल्याण विभाग अंतर्गत राज्य शासन आदेशानुसार लोकहित मध्ये समाजात असलेले आर्थिक दुर्बल व गरजू घटकांसाठीच विविध योजना राबवले जात आहेत. योजना राबवण्याकरिता महापालिकेत वैधानिक समिती महिला व बालकल्याण नियमानुसार दरवर्षी गठीत केली जाते. सदर समितीने कर्तव्यनिष्ठ राहून जबाबदारीने, विविध पध्दतीने आपले कार्य संपूर्ण करणे अपेक्षित आहे तसेच समितीला सक्तीने वेळोवेळी लागणारी आर्थिक, मोळीक, विधिवध सल्ला व सूचना देणे महापालिकेचा अधिच्यांची जबाबदारी आहे.

समिती अंतर्गत राबवण्यात आलेले कार्यक्रमात मोठ्या प्रमाणात भ्रष्टाचाराचे आरोप होत आहेत. आरोपाची तक्रारी महापालिका आयुक्तांना करण्यात आली आहे.

1. निविदा अटीशर्ती जुन्या ठेकदारांच्या सोयीने करणे, सहा सात संस्था त्यांनाच गेली दहा वर्षे टेंडर दिले जात आहे.
2. स्पर्धा रोकण्यासाठी टेंडर प्रक्रिया सदोष पध्दतीने व कंत्राटदारांच्या मर्जीतल्या अटीशर्ती टाकल्या जातात व जनहिताच्या अटीशर्ती नसतात.
3. बोगस लाभार्थी दाखवून ब्युटी पार्लर प्रशिक्षण, योगा प्रशिक्षण, कम्प्युटर वेब डिझाईन प्रशिक्षण, वाहन चालक प्रशिक्षण पूर्ण केले जात आहेत.
4. लाभार्थ्यांकडून कंत्राटदारांनी प्रत्येकी 500 ते 5000/- हून जास्त पैसे नियमबाह्य पध्दतीने वसूल केले.
5. घरघंटी, शिलाई मशीन, इडली आटा मेकर, मेमोग्राफी मशीन कंत्राटदाराला चढ्या भावाने नियम डावलून, पसंतीचा ठेकदाराला सदोष निविदा प्रक्रिया करून देण्यात आले आहे.
6. समुपदेशन केंद्र सुरु नसताना कंत्राटदाराला विनाकारण बिल अदा केले आहे.
7. योगा प्रशिक्षण/ज्युडो कराटे प्रशिक्षण देताना महाराष्ट्र शासनाचा जीआर उलंघन केले आहे जीआर मध्ये प्रति लाभार्थी रु. 300 दर ठरलेला असताना रु. 2200 व 2800 नुसार निविदा काढल्या आहेत. त्यातही इमारतीच्या गच्चीवर नावाला हे प्रशिक्षण होतात.
8. कुठल्याही प्रशिक्षणाचे ठोस फोटो, व्हिडीयो पुरावे नाही, अथवा वरिष्ठ अधिकारी स्थल परिक्षण अहवाल उपलब्ध नाही.
9. परिक्षण केंद्र शहराचा पोच रस्त्यावर असणे अपेक्षित असताना कोपऱ्यातील अंतर्गत इमारतीचा भाडे तत्वावर फ्लॅट मध्ये दिले जात आहे.
10. बऱ्याच योजना शासनाचा मंजूर योजना नसतानाही राबवले जात आहेत त्यांना राज्य शासनाची मंजूरी घेतलेली नाही.

या विभागांतर्गत राबवण्यात येणाऱ्या योजनेचे लाभार्थी यांची आर्थिक चाचपणी केली जात नाही आर्थिक रित्या सक्षम लोकांना ही शिफारशीच्या धर्तीवर लाभ दिली जात आहे. लाभार्थी फक्त हौशे पुरता प्रवेश अर्ज भरून परत येत नसतानाही अशा प्रवेशचे ही देय अदा केले जातात, एकही प्रशिक्षणाचे क्रॉस स्तयापन (Cross Verification) आज दिनांकापर्यंत केले गेले नाही.

तरी मा. आयुक्ताने सदर विषयी प्राप्त तक्रारीला अनुसरून होणारा कोट्यवधीचा भ्रष्टाचार रोकण्यासाठी, महापालिकेचे धोरणात्मक निर्णय स्थान मा. महासभामध्ये ठरावाद्वारे विभागीय कामकाजावर केलेले आरोपावर, कार्यवाहीसाठी सक्षम अधिकारी नेमावा व त्याला या विभागावर केलेले आरोपाचे सखोल चौकशी आदेश करावेत व चौकशी अहवाल मा. महासभेसमोर सादर करावा असा मी ठराव मांडत आहे.

प्रविण पाटील :-

माझे अनुमोदन आहे.

मा. महापौर :-

सचिव साहेब, दोन ठराव आहेत. मतदान घ्या.

नगरसचिव :-

सन्मा. सदस्या निलम ढवण यांची सुचना कोणत्या ठरावात घ्यायची आहे.

निलम ढवण :-

सुचना वाचायला सांगत आहेत का, मी मगाशी पॉईंट मांडला तोच आहे.

मा. महापौर :-

वाचा.

निलम ढवण :-

मा. महासभा दि. 03/08/2022 सुचना विषय क्र. 21 महिला व बालकल्याण समिती 1) महिला बालकल्याण अंतर्गत विधवा महिलांच्या मुलांना शैक्षणिक मदत दिली जाते. परंतु विधवा महिलांचे वय 50 वर्षावरील असेल तर मदत दिली जात नाही तर ही अट घातलेली आहे. तरी ही महिलेच्या वर्षाची अट काढून टाकण्यात यावी ही विनंती. 2) माय माऊली अंतर्गत सर्व महिलांना लाभ देण्यासाठी प्रशासनाने तरतूद करून फॉर्म भरलेल्या सर्व महिलांना लाभ देण्यात यावा अशी मी सुचना मांडत आहे.

मा. महापौर :-

तुम्हाला सुचना कोणाच्या ठरावात द्यायची आहे?

निलम ढवण :-

तुम्हाला योग्य वाटत असेल तुमच्या ठरावात घ्या.

मा. महापौर :-

ते तुम्ही सांगायच मॅडम सन्मा. सदस्य जुबेर इनामदार यांच्या ठरावात ती घ्यायची आहे की सन्मा. सदस्या मिरादेवी मॅडमने ठराव वाचला आहे त्याच्यामध्ये घ्यायचे आहे का कोणामध्ये घ्यायचे आहे?

निलम ढवण :-

महापौर मॅडम माझे म्हणणे आहे की हे योग्य आहे की अयोग्य आहे.

मा. महापौर :-

ते मी नाही सांगू शकत.

निलम ढवण :-

ऐका याच्यात राजकारण असे होईल की ठराव मेजोरीटीनुसार होणार मग ज्या ठरावात आम्ही सुचना देणार तर मग ती सुचना आपली तशीच राहिल कारण ही देखील महत्वाची आहे. महिलांना त्याचा लाभ मिळायला पाहिजे.

मा. महापौर :-

सुचना कोणाच्या ठरावात घ्यायची आहे तेवढे फक्त सांगा.

निलम ढवण :-

ठराव नाही होऊ शकत बोलण्याचा तो भाग आहे.

मा. महापौर :-

धोरणाचा भाग आहे मग ठरावात कसा येईल.

निलम ढवण :-

येईल धोरणामध्ये तो अँड करा.

मा. महापौर :-

प्रोसिडींगमध्ये ते येईल. तुमच्या ठरावामध्ये येणार नाही, नाही यांच्या ठरावात येणार.

निलम ढवण :-

म्हणजे प्रशासनाने याची अंमलबजावणी करावी अशी विनंती करते.

मा. महापौर :-

तुम्ही इथे वाचन केले आहे ते प्रोसिडींगमध्ये येणार.

(सभागृहात गोंधळ)

प्रविण पाटील :-

आम्ही बोलण्यामध्ये नाही घेत आम्ही ठरावात घेतो.

निलम ढवण :-

तुम्ही धोरणामध्ये घेणार नसाल तर ठिक आहे. पानपट्टे साहेब हे ठराव असतात ते पक्षाच्या अंतर्गत असतात. प्रत्येक पक्ष आपले ठराव मांडत असतो धोरण प्रशासन ठरवते.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. आयुक्त :-

महिला आणि बालकल्याण विभागाकडून धोरण निश्चितसाठी आपले समोर आलेले आहे. आपली जरी सुचना असेल तर त्यांच्यामार्फत त्यात सुधारणा करून अंतर्भूत करून ते अँड करू शकतात आणि त्याला महासभा मंजूर करू शकते. इतक साध सुटसुटीत आहे तुमची सुचना योग्य आहे असे जर योग्य वाटत असेल तर महिला व बालकल्याण समिती ते अंतर्भूत करतील आणि सुधारणेसह मंजूर फक्त महासभा करेल.

प्रविण पाटील :-

मुळ विषय काय आहे धोरण ठरवावं.

मा. आयुक्त :-

हे धोरणात अंतर्भूत करायला सांगत आहेत ना आपण?

प्रविण पाटील :-

धोरणातच सांगत आहेत ठरावात नाही.

मा. आयुक्त :-

तुमचा मुद्दा समजलेला आहे.

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम माझे असे मत होते याची सुचना चांगली आहे याची सुचना आम्ही आमच्या ठरावामध्ये अँड करतो.

प्रविण पाटील :-

आम्हाला नको सभेला विषय काय आणलेला आहे मला पहिला सांगा? धोरण ठरविण्याचा सदस्यांच्या सुचना घेणार म्हणून विषय आणलेला आहे ना एका सदस्याने सुचना मांडलेली आहे ती सुचना प्रशासन घेणार नाही का ते सांगा. आम्हाला ठरावात नको धोरणात घ्या.

मा. उपमहापौर :-

निलम ढवण मॅडम तुमची सुचना तुमच्या नावानेच जाणार आहे.

प्रविण पाटील :-

ही सुचना प्रशासनाने मान्य केली की नाही मग नंतर आम्ही कुठल्या ठरावात घ्यायची ते ठरवतो.

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम सभागृहात चर्चा होत असते सभागृहाला निर्णय घेण्याचा अधिकार हा महापौरांचा असतो आणि जेव्हा हे म्हणतात आमच्याकडे संख्याबळ जास्त आहे तेव्हा मी नम्रपणे यांना सांगतो की याची सुचनाही चांगली आहे. आमच्या सर्व सदस्यांना ती सुचना पटलेली आहे आणि म्हणून आम्ही तो अॅड करावं सांगत आहोत. यांची सुचना योग्य आहे याच्या नावानीशी ही सुचना आमच्या ठरावात अॅड करतो.

निलम ढवण :-

प्रशासनाल मान्य आहे की नाही ते सांगा.

मा. महापौर :-

निलम ढवण ताईना एकच माझी विनंती आहे आपण मांडलेली सुचना खरोखर योग्य आहे ही सुचना म्हणून प्रोसिडींगमध्ये येऊ देत आता प्रशासनाचे धोरणाच्या हितामध्ये ते नाही येणार. आता जर ठराव नसता तर फक्त प्रोसिडींग असते. पण आता काय झालं दोन ठराव आलेत म्हणून आता दोन ठराव झाल्यामुळे तुमची सुचना एक तर सन्मा. मिरादेवी यादव यांच्या ठरावात येईल किंवा जुबेर इनामदार यांच्या ठरावात येईल.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

मतदानाची प्रक्रिया करा.

प्रशांत दळवी :-

हे स्पष्ट करा की हे धोरण जेव्हा सभागृहात ठरतं त्यावेळेला जर कुठल्या ठरावाच्या बाजूने किंवा जो मताधिकार जास्त असेल तो ठराव जो पास झाला तर त्या ठरावाच्या अनुषंगाने तर कोणी सुचना मांडली.....

प्रविण पाटील :-

पहिला धोरण ठरतं नंतर.

प्रशांत दळवी :-

इंडिव्हिजुअल आपण ही सुचना घेता येणार का याच्यामध्ये सचिव साहेब घेता यते का इंडिव्हिजुअल सुचना अशी?

नगरसचिव :-

म्हणूनच मी त्यांना विचारलं की तुमची सुचना कोणाच्या ठरावामध्ये घ्यायची आहे पहिला प्रश्न माझा हाच होता.

मा. महापौर :-

विषय पटलावरती विषय आला महिलांचे धोरण निश्चित करण्याचा. जेव्हा विषयपटलावरती विषय आलेला आहे प्रशासनाने गोषवारा दिला त्या गोषवाच्यानुसार आपण सर्वांनी ह्या ठिकाणी चर्चा

केली चर्चा केल्यानंतर सत्ताधारी म्हणून सन्मा. सभापती महोदयांनी ठराव मांडला. ठराव मांडल्यानंतर त्या ठरावाच्या विरोधामध्ये सन्मा. जुबेर इनामदार तो दुसरा ठराव मांडला. आता तो ठराव मांडल्यानंतर गटनेता ढवण ताईने सुचना मांडली आता ह्यांची सुचना आहे ह्यांचा ठराव आहे का?

निलम ढवण :-

तो विषय मी अगोदर पण आपल्या समोर मांडलेला आहे. जी मी सुचना दिली आहे.

मा. महापौर :-

ती प्रोसिडींगमध्ये येणारच आहे.

निलम ढवण :-

नुसत प्रोसिडींगमध्ये नको याच्यावर आम्हाला अंमलबजावणी पाहिजे.

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम अंमलबजावणी जर हवी असेल तर ते धोरणामध्ये आमच्या ठरावामध्ये अॅड करावी लागेल. महापौर मॅडम मी एक सांगतो जेव्हा आदरणीय शिंदे साहेब मुख्यमंत्री झाले तेव्हापासून हे पक्षीय राजकारण करायला लागले. चांगली सुचना आहे ह्यांना आम्ही कुठे नाही बोलतो.

निलम ढवण :-

तुम्ही कशाला राजकारण करता.

मा. महापौर :-

ठराव झालेला आहे आता मतदानाची प्रक्रिया करा.

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. 21 करिता दोन ठराव आलेले आहेत. पहिला ठराव सुचक श्रीम. मिरादेवी यादव, अनुमोदन श्रीम. विविता नाईक, दुसरा ठराव सुचक श्री. जुबेर इनामदार, अनुमोदन श्री. प्रविण पाटील. प्रथम दुसरा ठराव मी मतदानास टाकतो. सुचक श्री. जुबेर इनामदार यांनी मांडलेल्या ठरावाच्या बाजूने जे असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत, ठरावाच्या विरोधात असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. तटस्थ कोणी असेल त्यांनी हात वर करायचे आहेत. सुचक श्रीम. मिरादेवी यादव यांनी मांडलेल्या ठरावाच्या बाजूने जे असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत, ठरावाच्या विरोधात असतील त्यांनी हात वर करायचे आहेत. तटस्थ कोणी असेल त्यांनी हात वर करायचे आहेत.

मा. महापौर :-

सुचक श्रीम. मिरादेवी यादव यांच्या ठरावाच्या बाजूने 50, विरोधात 20, तटस्थ 02 इतकी मते पडलेली आहेत. सुचक श्रीम. मिरादेवी यादव यांनी मांडलेला ठराव बहुमताने मंजूर करण्यांत येत आहे.

दिप्ती भट :-

मॅडम सुचनेसहित घ्या. मी सुचना पाठविलेली आहे.

मा. उपमहापौर :-

दिप्ती भट यांनी मांडलेल्या सुचनेसहित महापौर मॅडम.

प्रकरण क्र. 21 :-

महिला व बालकल्याण समिती अंतर्गत विविध योजना / प्रशिक्षणासाठी लाभार्थी निवड करणेकरिता धोरण निश्चित करणेबाबत. (मा. महिला व बालकल्याण समिती सभा दि. 03/06/2022 रोजीचे शिफारस केलले प्रकरण क्र. 04, ठराव क्र. 04)

ठराव क्र. 26 :-

महापौर मॅडम आपके परवानगीसे बोल रही हूँ, आज आश्चर्य यह हो रहा है की, 25 साल से आजतक किसी का महिला बालकल्याण समिती मे भ्रष्टाचार नहीं दिखा। मैं यह विषय इमानदारी से लायी थी मतलब सबको पता चलना चाहिए की यह काम मैं करने जा रही हूँ। इसके लिए मैंने बोला।

दुसरी बात यह जो नियमावली का विषय आया मॅडम 15 लाख बजेट रखा गया था। ढाई हजार फॉर्म भरा गया था। उसमेसे 10 लाख रु. वापस से उसमे पुर्नविनियोजन किये गये है और 500 लाभार्थी को स्कीम दिया गया है। अब 25 लाख अभी बजेट मे रखा गया है। मैं महासभा मे आपसे आयुक्त साहब को विनंती करती हूँ की जो बचे है उनको और बजेट बढा कर के उसको पुरा करो और नया फॉर्म की बात अभी जो बोल रहे थे नया फॉर्म क्यों नहीं भरे। पुराना पुरा नहीं हुआ तो नया कहाँसे भरोगे। मैं नया कुछ भी नहीं लायी हूँ, नया जो चीज लायी हूँ वो शहर मे आनेवाले समय मे देखीये मैं क्या लायी हूँ। अभीभी पेन्डींग मे है वो सब हमने नहीं बाहर लायी हूँ भी आयेगा सामने। आनेवाले समय मे सबको पता चलेगा और रही बात 25 साल किसी को भी महिला बालकल्याण नहीं दिखा आज दिख रहा है। मैं अपने आप को भाग्यशाली समझू की नहीं समझू। महापौर मॅडम अभी जो 25 लाख का बजेट है उसमे से अभी जितना है उतना दिया जाए। अभी 2 हजार फॉर्म पडे हुए है। 25 लाख बजेट है और 25 के बाद जो कम पडता है वो महासभा निर्णय ले। महिला व बालकल्याण समिती मार्फत राबविप्यात येणारे विविध प्रशिक्षणासाठी लाभार्थी निवडीचे निकष खालीलप्रमाणे आहेत.

| अ.क्र. | योजना/ प्रशिक्षणाचे नाव | उपलब्ध तरतुद | लाभार्थ्यांची संख्या (सन 2019-20 च्या निविदेतील दरानुसार) | लाभार्थी निवडीचे निकष |
|--------|---|--------------|---|--|
| 1. | MSCIT कोर्स | 25.00 लाख | 555 लाभार्थी | 1) महापालिका क्षेत्रातील 5 वर्षांचा रहिवाशी पुरावा (शिधापत्रक, भाडे करारनामा, आधारकार्ड व इ.) 2) स्थानिक नगरसेवकांचे शिफारस पत्र (प्रभाग निहाय) 3) तांत्रिक प्रशिक्षणाकरीता MSCIT उत्तीर्ण असलेले शैक्षणिक पात्रता प्रमाणपत्र 4) वय किमान 18 वर्ष व कमाल 45 वर्ष इतके असावे 5) लाभार्थीची निवडीसाठी उपरोक्त निकषासह अर्ज प्राप्त झाल्यानंतर लाभार्थ्यांची माहिती विचारात घेवून व त्यांची आर्थिक परिस्थिती व निकड लक्षात घेता पात्र अर्ज व लाभार्थ्यांची निवड महिला व बालकल्याण समितीच्या मान्यतेने करणेत येईल. |
| 2. | फॅशन डिझायनिंग कोर्स | 25.00 लाख | 969 लाभार्थी | |
| 3. | ब्यूटीपार्लर, नेल आर्ट, मेहंदी कोर्स | 45.00 लाख | 471 लाभार्थी | |
| 4. | वेब डिझायनिंग कोर्स | 20.00 लाख | 380 लाभार्थी | |
| 5. | ड्रायव्हिंग प्रशिक्षण (चार चाकी / तीन / दोन चाकी) | 25.00 लाख | 373 लाभार्थी | |
| 6. | ज्युडो-कराटे / योगा प्रशिक्षण | 15.00 लाख | 300 लाभार्थी | |
| 7. | बेसिक कॉम्प्युटर / डीटीपी कॉम्प्युटर, टॅली कॉम्प्युटर / इंग्लिश स्पिकींग कोर्स करणे | 10.00 लाख | 33 लाभार्थी | |
| 8. | कापडी पिशवी बनविणे कोर्स | 5.00 लाख | 175 लाभार्थी | |

त्याअनुषंगाने महिला व बालकल्याण समिती सभा दि.03/06/2022 ठराव क्र.04 अन्वये मंजूर केलेल्या विविध प्रशिक्षणाकरीता महिला लाभार्थी उपरोक्त तक्त्यात नमूद केल्याप्रमाणे निवडीचे निकष निश्चित करणेस ही मा. महासभा मंजूरी देत आहे असा मी ठराव मांडत आहे. सर्व योजनेसाठी उपरोक्त प्रमाणे लाभार्थी निवडीचे निकष असतील.

सुचक :- श्रीम. मिरादेवी यादव

अनुमोदन :- श्रीम. विविता नाईक

सदर ठरावामध्ये सन्मा. सदस्या श्रीम. दिप्ती भट यांनी खालीलप्रमाणे सुचना मांडली.

माय माऊली योजनेत 31 मार्च 2022 पर्यंत प्राप्त झालेले सर्व अर्ज मंजूर करावे व त्यासाठी लागणाऱ्या खर्चास ही सभा मंजूरी देत आहे अशी मी सुचना मांडत आहे.

| अ.क्र. | ठरावाच्या बाजूने | अ.क्र. | ठरावाच्या विरोधात | तटस्थ |
|--------|---------------------------|--------|---------------------------|----------------------|
| १ | हसनाळे ज्योत्सना जालींदर | १ | पाटील प्रविण मोरेश्वर | १. अहमद साराह अकरम |
| २ | गेहलोट हसमुख मोहनलाल | २ | ढवण निलम हरिशचंद्र | २. पाटील वंदना मंगेश |
| ३ | दळवी प्रशांत जानदेव | ३ | नलावडे दिनेश दगडु | |
| ४ | वैती चंद्रकांत सिताराम | ४ | शिके अनंत गेणू | |
| ५ | पाटील राहिदास शंकर | ५ | पाटील जयंतीलाल गुरूनाथ | |
| ६ | पाटील ध्रुवकिशोर मन्साराम | ६ | घरत तारा विनायक | |
| ७ | मेहता डिम्पल विनोद | ७ | कदम अर्चना अरुण | |
| ८ | पाटील प्रभात प्रकाश | ८ | गोविंद हेलन जॉर्जी | |
| ९ | मदन उदितनारायण सिंह | ९ | भोईर भावना राजू | |
| १० | भानुशाली वर्षा गिरधर | १० | पाटील वंदना विकास | |
| ११ | यादव मिरादेवी रामलाल | ११ | बगाजी शर्मिला विन्सन्ट | |
| १२ | शाह रिटा सुभाष | १२ | शेख अशरफ मोहम्मद इब्राहीम | |
| १३ | गोहिल शानू जोरावर सिंह | १३ | मेहरा राजीव ओमप्रकाश | |
| १४ | डॉ. पाटील प्रिती जयप्रकाश | १४ | सावंत अनिल दिवाकर | |
| १५ | भोईर सुनिता शशिकांत | १५ | इनामदार जुबेर अब्दुल्ला | |
| १६ | सॉस नीला बर्नाड | १६ | शेख रुबीना फिरोझ | |
| १७ | मोकाशी दिपाली आनंदराव | १७ | डिसा मर्लिन मर्विन | |
| १८ | जैन सुनिता रमेश | १८ | परदेशी गिता हरीश | |
| १९ | अरोरा दीपिका पंकज | १९ | पाटील नरेश तुकाराम | |
| २० | नाईक विविता विवेक | २० | शेख अमजद गफार | |
| २१ | भावसार वंदना संजय | | | |
| २२ | बेलानी हेमा राजेश | | | |
| २३ | भोईर विणा सुर्यकांत | | | |
| २४ | सोनार सुरेखा प्रकाश | | | |
| २५ | मुखर्जी अनिता बबलू | | | |
| २६ | शिंदे रुपाली वसंत (मोदी) | | | |
| २७ | म्हात्रे सचिन केसरीनाथ | | | |
| २८ | शाह राकेश रतिशचंद्र | | | |
| २९ | सिंग श्रीप्रकाश जिलेदार | | | |
| ३० | तिवारी अशोक सुर्यदेव | | | |
| ३१ | अग्रवाल सुशिल गोपीकिशन | | | |
| ३२ | भूप्ताणी रक्षा सतीश (शाह) | | | |
| ३३ | शाह सीमाबेन कमलेश | | | |
| ३४ | रकवी वैशाली गर्जेद्र | | | |
| ३५ | कांगणे मीना यशवंत | | | |

| | | | | |
|----|------------------------|--|--|--|
| ३६ | परमार हेतल रतिलाल | | | |
| ३७ | म्हात्रे नयना गजानन | | | |
| ३८ | शेठ्ठी गणेश गोपाळ | | | |
| ३९ | थेराडे संजय अनंत | | | |
| ४० | जैन दिनेश तेजराज | | | |
| ४१ | मांजरेकर आनंद दत्ताराम | | | |
| ४२ | दुबे मनोज रामनारायण | | | |
| ४३ | भोईर गणेश गजानन | | | |
| ४४ | पारधी सुजाता यशवंत | | | |
| ४५ | भोईर जयेश भानुदास | | | |
| ४६ | म्हात्रे विनोद काशिनाथ | | | |
| ४७ | गजरे दौलत तुकाराम | | | |
| ४८ | खंडेलवाल सुरेश जगदीश | | | |
| ४९ | भट दिप्ती शेखर | | | |
| ५० | पाटील अनिता जयवंत | | | |

ठराव बहुमताने मंजूर

सही /-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

मा. महापौर :-

आस्था शहा हया आर.बी.के. शाळेमध्ये शिक्षण घेत असून आस्था यांना 2021-22 शैक्षणिक वर्षामध्ये दहावीच्या परिक्षेमध्ये 99 टक्के आय.सी.एस.सी बोर्ड याच्यामध्ये मिळालेले आहेत तर ते आता उपस्थित झालेले आहेत त्यांचा आपण सत्कार करून घेऊन देशात त्या तिसऱ्या आलेल्या आहेत. सन्मा. सदस्य जुबेर इनामदार आपण हरकतीचा मुद्दा उपस्थित केला होता मी सांगितले होते जेवणाच्या आधी आपण घेऊ शकता. आपल्याला बोलायचं असेल तर माझी तयारी आहे. बाकीच्या सदस्यांची आहे का सर्व सन्मा. सदस्यांनी विनंती केली आहे की आता जेवणाची वेळ झालेली आहे. जेवणाच्या नंतर आपण घेऊ या.

जुबेर इनामदार :-

महापौरांनी आपला शब्द द्यावा. आमची काही हरकत नाही.

मा. महापौर :-

माझी तयारी आहे मी बसायला तयार आहे.

जुबेर इनामदार :-

आमची काही हरकत नाही तुम्ही शब्द द्या जेवणाच्यानंतर. संधी दिली जाईल.

मा. महापौर :-

जेवणाच्यानंतर संधी दिली जाईल.

नगरसचिव :-

महापौरांच्या वतीने जेवणाची वेळ घोषित करण्यात येत आहे.

मा. महापौर :-

जुबेर इनामदारजी तुम्ही वेळ मागितली होती चर्चा करण्यासाठी तुम्हाला बोलायची परवानगी देत आहे.

जुबेर इनामदार :-

परवाच्या दिवशी आयुक्त महोदयांनी वेळ दिल्यानंतर आयुक्तांकडे झालेली चर्चा त्याच्यानंतर त्यांनी त्या एस.टी.पी. ला व्हिडीओ असलेले काँग्रेस पक्षाचे नगरसेवक त्यांच्या बरोबर झालेले एस.टी.पी वरती त्यांनी जे केलेले आरोप आहेत तसेच ते समक्ष म्हटलेले आहेत किंवा संबंधित अधिकाऱ्यांना तिथे बोलावून त्यांच्याबरोबर चर्चा करण्यासाठी एस.टी.पी. वर मिरारोडच्या सिवरेज स्टीटमेंट प्लान्टवरती 6 सी.सी. वरती ते गेले जाणारे जी लोकर होती त्याच्यामध्ये सहा नगरसेवक होते. ह्या महापालिकेचे विश्वासू एस.टी.पी. प्लान्ट चालू आहे, नाही चालू काम होते, नाही होत त्याच्यामध्ये असलेल्या त्रुटी हा सगळा विषय तांत्रिक बाबीचा आहे. गेलेल्या नगरसेवकांना आयुक्त महोदय गेट उघडून आतमध्ये जाऊ दिले नाही. विश्वस्त आहेत, त्यांचा अधिकार आहे. ते बघू शकतात आणि त्यांच्यासाठी संबंधित अधिकाऱ्यांना त्यांनी सातत्याने फोन केले. आम्हाला आतमध्ये जाऊ द्या आणि आम्हाला त्याची पाहणी करायची आहे. काम चुकीचे होते संबंधित सदस्य हे 27 तारखेपर्यंत तरी आहेत ना. विश्वस्त आहेत त्यांनी आतमध्ये जाऊन पाहणी केली असती तर काय बिघडलं असतं.

मा. आयुक्त :-

महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो सुरवातीला अॅड सिटी इंजिनिअर वाकोडे साहेब बोलतील त्याच्या नंतर मी बोलतो.

सुरेश वाकोडे :-

महापौर मॅडमच्या परवानगीने बोलतो काय झाले होते की बाकी कार्यकर्ते ही 40-50 होते आणि त्या ठिकाणी अॅक्सीडेंट झाला काही झालं तर त्याची जबाबदारी कोणाची ह्यामुळे आम्ही हे करत होते की तुम्ही आम्हाला कळवा. अगोदर प्रीमेट करा आणि ह्यापुढे असे होणार नाही याची दक्षता घेऊ.

मा. आयुक्त :-

पूर्व सुचना न देता पूर्व परवानगी न घेता आयुक्तांचे कार्यालय असेल, महापौरांच्या केबीनच्या समोरचा एरिया सअल किंवा अॅडीशनल असतील, सिटी इंजिनिअर असतील अॅटलिस्ट ह्या लोकशाहीत आपल्याला प्रश्न विचाराचे अधिकार आहेत परंतु लोकशाहीत असताना सरकारी कामकाजातले असणारे बंधन आणि प्रोटोकॉल पाळणे बंधनकारक आहे. आपले जे सन्मा. पदाधिकारी आले होते जे आयुक्त समोर बोलणारे आपल्याकडे रेकॉर्डिंग शुटींग असणार ती आपण तपासून पाहू. खात्रीने सांगतो आपले शंभर नगरसेवक आणि येणार प्रत्येक नागरीक असा एकही नागरिक नाही ज्याला आयुक्त भेटल्याशिवाय जात नाही. येताना घोषणाबाजी करणे असे काही मोर्चा ठरलेला का आयुक्तांच्या केबीनमध्ये आणि असे जर असेल तर तुम्ही वेळ घेतली पाहिजे. तुम्हाला अधिकार आहेत परंतु तुम्ही कुठल्याही प्रकारची परवानगी न घेता कारण मी लंचपण केलेला नव्हता सव्वा दोन वाजले होते. याची घोषणाबाजी खालूनच चालू होती आणि वाकोडे साहेब जागेवर नाहीत. त्यांची स्टेमच्या बरोबर ठाणेत मिटींग होती. तुम्हाला जर वेळ पाहिजे असेल तर वेळ घेतला पाहिजे. आपण विश्वस्त आहात जबाबदारीने सांगतो तर विश्वस्ताचे कर्तव्य आणि अधिकार दोन्ही माहित पाहिजे. जी काही बोलण्याची किंवा प्रश्न विचारण्याची पध्दत असते त्याला एक प्रोटोकॉल असतो आम्ही नक्कीच तुम्हाला उत्तर द्यायला बांधील आहोत आणि काम करणे हे आमचे कर्तव्यच आहे त्याचबरोबर जी आपली बोलण्याची पध्दत प्रश्न विचारायची पध्दत, सांगण्याची पध्दत तो प्रोटोकॉल ठरलेला आहे. तुमचे सोबतचे सन्मा. सदस्य त्यांनी खुलासा करावा बोलण्याची पध्दत काय होती. तुम्हाला कुठलाही प्लान्ट बघण्याचा अधिकार आहे. तुम्ही आमच्या अधिकाऱ्यांना पूर्व सुचना दिली पाहिजे. एक वॉचमन अंघोळ करायला गेटच्या आत कसे काय गेला. तुम्ही हा प्रश्न विचारता तर 50 कार्यकर्ते घेऊन कुठल्याच प्रकारची

प्रशासनाची पूर्व परवानगी न घेता ते कसे काय बसू शकतात आणि जर उद्या काही अॅक्सीडंट झाला तर त्याला जबाबदार कोण? तुम्ही प्रशासनाची कुठलीच परवानगी घेतली नाही. प्रशासनाला विश्वासात घेतले नाही. प्रशासनाला न विचारता जायचे.

जुबेर इनामदार :-

तुमच्या सोबत झालेले संभाषण त्याबद्दल आमचे कुठलेही तक्रार नाही. तुम्ही त्या दिवशी केलेली चर्चा, झालेली चर्चा त्यावर तुम्ही निवेदन केलं त्या विषयावर समाधान झालेलं त्यानंतर काही अधिकाऱ्यांनी पानपट्टे साहेबांच्या बरोबर वाकोडे साहेबांबरोबर झालेली चर्चा आम्ही उद्या एस.टी.पी ची पाहणी करायला येणार आहोत.

मा. आयुक्त :-

आयुक्तांबरोबर मिटींग झाली परत अतिरिक्त आयुक्त आणि खाली कार्यकारी अभियंता शोधायचा प्रश्न येतोच कुठे? माझे चर्चेचे समाधान झाले तर परत त्यांच्या केबीनमध्ये जायचं अधिकाऱ्यांना अरेतुरे बोलायचं, दबंगगीरी करायची हे पण उचित नाही. किमान आपण अजून जाताना हे ही म्हणाले आपले पदाधिकारी साहेब ही गांधीजीची पार्टी आहे. ह्याला सिक्युरीटी कशाला लागते. हे आयुक्तांना बोलणे उचित नाही. पण मला हे खेदाने नमुद करावसं वाटते की हेच लोक उपस्थित होते जे परवा पदाधिकारी अधिकाऱ्यांचा केबीनमध्ये जाणे या पध्दतीने बोलणे तुमच्याकडे रेकॉर्ड आहे तपासून एकदा बोला.

मा. महापौर :-

ठिक आहे मला असे वाटते तुम्ही हरकतीचा मुद्दा सांगितला विषय महत्वाचा वाटला म्हणून मी बोलायला संधी दिली. मला वाटते आयुक्त महोदयांनी खुलासा दिलेला आहे आणि आता आपण विषयाला सुरुवात करू काका आपण बोला.

रोहिदास पाटील :-

हरकतीचा मुद्दा आला म्हणून सांगतो ह्या मुद्द्याबद्दल आयुक्त साहेबांनी खुलासा केला. सन्मा. सदस्यांचे समाधानही झाले आणि हे खरं आहे हे सभागृह आहे सभागृहाने पावित्र राखले पाहिजे आणि हे जे नगरसेवक आहेत प्रतिनिधी आहेत लोकांनी विश्वासाने त्यांना काम करण्यासाठी पाठविलेले आहे त्यांचे कामही झाले पाहिजे हे ही खरं आहे. त्यांनी काम केलं पाहिजे हे ही खरं आहे. तुम्ही व्हिजीट केली की नाही मला माहिती नाही पण जेसल पार्कला प्लांटला जी स्थिती आहे आम्ही सांगतो. त्याची मान्यता होते ही गोष्ट खरी आहे पण वेळेत मान्यता नाही झाली की आम्ही जे प्रामाणिक प्रयत्न करत असतो ते एका बाजूला जाते आणि मग नविन जे येते त्याच्यामध्ये सगळ वाहून जाते असे होते आम्ही टेक्नीकली.....

(सभागृहात गोंधळ)

रोहिदास पाटील :-

आयुक्त साहेब आम्ही विनंती केली त्याची टेक्नीकल काय आहे ना ह्या सभागृहात ह्या सदस्यांचेही तुम्ही अनुभव घ्या.

मा. महापौर :-

ठिक आहे विषयपत्रिकेवरचा विषय घ्या.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

तुम्ही मुद्दा काढला त्या मुद्द्यावर आयुक्तांनी खुलासा दिलेला आहे.

जुबेर इनामदार :-

सदस्य आमचे गेलेले एस.टी.पी. बघायला अधिकाऱ्यांना त्यांनी सांगितले होते त्या एस.टी.पी. मध्ये त्यांना जायला मनाई केली ते आतमध्ये त्यांना जाऊ देत नव्हते. दोन अडीच तास ते गेटवर उभे होते आतमध्ये जाऊन ते काय बघून येणार नव्हते मलनिःस्सारण केंद्र.....

मा. महापौर :-

तुमच्या बरोबर जास्त माणस होती आणि तिथे धोका होता म्हणून त्याने जाऊ दिले नाही असे त्यांचे म्हणणे आहे.

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम मी गेलो तेव्हा आतमध्ये 50 माणसे होती. इतक्या लोकांना कशाला आतमध्ये पाठवलं.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

तिथे जास्त लोक आली असती आणि तिथे जर काही झालं असत असे त्यांचे म्हणणे आहे. आपण विनंती केली म्हणून तुमचा विषय इथे चर्चला घेतला. मला असे वाटते.....

(सभागृहात गोंधळ)

रोहिदास पाटील :-

माझा हरकतीचा मुद्दा आहे डायरेक्ट संडासचे पाणी डायरेक्ट सोडून देतात तिथे गणपती विसर्जन करतात.

मा. महापौर :-

तुम्ही ह्या संदर्भामध्ये माझा दालनामध्ये बैठक लावा तुमचे पण मुद्दे तुम्ही घेऊन या. आयुक्त महोदय आपण त्या विषयाला हजेरी लावा पाहिजे तर आपण उद्याच लावू या.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

तुम्हाला संधी आहे तुमच्या विषयावर संधी आहे तर तुम्ही या आपण दालनामध्ये चर्चा करू त्याच्यावर कारवाई करायला लावू.

सुरेश खंडेलवाल :-

सचिव साहेब पुढच्या विषयाला सुरुवात करा.

मा. महापौर :-

तुमचा एस.टी.पी. चा जो विषय आहे ह्या संदर्भामध्ये आपल्याला बोलायची वेळ दिलेली होती त्यासाठी मी लवकर आली तुम्ही चर्चा केली आयुक्तांनी खुलासा दिला. उद्या त्या संदर्भामध्ये आपण बैठक लावतो.

(सभागृहात गोंधळ)

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. 22, स्वातंत्र्याचा अमृत महोत्सव "हर घर तिरंगा" व "स्वराज्य महोत्सव" उपक्रम राबविण्याबाबत.

धृवकिशोर पाटील :-

सदर विषयाचे अवलोकन करण्यात आले. माझी महापौर मॅडम आपणास विनंती आहे की आयुक्तांनी प्रशासनाने ह्या मार्फत तिरंगा उपक्रमामध्ये काय प्लानिंग केलेली आहे मनपाचा लोकप्रतिनिधीचा काय सपोर्ट पाहिजे काय सहकार्य पाहिजे हा उपक्रम राबविण्या करिता यशस्वी करण्याकरिता आमची त्यांना काय मदत पाहिजे आणि कशा रितीने आपण हा उपक्रम राबवू शकतो आणि याची काय तयारी आहे ती जर यांनी आपणास सांगितली मग आपण याच्यात काही सजेशन देऊन हा उपक्रम चांगल्या रितीने राबविण्याचा आपण प्रयत्न करूया.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

हर घर तिरंगा हा विषय चालू आहे आपण सर्वांनी बसून घ्यावे.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

तुमच्या सर्वांच्या वतीने फक्त सावंत साहेब बोलतील.

अनिल सावंत :-

महापौर मॅडम, मा. आयुक्तनी जे सांगितले त्याची वस्तुस्थिती मी थोडक्यात सांगतो. त्याच्यापूर्वी कंटीन्युअस डिसेंबरपासून त्याच्या अगोदर 6-7 म्हणजे आमचे जिल्हाध्यक्ष काँग्रेस पक्षाचे पदाधिकारी यांच्या एरियामध्ये असलेल्या एस.टी.पी. बदल वारंवार तक्रार करण्यात येते. हा एस.टी.पी. चालत नाही चालत नाही. त्याला व्यवस्थित उत्तर मिळत नाही. म्हणून त्या दिवशी काँग्रेसचे शिष्टमंडळ सीटी इंजिनिअरला भेटायला आले. सीटी इंजिनिअर नाही कारणानिमित्त ठाणेला होते त्यानंतर एकझीक्युटीव्ह इंजिनिअर जे आहेत त्यांना भेटायला गेले पण त्यांनी ज्यावेळी त्यांना भेटल्यानंतर ते एकझीक्युटीव्ह इंजिनिअर थांबलेले ते नंतर निघून गेले. त्यांनी शिष्टमंडळाला हे सांगितले होते की आम्ही वाकोडे साहेबांच्या केबीनमध्ये बसुया. चर्चा करुया तुमची केबीन छोटी आहे तरी सुध्दा ते थांबले नाहीत ते निघून गेले. आणि त्यानंतर शिष्टमंडळाने आयुक्त साहेबांच्या दालनामध्ये गेले. आमचे कार्यकर्त्यांनी त्या ठिकाणी घोषणा दिल्या काँग्रेस पार्टी जिंदाबाद वगैरे आणि आयुक्तांना आम्ही रिक्वेस्ट केली की आम्हाला तुम्ही वेळ द्या तुम्ही जर वेळ देत असाल तर आम्ही त्यांची वेळ घेतली नव्हती ही वस्तुस्थिती झाली आणि नंतर आयुक्त महोदयांनी शिष्टमंडळाला भेटायला परवानगी दिली ही वस्तुस्थिती झाली. त्यानंतर दुसऱ्या दिवशी एकझीक्युटीव्ह इंजिनिअर, अॅडिशनल कमिशनर ह्या सर्वांना फोन करून की आम्हाला एस.टी.पी. प्लॉटला व्हिजीट करायची आहे तिथे आम्ही 10.20 ला तिथे गेलो 10 चा टाईम देण्यात आला. सिक्युरीटीला फक्त सांगा जिल्हाध्यक्ष आणि आम्ही 5-6 नगरसेवक खुद आतमध्ये जाऊ एवढेच सांगितले होते. तरी सुध्दा 3 वाजेपर्यंत त्याठिकाणी कोणी अधिकारी आले नाहीत. नंतर पानपट्टे साहेब आणि वाकोडे साहेब आले आणि त्यानंतर गेट उघड केलं. मॅडम वस्तुस्थिती ही आहे शहरामध्ये 8 एस.टी.पी प्लॉट आहेत मगाशी काका बोलत होते त्यांना बोलायला नाही दिले किती ज्वलंत विषय हा शहराचा आहे तो बघा. जेसल पार्कचे एस.टी.पी. प्लॉट आज त्या ठिकाणी प्रोसेडिंग होत नाही. पाणी फिलींग केले जाते आणि आऊट केले जातं काल माझ्या बिल्डींगमध्ये पिंडदान करायला गेले होते तर एवढी त्या खाडीमध्ये घाणीचे साम्राज्य आहे. पिंडदान करू शकत नाही माणूस त्यानंतर उद्या गणपती विसर्जनाचा विषय येणार आहे गणपती विसर्जन त्याठिकाणी खाडीमध्ये मोठ्या प्रमाणात करतो आणि त्याठिकाणी जर त्या खाडीमध्ये मलमूत्र विदाऊट प्रोसेडिंग असच जात असेल तर लोकांच्या राहणी मानात केवढी मोठी ठेच आहे. आमची विनंती हीच आहे की जे एस.टी.पी. 8 प्लॉट आहेत आज कार्यरत त्यांचे प्रोसेडिंग फुल फेजमध्ये करा. आम्हाला ज्यावेळी आयुक्त साहेब जेव्हा प्रोजेक्ट आला 458 करोडचा हा प्रोजेक्ट सॅक्शन करून आणला. 458 करोडचा शिवमुर्ती नाईक त्यावेळी आयुक्त होते. त्यावेळी आम्हाला सांगण्यात आले इनसेट आहे ते आऊट लेटला जेव्हा पाणी मिळेल ना तेव्हा इंजिनिअर तुम्हाला पिऊन दाखवतील. आम्हाला पेययुक्त नको पण दुर्गंधीमुक्त तरी ते एस.टी.पी. प्लॉट चालू देत. एवढे तरी प्रशासनाने करून द्यावे. आपण करोडो रुपये खर्च करत आहोत.

मा. महापौर :-

प्रशासनाने याच्यावरती योग्य ती कारवाई करावी. संबंधित विभागाने याच्याकडे दखल देऊन त्वरीत कारवाई करावी. कारण मला असे वाटते आता जर जाता आले तर आता पाठवा. त्याठिकाणी आणि त्याच्यावरती कारवाई करा.

अनिल सावंत :-

धन्यवाद मॅडम.

मा. महापौर :-

पुढचा विषय घ्या.

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. 22 च्या ठरावाचे वाचन झाले आहे.

मा. महापौर :-

गायकवाड साहेब बोला.

मारुती गायकवाड (मा. उपायुक्त (मु.) :-

सन्मा. महापौर महोदया, सन्मा. सभागृह, सन्मा. आयुक्त महोदय, स्वातंत्र्याला 75 वर्ष होत आहेत. त्याअनुषंगाने स्वातंत्र्याचा अमृत महोत्सव हर घर तिरंगा आणि स्वराज्य महोत्सव असे दोन उपक्रम राबविण्याचा सुचना सेंट्रल गर्व्हमेंटचे आणि महाराष्ट्र गर्व्हमेंटचे आपणाला आहेत. हर घर तिरंगा ही मोहिम अॅक्च्युअली आपणाला 13 ऑगस्ट ते 15 ऑगस्ट या 3 दिवस राबवायची आहे. ही मोहिम कशा पध्दतीने राबवायची घरांची संख्या कशी नियोजित करायची त्याचं वितरण कस करायचं. खरेदी कसं करायचं किंवा पूर्ण ही इम्प्लीमेंट योजना कशी करायची त्याअनुषंगाने मा. आयुक्त महोदय यांनी एक समिती स्थापन केलेली आहे. त्या समितीच्या माध्यमातून हे कामकाज चालू आहे. मा. महापौर महोदय सर्व पक्षाचे गटनेते यांच्या उपस्थितीमध्ये स्थायी समिती दालनामध्ये मिटींग झाली होती. त्या मिटींगमध्ये मी सविस्तर ह्याबद्दल बोललो होतो. अॅक्च्युअली आपल्याला 3 लाख झेंड्यांची आवश्यकता आहे. 3 लाख झेंड्यांपैकी 1 लाख झेंडे आपण शासनाकडून खरेदी करतो म्हणजे शासनाकडून जी शासनाने एजन्सी फिक्स केलेली आहे त्या एजन्सीकडून 1 लाख झेंडे वितरण जे आहे ते झेंडे आपल्याला प्राप्त झाले आहेत. 1 लाख झेंडे वितरण जे आहे ते झेंडे आपल्याला प्राप्त झाले आहेत. 1 लाख झेंडे आपण सी.एस.आर फंडातून उपलब्ध करतो. म्हणजे आपल्या शहरामध्ये जे मोठे बिल्डर आहेत बांधकाम व्यावसायिक आहेत किंवा मनपाचे मोठे ठेकेदार आहेत ज्या आपल्या मनपाच्या ज्या बँकांमध्ये आपले खाते आहेत अशा बँकांसोबत आपण मिटींग घेतलेली आहे असे एक लाख झेंडे आपण सी.एस.आर मधून उपलब्ध करतो आणि त्या 1 लाख झेंड्यांच्या अनुषंगाने आपण शासनाकडे मागणी केलेली आहे. आताच 15-20 मिनिटांपूर्वी आमचे कलेक्टर ऑफिसशी बोलणे झाले. त्यांनी परत त्या पत्राची दोन कॉपी त्यांनी मागितली ती आम्ही त्यांना दिलेली आहे. शासनाकडून सुध्दा एक लाख झेंडे आपणाला येत्या 4 दिवसामध्ये ते उपलब्ध होतील. असे 3 लाख झेंड्यांची आपली पुर्तता होणार आहे. झेंडे शासनाचे धोरण आहे की झेंड्यांची विक्री व्हावी लोकांनी उत्स्फूर्तपणे विकत घ्यावेत. आता आम्ही मनपाने झेंडे आपण विकत घेतो शासनाने ठरविलेल्या दराप्रमाणे शासनाने फिक्स केलेली एजन्सीकडून ते आपण झेंडे घेतले 30 रुपयाला एक झेंडा घेतलेला आहे. माझी सर्वांना विनंती आहे सर्व सदस्यांच्या माध्यमातून सर्व मतदारापर्यंत किंवा तुमच्या सर्व प्रभाग क्षेत्रातील लोकांपर्यंत हा संदेश पोहचावा की लोकांनी ते झेंडे विकत घ्यावेत. मनपाची आपली 6 प्रभाग आहेत, प्राथमिक अरोग्य केंद्र आपली आहेत आणि आपली जे सेंटर आहेत त्याठिकाणी आपण ते झेंडे विक्रीसाठी ठेवतो. आपण 30 रुपयाला विकत घेतलेला आहे. 30 रुपयातच आपण लोकांना विकत आहोत त्याचे आपण पावती बुक छापतो. तो हिशोब बील ठेवला जाईल. बाकी 1 लाख सी.एस.आर मधून जे झेंडे उपलब्ध होणार आहेत शासन धोरण असे झाले की लोकांनी विकतच घ्यावेत. जर समजा लोकांनी विकत घेतले नाहीत तर आम्हाला ते झेंडे लोकांना विक्री करायचेच आहेत. त्यासाठी आमची यंत्रणा उभी आहे त्यासाठी आमची यंत्रणा आम्ही तयार ठेवली आहे. सन्मा. महापौर मॅडमकडे ज्या वेळेस आमची मिटींग झाली त्यावेळेस महापौर मॅडमने सर्व गटनेत्यांमार्फत आव्हान केलं होतं की एक लाख झेंडे आपण विकत घेतलेले आहेत. मनपाने स्वतःच्या खर्चातून तर एक लाख झेंडे प्रत्येक

नगरसेवकांनी सन्मा. सदस्यांनी प्रत्येकी हजार झेंडे जर विकत घेतले तर आपले 95 नुसार तसे प्लस 5 आपले स्विकृत सदस्य असे 100 सदस्य आपले एक लाख झेंडे तुम्ही प्रती हजार झेंडे जर विकत घेतले आणि आपल्या क्षेत्रामध्ये जर लोकांना दिले तरच त्या झेंड्याची विक्री सुध्दा होईल. शासनाचा उद्देश पण साध्य होईल, मनपाचे नुकसान सुध्दा होणार नाही. अॅक्च्युअली शासनाला आम्हाला वेळोवेळी अपडेट द्यावे लागते की झेंड्यांचे विक्री तुम्ही चालू केली का? मा. सदस्यांना मी विनंती करेल की, ह्या दोन दिवसात आम्हाला तुम्ही डिसीजन घ्यावं की सर आम्ही घेतो किंवा तुमची नोंदणी आमच्याकडे करावी नाहीतर ते आम्हाला लोकांना वाटावे लागतील विहित लोकांपर्यंत झेंडे पोहचले पाहिजे आणि ते 13,14,15 तारखेला ते झेंडे प्रत्येकाच्या घरावरती फडकले पाहिजेत अशी आम्हाला दक्षता घ्यावी लागणार आहे. तर ह्या निवेदनाच्या माध्यमातून तुम्हाला विनंती करतो जर झेंडे विकत घ्यायचे असतील तर आपण तसे आज उद्या दोन दिवसामध्ये मी आपली नोंद करायला मी परवा तुमच्या हातामध्ये झेंडे देऊ. स्वराज्य महोत्सव 9 ऑगस्ट ते 17 ऑगस्ट ह्या दरम्यान स्वराज्य महोत्सव राबवायचा आहे. स्वराज्य महोत्सवामध्ये सायकल रॅली राबवायची आहे. जे आपले ऐतिहासिक स्थळ आहेत त्या ठिकाणी रांगोळी किंवा लायटींग लावायची आहे. आपल्या महापालिकेच्या इमारतीला सुध्दा लायटींग करायची आहे. मोठा बलुन हा सोडतात असे तिरंगाचे बलुन आपण आधी सोडायचे आहेत. त्याअनुषंगाने कुठल्या अधिकाऱ्याने कुठले काम करावं कधी करावं त्याअनुषंगाने आयुक्त महोदयांनी तशी ऑर्डर केली आहे काल आयुक्त महोदयांनी तशी ऑर्डर केली आहे काल आयुक्त महोदयांनी आढावा पण घेतलेला आहे आणि शासनाच्या हर घर तिरंगा आणि आपले स्वराज्य महोत्सव हे उपक्रम आपल्या महापालिकेमार्फत तुमच्या सर्वांच्या सहकार्याने सर्व सदस्यांच्या सहकार्याने प्रशासनाच्या माध्यमातून हे आपले शंभर टक्के राबवू याची मी खात्री देतो.

मर्लिन डिसा :-

महापौर मॅडम मला एक विचारायचे आहे, हे जे यांनी झेंडे देतात त्याच्यासाठी काही नियम असतात रुल आहेत ते 15 तारखेनंतर त्यांचे काय करणार. ते झेंडे कुठे जाणार, तसे त्यांना डिस्पेंस करणार. हे पण सांगा त्यांना रिस्पेक्टली डिस्पेंस करायचे आहेत.

मारुती गायकवाड (मा. उपायुक्त (मु.) :-

आम्ही झेंडासहीत त्याचे पॅम्पलेट छापतोय. त्या झेंड्या बरोबर ते पॅम्पलेट जाणार आहे. 13,14,15 म्हणजे जे लोक आपल्या घरावरती झेंडे लावणार आहेत त्यांना 13,14,15 ह्या तारखेला 13 नंतर झेंडा फडकवला की 15 ला संध्याकाळी झेंडा उतरवायचा आहे. बाकी शासकीय कार्यालये आहेत त्याठिकाणी झेंडासहीते प्रमाणे 13 तारखेला सकाळी झेंडा लावून परत 13 तारखेला संध्याकाळी उतरवायचा आहे. ते शासकीय कार्यालयाच्या अनुषंगाने तो जी.आर आहे. मी शासकीय कार्यालयाचे सांगतो. जे प्रायव्हेट कार्यालय आहेत त्यांनी 3 दिवस ठेवायचा शासकीय कार्यालयाने झेंडासहीतीप्रमाणे उतरवायचा आणि 15 तारखेपर्यंत तो झेंडा जपून ठेवायचा आहे.

अनिल सावंत :-

13 तारखेपासून जे 15 तारखेपर्यंत लावणार आहेत. ते संध्याकाळपर्यंत तरी ते उतरवावेच लागेल ना.

मारुती गायकवाड (मा. उपायुक्त (मु.) :-

जे प्रायव्हेट लोक लावणार आहेत आपल्या घरावरती त्यांनी 13 तारखेला सकाळी लावायचा आहे आणि 15 तारखेला संध्याकाळी उतरवायचा आहे.

अनिल सावंत :-

झेंडा रात्री राहिला तरी चालेल.

मारुती गायकवाड (मा. उपायुक्त (मु.) :-

तरी चालतो.

मर्लिन डिसा :-

लेकिन डिस्पेंच कैसे करनेवाले हो।

मारुती गायकवाड (मा. उपायुक्त (मु.) :-

मॅडम डिस्पेंच करायचा नाही 15 तारखेनंतर झेंडा उतरवून आपल्या घरी ठेवून द्यायचा आहे. कायमचा झेंडा. झेंडा डिस्पेंच करायचा नाही.

मर्लिन डिसा :-

कपडा खादीचा आहे का?

मारुती गायकवाड (मा. उपायुक्त (मु.) :-

कपडा खादीचा नाही कपड्याचा आहे.

धृवकिशोर पाटील :-

महापौर मॅडम आताच उपायुक्त साहेबांनी सांगितले की एक लाख झेंडे आपण विकत घेणार आहोत. 30 रुपये प्रमाणे आणि एक लाख झेंडे आपल्याला सी.एस.आर फंडातून आपण घेणार आहोत आणि एक लाख झेंडे आपल्याला सरकारकडून मिळणार आहेत. मग ते 2 लाख झेंड्यांचे आपण काय करणार आहोत? एक लाख झेंडे आम्ही विकत घेणार पण जे 2 लाख झेंडे जे आपल्याकडे आहेत त्याचे काय करणार कारण माझी अशी माहिती आहे की आपल्या गटनेत्यांच्या मिटींगमध्ये असे ठरलं होतं एक झेंडा जर विकत घेतला तर दोन झेंडे आपण फ्री देणार आहोत असे काहीतरी आपले ठरले होते. पण तसं काही ठरलेलं आहे का? जर नसेल तर मग ह्या दोन लाख झेंड्यांचे आपण काय कस नियोजन करणार ते जरा प्लीज सांगावं.

मारुती गायकवाड (मा. उपायुक्त (मु.) :-

गटनेत्यांच्या मिटींगमध्ये असे ठरलं होतं एक हजार झेंडे जर विकत घेतले किंवा पूढचे 2 हजार झेंडे आहेत ते आम्ही त्या सन्मा. सदस्यांचे ते आम्ही देऊ. असे त्या दिवशी ठरलेले पण तसे पाहिजे असेल तर आपण सर्व लोकांपर्यंत झेंडे पोहचवणार असतील तर तुम्ही आणि आम्ही प्रशासन आणि पदाधिकारी यांच्या सहकार्याने प्रत्येकाच्या घरापर्यंत झेंडा पोहचला पाहिजे प्रॉपर झेंडा लागला पाहिजे. हर घर तिरंगा लागला पाहिजे आणि तो तिरंग्याचा मानसन्मान राखला गेला पाहिजे याची फक्त आपल्याला दक्षता घ्यावी लागेल.

धृवकिशोर पाटील :-

उपायुक्त साहेबांनी जे सांगितलेले आहे इथे बसलेले सर्व नगरसेवक आहेत हे सर्व नगरसेवक झेंडा आपल्याकडून विकत घेतील. पण जर तुम्ही एका झेंड्यावर दोन झेंडे जर फ्री दिलेत तर आम्ही प्रत्येक घरामध्ये तो लावायची जबाबदारी पण सर्व नगरसेवक घेतील. अशी मला खात्री आहे. कारण आमच्या पक्षाच्या बैठकीमध्ये असे ठरलेलं होतं की आपण सगळ्यांनी मिळून हा उपक्रम राबवायचा जे आपले पंतप्रधान नरेंद्र मोदीजी यांनी जी संकल्पना आहे त्यांचे स्वप्न आहे की ह्याच्याने आपल्या प्रत्येक माणसाच्या मनामध्ये हृदयामध्ये देशभक्तीची भावना आणखीन जागृत होईल आणि हा स्वातंत्र्याचा जो अमृत महोत्सव आहे तो चांगल्या रितीने आपण साजरा करू शकतो. मग आपण जर आता डिसीजन घेतला की एक जर झेंडा विकत घेतला तर दोन झेंडे फ्री मिळतील जेणेकरून ह्या नगरसेवकांना पण ते खरेदी करणार बरोबर आहे मॅडम कारण कोणीही माणून विकत घेणार नाही आणि दुसरी गोष्ट मॅडम तुमच्याकडे जो झेंडा आहे तो दाखवा.

मा. महापौर :-

ठिक आहे सर्व नगरसेवकांनी झेंडे मनपाकडून घ्यावेत एका झेंड्यावरती दोन झेंडे फ्री देण्यांत यावे.

धृवकिशोर पाटील :-

माझ्याकडे हा झेंडा आहे बघा जर आपण 30 रुपयाला विकत घेतो तर हा मोठा झेंडा आहे बघा. हा 50 पैशामध्ये मिळतो मग आपल्या पालिकेचा फायदा होऊ शकतो. म्हणजे माझा सांगण्याचा जो उद्देश आहे की महापालिकेचा फायदा करायचा असेल तर हा झेंडा 50 पैशाचा आहे जर आपण 30 रुपयाला घेतो तर हा स्वस्त पडेल जेणेकरून हा पालिकेचा फायदा होऊ शकतो अशी माझी आपणांस विनंती आहे.

जुबेर इनामदार :-

धृवजी हा कॉटन नाही.

धृवकिशोर पाटील :-

आता जे शासनाचे नियम आहेत खादी आहे.....

जुबेर इनामदार :-

पॉलिएस्टरचा झेंडा चालेल?

धृवकिशोर पाटील :-

असे 4-5 प्रकारचे कापड आपण वापरू शकतो.

जुबेर इनामदार :-

पॉलिएस्टर म्हणजे रिलायज झेंडा.

धृवकिशोर पाटील :-

हो अशाप्रकारचे जे शासनाचे नियम आहे.

मा. महापौर :-

ठिक आहे पुढचा विषय घ्या.

(सदर विषयाचे अवलोकन करण्यांत आले.)

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. 23, मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या शाळेतील विद्यार्थ्यांना मिरा भाईंदर महानगरपालिका परिवहन सेवेच्या बसमधून मोफत प्रवासाची सवलत देणेसाठी धोरणात्मक निर्णय घेणेबाबत.

प्रशांत दळवी :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिका शाळेतील विद्यार्थी आर्थिकदृष्ट्या दुर्बल घटकातील असतात त्यामुळे त्यांना महापालिकेच्या शाळेत येण्याकरीता बस प्रवास मोफत दिल्यास शिक्षणाकरीता प्रोत्साहन मिळू शकेल व जास्तीत जास्त विद्यार्थी शाळेत येवून शाळेची पटसंख्या वाढेल व विद्यार्थी गैरहजर राहण्याचे प्रमाण कमी होईल. मनपा शाळेतील विद्यार्थ्यांना घरापासून ते मनपा शाळेपर्यंत व मनपा शाळेतून ते घरापर्यंतच शालेय शिक्षणाकरीता ये-जा करणेकामी मिरा भाईंदर महानगरपालिका परिवहन सेवेच्या बसमधून प्रवासाची मोफत सुविधा उपलब्ध करून देणेस ही मा. महासभा मंजूरी देत आहे.

तसेच मिरा भाईंदर महानगरपालिका शाळेतील विद्यार्थ्यांना देण्यात आलेल्या सवलतीच्या रक्कमेची प्रतीपूर्ती परिवहन उपक्रमाकडून बस ऑपरेटर यांना अदा करून सदरची रक्कम शिक्षण विभागाच्या निधीतून परिवहन उपक्रमास हस्तांतरीत करणेसही सभा मान्यता देत आहे.

देशाच्या 75 व्या अमृत महोत्सवानिमित्त विशेष प्रयत्न करून बस सेवेमध्ये अमुलाग्र बदल व सुधारणा केल्याने मिरा भाईंदर महानगरपालिका परिवहन उपक्रमाच्या बस सेवेचा एका दिवसात लाभ घेणाऱ्या प्रवासी संख्येचा 75000 टप्पा पार करून 80000 पर्यंत पोहोचल्याने परिवहन उपक्रमाचे तसेच सन्मा. महापौर, मा. आयुक्त, मनपाचे सर्व पदाधिकारी, परिवहन समितीचे आजी / माजी सदस्य, परिवहन समिती सभापती, परिवहन विभागाचे अधिकारी / कर्मचारी व बस ऑपरेटर, सर्व बस चालक, वाहक, प्रवर्तक, निरीक्षक व इतर कर्मचारी यांचे अभिनंदन करण्यात येत आहे.

यामध्ये विशेषतः परिवहन उपक्रमाचे दैनंदिन कामकाज उत्कृष्टपणे सांभाळणारे प्रशासकीय अधिकारी श्री.दिनेश कानगुडे यांचे विशेष अभिनंदन व कौतुक करण्यात येत आहे. त्यांच्या उल्लेखनीय कामकाजाची नोंद घ्यावी. तसेच महापालिका उप-सचिव हे पद सेवा प्रवेश नियमामध्ये सरळसेवे ऐवजी पदोन्नतीने भरण्यासाठी सेवा प्रवेश नियमात बदल करणेचा प्रस्ताव प्रशासनाने शासनाकडे पाठविलेला आहे.

या पदाकरीता आवश्यक असलेली अर्हता व पात्रता (विधी शाखेची पदवी व प्रशासकीय कामकाजाचा किमान 3 वर्षांचा अनुभव) श्री. दिनेश कानगुडे यांचेकडे आहे. त्यामुळे त्यांना महापालिका उप-सचिव या पदावर पदोन्नती देण्यासाठी आवश्यक ती कार्यवाही करावी, असा मी ठराव मांडत आहे.
धृवकिशोर पाटील :-

माझे अनुमोदन आहे.

जुबेर इनामदार :-

ठरावाला माझा विरोध नाही. मी ठरावाच्या बाजूने बोलणार. ठरावात कदाचित तुम्ही नमुद सुध्दा केलं असेल त्यात माझी सुचना आहे. शाळेच्या मुलांना आपल्या पालिकेच्या परिवहन सेवेमध्ये सोयी देताना सेवा देताना त्यांना सेवा आपण देतो तर 5 वी पर्यंत मुलांना पालकांसहित एक पालक त्याला तुम्हाला द्यायला लागेल कारण छोटी बालक जी असतात 5 वी पर्यंतचे जी मुले असतात त्यांना एकट्याने प्रवास करायचा हा एक अडचणीचा विषय असतो कारण शाळेची बस नाही आहे. शाळेची बस फक्त मुलांना घेऊन जाते. ती दारापर्यंत पोहचते. हे दारापर्यंत देणारी बस नसणार आहे...
मा. महापौर :-

महापालिकेच्या विद्यार्थ्यांना ही सेवा आहे.

जुबेर इनामदार :-

मी महापालिकेचे विद्यार्थ्यांना बोलत आहे.

मा. महापौर :-

सभागृहाने ठरवा.

प्रशांत दळवी :-

जरीही महापौर मॅडम हे असले तरी.....

मा. महापौर :-

आपण हे मुलांसाठी करतो की पालकांसाठी?

मा. उपमहापौर :-

महापौर मॅडम जुबेर भाईने जो विषय मांडला तो शंभर टक्के चांगला आहे. त्यात दोन मत नाही पण शाळेचे वेळोवेळी आपण करू शकत नाही आणि एखाद्या पालकांना आपण थांबवू पण शकत नाही. तो सकाळी 7 वाजताही असेल दुपारी 2 चा असेल किंवा 3 चा असेल तो पालक त्याचा गैरवापर करू शकतो. हे माझे व्यक्तीगत मत आहे.

जुबेर इनामदार :-

मनपाच्या विद्यार्थ्यांना तुम्ही पास इश्यु करणार त्याचबरोबर 5 वी पर्यंत जे मुले असतील तर पास इश्यु करताना एक पालकाचे त्याच्यामध्ये फोटो आई आणि वडील अथवा त्याचा पालक.

मा. महापौर :-

जुबेरजी पहिली माझी रुलिंग ही होती की तुम्ही जो विषय मांडला ती सुचना घ्या.

जुबेर इनामदार :-

तांत्रिक बाबी त्याच्या हातून कशी सोयीस्कर करून घेता येईल ते मी करतो.

दिनेश जैन :-

महापौर मॅडम, जुबेर भाईने जी सुचना मांडलेली आहे याच्यामध्ये असे आहे की, 5 वर्षांचे मुल असेल त्याला तर बसमध्ये फ्री आहे. पालक असे पण त्याला सोडायला जातात तर त्याला तिकीट काढावं लागतं मुलाचे आणि स्वतःचे आता त्याला पालकला फक्त एकच तिकीट काढावे लागेल. म्हणजे एक त्यांचे फ्री झाले. पण तस पण 5 वर्षांचा मुलाला एकट्याला कोणी पाठवत नाही. त्याला शाळेपर्यंत घेऊ जायला पाहिजे म्हणून आपण एकाला बेनिफिट देतो. 5 वर्षांच्या मुलाला.

जुबेर इनामदार :-

आमची सुचना होती आमची सुचना तुम्ही समाविष्ट करून घेतली तर अतीउत्तम. आम्ही बाहेर बोलायला मोकळे आम्ही प्रयत्न केला.

दिनेश जैन :-

तुमची भावना चांगली आहे पण नंतर बाकीचे बोलणार की आमच्या पालकांना का नाही.

मा. महापौर :-

यात एक विषय असा होता आपल्या मिरा भाईदर शहरामध्ये सन्मा. पत्रकार महोदय हे ह्या शहरामध्ये अतिशय चांगले काम करत आहेत आणि बऱ्याच ठिकाणी अडीअडचणीच्या प्रसंगी म्हणा, जेव्हा मतदान झालं तेव्हा सुध्दा म्हणा कुठे अपघात झाला कुठे आग लागली किंवा कोरोनाच्या काळामध्ये सुध्दा त्यांनी अतिशय चांगल्या पध्दतीने कामकाज केलेले आहे. ह्या ठरावामध्ये मा. आयुक्तांना सांगून त्यांच्या प्रवासा संदर्भामध्ये परिवहनमध्ये एक तपासून किंवा कशा पध्दतीने आपण त्यांना परिवहन सेवेमध्ये फ्रीमध्ये प्रवास करता येईल यासाठी हे करावी. तरतूद करावी जेणेकरून त्यांना सुध्दा मिरा भाईदर शहरामध्ये बस सेवेमध्ये फ्रीमध्ये प्रवास करायला संधी मिळेल. तर ह्या संदर्भामध्ये मी आपल्याकडे हे करते आणि त्या पध्दतीत आपण योग्य ती कारवाई करावी. कारण तो विषय इथे आला नाही म्हणून.

धृवकिशोर पाटील :-

महापौर मॅडम, जुबेरजीने जे आता सांगितलं की पालकांच्या बरोबर एक त्यांचे पालक फ्री तर आयुक्तांचे याबद्दल काय मत आहे माझे हे मत आहे की आयुक्तांनी खुलासा करावा. प्रशासकीय भूमिका काय आहे?

संभाजी पानपट्टे (मा. अति. आयुक्त) :-

ह्या संदर्भात तपासावे लागेल. तपासून निर्णय घेण्यात येईल.

जुबेर इनामदार :-

तुम्ही तांत्रिक बाबी त्याची बघा कसे सोयीस्कर पडेल तुम्ही ते बघा.

रोहिदास पाटील :-

आयुक्त साहेब आपल्या महापालिकेच्या शाळेमध्ये 5 वी पर्यंत येणारे विद्यार्थी वेगवेगळे विद्यार्थी भाईदर पूर्वकडून येत नाहीत. भाईदर पूर्वचे विद्यार्थी उत्तम असे आजूबाजूचे असतात. ज्या ठिकाणी बस सेवा उपलब्ध नसेल त्या ठिकाणी बसचा उपयोग करू शकेल त्याठिकाणी पालकाला अलाव करावे असे आपले सभागृहाचे मत आहे आणि प्रशासनाने त्याला हो म्हटले पाहिजे अदरवाईज भाईदर पूर्वचा विद्यार्थी पश्चिमेला जातच नाही. तुम्ही त्याचा अभ्यास करा आणि योग्य निर्णय घ्या.

मा. महापौर :-

या संदर्भात काय ते तपासून आपण हा विषय मंजूर करत आहोत.

प्रकरण क्र. 23 :-

मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या शाळेतील विद्यार्थ्यांना मिरा भाईदर महानगरपालिका परिवहन सेवेच्या बसमधून मोफत प्रवासाची सवलत देणेसाठी धोरणात्मक निर्णय घेणेबाबत.

ठराव क्र. 27 :-

मिरा भाईदर महानगरपालिका शाळेतील विद्यार्थी आर्थिकदृष्ट्या दुर्बल घटकातील असतात त्यामुळे त्यांना महापालिकेच्या शाळेत येण्याकरीता बस प्रवास मोफत दिल्यास शिक्षणाकरीता प्रोत्साहन मिळू शकेल व जास्तीत जास्त विद्यार्थी शाळेत येवून शाळेची पटसंख्या वाढेल व विद्यार्थी गैरहजर राहण्याचे प्रमाण कमी होईल. मनपा शाळेतील विद्यार्थ्यांना घरापासून ते मनपा शाळेपर्यंत व मनपा शाळेतून ते घरापर्यंतच शालेय शिक्षणाकरीता ये-जा करणेकामी मिरा भाईदर महानगरपालिका परिवहन सेवेच्या बसमधून प्रवासाची मोफत सुविधा उपलब्ध करून देणेस ही मा. महासभा मंजूरी देत आहे.

तसेच मिरा भाईदर महानगरपालिका शाळेतील विद्यार्थ्यांना देण्यात आलेल्या सवलतीच्या रक्कमेची प्रतीपूर्ती परिवहन उपक्रमाकडून बस ऑपरेटर यांना अदा करून सदरची रक्कम शिक्षण विभागाच्या निधीतून परिवहन उपक्रमास हस्तांतरीत करणेसही सभा मान्यता देत आहे.

देशाच्या 75 व्या अमृत महोत्सवानिमित्त विशेष प्रयत्न करून बस सेवेमध्ये अमुलाग्र बदल व सुधारणा केल्याने मिरा भाईदर महानगरपालिका परिवहन उपक्रमाच्या बस सेवेचा एका दिवसात लाभ घेणाऱ्या प्रवासी संख्येचा 75000 टप्पा पार करून 80000 पर्यंत पोहोचल्याने परिवहन उपक्रमाचे तसेच सन्मा. महापौर, मा. आयुक्त, मनपाचे सर्व पदाधिकारी, परिवहन समितीचे आजी / माजी सदस्य, परिवहन समिती सभापती, परिवहन विभागाचे अधिकारी / कर्मचारी व बस ऑपरेटर, सर्व बस चालक, वाहक, प्रवर्तक, निरीक्षक व इतर कर्मचारी यांचे अभिनंदन करण्यात येत आहे.

यामध्ये विशेषतः परिवहन उपक्रमाचे दैनंदिन कामकाज उत्कृष्टपणे सांभाळणारे प्रशासकीय अधिकारी श्री.दिनेश कानगुडे यांचे विशेष अभिनंदन व कौतुक करण्यात येत आहे. त्यांच्या उल्लेखनीय कामकाजाची नोंद घ्यावी. तसेच महापालिका उप-सचिव हे पद सेवा प्रवेश नियमामध्ये सरळसेवे ऐवजी पदोन्नतीने भरण्यासाठी सेवा प्रवेश नियमात बदल करणेचा प्रस्ताव प्रशासनाने शासनाकडे पाठविलेला आहे.

या पदाकरीता आवश्यक असलेली अर्हता व पात्रता (विधी शाखेची पदवी व प्रशासकीय कामकाजाचा किमान 3 वर्षांचा अनुभव) श्री. दिनेश कानगुडे यांचेकडे आहे. त्यामुळे त्यांना महापालिका उप-सचिव या पदावर पदोन्नती देण्यासाठी आवश्यक ती कार्यवाही करावी, असा मी ठराव मांडत आहे.

सुचक :- श्री. प्रशांत दळवी

अनुमोदन :- श्री. धृवकिशोर पाटील

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. 24, मिरा भाईदर महानगरपालिका आस्थापनेवरील सहायक अधिसेविका (गट-ब) उप-मुख्य स्वच्छता अधिकारी (गट-ब) उप-मुख्य उद्यान अधिक्षक (गट-ब) कार्यकारी अभियंता (स्थापत्य) (गट-अ) शाखा अभियंता (स्थापत्य) (गट-ब) व अग्निशमन केंद्र अधिकारी (गट-ब) या पदावर दिलेल्या पदोन्नतीस मान्यता मिळणेबाबत.

डिम्पल मेहता :-

मिरा भाईदर महानगरपालिकेच्या आस्थापनेवरील अधिकारी व कर्मचाऱ्यांना नेमणूक करणे व पदोन्नती देण्याचा अधिकार महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमाचे कलम 53 (1) अन्वये महापालिकेमध्ये निहित आहे.

महापालिकेतील अधिकारी / कर्मचारी यांना पदोन्नती देताना कोर्टाच्या निर्णयाच्या अधीन राहून तसेच चौकशीच्या निर्णयाच्या अधीन राहून तात्पुरत्या स्वरूपाची पदोन्नती देण्यात आलेली आहे. प्रशासनाने पदोन्नती दिलेल्या काही अधिकारी / कर्मचाऱ्यांबाबत कोर्टात प्रकरणे प्रलंबित आहेत व

काहींची चौकशी सुरु असून निर्णय प्रलंबित आहे. पदोन्नती देताना काही अधिकारी / कर्मचारी यांना वंचित ठेवलेले आहे. मा. महासभेपुढे पदोन्नतीचा गोषवारा सादर करताना पात्र / अपात्र अधिकारी / कर्मचारी यांची सविस्तर माहिती सादर केलेली नाही. निवड समितीने पदोन्नतीबाबत घेतलेला निर्णयाची पूर्ण माहिती सभागृहाला दिलेली नाही. प्रशासनाने गोषवाच्यात परिपूर्ण माहिती सादर न केल्याने पदोन्नतीचा प्रस्ताव मंजूर केल्यास काही अधिकारी व कर्मचाऱ्यांवर अन्याय होण्याची शक्यता नाकारता येत नाही.

पदोन्नतीकरीता मा. महासभेची मंजूरी न घेता विविध अधिकाऱ्यांना परस्पर पदोन्नती दिलेली आहे ती नियमबाह्य आहे. पदोन्नतीस मंजूरी देणेस संयुक्तिक ठरणार नाही तसेच कोणत्याही अधिकारी / कर्मचाऱ्यांवर अन्याय होवू नये व पदोन्नतीस मंजूरी देताना महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम कलम 53 (1) चे उल्लंघन झालेले आहे त्यामुळे सदरचा प्रस्ताव फेटाळण्यात येत आहे. प्रशासनाने सविस्तर माहितीसह सदरचा प्रस्ताव पुढील मा. महासभेत सादर करावा असा मी ठराव मांडत आहे.

हेतल परमार :-

माझे अनुमोदन आहे.

मा. महापौर :-

पुढचा विषय घ्या.

पकरण क्र. 24 :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिका आस्थापनेवरील सहायक अधिसेविका (गट-ब) उप-मुख्य स्वच्छता अधिकारी (गट-ब) उप-मुख्य उद्यान अधिक्षक (गट-ब) कार्यकारी अभियंता (स्थापत्य) (गट-अ) शाखा अभियंता (स्थापत्य) (गट-ब) व अग्निशमन केंद्र अधिकारी (गट-ब) या पदावर दिलेल्या पदोन्नतीस मान्यता मिळणेबाबत.

ठराव क्र. 28 :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या आस्थापनेवरील अधिकारी व कर्मचाऱ्यांना नेमणूक करणे व पदोन्नती देण्याचा अधिकार महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमाचे कलम 53 (1) अन्वये महापालिकेमध्ये निहित आहे.

महापालिकेतील अधिकारी / कर्मचारी यांना पदोन्नती देताना कोर्टाच्या निर्णयाच्या अधीन राहून तसेच चौकशीच्या निर्णयाच्या अधीन राहून तात्पुरत्या स्वरूपाची पदोन्नती देण्यात आलेली आहे. प्रशासनाने पदोन्नती दिलेल्या काही अधिकारी / कर्मचाऱ्यांबाबत कोर्टात प्रकरणे प्रलंबित आहेत व काहींची चौकशी सुरु असून निर्णय प्रलंबित आहे. पदोन्नती देताना काही अधिकारी / कर्मचारी यांना वंचित ठेवलेले आहे. मा. महासभेपुढे पदोन्नतीचा गोषवारा सादर करताना पात्र / अपात्र अधिकारी / कर्मचारी यांची सविस्तर माहिती सादर केलेली नाही. निवड समितीने पदोन्नतीबाबत घेतलेला निर्णयाची पूर्ण माहिती सभागृहाला दिलेली नाही. प्रशासनाने गोषवाच्यात परिपूर्ण माहिती सादर न केल्याने पदोन्नतीचा प्रस्ताव मंजूर केल्यास काही अधिकारी व कर्मचाऱ्यांवर अन्याय होण्याची शक्यता नाकारता येत नाही.

पदोन्नतीकरीता मा. महासभेची मंजूरी न घेता विविध अधिकाऱ्यांना परस्पर पदोन्नती दिलेली आहे ती नियमबाह्य आहे. पदोन्नतीस मंजूरी देणेस संयुक्तिक ठरणार नाही तसेच कोणत्याही अधिकारी / कर्मचाऱ्यांवर अन्याय होवू नये व पदोन्नतीस मंजूरी देताना महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम कलम 53 (1) चे उल्लंघन झालेले आहे त्यामुळे सदरचा प्रस्ताव फेटाळण्यात येत आहे. प्रशासनाने सविस्तर माहितीसह सदरचा प्रस्ताव पुढील मा. महासभेत सादर करावा असा मी ठराव मांडत आहे.

सुचक :- श्रीम. डिम्पल मेहता

अनुमोदन :- श्रीम. हेतल परमार

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. 25, लोकशाहिर आण्णाभाऊ साठे नागरी दलित वस्ती सुधारणा योजने अंतर्गत शासन अनुदानातून कामे करणेबाबत.

मा. महापौर :-

दलित वस्तीचा हा निधी जिल्हा नियोजन समितीकडून येतो आणि हा निधी आता आपल्याला वॉर्ड 11,18,13 ह्या वॉर्डमध्ये आपण वापरतो. त्याच्यामुळे हा निधी मनपाचा नाहीच आहे याला आपल्याला काही प्रॉब्लेमच नाही. हा निधी अतिशय आपल्याकडे चांगला आणि लाभदायक आहे.

रोहिदास पाटील :-

लोकशाहिर अण्णाभाऊ साठे दलित वस्ती सुधारणा योजने अंतर्गत नमुद केलेल्या खालील कामांना प्रशासकीय मान्यता देवून सदरचा प्रस्ताव मा. जिल्हाधिकारी ठाणे यांच्याकडे पाठविण्यास ही मा. महासभा मान्यता देत आहे.

| अ.क्र. | कामाचे नाव | अंदाजित खर्च |
|--------|---|------------------|
| 1. | मिरारोड (पु.) डी.जी. इलेक्ट्रॉनिक्स ते यो यो हॉटेल पर्यंत गटार तयार करणे | रु.78,10,000/- |
| 2. | मिरारोड (पु.) प्रभाग क्र.13, सिल्वर सरीता येथील नर्मदा अपार्ट मागील नाल्यावर स्लॅब टाकणे | रु.1,10,00,000/- |
| 3. | गौरव मंथन ते STP PLANT पर्यंत गटार बनवून मुख्य नाल्याला जोडणे | रु.68,37,400/- |
| 4. | भाईंदर (पु.) प्रभाग क्र.11 मधील नवघर स्मशान भूमी मध्ये गटार, गल्ली, सी.सी. रस्ते आणि RCC हॉल बनविणे तसेच इतर दुरुस्तीची कामे करणे | रु.82,99,650/- |
| 5. | भाईंदर (पु.) प्रभाग क्र.11 मधील शिर्डी नगर येथील अंतर्गत रस्ते व गटार बनविणे | रु.1,09,99,100/- |
| 6. | भाईंदर (पु.) प्रभाग क्र.11 मधील शिवशक्ती नगर येथील दिपक टॉवर ते जय अंबे चाळ क्र.1 पर्यंत गटाराची पुर्न:बांधणी करणे | रु.25,98,800/- |
| 7. | भाईंदर (पु.) प्रभाग क्र.11 मधील नवघर रोड येथील आनंद दिघे मैदानामध्ये रंगमंचाचे बांधकाम करणे | रु.20,99,900/- |
| | | रु.4,96,45,850/- |

धृवकिशोर पाटील :-

माझे अनुमोदन आहे. मॅडम बघा सभागृहाला विनंती आहे की हा पण पास करताना आम्ही 11 नंबरच्या वॉर्डमध्ये मॅक्झीमम फंड दिला आणि 11 नंबर वॉर्डमध्ये शिवसेनेचे नगरसेवक आहेत म्हणजे आम्ही कुठेही अन्याय करत नाही हे सिध्द होते.

प्रविण पाटील :-

हा निधी आहे तो शासनाने दलित वस्तीसाठी तो निधी डिकलेअर केलेला आहे.

मा. महापौर :-

पुढचा विषय घ्या.

प्रकरण क्र. 25 :-

लोकशाहिर आण्णाभाऊ साठे नागरी दलित वस्ती सुधारणा योजने अंतर्गत शासन अनुदानातून कामे करणेबाबत.

ठराव क्र. 29 :-

लोकशाहिर अण्णाभाऊ साठे दलित वस्ती सुधारणा योजने अंतर्गत नमुद केलेल्या खालील कामांना प्रशासकीय मान्यता देवून सदरचा प्रस्ताव मा. जिल्हाधिकारी ठाणे यांच्याकडे पाठविण्यास ही मा. महासभा मान्यता देत आहे.

| अ.क्र. | कामाचे नाव | अंदाजित खर्च |
|--------|--|------------------|
| 1. | मिरारोड (पु.) डी.जी. इलेक्ट्रॉनिक्स ते यो यो हॉटेल पर्यंत गटार तयार करणे | रु.78,10,000/- |
| 2. | मिरारोड (पु.) प्रभाग क्र.13, सिल्वर सरीता येथील नर्मदा अपार्ट मागील नाल्यावर स्लॅब टाकणे | रु.1,10,00,000/- |
| 3. | गौरव मंथन ते STP PLANT पर्यंत गटार बनवून मुख्य नाल्याला जोडणे | रु.68,37,400/- |
| 4. | भाईदर (पु.) प्रभाग क्र.11 मधील नवघर स्मशान भूमी मध्ये गटार, गल्ली, सी.सी. रस्ते आणि RCC हॉल बनविणे तसेच इतर दुरुस्तीची कामे करणे | रु.82,99,650/- |
| 5. | भाईदर (पु.) प्रभाग क्र.11 मधील शिर्डी नगर येथील अंतर्गत रस्ते व गटार बनविणे | रु.1,09,99,100/- |
| 6. | भाईदर (पु.) प्रभाग क्र.11 मधील शिवशक्ती नगर येथील दिपक टॉवर ते जय अंबे चाळ क्र.1 पर्यंत गटाराची पुर्न:बांधणी करणे | रु.25,98,800/- |
| 7. | भाईदर (पु.) प्रभाग क्र.11 मधील नवघर रोड येथील आनंद दिघे मैदानामध्ये रंगमंचाचे बांधकाम करणे | रु.20,99,900/- |
| | | रु.4,96,45,850/- |

सुचक :- श्री. रोहिदास पाटील

अनुमोदन :- श्री. धृवकिशोर पाटील

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. 26, उत्तन डम्पिंग ग्राऊंड प्रकल्प येथे अग्निशमन विषयक उपाययोजना करणेबाबत.

धृवकिशोर पाटील :-

उत्तन डम्पिंग ग्राऊंड प्रकल्प येथे गोषवाच्यात नमुद केल्याप्रमाणे रु.250.00 लक्ष इतकी तरतुद करण्यात आलेली असून सदर कामी रु.2,45,93,942/- इतका खर्च अपेक्षित आहे. तसेच आर.सी.सी. पाण्याची टाकी व पंप रुम बांधणेकामी रु.71,26,800/- इतका खर्च अपेक्षित असून सदर कामी सन 2022-23 या आर्थिक वर्षात "अग्निशमन इमारत/निवास बांधकाम दुरुस्ती" या लेखाशिर्षा अंतर्गत रु.200.00 लक्ष इतकी तरतुद करण्यात आली आहे.

| Sr.No. | Particulars | Qty. | Budgetary |
|--------|-------------|------|-----------|
|--------|-------------|------|-----------|

| | | | Offer |
|----|--|---------------------|-----------------|
| 1 | Ø 150mm GI "C" Class Pipe IS-1239 Fitting, installation, RCC work, coating & painting | 3120 mtr. | 9516000 |
| 2 | Ø 80 mm GI "C" Class Pipe IS-1239 | 270 mtr. | 587250 |
| 3 | Carbon Steel Water Monitor supply & Fitting throw range minimum 30 mtr. Flow- minimum 500-700 GPM | 52 nos. | 1690000 |
| 4 | Ø 63 mm SS Single Headed Landing Valve IS 5290 | 52 nos. | 348400 |
| 5 | Ø 63 mm Length 15mtr RRI FIRE HOSE PIPE | 104 nos. | 1393600 |
| 6 | Double Door Hose Box 600mm X 750mm X250mm | 52 nos. | 572000 |
| 7 | Cast Iron Siamese Connection, with 6" Flange & 4 male instantaneous with NRV. | 06 nos. | 156000 |
| 8 | 100HP ELECTRIC MAIN PUMP 2850 LPM HEAD-95Mtr | 01 nos. | 518000 |
| 9 | 75HP ELECTRIC MAIN PUMP 2850 LPM HEAD-70Mtr. | 01 nos. | 500000 |
| 10 | 20HP ELECTRIC JOCKY PUMP 180 LPM HEAD-90Mtr0 | 02 nos. | 138000 |
| 11 | 102 BHP DIESEL ENGINE 2850 LPM HEAD- 70Mt | 02 nos. | 1530000 |
| | FIRE HYDRANT CONTROL PANEL SYSTEM | | 2100000 |
| 12 | Panel -100HP+20HP+102 BHP DIESEL ENGINE | 01 UNIT | 0 |
| 13 | Panel -100HP+20HP+102 BHP DIESEL ENGINE | 01 UNIT | 0 |
| 14 | Installation, Fittings, flanges, orifice plate, MS fabricated Support, pump foundation , RCC Blocks, Digging | 01 UNIT | 1793074 |
| | | Total | 20842324 |
| | | GST 18% | 3751618 |
| | | Total Budget | 24593942 |

तरी मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील डम्पिंग ग्राऊंड प्रकल्पात COURT YARD SYSTEM WITH HYDRANT & MONITOR ही यंत्रणा उभारणेकामी रु.2,45,93,942/- तसेच आरसीसी पाण्याची टाकी व पंपरूम बांधणेकामी रु.71,26,800/- इतक्या खर्चास ही मा. महासभा आर्थिक व प्रशासकीय मंजूरी देत आहे.

प्रशांत दळवी :-

माझे अनुमोदन आहे.

शर्मिला बगाजी :-

महापौर मॅडम, आपल्या परवानगी बोलते विषय डम्पिंग ग्राऊंडचा आल्यानंतर थोडा सेन्सेटिव्ह आहे परत बोलते कधी कधी आपल्याला राग पण येत असेल किंवा आपल्या भावना पण दुखावल्या जात असतील परंतु आमच्या नागरिकांच्या भावना आहेत म्हणून पहिल्यांदाच माफी मागते आयुक्त साहेब आणि महापौरांची. आपण 2008 पासून हा प्रोजेक्ट चालू आहे विषयाला सोडून थोड बोलते आणि नंतर विषयावर बोलते. आता आपण बरेचसे बायोमायनिंगसाठी आपण त्याच्यावर प्रक्रिया चालू केली आहे. लिचेडवर प्रक्रिया चालू आहे. लिचेडसाठी आपण ठेका दिलेला आहे. त्याच्यानंतर परत ओला कचरा, सुका कचरा ह्याच्यावर आपण प्रक्रिया चालू केली आहे आणि करत आहोत. परंतु मॅडम हा जो

विषय येतो परत परत जाऊन ओला कचरा आणि सुका कचरा एकत्र टाकल्यामुळे हा विषय निर्माण होतो. माझी परत परत तीच मागणी आहे आपल्याही सुचना देत आहोत की, डम्पींग ग्राऊंड हटविण्यासाठी आमच्या लोकांनी केसेस घेतल्या अजूनपर्यंत आम्ही त्याच्यासाठी झगडत आहोत आपण प्रशासनाला रोष पत्कारत आहोत. परंतु त्याच्यामध्ये जी आपली भुमिका होती की आपले शहर सुधारेल आपल्या गावातले सोडून आपण दुसरीकडे एक जागा बघत होतो आणि त्याच्या बदल बऱ्याच मिटींग झाल्या. तुमच्या प्रक्रिया चालू आहेत परंतु कधी परत म्हणजे जेव्हा विषय आला सक्वारचा त्याच्यानंतर तो विषय जेव्हा आपण ठिक आहे त्याच्यामध्ये त्या ग्रामपंचायतचा विरोध झाला पण त्याच्यानंतर परत एवढ्या वर्षांमध्ये कुधीच आपण दुसरी जागा स्थलांतर करण्यासाठी परत प्रयत्न करावा. त्याच्यानंतर आपण लिचेडवर आता स्टॅन्डिंगमध्ये असताना पण तो विषय आला मी तेव्हा पण सुचना मांडली की लिचेडवर आपण प्रक्रिया करतो परंतु तो भरमसाठ तो मोठा डोंगर आहे त्याच्यातून एका ठिकाणी आपण ते लिचेड आपणार आणि त्याच्यावर आपण प्रक्रिया करणार जी योग्य आहे आणि करावीच लागेल. कारण ते सगळ पाणी शेतात जाते परंतु त्याला आऊवर्ड देणे गरजेचे आहे. जे खालून लिचेड पाणी उतरते त्याच्यानंतर ते खाडीत जाऊन ती खाडी दुषीत होते किंवा आमच्या लोकांचा आरोग्याचा प्रश्न निर्माण होतो. तर त्याच्यावर आपण एक ठोस काहीतरी कार्यवाही करणे अत्यंत गरजेचे आहे की एका ठिकाणावरून समजा गेलं ज्याप्रमाणे तुम्ही आता शहरात एस.टी.पी. बनवतात एका ठिकाणी तुम्ही ते जे घाण पाणी आहे ते एकत्र करतो तस आपला एखादा प्रोजेक्ट येणे अत्यंत गरजेचे आहे. कारण तिथे जर नाही केलं तर इनफ्युचर अजूनही जेवढे शेतीचे नुकसान झाले आहे आमच्याकडेचे आरोग्य तुम्ही बघितले तर कितीतरी आजारांना बळी आमचे लोक पडत आहेत. तर तिथून तो आऊटवर्ड करणे गरजेचे आहे. त्याच्यानंतर आता जो विषय आहे तर साहेब हा आपण खर्च करतो आणि गरजेचा आहे आमची पण मागणी होती कारण वारंवार तिथे आग लागत होती. परंतु आगीचे कारण समजून तिथे परत ओला कचरा आणि सुका कचरा एकत्रित टाकण्याचा प्रमाण कमी झालं असल तरी पण टाकलं जात आहे. तर ते कमी पेक्षा ती झालच नाही पाहिजे अशी आमची भुमिका आहे तर ओला कचरा सुका कचऱ्याचा प्रोजेक्ट चालू आहे. त्याप्रमाणे वेगळा करून द्या. म्हणजे जे कचऱ्यामुळे आग लागते किंवा त्याच्यातून जे लिचेड निघते त्याच्यावर प्रक्रिया करण्यात येईल किंवा इनफ्युचर बायोमायनिंग करण्याची हा जो खर्च आहे तो आपला चाचला जाईल आणि तिथे सुंदर असं आपले पण स्वप्न आहे. आयुक्त महोदयांनी पण सांगितले होते की तिथे आपला काहीतरी यावं की बनविण्याचे स्वप्न आहे किंवा तिथे एखादा चांगला प्रोजेक्ट करण्याची गरज आहे कारण हिल स्टेशन असल्यामुळे आणि ते एक चांगले होऊ शकते तर त्याच्यावर आपण विचार करावा आणि काही एक दोन प्रश्न उद्भवलेले होते जे ओल्या कचऱ्यावर प्रक्रियेचा त्याच्याबद्दल थोडं आणि लिचेडचा आऊटवर्ड याच्याबद्दल थोडासा खुलासा करावा अशी मी विनंती करते.

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम आपल्या परवानगीने आयुक्त महोदय आपल्याकडे 75 एकर जी जागा आहे. शासनाकडून आपल्याला 75 एकर जागा घनकचरा प्रकल्पासाठी प्राप्त झाली होती. 25 एकर जागा कमीत कमी अतिक्रमण झालेली आहे. साहेब आम्ही वारंवार ह्या विषयावर आलेल्या प्रत्येक आयुक्तांसमोर आम्ही गाऱ्हाणे मांडलेत. आपल्याकडून आम्हाला अपेक्षा आहे. आपली जागा आहे. रिकामी करून घ्या. बऱ्याच जागेची काम आहेत त्याच्यावर तुम्हाला करून घेण्यात येतील. आपण त्याचे संरक्षण करू शकलो नाही. झोपडपट्ट्या झाल्या, घरं झाली. चाळ्या बांधल्या, गेल्या कुठेतरी साहेब एकदम प्रामाणिक त्याची अशी इच्छा दाखवण्या इच्छावर हात टाका आणि ती जागा तुमची रिकामी करून घ्या आलेली जागा हातातून चालली आपल्या शहराला याची गरज आहे.

रोहिदास पाटील :-

महापौर मॅडम हा विषय उत्तनचा विषय निघाला की सगळे सभागृह जागे होते. थोडासा गंभीर विषय आहे अस्मितेचा विषय आहे लोकांचा आरोग्याचा विषय आहे आणि आपल्याला आलेल्या अपयशाचा विषय आहे. आताच्या घटकेला आयुक्त साहेबांकडून हे सभागृह महापौरांचा मान ठेऊन बोलतो आयुक्त साहेबांकडून ही अपेक्षा करतो ही अच्छा शक्तीचा विषय झाला. टेक्नीकली आपण चर्चा करतेवेळी आग लागेल ती विझविण्यासाठी यंत्रणा आपण उभी करतो हा एक पार्ट वेगळा आहे आणि मगाशी विषय जसा आला तसं लिचेड उतरून शेती उत्तनच अस्तित्वच संपल साहेब उत्तनच्या शेतीच, झाडाचं, मासेमाऱ्यांचे खाडीत जाणाऱ्या लोकांचं म्हणजे जे ऊडी मारतात त्याचं हे सगळ्याचं आयुष्य उध्वस्त झालं आहे. एक विचार करा साहेब, ज्यांना खरच त्याच्यात रुची आहे अशा लोकांना तुमच्यामध्ये बसवा एक तासाच्या ऐवजी 7 दिवस बसवा असा एक प्लान तयार करा. महापौर मॅडम सत्ता आपली आहे म्हणून विनंती करतो साहेब आपण सगळे सभागृह सरकारकडे हे मागते की जे त्याच्यामध्ये प्लांट होईल त्याच्या असेल ती किंमत मग ती केंद्र शासनाची असु देत राज्य शासनाची आता कोणाला अडचणच नाही ना. अडचण कुठे आहे आता. फक्त आपली मागणी पारदर्शक असली पाहिजे अत्यंतिक राहिली पाहिजे त्याला साहेब ग्राऊंड असले पाहिजे. आवश्यक काय कूठे लागतील त्याला स्लम बनविणे त्या ठिकाणी त्या लिचडला लिचड जमिनीतून 15 फुटाचा चर खोदून ही प्रोसेजर आहे. मी वयानुसार अनुभव बोलतो साहेब त्यातील टेक्नीकल आहे ते तुम्ही तपासावे. नसेल तर मी भाषण केलच नाही म्हणून सोडून द्यायच फक्त प्रोसेडींगवर राहिल. त्या डोंगराच्या उतारावरून जे लगत जो एरिया आहे त्या ठिकाणी तो चर होईल. डोंगरातून तुम्ही कसही केलं तरी कुठूनही ते पाणी मरुन खाली येणारच ते आल्यानंतर ते चरमध्ये आलं पाहिजे. त्याच्याखाली त्या विहिरी असतील त्या विहिरीमध्ये पाणी 1,2,3,4,5 जशी ते टेक्निकल लोक सांगतील त्याच्या येणाऱ्या प्रवाहाप्रमाणे जेवढी कॉन्टीटी असेल तसं त्याचा विझविल किती आहे एवढे विझविल आहे तर त्या पर्यंत पाणी साचेल. त्याच्यावर प्रोसेस होईल. ते प्रोसेस झालेलं पाणी नक्की शुध्द पाणी लागवडीसाठी शेतीसाठी सगळ्यासाठी उपयोगात येते. एक चंदीगढचा प्लान बघून आपण आणलेला पानपट्टेसाहेब तुम्ही विसरले.

संभाजी पानपट्टे (मा. अति. आयुक्त) :-

आपला प्लान चांगला आहे.

रोहिदास पाटील :-

हा जर प्लान आयुक्त साहेब जर केला तर आयुक्त साहेब तुम्हाला ह्याचं खरच ह्या एका गोष्टीचं अस क्रेडीट मिळेल आणि ह्या महापालिकेने महापौराने, आयुक्ताने आता आमची मुदत संपत आहे तुम्ही आहात त्याच्यात हे काम झालं तर लोकांना नक्की होईल आणि जी शेती पिकत होती साहेब ज्यामध्ये भाजी होत होती. उत्तनची भाजी मुंबईपर्यंत फेमस होती मुंबईचे लोक घरातील भाजी घ्यायला ही मुंबईची माणस पार घेऊन इकडे येत होता. आता येत नाही भाजी पण होत नाही आणि इकडे येत पण नाही. ही परिस्थिती झाली. संपूर्ण शेती वाया गेलेली आहे. आमची सभागृहाची नम्र विनंती आहे. अत्यंत हा गंभीर विषय आहे.

मा. महापौर :-

ठिक आहे. सभागृहाचे गांभीर्य घ्या त्याप्रमाणे करा.

अनिल भोसले :-

महापौर मॅडम ह्या शहराचे असे दुर्देव आहे गेल्या जवळ जवळ 10 वर्षांपासून उत्तनचे स्वर्ग होते त्याला आपण नरक बनविले. आज उत्तनच्या तिथे जे सॉलीड वेसट् प्लांट आहेत त्याच्यामध्ये आज जवळ जवळ 12 लाख करोड टन मेट्रीक कचरा अशाच अवस्थेत पडलेला आहे. तिथे अजूनही तो तसाच आहे. बायोमायनिंगसाठी आपण खर्च करतो आय.आय.टी साठी खर्च करतो आणि आज अक्षरशः 10 वर्षांत दुःखाने सांगाव लागते स्वर्गासारखे उत्तनला आपण तिथे नरक बनविलेले आहे आणि आज

आपण तिथे जवळ जवळ अडीच करोड रुपयाची अग्निशमन यंत्रणा बसवत आहोत म्हणजे आपण यापुढे सुध्दा गृहित धरले आहे की तिथे कचरा पासून आग लागणारच पूर्ण शहराचा कचऱ्यासाठी त्या उत्तन सारख्या परिसराला कशाला वेठीस आपण धरत आहोत. आजकाल एवढे चांगले प्रोजेक्ट निघाले आहेत. प्लांट निघाले आहेत छोटे कॉम्पेक्ट प्लांट निघाले आहेत. मोठे मोठे कॉम्प्लेक्स आहेत त्याच्यामध्ये हे कॉम्पेक्ट प्लांट आपण राबवू शकतो. ओला कचरा आणि सुका कचऱ्याचा आयुक्त साहेब माझी आपणाला विनंती आहे मध्यंतरी आपण 10 प्लांट डिसेंट्रलाईज करण्याचे ते एक प्रोजेक्ट घेता नविन नविन जे मोठे मोठे सोसायटीज आहेत त्यांच्यामध्ये कांजूर मार्गला अशा सोसायटीज आहेत तिथे सक्सेसफुली प्लांट चालले आहेत. एक टनाचे, 10 टनाचे, 15 टनापासून प्लांट तिथे चालू आहेत. बिल्डींगमध्ये काही वास वगैरे येत नाही. त्यापासून जे थोडी आपण सुटका केली ह्या उत्तन वासियांची तर फार मोठा दुवा देतील ह्याप्रमाणे त्याच्यामध्ये लक्ष घाला आणि जो खर्च करायचा आहे काकाने जस सांगितलं पण काकाने प्रेमात सांगितले आमच्या शर्मिला मॅडमने अगदी विनंती केली ताई इथे आई सुध्दा रडल्या शिवाय दुध देत नाही पाजत नाही त्या मुलाला. इथे उत्तन वाल्यांनी तुम्ही ह्यांच्या मागे लागा महापालिकेच्या. हे आयुक्त साहेब चांगले निर्णय घेण्याची त्यांची क्षमता आहे. चांगला निर्णय घेऊन त्याठिकाणी व्यवस्थित करू शकतील. त्यांच्या मागे लागुन ह्या उत्तनवासियांची ह्या दुर्गंधी पासून सुटका करा. रोगराई पासून सुटका करा.

मा. महापौर :-

सचिव साहेब पुढचा विषय घ्या.

प्रकरण क्र. 26 :-

उत्तन डम्पिंग ग्राऊंड प्रकल्प येथे अग्निशमन विषयक उपाययोजना करणेबाबत.

ठराव क्र. 30 :-

उत्तन डम्पिंग ग्राऊंड प्रकल्प येथे गोषवाऱ्यात नमुद केल्याप्रमाणे रु.250.00 लक्ष इतकी तरतुद करण्यात आलेली असुन सदर कामी रु.2,45,93,942/- इतका खर्च अपेक्षित आहे. तसेच आर.सी.सी. पाण्याची टाकी व पंप रुम बांधणेकामी रु.71,26,800/- इतका खर्च अपेक्षित असुन सदर कामी सन 2022-23 या आर्थिक वर्षात "अग्निशमन इमारत/निवास बांधकाम दुरुस्ती" या लेखाशिर्षा अंतर्गत रु.200.00 लक्ष इतकी तरतुद करण्यात आली आहे.

| Sr.No. | Particulars | Qty. | Budgetary Offer |
|--------|---|-----------|-----------------|
| 1 | Ø 150mm GI "C" Class Pipe IS-1239 Fitting, installation, RCC work,coating & paiting | 3120 mtr. | 9516000 |
| 2 | Ø 80 mm GI "C" Class Pipe IS-1239 | 270 mtr. | 587250 |
| 3 | Carbon Steel Water Monitor supply & Fitting throw range minimum 30 mtr. Flow- minimum 500-700 GPM | 52 nos. | 1690000 |
| 4 | Ø 63 mm SS Single Headed Landing Valve IS 5290 | 52 nos. | 348400 |
| 5 | Ø 63 mm Length 15mtr RRI FIRE HOSE PIPE | 104 nos. | 1393600 |
| 6 | Double Door Hose Box 600mm X 750mm X250mm | 52 nos. | 572000 |
| 7 | Cast Iron Siamese Connection, with 6" Flange & 4 male instantaneous with NRV. | 06 nos. | 156000 |
| 8 | 100HP ELECTRIC MAIN PUMP 2850 LPM HEAD-95Mtr | 01 nos. | 518000 |
| 9 | 75HP ELECTRIC MAIN PUMP 2850 LPM HEAD-70Mtr. | 01 nos. | 500000 |

| | | | |
|----|--|---------------------|-----------------|
| 10 | 20HP ELECTRIC JOCKY PUMP 180 LPM HEAD-90Mtr0 | 02 nos. | 138000 |
| 11 | 102 BHP DIESEL ENGINE 2850 LPM HEAD- 70Mt | 02 nos. | 1530000 |
| | FIRE HYDRANT CONTROL PANEL SYSTEM | | 2100000 |
| 12 | Panel -100HP+20HP+102 BHP DIESEL ENGINE | 01 UNIT | 0 |
| 13 | Panel -100HP+20HP+102 BHP DIESEL ENGINE | 01 UNIT | 0 |
| 14 | Installation, Fittings, flanges, orifice plate, MS fabricated Support, pump foundation , RCC Blocks, Digging | 01 UNIT | 1793074 |
| | | Total | 20842324 |
| | | GST 18% | 3751618 |
| | | Total Budget | 24593942 |

तरी मिरा भाईंदर महानगरपालिका क्षेत्रातील डम्पिंग ग्राऊंड प्रकल्पात COURT YARD SYSTEM WITH HYDRANT & MONITOR ही यंत्रणा उभारणेकामी रु.2,45,93,942/- तसेच आरसीसी पाण्याची टाकी व पंपरूम बांधणेकामी रु.71,26,800/- इतक्या खर्चास ही मा. महासभा आर्थिक व प्रशासकीय मंजूरी देत आहे.

सुचक :- श्री. धृवकिशोर पाटील अनुमोदन :- श्री. प्रशांत दळवी
ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-
महापौर
मिरा भाईंदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. 27, मा. महासभा दि. 02/09/2021, ठराव क्र. 42 अन्वये मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या चतुर्थश्रेणी कर्मचारी तसेच वाहनचालक कर्मचाऱ्यांना यांच्याकरीता दर दोन वर्षांनी गणवेश पुरवठा वस्तु स्वरूपात मिळणाऱ्या लाभाचे हस्तांतरण रोख स्वरूपात थेट लाभार्थ्यांच्या खात्यात जमा करणेबाबतच्या निश्चित असलेल्या DBT धोरणास कर्मचाऱ्यांचा प्रतिसाद न मिळाल्यामुळे DBT धोरणाचा पुर्नविचार होऊन महाराष्ट्र राज्य यंत्रमाग महामंडळ मर्यादित यांच्यामार्फत कपडा खरेदी करणे व गणवेशाची शिलाई दर निश्चित करून त्यांच्या गणवेशाची शिलाई कामी निविदा / दरपत्रकाद्वारे ठेकेदाराची नेमणूक करून शिलाई करून गणवेश देणेबाबतचे नव्याने धोरण निश्चित करणेबाबत.

वर्षा भानुशाली :-

गोषवाऱ्यात नमुद केलेल्या "परिशिष्ट ब" प्रमाणे गणवेशाकरीता कपडा महाराष्ट्र राज्य यंत्रमाग मर्यादित यांचेकडील परिपत्रक क्रमांक कापड पुरवठा/ यंत्रमाग / कापड (हातमाग कापडाशिवाय) नियत किंमत/ दरपत्रक/2022-23/120, दि.12 मे 2022 अन्वये प्राप्त दरानुसार चतुर्थश्रेणी 821 व वर्ग-3 वाहनचालक 32 पुरुषांकरीता कपडा (शर्ट व पॅन्ट) व चतुर्थश्रेणी 74 स्त्रीया यांचेकरीता साड्या व ब्लाऊज पीस खरेदी करणेबाबत व पुरुष गणवेश व स्त्रियांकरीता ब्लाऊज शिलाईचे दर परिशिष्ट ब प्रमाणे निश्चित करून त्यांच्या वेतनात मंजूर दराप्रमाणे जमा करणेस ही मा. महासभा मंजूरी देत आहे. कर्मचाऱ्यांना कार्यालयीन वेळेत कार्यालयामध्ये काम करत असतेवेळी गणवेश वापरण्याची सक्ती करण्यात यावी. गणवेश परिधान न केलेले पहिल्यांदा आढळल्यास त्यांना रु.1000/- इतका दंड

आकारावा, दुसरेवेळी गणवेश परिधान न केलेले आढळल्यास रु.5000/- इतका दंड आकारावा तसेच तिसऱ्यांदा गणवेश परिधान न केल्यास त्यांचेवर शिस्तभंगाची कारवाई करण्यात यावी.

सिमा शाह :-

माझे अनुमोदन आहे.

मा. महापौर :-

ठराव सर्वानुमते मंजूर. पुढचा विषय घ्या.

प्रकरण क्र. 27 :-

मा. महासभा दि. 02/09/2021, ठराव क्र. 42 अन्वये मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या चतुर्थश्रेणी कर्मचारी तसेच वाहनचालक कर्मचाऱ्यांना यांच्याकरीता दर दोन वर्षांनी गणवेश पुरवठा वस्तु स्वरूपात मिळणाऱ्या लाभाचे हस्तांतरण रोख स्वरूपात थेट लाभार्थ्यांच्या खात्यात जमा करणेबाबतच्या निश्चित असलेल्या DBT धोरणास कर्मचाऱ्यांचा प्रतिसाद न मिळाल्यामुळे DBT धोरणाचा पुर्नविचार होऊन महाराष्ट्र राज्य यंत्रमाग महामंडळ मर्यादित यांच्यामार्फत कपडा खरेदी करणे व गणवेशाची शिलाई दर निश्चित करून त्यांच्या गणवेशाची शिलाई कामी निविदा / दरपत्रकाद्वारे ठेकेदाराची नेमणूक करून शिलाई करून गणवेश देणेबाबतचे नव्याने धोरण निश्चित करणेबाबत.

ठराव क्र. 31 :-

गोषवाऱ्यात नमुद केलेल्या "परिशिष्ट ब" प्रमाणे गणवेशाकरीता कपडा महाराष्ट्र राज्य यंत्रमाग मर्यादित यांचेकडील परिपत्रक क्रमांक कापड पुरवठा/ यंत्रमाग / कापड (हातमाग कापडाशिवाय) नियत किंमत/ दरपत्रक/2022-23/120, दि.12 मे 2022 अन्वये प्राप्त दरानुसार चतुर्थश्रेणी 821 व वर्ग-3 वाहनचालक 32 पुरुषांकरीता कपडा (शर्ट व पॅन्ट) व चतुर्थश्रेणी 74 स्त्रीया यांचेकरीता साड्या व ब्लाऊज पीस खरेदी करणेबाबत व पुरुष गणवेश व स्त्रियांकरीता ब्लाऊज शिलाईचे दर परिशिष्ट ब प्रमाणे निश्चित करून त्यांच्या वेतनात मंजूर दराप्रमाणे जमा करणेस ही मा. महासभा मंजुरी देत आहे. कर्मचाऱ्यांना कार्यालयीन वेळेत कार्यालयामध्ये काम करत असतेवेळी गणवेश वापरण्याची सक्ती करण्यात यावी. गणवेश परिधान न केलेले पहिल्यांदा आढळल्यास त्यांना रु.1000/- इतका दंड आकारावा, दुसरेवेळी गणवेश परिधान न केलेले आढळल्यास रु.5000/- इतका दंड आकारावा तसेच तिसऱ्यांदा गणवेश परिधान न केल्यास त्यांचेवर शिस्तभंगाची कारवाई करण्यात यावी.

सुचक :- श्रीम. वर्षा भानुशाली अनुमोदन :- श्रीम. सिमा शाह

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. 28, महापालिकेच्या DCH/DCHC/CCC/रुग्णालय येथे तसेच मुख्य कार्यालय, अतिक्रमण कारवाईकरीता प्रभाग कार्यालय क्र 01 ते 06 व मनपाच्या इतर मालमत्तांच्या संरक्षणार्थ पुरुष व महिला सुरक्षारक्षक महाराष्ट्र स्टेट सिव्क्युरिटी कॉर्पोरेशन यांचेकडून पुरवठा करणेस मुदतवाढ देणेबाबत.

शानु गोहिल :-

सद्यस्थितीत कोरोनाचा प्रादुर्भाव संपला असून महापालिकेची कोविड केअर सेंटर बंद झालेले असून महाराष्ट्र स्टेट सिव्क्युरिटी कॉर्पोरेशन तर्फे पुरवठा करण्यात येणाऱ्या सुरक्षा रक्षकांची तितकी आवश्यकता वाटत नाही.

तसेच शहरात, महापालिका व प्रभाग कार्यालयात आंदोलने, शिष्टमंडळामार्फत अनेक संख्येने नागरीक जमा होवून सदर ठिकाणी कायदा व सुव्यवस्थेचा प्रश्न निर्माण झाला असला तरी महाराष्ट्र स्टेट सिक्युरिटी कॉर्पोरेशन सुरक्षा रक्षकांनी वेळीच अटकाव केला नाही किंवा त्यांचेवर कायदेशीर कारवाई देखील केली गेली नाही अशा काही घटना घडलेल्या आहेत. तसेच शहरात अनधिकृत फेरीवाल्यांच्या संख्येमध्ये झालेली वाढ, रस्त्यावरील अनधिकृत गॅरेजेसच्या बाहेर रस्त्यावर अनधिकृत रित्या उभ्या असलेल्या वाहनांची समस्या कमी झालेली नसल्याने महाराष्ट्र स्टेट सिक्युरिटी कॉर्पोरेशन सुरक्षा रक्षकांचा उपयोग आहे असे वाटत नाही.

महाराष्ट्र शासन राजपत्र दि.19/04/2010 रोजी प्रसिध्द झालेल्या अधिसूचनेमध्ये अ.क्र.15(1) मध्ये राज्य शासनाची कार्यालये, संघटना आणि राज्य शासनाचे सार्वजनिक क्षेत्रातील उपक्रम यांना महामंडळांकडून सुरक्षा घेणे अनिवार्य असेल. असे नमूद केले आहे. त्यामध्ये महापालिकेने महाराष्ट्र स्टेट सिक्युरिटी कॉर्पोरेशन यांचेकडून सुरक्षा रक्षकांची नेमणूक करणे बंधनकारक आहे असे नमूद नाही. त्यामुळे महापालिकेस महाराष्ट्र स्टेट सिक्युरिटी कॉर्पोरेशन यांचेकडून सुरक्षा रक्षक घेणे बंधनकारक नाही.

तरी प्रशासनाला सुरक्षा रक्षकांची गरज भासल्यास केवळ 25 सुरक्षा रक्षक घेण्यास ही मा. महासभा मंजूरी देत आहे.

सिमा शाह :-

माझे अनुमोदन आहे.

जुबेर इनामदार :-

बाकीचे सुरक्षा रक्षक कुठले नानाचे की.....

मा. महापौर :-

तुमचा ठराव आहे?

जुबेर इनामदार :-

चर्चा आहे, मनपाची महत्वाची गरज सुरक्षारक्षक मालमत्ता भरपूर आहेत 25 सुरक्षा रक्षकातून काम होईल का. नविन निविदा प्रक्रिया होईपर्यंत तुम्हाला ह्यांना कमीत कमी मुदतवाढ.....

मा. महापौर :-

आकडा वाढवायचा असेल तर वाढवा.

जुबेर इनामदार :-

प्रशासनाने गोषवारा दिलेला आहे त्यांना गरज आहे.

मा. महापौर :-

ज्यांना नाही पाहिजे जे त्यांनी ठराव केला.

जुबेर इनामदार :-

म्हणजे तुम्हाला ठराव पाहिजे का?

मा. महापौर :-

तुम्हाला आकडा वाढवायचा असेल तर तुम्हाला ठरावच करावा लागेल.

जुबेर इनामदार :-

तुम्ही बहुमताने मंजूर करणार असाल तर मी ठराव करतो.

मा. महापौर :-

तुम्हाला सर्वानुमते करायचा असेल तर करा.

जुबेर इनामदार :-

प्रशासनाला आणि केलेल्या ठरावाला आम्हाला कुठेतरी कोणीतरी उत्तर दिले पाहिजे की करायचं तरी काय? तुम्ही फक्त 25 लोकांना ठेवले आहे सध्याचा असलेला मालमत्ताचे संरक्षण करणार तरी कोण? आता गार्डनमध्ये सुरक्षा रक्षक आम्ही परवा गायकवाड साहेबांशी बोललो.

मा. महापौर :-

आपणाला आठवत असेल आपण गटनेत्यांची बैठक घेतली होती त्या वेळेला कोविडच्या पिरेडमध्ये ही मागणी आली होती. आता कोविड संपलेला आहे.

जुबेर इनामदार :-

परमेश्वराच्या कृपेने संपला असे आपण समजून चालू. तरीही रुग्ण येत आहेत.

मा. महापौर :-

तरी तुम्हाला वाटते की तेवढ्यांची गरज आहे?

जुबेर इनामदार :-

तेवढ्यांची गरज नाही प्रशासनाने दिलेले आहे प्रशासनाने तस उत्तर द्यावे.

मा. महापौर :-

प्रशासनाने खूलासा करावा.

जुबेर इनामदार :-

प्रशासनाने खूलासा करावा की नको आहे मग ठिक आहे.

मा. महापौर :-

प्रशासनाने ऑनरेडी गोषवारा दिलेला आहे.

जुबेर इनामदार :-

प्रशासनाने गोषवारा दिलेला आहे. तुम्ही त्यांचे कमी करत आहेत कर्मचारी.

मा. महापौर :-

ठराव कोणी केला दळवी साहेब बोला.

जुबेर इनामदार :-

खरतर महासभेमध्ये दिलेला गोषवारा याला सभागृहामध्ये कामकाजाची आपली पध्दत जी आहे ती थोडी वेगळी आहे. लोकसभा असो, विधानसभा असो, राज्यसभा असो दिलेला प्रस्ताव हो असू शकतो किंवा अथवा ना असू शकतो. त्याला बदलण्याचा अधिकार खरतर कोणालाच नाही.

मा. उपमहापौर :-

में सभी से बताना चाहूंगा जिस तरीके से प्रशासनाने गोषवारा दिया हुआ है प्रशासनाने जे मांडलेले आहे त्यामध्ये असे आहे की महापालिका मुख्य कार्यालय, प्रमोद महाजन सभागृह, डी.सी.एच मिनाताई ठाकरे सभागृह तेही कोविडमध्ये आहे. आरक्षण क्र. 241 अप्पासाहेब धर्माधिकारी हॉल तेही डी.सी.एच कोविडमध्ये होते. कॉरंटाईन सेंटर आर 1, आर 2 गोल्डन नेस्ट तेही कोविडसाठी होती. याच्यामध्ये मुळ हे आहे की आपण जी सिक्युरीटी घेतली होती आणि ज्या हिशोबाने ठरावामध्ये मांडलेले आहे मागील काळामध्ये काय झालं होतं एखाद्या अधिकारीवर आपल्या सभेमध्ये बाहेर रस्त्यावर आणि हे हेड ऑफिस ह्याच्यामध्ये ही जी सिक्युरीटी आहे ती कोलॅप झाली होती. प्लस आता काही गरज नाही की ही सिक्युरीटीची गरज आपल्याला आहे प्लस तो ठरावामध्ये असे नमुद केलेले आहे की महापालिकेमध्ये प्रत्येकाने ही सिक्युरीटी ठेवण्याचे असे प्रशासनाने म्हणजे महाराष्ट्र प्रशासनाने असे ठरविलेले आहे पण त्यामध्ये हे नाही केलेले की नक्की तुम्ही ह्यांना घ्यावं. आपल्याला हे गरज नाही. ह्यासाठी किंवा त्यांना 6 महिने अगोदर पैसे किंवा 3 महिने अगोदर पैसे देण्याची गरज आपल्याला पडते. प्लस ह्याच्या दरापेक्षा कमी आपल्याला दरापेक्षा सिक्युरीटी आपल्याला भेटत आहेत की नाही हा विषय वेगळा झालेला आहे. आपण ते करत नाही. आपल्याला सिक्युरीटी महापालिका किंवा आपल्या संस्थेचे किंवा आपल्या असेटचं त्यामध्ये आपल्याला जपणे हे

खरच आहे हे त्यामध्ये दोन मते नाहीत. हे 25 आपण नमुद केलेले आहेत प्रशासनाला असे वाटते की ह्याला 25 नाही 50 कराव लागेल तर तुम्ही करा. त्यामध्ये काही हरकती नाहीत. आपल्याला असे वाटते किंवा सभेला असे वाटते की नाही आपल्याला गरजेचे आहे तर वाढवून घ्यावं. ज्या हिशोबाने ठराव मांडलेला आहे आपल्याला जर असे वाटते की ज्या हिशोबाने सिक्युरीटी आपण ठेवलेली होती ती आता सध्या गरज नाही तसेच परमेश्वराच्या कृपेने कोविड सध्या नाही. हे सगळे कोविड सेंटर सध्या बंद आहेत. त्यासाठी आपण ही सिक्युरीटी कमी करण्यात आलेली आहे. हे माझे मत आहे.

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम असलेल्या मालमत्तेचे संरक्षण होणे व संरक्षण करणे हे महापालिकेचे प्रथम कर्तव्य आहे किंवा जबाबदारी त्याला लागणारी सुरक्षा रक्षक. आपण प्रत्येक ठरावामध्ये जेव्हा आपल्याला आपली संभ्रमाची भूमिका निर्माण होते किंवा आपल्या कुठल्या अडचणी याच्यामध्ये.....

मा. उपमहापौर :-

संभ्रम कुठेच नाहीत.

जुबेर इनामदार :-

तेव्हा आपण काय करतो आयुक्तांना संपूर्ण अधिकार देतो.

मा. उपमहापौर :-

जुबेर भाई परत बोलू इच्छितो संभ्रम कुठेच नाहीत ठरावामध्ये त्यांनी स्पष्ट मत मांडलेले आहे ठराव मांडलेला तुमच्या हिशोबाने बोलणे म्हणजे आमचा तो ठराव आहे. भानुशाली मॅडमने जो ठराव मांडलेला आहे त्यात उद्देश स्पष्ट आहेत आणि क्लिअर आहेत त्यात संभ्रम मतभेद त्यामध्ये काहीच नाहीत.

जुबेर इनामदार :-

याचा अर्थ आपण दिलेली लोकं त्याच्यामध्ये आपले पूर्ण मिरा भाईंदर महापालिकेची जितके काही मालमत्ता आहेत त्यांचे संरक्षण बरोबर होऊ शकते.

मा. उपमहापौर :-

जो ठराव वाचलेला आहे याच्यामध्ये असे कुठेच लिहिलेले नाही की मनपाच्या हेड ऑफिसमध्ये कमी करण्यात यावे असे कुठेही लिहिलेले नाही. आपल्या मालमत्ता आहेत त्यांचे संरक्षण काढण्यात यावे. असे कुठेही लिहिलेले नाही. तिथे असे म्हटलेले नाही की त्यांची गरज नाही सदरचे कोविड सेंटर आहेत त्यामध्ये काढण्यात यावेत. असे जर प्रशासनाला वाटते की अजून गरज लागेल तर तुम्ही वाढवून घ्यावं.

जुबेर इनामदार :-

याच्यामध्ये एक सोपा मार्ग असा आहे प्रशासनाने खरोखर तसा असेल किंवा त्यांना तस करता येईल. त्याच्यातून त्यांना कूठली अडचण निर्माण होणार नाही अथवा महापालिकेचे नुकसान होणार नाही प्रशासनाने त्याची भूमिका निवेदनामध्ये करावी.

मा. उपमहापौर :-

प्रशासनाचे काम आहे प्लस आपली जी महासभेमध्ये जे सदस्य आहेत त्यांचेही काम आहे की महापालिकेचे नुकसान होऊ नये. आर्थिक नुकसान होऊ नये हे तुमचे आणि माझे सगळ्यांचे काम आहे.

जुबेर इनामदार :-

महासभेमध्ये ह्या सभागृहामध्ये ऑन द हाऊस ह्या मिनिट्समध्ये माझे ह्या विषयावर एकच सुचना आयुक्तांना राहिल. महापालिकेच्या हेड ऑफिसमध्ये प्रत्येक अधिकारीच्या बाहेर 4-5 सुरक्षा रक्षक तुम्ही तैनात केलेले आहेत ते तुम्ही कमी करा. पदाधिकाऱ्यांच्या मागे 1-2 लावलेले आहेत ते कमी करा त्याची कोणाला गरज नाही.

मा. उपमहापौर :-

जुबेरभाई तुमचे म्हणणे शंभर टक्के बरोबर आहे. त्या मताचा मी पण आहे सरसकट कमी करावेत.

जुबेर इनामदार :-

जिथे संरक्षणाची गरज आहे त्याठिकाणी तुम्हाला कमी करता येणार नाही.

मा. उपमहापौर :-

महापौर मॅडम जुबेर भाईचे जे म्हणणे आहे तेच माझे म्हणणे राहिल. सरसकट कमी करायचे म्हणजे कोणाचे काय कमी करायचे ते प्रशासनाने बघजावं.

जुबेर इनामदार :-

प्रशासनाने त्यांचे निवेदन करावे.

मा. महापौर :-

ठिक आहे प्रशासनाने तपासणी करावी आणि कमी करावेत.

अजित पाटील :-

मा. महापौर मॅडम प्रशासनाकडून मला एक स्पष्टीकरण पाहिजे महापालिकेचा आकृतीबंध शासनाने सन 2019 रोजी मंजूर केलेला आहे. आकृतीबंधामध्ये जी पद मंजूर झालेली आहेत त्याच्याप्रमाणे आपल्याला पद भरता येतात. आकृतीबंधामध्ये सुरक्षा रक्षक हे किती पद मंजूर झालेली आहेत त्या मंजूर पदाख मार्यादेमध्येही ही पद आहेत का? त्यात त्यांनी क्विलयरकट म्हटलेलं आहे मंजूर पदाव्यतिरिक्त तुम्हाला नविन नेमणूका करता येत नाही याबाबत प्रशासनाने खुलासा करावा. सुरक्षा रक्षकाचे किती पद मंजूर आहेत आणि त्या मंजूर पदाच्या मर्यादेमध्ये हे आहे का याचा खुलासा करावा.

मारुती गायकवाड (मा. उपायुक्त (मु.)) :-

सन्मा. महापौर महोदया, सन्मा. सभागृहा, सन्मा. आयुक्त महोदय, सन्मा. सदस्यांनी जो मुद्दा उपस्थित केला आकृतीबंधामध्ये किती पद मंजूर आहेत. आता परफेक्ट मला सांगता येत नाही. किती मंजूर आहेत. पण महाराष्ट्र सुरक्षा दलाची जवान घ्यायच्या आधी 800 कर्मचारी सैनिकचे इथे कार्यरत होते. महाराष्ट्र सुरक्षाबलाचा सैनिकाव्यतिरिक्त आज सुध्दा 650 कर्मचारी सैनिक सिक्युरीटीचे कार्यरत आहेत. सैनिक सिक्युरीटी पेक्षाही सिक्युरीटी महाराष्ट्र गर्व्हमेंटची आहे. ह्या सिक्युरीटीला पोलिसांचे अधिकार आहेत. पोलिस प्रमाणे ह्या लोकांना एखादी व्यक्तीला पकडून थेट पोलिस स्टेशनमध्ये देऊन पोलिसांच्या ताब्यात देण्याचे अधिकार आहेत.

शानु गोहिल :-

मग आज हा गोंधळ का झाला?

मारुती गायकवाड (मा. उपायुक्त (मु.)) :-

मॅडम त्यांनी झूटी केली. झूटी केली असे नाही. ह्या ठिकाणी आपण पैसे भरून घेतलेले पोलिस फोर्स सुध्दा होता. पोलिसांचे सिनिअर ऑफिसर सुध्दा होते. आपली सिक्युरीटी सुध्दा होती. सिक्युरीटीने आपले काम व्यवस्थित केलेले आहे मी स्वतः तिथे गेलेलो. आज आपण अतिक्रमण हटविताना फक्त आपल्याला 11 पोलिस दिलेले आहेत. सी.पी. ऑफिसने फक्त 11 पोलिस दिलेले आहेत. 11 पोलिस 6 प्रभाग क्षेत्रात आपण जेव्हा अतिक्रमण हटविताना वापरता येत नव्हती हे 250 जवान आपण प्रत्येक प्रभाग समितीमध्ये डिव्हाईडेड केलेले आहेत. अतिक्रमण हटविण्यामध्ये त्यांचा उपयोग होत आहे. सन्मा. सदस्य जुबेर भाईच्या विनंतीनुसार आम्ही ईदच्या वेळेस त्यांना 30 फोर्स दिले होते. पोलिसांनी सुध्दा मला तस एक लेखी निवेदन दिले होते की अतिशय चांगली कामगिरी तुमच्या सुरक्षारक्षकांनी केली आहे. म्हणजे ही सिक्युरीटी कामाची नाही असे अजिबात नाही. 650 सैनिकचे सिक्युरीटी काम करत असताना 250 सिक्युरीटी ही घेणे पाहिजे असे प्रशासनाचे ठाम मत

आहे. आता आपले इलेक्शन आहे. इलेक्शनला इतर ठिकाणी सिक्युरीटी लागणार आहे. पोलिसांनी आता तुम्ही परवा पाहिले असेल वसई विरार पोलिस आयुक्तलयाने 250 ते 300 सिक्युरीटी एम.एस.एफ चे घेतलेले आहेत. म्हणजे पोलिसांकडेच आता मनुष्यबळ कमी आहे. पोलिस दलच आता एम.एस.एफ ची सेवा उपलब्ध करून घेत आहेत. आपले आता इलेक्शन आहे. इलेक्शनमुळे आपल्याला सिक्युरीटीची आवश्यकता आहे. तरी सुध्दा सन्मा. सदस्यांनी सांगितल्याप्रमाणे निवेदन सांगितल्याप्रमाणे तेही आम्ही आढावा घेऊ कुठे काय कमी करता येतील किंवा कुठली सिक्युरीटी कुठे शिफ्ट करता येतील ते आम्ही शिफ्ट करू. पण सिक्युरीटी ही एम.एस.एफ ची सिक्युरीटी असावी. त्याला पोलिसांचे अधिकार आहेत. त्यांचे काम चांगले आहे कामची पध्दत चांगली आहे. रात्री 11.30 वाजता मिरारोड स्टेशनला सुध्दा काम करत आहेत. त्यामुळे एम.एस.एफ ची सिक्युरीटी असावी आणि सन्मा. सदस्यांनी प्रमाणे त्याचा आम्ही आढावा घेऊ. ते कमी करायचे आवश्यकता असेल ते आम्ही कमी करू ते सुध्दा करता येईल.

प्रभात पाटील :-

गायकवाड साहेबांनी सैनिक सिक्युरीटीचा मुद्दा उपस्थित केला यांनी सांगितले 600-650 लोक आपल्याकडे कार्यरत आहेत. शिवाय आपण घेतलेले हे एम.एस.एफ चे लोक ह्या लोकांची जर एकत्रित पण जर केली आणि ह्या एवढ्याच लोकांचे जरा आपण नियोजन केलं तर मला असे वाटते आपली गरज पडणार नाही. आपण ते नियोजन कराव असे मला वाटते. कदाचित माझ चुकत असेल माहित नाही परंतु फिगर खूप मोठी होणार आहे त्याच्यामुळे आपण पण हे सिक्युरीटीचे लोक कमी केले अशातला भाग नाही. आज कमी करण्याचा मुद्दा आला 25 वर का होईना तुम्हाला आपण प्रशासनाला मंजूरी दिली. आम्हाला ही असे वाटते ह्या पालिकेचा कारभार व्यवस्थित व्हावा ह्या पालिकेचे दोन पैसे बचत व्हावेत. काल की परवा मी माहिती घेतली. तर ह्या पालिकेचा आस्थापनेचा खर्च 57 टक्के पेक्षा जास्त आहे. आम्ही हा ही विचार करतो ना. एक लक्षात घ्या की 50 टक्केपर्यंत जरी आस्थापनेचा खर्च गेला तर उर्वरीत 50 टक्के संपूर्ण महापालिका चालवायची आहे. कुठेतरी अँडजस्टमेंट तुम्ही पण करायची आहे. आम्ही पण करायची आहे. आम्ही पण तुमच्याकडे मदतीचा हात देतो. म्हणजे आम्ही तुम्हाला विरोधच करतो अशातला भाग होत नाही. ह्या सगळ्या गोष्टींचा विचार करून आम्ही हा निर्णय घेत असतो. तुम्हाला असे वाटत असेल शिवाय आपल्या ह्या एकट्या इमारतीला किती सिक्युरीटी पाहिजे याचा पण विचार झाला पाहिजे. एकदा आपण पालिकेच्या याच्यामध्ये प्रवेश केला की असे वाटते की आपण कूठे बॉर्डरवर आलो आहोत का एकाच ठिकाणी इतकी सिक्युरीटी लावून ठेवता तुम्ही ती विभागणी करा ना त्यांची चौफेर विभागणी करा. त्याच्यातच आपले नियोजन होऊन जाईल. माझी विनंती आहे मॅडम याचा तुम्ही आढावा घ्या की नानाची सिक्युरीटी म्हणजे सैनिक सिक्युरीटी किती आहे आणि आपली एम.एस.एफ चे नेमलेले सिक्युरीटी आहे ते किती आहेत येणाऱ्या 25 मध्ये ह्या सगळ्यांचे व्यवस्थित नियोजन करा. कार्यप्रणाली चालेल.

अनिल सावंत :-

प्रशासनाने हा जो विषय दिलेला आहे ते 3 महिन्यांची मुदतवाढ फक्त दिलेली आहे. 14 सप्टेंबर पर्यंत त्यातले ऑलरेडी दिड महिने निघून गेलेले आहेत. माझे असे मत आहे ह्या दिड महिन्यांची मुदतवाढ देऊन ह्या पिरेडमध्ये आपल्याला टोटल सिक्युरीटीची रिक्वायरमेंट किती आहे. म्हणजे आपण कशप्रकारे करू शकतो. त्याचा एक आढावा घेऊया. कारण आपण परत हा विरोधात ठराव करणार आणि त्यानंतर सिक्युरीटी नसणार हे सगळे विषय आहेत. फक्त दिड महिन्याचाच विषय आहे. 14 सप्टेंबर पर्यंतच फक्त मुदतवाढ द्यायची आहे. हा एक मुद्दा झाला. महापौर मॅडम मगाशी जो 24 नंबरचा विषय झाला त्याच्यावर काय चर्चा झाली नाही.

मा. महापौर :-

पदोन्नतीचा विषय फेटाळलेला आहे. त्यावर आता बोलायला नको. विषय 28 चालला आहे. तुम्ही 24 विषयावर चालले आहेत.

अनिल सावंत :-

ज्यावेळी प्रमोशन देऊन त्या लोकांचे जे कॅबीनमध्ये बसलेले आहेत ते काय आता परत त्यांना त्यांचे डिमोशन देण्यात येईल का? हे मला विचारायचे आहे. फॉर एक्झाम्पल आता नानेगावकर यांना तुम्ही कार्यकारी अभियंता बनवले त्यांना केबीन दिली त्यांना खुर्चीवर बसवले ह्या ठरावामध्ये तुम्ही ते फेटाळून लावले मग आता त्यांना परत उपअभियंता बनवणार आहेत का? हेच विचारायचे आहे ह्यावर प्रशासन काहीच उत्तर नाही देत फेटाळून लावला. प्रशासनाने एवढी मेहनत करून. मगाशी आपण एवढ्या कर्मचाऱ्यांना न्याय मिळत नाही. त्या गायकवाड साहेबांनी एवढी मेहनत करून काही कर्मचाऱ्यांना प्रमोशन मिळाले. मागच्या मिटींगमध्ये त्यांनी सांगितले होते की महासभेची मान्यतेची गरज नाही फक्त इन्फॉर्मेशनसाठी आम्ही देत आहोत. राज्य शासनाची त्याला मान्यता लागते. ठराव फेटाळला मग आता ज्यांना प्रमोशन दिली आहेत त्यांना तुम्ही डिमोशन करणार आहेत का हा एक मुद्दा झाला आणि हा फक्त दिड महिन्याचा विषय आहे एवढेच आहे.

मा. उपमहापौर :-

आयुक्त साहेब, महापौर मॅडम हे जे आता सावंत साहेबांनी सांगितले की, दिड महिन्याचा विषय आहे. विषय दिड महिन्याचा नाही आणि इथे कुठे ते कमी केलेले नाहीत. आपला फक्त हा विषय आहे की, ज्यासाठी आपण सिक्युरीटी मनपाने ठेवली होती त्या विषयाची सध्या गरज नाही. त्या जागेमध्येच सध्या गरज नाही. आपली जी वास्तु आहेत ज्या 10-15 वास्तु आहेत कोविडच्या वास्तु आहेत त्या संपूर्णपणे खाली झालेल्या आहेत तुम्हाला असे वाटते की तिथे सिक्युरीटीची गरज आहे. प्लस त्या ठरावामध्ये कुठेच असे नमुद केलेले नाही की पैशामुळे सिक्युरीटी घ्यायची नाही एवढीच घ्यायची आम्ही जे दिलेले आहे याच्यामध्येच पूर्तता करा. असे कुठेही म्हटलेले नाही. हे मिरा भाईंदर महापालिकेचे मुख्य कार्यालय आहे. ह्या मुख्य कार्यालयामध्ये गरज आहे आयुक्त आहेत, महापौर आहेत, पदाधिकारी आहेत, विरोधी पक्षनेते आहेत तिथे वाटते गरज आहे. अधिकाऱ्यांना द्यायचं शंभर टक्के द्यायचं. बाकी ठिकाणी आपल्याला काय गरज आहे कुठली गरज आहे एवढी सिक्युरीटी म्हणजे एखाद्या पोलिस डिपार्टमेंटमध्ये कमिशनर आहेत, एस.पी. आहेत, पी.आय आहेत, कॉन्स्टेबल आहेत, हेड कॉन्स्टेबल आहेत आणि जमादार पण आहेत प्रत्येक जिथे तिथे गरज आहे तिथे तिथे त्या सिक्युरीटीला आपण अपॉईंट करावे. प्रत्येक ठिकाणी आपल्याला गरज आहे का? नाही हे आर्थिक बाबी म्हणजे महापालिकेचे पैसे आपण वाचवतोय ह्यासाठी वाचवतो आणि प्लस प्रशासनाला असे वाटले की हे गरजेचे लागणार आहे जस गायकवाड साहेबांनी आता सांगितले की येणाऱ्या निवडणूकमध्ये आपल्याला घ्यावेच लागेल त्या सिक्युरीटीची गरज लागेल एवढेच लागेल ह्याच्यावर तुम्ही बोलतात याचे मला जरा स्पष्टीकरण द्यावं सिक्युरीटीची गरज आहे त्यामध्ये आम्हाला लागले तर आम्ही देऊ. जे सभागृहाचे सदस्य आहेत सर्व एका मताने आहेत. प्लस ह्या सिक्युरीटीला आपले 3 महिने किंवा 6 महिने पैसे द्यावे लागतात. मात्र सिक्युरीटी फेटाळली तर पैसे आपले डूबले. महापौर मॅडम एवढेच बोलायचे आहे.

निलम ढवण :-

महापौर मॅडम हा विषय जेव्हा घेतला प्रशासनाने मला प्रशासनाकडून माहिती पाहिजे की आपण हे कंसिडर केलं नव्हत का की आता कोविड गेला कोविडचा याच्यामध्ये तिथे सिक्युरीटी लागणार नाही आहे किंवा आहेत. म्हणजे हे कंसिडर करूनच गोषवारा दिला असेल ना.

मा. उपमहापौर :-

प्रत्येक सदस्याला माहित आहे कोविडच्या काळामध्ये त्यावेळी कोविडमध्ये ज्यांचा मृत्यू झाली. त्यांना परस्पर किंवा अंत्यविधी करण्यासाठी माणूस किंवा लोक हायर केले होते. कोविड संपले कोविड

गेलं असं प्रशासनाने नक्की केलं आणि त्यांना बाहेर काढलं असे 50 माणसं होते जे अंतिम क्रियेसाठी दफनभूमीसाठी ते ठेवलेले होते. घरचे कोणी माणूस किंवा नातेवाईक कोणाला एकमेकांना हात लावत नव्हते हे आपले कोविडचे नियम होते ते बिचारे लोक त्यांना दफनसाठी आणि अंतिम क्रियेसाठी ठेवलेले होते आणि कोविड संपला आपल्या कुठल्या सदस्याला माहित आहे जरा हात वर करा. सगळ्या सदस्यांना माहित आहे की ते बाहेर काढले का की कोविड संपले.

मर्लिन डिसा :-

डॉक्टर और नर्ससनी भी किया ना।

मा. उपमहापौर :-

डॉक्टर नर्सस की बात नहीं कर रहा हूँ खाली यह बात पे ध्यान दिजीए की मरने के बाद किसी को भी हात लगाने की परवानगी नहीं थी और इन बिचारे 60 कर्मचारी को रखा था। कोविड खतम हुआ इन्होंने उनको निकाल दिया। मैंने एक पत्र दिया था की कोविड पुरी तरह से खतम नहीं हुआ है इनको अभी रखीए। आनेवाले जैसे प्रशासन, आनेवाले सेंटर की तरफ से निवेदन था की कोविड फिर से बढ़ सकता है। जर साहेब खरच यांनी आपल्याला गरज लागणार आहे. सर्व सदस्यांच्या म्हणण्यानुसार आपण काळजी घ्यावी.

निलम ढवण :-

प्रशासन म्हणून साहेब उत्तर देत आहेत. मला हेच म्हणायचे आहे प्रशासनाने जो गोषवारा दिलेला आहे त्याच्यात किती आवश्यक आहेत त्याच्यानुसार त्यांनी त्याच्यात दिलेले आहे. आपण ठराव करतो की 25 घ्या म्हणून मग आपण कोविडचा त्याच्यामध्ये उदाहरण दिले की कोविड संपलेला आहे. तिथे काही गरज नाही. मग प्रशासनाला हे माहिती नव्हत का की कोविड गेला आहे. मग प्रशासनाने ते कुठच्या बाबतीत दिले आहे. आयुक्त साहेब खुलासा देत आहेत ना.

मा. आयुक्त :-

मॅडम परत एकदा सबमिट करतो प्लास्टिकच्या कारवाईसाठी, फेरीवालासाठी आपल्याला मालमत्तेचे संरक्षण ह्या अनेक कारणासाठी आपल्याला सिक्युरीटी लागत असते. कोविडच्या दरम्यानच्या काळात आपण दोन्ही मिळून 180 सिक्युरीटी आपण कमी केलेले आहेत आणि महाराष्ट्र सिक्युरीटी फोर्स ने डी.पी.आर करून सर्व्हे केला तेव्हा आपले अॅक्टीव्ह लोक 700 ते 750 मध्ये बसायला पाहिजे. एकस्ट्रा झालेले सिक्युरीटी आपण पाठीमागे सर्व्हे करून स्पॉट व्हिजीट करून प्रत्यक्ष स्थळ पाहणी करून जवळपास 180 सिक्युरीटी आपण कमी केले. सिक्युरीटी कमी केल्यानंतर बरेच सन्मा. सदस्यांकडून म्हणा किंवा आणखीन वेगवेगळ्या यांच्याकडून पत्र यायला लागले की ह्या ठिकाणी गार्डनला सिक्युरीटी पाहिजे ह्या मालमत्तेला सिक्युरीटी किंवा नविन येणाऱ्या मालमत्ता त्या ठिकाणी द्यावे लागतील असे वेगवेगळ्या सन्मा. सदस्यांकडून मला पत्र प्राप्त झालेले आहेत आणि त्यांनी वेळोवेळी मागणी केली आम्ही 180 सिक्युरीटी कमी केल्यावर माझ्याकडे बरीच मोठी फाईल आहे की आणखीन आम्हाला सिक्युरीटीची गरज आहे तर असे 180 सिक्युरीटी आपण कमी केले असताना मागणी आहे तर आपण 250 कमी करा असे म्हणालात परंतु रोजची होणार कारवाई त्याठिकाणी हे जरी कमी केले तर तुम्हाला दुसरे घ्यावे लागतील. दुसरे घ्यायचे म्हटले तर तुम्हाला परत टेंडर काढावे लागणार. टेंडर प्रक्रिया राबवावी लागणार. मला शासनाचे नियम आहेत शासनाकडून पोलिस डिपार्टमेंटची सिक्युरीटी आहे ह्याला गृहविभाग काम करते. आता सध्या पोलिस दलात आता सांगितले वसई विरार आणि मिरा भाईंदर पोलीस आयुक्तालय जे पोलीस कमिशन त्यांच्याकडे सुध्दा महाराष्ट्र सिक्युरीटी बोर्डचे त्यांना जे फोर्स कमी पडत होते त्याठिकाणी प्रोव्हाईड करण्यांत आलेले आहेत ह्याच धरतीवर खुल्या मालमत्तांचे संरक्षण प्लास्टिकवरची कारवाई फेरिवाल्याची कारवाई आणि परत सर्व बाबी विचारात घेता आपल्याला सद्यस्थितीत 250 सिक्युरीटीची आवश्यकता आहे असे प्रशासनाचे मत आहे.

जुबेर इनामदार :-

आपले डी.सी.एच, डी.सी.सी.एच जे केंद्र सध्या वापरण्यात येत नसतील मात्र तिथे असलेली मालमत्ता पालिकेची आहे ना त्यांच संरक्षण नको का? सोडून द्याव का ह्या चोरांना गरज आहे आयुक्तांना ती मुभा द्या तुम्हाला कमीत कमी जितकी काही लोक लागतील ती तुम्ही आवश्यक प्रमाणे घ्या. एकदा मग तुम्ही त्यांना बांधून ठेवणार की 25 लोकांमध्ये तुम्ही काम करा. तर ते शक्य नाही.

निलम ढवण :-

ठरावामध्ये ते मॅशन करा.

धृवकिशोर पाटील :-

जुबेरजी महाराष्ट्र स्टेट सिक्युरिटी फोर्स हे गेल्या एक वर्षापासून आहे. जेव्हापासून कोविड आलं त्यापासून आपल्याकडे सिक्युरिटी आली. आपल्या महापालिकेच्या मालमत्ता ह्या गेल्या अनेक वर्षापासून आहेत आणि गेल्या अनेक वर्षापासून मनपाच्या मालमत्तेची सिक्युरिटी होती असे नाही की हेच सिक्युरिटी आल्यामुळे ती सिक्युरिटी होत आहे. याचा अर्थ असा आहे की मागे पण आपली सिक्युरिटी ठेवली होती आणि आजही सिक्युरिटी ठेवली आहे. महापौर मॅडम ज्यावेळी हा विषय आपल्याकडे आला होता 2021 साली त्यावेळी प्रशासनाने जो गोषवारा दिला होता त्या गोषवाऱ्यातध्ये 250 सुरक्षा रक्षक ह्या कोविड केअर सेंटरसाठी मागवले होते आणि हे कोविड केअर सेंटर आता सगळे बंद झालेले आहेत. मॅडम आणि सगळ सेंटरवरती सिक्युरिटी खाली झालेले आहेत आणि आता जो प्रशासनाने गोषवारा दिलेला आहे त्या गोषवाऱ्यामध्ये क्लिअर कट नमुद केलेले आहे की टॅम्बा रुग्णालय हे रुग्णालय आता कुठे गेले स्टेट गर्व्हमेंटच्या अंडरमध्ये स्व. प्रमोद महाजन सभागृह, डी.सी.एच.सी. बंद झाले, मिनाताई ठाकेर सभागृह तिथे पण बंद झाले. म्हणजे अशा अनेक ठिकाणी जे कोविड सेंटर सगळे बंद झाले आहेत आणि तिथे आपली सिक्युरिटी खाली झाली होती मग ती सिक्युरिटी आपण इकडे घेतली पाहिजे होती की नाही. दुसरी गोष्ट आता आयुक्त साहेबांनी सांगितले खुप चांगले केले त्यांनी सिक्युरिटी फोर्स आणला त्यांचे इंप्रेशन अगदी चांगल पडत पण इंप्रेशन चांगल पडतच मॅडम पण त्याचा जो उपयोग होत आहे तो उपयोग बरोबर होत आहे की नाही हे तुम्हाला आजही माहित पडल की अखेर आंदोलनकारी आले आणि बॅनर फडकवतं पण आपल्या सिक्युरिटी फोर्सला याची जरा पण कुणकुण लागली नाही. म्हणजे आपले प्रयास केल झाले की नाही. असे झाल्यानंतर अॅक्शन होते की नाही? दुसरी गोष्ट काल सुध्दा महापौर मॅडम, आपण सांगितल काल सुध्दा आंदोलन झालं त्याच्यामध्ये आपल्या अधिकाऱ्यांवरती शिवीगाळ करण्यात आली अवाच्य भाषणमध्ये बोलण्यात आलं तरी सुध्दा सिक्युरिटी फोर्सचे काही नाही. वास्तविक यांचे असे म्हणणे आहे.....

(सभागृहात गोंधळ)

धृवकिशोर पाटील :-

दुसरी गोष्ट मॅडम कालही अशी घटना घडल्यानंतर या लोकांच काम होतं की त्यांनी जवळच्या पोलिस स्टेशनमध्ये इमिजिएटली कम्प्लेंट नोंदवा परंतु कालही काही झाले नाही आणि असे अनेक प्रसंग घडले. आजही शहरामध्ये फेरिवाल्यांचं अनधिकृत फेरिवाल्याच प्रमाण वाढत आहे. आज आमचे सन्मा. मित्र दिनेश जैन यांनी आज अनधिकृत फेरिवाल्यांबद्दल लक्षवेधी टाकली मॅडम आमच्या भाईदर वेस्टला सुध्दा 60 फुट रोडवरती अनेक अनधिकृत फेरिवाले आहेत. मॅडम भाईदर वेस्टला फक्त दोनच महत्वाचे रस्ते आहेत आणि एक रस्ता अख्या अनधिकृत फेरिवाल्यांनी व्यापलेला आहे. पण आजतागयत त्याच्यावरती कारवाई शुन्य. मॅडम ह्या कोविड काळामध्ये सकाळी भाजी मार्केट सुरु झालं अनेक वेळा सांगुन सुध्दा प्रशासनामार्फत फक्त दोन वेळा कारवाई झाली त्याच्यानंतर कारवाई शुन्य आहे. आजही सकाळी 5 वाजता तिथे ट्राफीक जामचा सामना करण्यात येतो आणि तिकडच्या लोकांना गैरसोय होते आणि संध्याकाळच्या वेळेस जैन मंदिर पासून ते कमला पार्क पर्यंत भगवती

शर्मा यांच्या ऑफिसच्या समोर अक्षरशः फेरिवाल्यांची रांग वेगळी लोकांना जायला यायला मिळत नाही आणि मागे आपली सिक्युरिटी फोर्स काय करत होती ह्याचे फोटो सुध्दा गायकवाड साहेबांना आपण दाखवले होते की आपली सिक्युरिटी सेल्फी काढण्यामध्ये व्यस्त होते. दुसरी गोष्ट मॅडम प्रशासनाने गोषवाच्यामध्ये लिहिलेले आहे स्टेट गव्हर्नमेंट ऑफिसेस ऑर्गनायझेशन अँड पब्लीक सेक्टर अंडर टेकींग ऑफ द स्टेट गव्हर्नमेंट शाल बी मॅडीटेड टू टेक सिक्युरिटी फ्रॉम द कार्पोरेशन जरा आपण सुध्दा नीट बघा. द स्टेट गव्हर्नमेंट ऑफिसेस आपले स्टेट गव्हर्नमेंट ऑफिस नाही. आपली स्थानिक स्वराज्य संस्था आहे स्थानिक संस्था वेगळी असते आणि स्टेट गव्हर्नमेंटचे ऑफिसेस वेगळे असतात. ऑर्गनायझेशन अँड पब्लीक सेक्टर अंडरटेकींग ऑफ द स्टेट गव्हर्नमेंट शाल बी मॅडीटेड टू टेक सिक्युरिटी फ्रॉम द कार्पोरेशन यावरून महाराष्ट्र सिक्युरिटी कार्पोरेशन यांच्याकडून मनपाने सुरक्षा रक्षक नेमणूक करणे बंधनकारक आहे का? नाही आहे हा एक सिम्पल कायदा आहे. आमचा याच्यामध्ये विरोध नाही परंतु ज्या कामासाठी आपण सुरक्षा रक्षक घेतले होते. त्यांच काम व्यवस्थितरित्या नियोजन पध्दतीने होत नाही अस आम्हाला तरी प्रथमदर्शनी वाटते.

जुबेर इनामदार :-

आपल्याला त्या मोठ्या पोटाचे, म्हातारे पुतारे जे आधी होते ते पाहिजे.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

म्हातारे पुतारे तुम्ही जेष्ठ नागरिकांचा अपमान करता का?

(सभागृहात गोंधळ)

शानु गोहिल :-

महापौर मॅडम मिरा भाईंदरचे स्थानिक तरुण मुलांना संधी द्या. भुमीपुत्रांना संधी द्या. म्हातारे पुतारे बोलायचे नाही.

(सभागृहात गोंधळ)

धृवकिशोर पाटील :-

तुम्ही सिनियर सिटीझनचा अपमान केलेला आहे.

(सभागृहात गोंधळ)

शानु गोहिल :-

शब्द मागे घ्यावेत.

(सभागृहात गोंधळ)

धृवकिशोर पाटील :-

सैनिक सिक्युरिटी काढल्या नंतर ह्यांनीच आंदोलन केलं होत की भुमीपुत्रांना तुम्ही बाहेर काढले आहे म्हणून.

जुबेर इनामदार :-

आम्ही कुणालाही कमी करायला बघत नाही त्या भुमीपुत्रांनी त्या महाराष्ट्र सिक्युरिटी बोर्ड मध्ये जावून नौकरी करावी.

धृवकिशोर पाटील :-

कोणाला घ्यायचं कोणाला नाही हे आमचे कर्तव्य आहे. पॉलिसी डिजीन घ्यायचे आहे त्याप्रमाणे आम्ही आमचा ठराव मांडला आहे. आता कोविड सेंटर बंद झाले आहेत आता त्यांची गरज वाटत नाही असे आम्हाला वाटतं आणि जर गरज वाटली असती तर मॅडम आज शहरामध्ये अनधिकृत फेरीवाला दिसला नसता.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

ठराव झालेला आहे त्या ठरावामध्ये तुम्हाला काही नविन ठराव करायचा आहे? ठराव सर्वानुमते मंजूर.

प्रकरण क्र. 28 :-

महापालिकेच्या DCH/DCHC/CCC/रुग्णालय येथे तसेच मुख्य कार्यालय, अतिक्रमण कारवाईकरीता प्रभाग कार्यालय क्र 01 ते 06 व मनपाच्या इतर मालमत्तांच्या सरंक्षणार्थ पुरुष व महिला सुरक्षारक्षक महाराष्ट्र स्टेट सिक्युरिटी कॉर्पोरेशन यांचेकडून पुरवठा करणेस मुदतवाढ देणेबाबत. ठराव क्र. 32 :-

सद्यस्थितीत कोरोनाचा प्रादुर्भाव संपला असून महापालिकेची कोविड केअर सेंटर बंद झालेले असून महाराष्ट्र स्टेट सिक्युरिटी कॉर्पोरेशन तर्फे पुरवठा करण्यात येणाऱ्या सुरक्षा रक्षकांची तितकी आवश्यकता वाटत नाही.

तसेच शहरात, महापालिका व प्रभाग कार्यालयात आंदोलने, शिष्टमंडळामार्फत अनेक संख्येने नागरीक जमा होवून सदर ठिकाणी कायदा व सव्यवस्थेचा प्रश्न निर्माण झाला असला तरी महाराष्ट्र स्टेट सिक्युरिटी कॉर्पोरेशन सुरक्षा रक्षकांनी वेळीच अटकाव केला नाही किंवा त्यांचेवर कायदेशीर कारवाई देखील केली गेली नाही अशा काही घटना घडलेल्या आहेत. तसेच शहरात अनधिकृत फेरीवाल्यांच्या संख्येमध्ये झालेली वाढ, रस्त्यावरील अनधिकृत गॅरेजेसच्या बाहेर रस्त्यावर अनिधीकृत रित्या उभ्या असलेल्या वाहनांची समस्या कमी झालेली नसल्याने महाराष्ट्र स्टेट सिक्युरिटी कॉर्पोरेशन सुरक्षा रक्षकांचा उपयोग आहे असे वाटत नाही.

महाराष्ट्र शासन राजपत्र दि.19/04/2010 रोजी प्रसिध्द झालेल्या अधिसूचनेमध्ये अ.क्र.15(1) मध्ये राज्य शासनाची कार्यालये, संघटना आणि राज्य शासनाचे सार्वजनिक क्षेत्रातील उपक्रम यांना महामंडळांकडून सुरक्षा घेणे अनिवार्य असेल. असे नमूद केले आहे. त्यामध्ये महापालिकेने महाराष्ट्र स्टेट सिक्युरिटी कॉर्पोरेशन यांचेकडून सुरक्षा रक्षकांची नेमणूक करणे बंधनकारक आहे असे नमूद नाही. त्यामुळे महापालिकेस महाराष्ट्र स्टेट सिक्युरिटी कॉर्पोरेशन यांचेकडून सुरक्षा रक्षक घेणे बंधनकारक नाही.

तरी प्रशासनाला सुरक्षा रक्षकांची गरज भासल्यास केवळ 25 सुरक्षा रक्षक घेण्यास ही मा. महासभा मंजुरी देत आहे.

सुचक :- श्रीम. शानु गोहिल

अनुमोदन :- श्रीम. सिमा शाह

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. 29, वैद्यकीय आरोग्य विभागाकरीता निविदा मागविणे कामी आर्थिक व प्रशासकीय मंजूरी मिळणेबाबत.

गणेश भोईर :-

उपरोक्त गोषवाऱ्यात वैद्यकीय आरोग्य विभागाकरीता खाली नमूद केल्याप्रमाणे निविदा मागविणेकरीता येणाऱ्या खर्चास ही मा. महासभा आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता देत आहे.

| अ.क्र. | लेखाशिर्ष | एकुण तरतुद | मागविण्यात येणाऱ्या निविदेचा कालावधी |
|--------|---------------------------------------|---------------|--------------------------------------|
| 1 | रुग्णालये/ आरोग्य केंद्र औषध खरेदी | 4,50,00,000/- | 1 वर्ष |
| 2 | रुग्णालय सर्जिकल व लॅब मटेरीयल खरेदी/ | 2,50,00,000/- | 1 वर्ष |

| | | | |
|---|---|---------------|---------|
| | साहित्य देखभाल दुरुस्त कामे | | |
| 3 | श्वानदंश/ सर्पदंश/ कावीळ लस खरेदी | 50,00,000/- | 1 वर्षे |
| 4 | रुग्णालयीन साफसफाई व इतर कामे | 1,00,00,000/- | 3 वर्षे |
| 5 | इंदिरा गांधी रुग्णालय येथे SNCU सुरु करणे | 2,50,00,000/- | 1 वर्षे |

संजय थेराडे :-

माझे अनुमोदन आहे.

जुबेर इनामदार :-

महापौर मॅडम माझी एक सुचना होती आयुक्त महोदय, त्या इंदिरा गांधी रुग्णालयामध्ये पालिकेने दिलेले सी.टी. स्कॅन ते मशीन आपण तिथे लावली होती. कारण साहेब खाजगी संस्था याच्यात अवाढव्य पैसा घेतात. संस्था तयार आहे फक्त जागा लागते त्यांना फक्त जागा उपलब्ध करून दिली की आपले काम व्यवस्थित होऊन जाईल. ठरावामध्ये तसे नमुद केले तर अती उत्तम आम्हाला त्याच्यात राजकारण करायचे नाही.

मा. महापौर :-

ठिक आहे ठरावात नमुद करून घ्या.

प्रकरण क्र. 29 :-

वैद्यकीय आरोग्य विभागाकरीता निविदा मागविणे कामी आर्थिक व प्रशासकीय मंजूरी मिळणेबाबत.

ठराव क्र. 33 :-

उपरोक्त गोषवाच्यात वैद्यकीय आरोग्य विभागाकरीता खाली नमुद केल्याप्रमाणे निविदा मागविणेकरीता येणाऱ्या खर्चास ही मा. महासभा आर्थिक व प्रशासकीय मान्यता देत आहे.

| अ.क्र. | लेखाशिर्ष | एकुण तरतुद | मागविण्यात येणाऱ्या निविदेचा कालावधी |
|--------|---|---------------|--------------------------------------|
| 1 | रुग्णालये/ आरोग्य केंद्र औषध खरेदी | 4,50,00,000/- | 1 वर्षे |
| 2 | रुग्णालय सर्जिकल व लॅब मटेरीयल खरेदी/ साहित्य देखभाल दुरुस्त कामे | 2,50,00,000/- | 1 वर्षे |
| 3 | श्वानदंश/ सर्पदंश/ कावीळ लस खरेदी | 50,00,000/- | 1 वर्षे |
| 4 | रुग्णालयीन साफसफाई व इतर कामे | 1,00,00,000/- | 3 वर्षे |
| 5 | इंदिरा गांधी रुग्णालय येथे SNCU सुरु करणे | 2,50,00,000/- | 1 वर्षे |

सुचक :- श्री. गणेश भोईर

अनुमोदन :- श्री. संजय थेराडे

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. 30, अॅन्टी करप्शन ब्युरो कार्यालयातून लाचलुचपत प्रकरणी अटक करण्यात आलेले महानगरपालिकेतील अधिकारी / कर्मचारी यांचेवर मा. न्यायालयात अभियोग दाखल करणेकरीता मा. आयुक्त यांनी दिलेल्या मंजूरी प्रकरणाचे अवलोकन करणे.

(सदर विषयाचे अवलोकन करण्यांत आले.)

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. 31, अपंग कल्याण योजने अंतर्गत दिव्यांग विद्यार्थ्यांना देण्यात येणाऱ्या शिष्यवृत्तीबाबत.

प्रभात पाटील :-

मिरा भाईंदर महापालिका क्षेत्रातील दिव्यांग विद्यार्थ्यांना शिक्षण घेण्यास प्रोत्साहन देणेकामी व शिक्षण घेणेस त्यांना आर्थिक सहाय्य उपलब्ध करून देणेकरीता महापालिकेमार्फत शैक्षणिक शिष्यवृत्तीमध्ये वाढ करून अपंग कल्याण योजनेच्या शैक्षणिक शिष्यवृत्तीमध्ये रु.एक कोटी पंच्याहत्तर लक्ष इतक्या खर्चास ही मा. महासभा मंजूरी देत आहे.

| अ.क्र. | शिक्षण | प्रस्तावित करण्यात आलेली शिष्यवृत्ती | नव्याने प्रस्तावित करण्यात आलेली शिष्यवृत्ती |
|--------|---|--------------------------------------|--|
| 1 | नर्सरी ते 4 थी इयत्ता | 5000/- | 8000/- |
| 2 | 5 वी ते 7 वी इयत्ता | 6000/- | 12000/- |
| 3 | 8 वी ते 10 वी इयत्ता | 8000/- | 14000/- |
| 4 | 11 वी ते 12 वी इयत्ता | 10000/- | 16000/- |
| 5 | 12 वी ते पदवी (कला,वाणिज्य, विज्ञान शाखा) | 12000/- | 20000/- |
| 6 | 12 वी ते पदवी (तांत्रिक, इतर IT व्यवसायिक) | 20000/- | 25000/- |

वंदना भावसार :-

माझे अनुमोदन आहे.

प्रभात पाटील :-

मी एवढेच बोलते पानपट्टे साहेब आपला तो विषय आहे काही अपंग दिव्यांग लोक आहेत त्यांना औषधांना खर्च येतो आणि त्यांची प्रकरणे आपल्याकडे पेंडिंग आहेत ती कृपा करून लवकरात लवकर काढा एवढीच तुम्हाला रिकवेस्ट आहे.

मा. महापौर :-

ठराव सर्वानुमते मंजूर.

प्रकरण क्र. 31 :-

अपंग कल्याण योजने अंतर्गत दिव्यांग विद्यार्थ्यांना देण्यात येणाऱ्या शिष्यवृत्तीबाबत.

ठराव क्र. 34 :-

मिरा भाईंदर महापालिका क्षेत्रातील दिव्यांग विद्यार्थ्यांना शिक्षण घेण्यास प्रोत्साहन देणेकामी व शिक्षण घेणेस त्यांना आर्थिक सहाय्य उपलब्ध करून देणेकरीता महापालिकेमार्फत शैक्षणिक शिष्यवृत्तीमध्ये वाढ करून अपंग कल्याण योजनेच्या शैक्षणिक शिष्यवृत्तीमध्ये रु.एक कोटी पंच्याहत्तर लक्ष इतक्या खर्चास ही मा. महासभा मंजूरी देत आहे.

| अ.क्र. | शिक्षण | प्रस्तावित करण्यात आलेली शिष्यवृत्ती | नव्याने प्रस्तावित करण्यात आलेली शिष्यवृत्ती |
|--------|-----------------------|--------------------------------------|--|
| 1 | नर्सरी ते 4 थी इयत्ता | 5000/- | 8000/- |
| 2 | 5 वी ते 7 वी इयत्ता | 6000/- | 12000/- |
| 3 | 8 वी ते 10 वी इयत्ता | 8000/- | 14000/- |
| 4 | 11 वी ते 12 वी इयत्ता | 10000/- | 16000/- |

| | | | |
|---|---|---------|---------|
| 5 | 12 वी ते पदवी (कला,वाणिज्य, विज्ञान शाखा) | 12000/- | 20000/- |
| 6 | 12 वी ते पदवी (तांत्रिक, इतर IT व्यवसायिक) | 20000/- | 25000/- |

सुचक :- श्रीम. प्रभात पाटील

अनुमोदन :- श्रीम. वंदना भावसार

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. 32, अतिक्रमण व अनधिकृत बांधकाम नियंत्रण विभागाकरीता यंत्रसामुग्री, वाहने व मनुष्यबळ उपलब्ध करणेकामी होणाऱ्या खर्चास मा. महासभेची प्रशासकीय व आर्थिक मंजूरी मिळणेबाबत.

प्रशांत दळवी :-

उपरोक्त गोषवाऱ्यातील तपशिलानुसार अनधिकृत बांधकामे, अतिक्रमणे, धोकादायक इमारती निष्कासीत करणेकरीता यंत्रसामुग्री व वाहने उपलब्ध करणे, रस्त्यावरील पडीक, बेवारस वाहने उचलणेकामी टोईंग वॅन उपलब्ध करणे व अनधिकृत बांधकामे हाताने तोडणेकामी मनुष्यबळ उपलब्ध करणेकामी रक्कम रु.3.00 कोटी तसेच रस्त्यावरील अनधिकृत फेरीवाले हटविणेकामी मनुष्यबळ उपलब्ध करणेसाठी रक्कम रु.2.00 कोटी इतक्या खर्चास ही मा. महासभा आर्थिक व प्रशासकीय मंजूरी देत आहे.

दिनेश जैन :-

माझे अनुमोदन आहे.

महापौर मॅडम माझी ह्या विषयावरती लक्षवेधी होती मला बोलू दिलं नाही आता मला बोलायला संधी द्यावी. महापौर मॅडम, आमच्या मीरा रोडला हा गंभीर विषय होता आणि हा विषय खाली मीर रोडला नाही पुर्ण मिरा भाईंदर फेरीवाला विषय महत्वाचा विषय आहे. याच्यासाठी आपण एक सभा लावली तर पुर्ण दिवस कमी पडणार. मी फक्त मेन मुद्दे जे आहेत ते तुम्हाला सांगतो, याच्यामध्ये आपली पहिला ग्रामपंचायत होती नंतर नगरपालिका झाली नंतर महानगरपालिका झाली. ज्या टाईमाला जेव्हा ग्रामपंचायत होती त्या टाईमाला लोकांना संधी नव्हती म्हणून आपण सॅटर्डे मार्केट संडे मार्केट असे मार्केट आपण वेगवेगळ्या ठिकाणी ठेवत होतो. आता आपली महानगरपालिका झाली आणि ही स्मार्ट सिटी मिरा भाईंदर बनवायला निघालो आहोत आणि त्या दृष्टीने आपले आयुक्त साहेब चांगले काम करत आहेत स्मार्ट सिटी साठी जेवढे लागणारे काम आहे तेवढे करत आहेत. परंतु आपला फेरीवाला जो विषय आहे तो मिरा भाईंदर साठी खुप गंभीर विषय आहे जोपर्यंत आपण ह्याला सोडवणार नाही तोपर्यंत आपली स्मार्ट सिटी म्हणू शकणार नाही.

आता मिरा भाईंदर मध्ये आमच्या प्रभागचं सांगतो महापौर मॅडम तिथे दररोज फेरीवाले लागतात आणि तिथे महापौर मॅडम मी आपल्या अध्यक्षतेखाली मिटींग पण घेतलेली आणि वारंवार मी एवढे पत्रव्यवहार केलेले आहेत. एवढे पत्रव्यवहार करून आपल्या अध्यक्षतेखाली मिटींग झाली होती त्या टाईमाला तुम्ही सांगितले होते आपले गायकवाड साहेब होते तेव्हा सगळे होते त्या टाईमाला आपण रुलिंग दिली होती की आपण सोमवारी बाजार बंद चे फलक लावायला सांगितले होते की आपण इकडे सोमवारी बसायचे नाही आणि नाफेरीवाला क्षेत्रामध्ये तुम्ही बसायचे नाही असे कुठलेही प्रकरण तिथे झालेले नाही आता ती मिटींग लावून दोन अडीच महिने झाले आता तो विषय मी लक्षवेधी म्हणून

महासभेपुढे आणले होते की त्याच्या वरती महासभेपुढे काही तरी निर्णय घेऊ. महापौर मॅडम तिकडे तुम्हाला सांगु इच्छितो की.....

मा. महापौर :-

दिनेश जैनजी मी तुम्हाला थोड थंबवते गायकवाड साहेब यांचा विषय आहे तो मिटींगमध्ये झालेला आहे.....

दिनेश जैन :-

महापौर मॅडम मला जरा बोलू द्या नंतर उत्तर द्यायला सांगा. सगळ्या विषयांचे उत्तर एकसात द्यायला सांगा.

मा. महापौर :-

जैनजी तो विषय फेरीवाल्यांचा पुढच्या महासभेत येणार आहे.

(सभागृहात गोंधळ)

अनिल भोसले :-

महापौर मॅडम गेल्या वेळी बजेटमध्ये किती तरतुद केली होती याची माहिती मिळेल का ? आयुक्त साहेब माझी आपणाला विनंती आहे आपण सगळे व्यवहार अधिकाऱ्यांना पुरवतो आपल्या प्रभाग क्र.10 मध्ये आपल्याकडे गायकवाड साहेबांकडे अनेक तक्रारी किंवा महापौर मॅडम कडे तक्रारी घेण्याबाबत प्रभाग क्र.10 चे इंजिनियर आहिरे यांची अनेक तक्रारी येतात मी महासभेमध्ये जबाबदारीने बोलत आहे कमिश्नर साहेब आपल्याकडेही अनेक लोकांच्या तक्रारी येतात, गायकवाड साहेब आपल्याकडेही येतात, महापौर मॅडम आपल्याकडेही येतात पण अहिरे यांच्या बऱ्याच तक्रारी येतात कुठल्याही काही कारवाई करत नाही अनधिकृत बांधकामाला पाठीशी घालतात ह्याठिकाणी लक्ष द्यावं आणि कारवाई व्हावी अशी माझी विनंती आहे.

मा. महापौर :-

आपण पहिलांदाच सांगितले होते अनधिकृत बांधकामाला तुम्हाला एवढी रक्कम देतोय एवढी यांची निधी घेणार आहेत मिरा भाईंदर शहरामध्ये अनधिकृत बांधकाम राहणार नाही याची सुध्दा दक्षता आपण घ्यावी.

जुबेर इनामदार :-

दोन कोटी रुपये दिले आहेत साहेब त्यात फेरीवाला हटविण्यासाठी दोन कोटी अजून दिले आहेत महाराष्ट्र सुरक्षा दलाचेच लोक घ्या.

मा. महापौर :-

पुढचा विषय घ्या.

प्रकरण क्र. 32 :-

अतिक्रमण व अनधिकृत बांधकाम नियंत्रण विभागाकरीता यंत्रसामुग्री, वाहने व मनुष्यबळ उपलब्ध करणेकामी होणाऱ्या खर्चास मा. महासभेची प्रशासकीय व आर्थिक मंजूरी मिळणेबाबत.

ठराव क्र. 35 :-

उपरोक्त गोषवाऱ्यातील तपशिलानुसार अनधिकृत बांधकामे, अतिक्रमणे, धोकादायक इमारती निष्कासीत करणेकरीता यंत्रसामुग्री व वाहने उपलब्ध करणे, रस्त्यावरील पडीक, बेवारस वाहने उचलणेकामी टोईंग वॅन उपलब्ध करणे व अनधिकृत बांधकामे हाताने तोडणेकामी मनुष्यबळ उपलब्ध करणेकामी रक्कम रु.3.00 कोटी तसेच रस्त्यावरील अनधिकृत फेरीवाले हटविणेकामी मनुष्यबळ उपलब्ध करणेसाठी रक्कम रु.2.00 कोटी इतक्या खर्चास ही मा. महासभा आर्थिक व प्रशासकीय मंजूरी देत आहे.

सुचक :- श्री प्रशांत दळवी

अनुमोदन :- श्री. दिनेश जैन

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-
महापौर
मिरा भाईदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. 33, भाईदर उत्तन 30 मीटर रुंदीच्या रस्त्याऐवजी 20 मीटर रुंदीचा करणे व 18 मीटर रुंदीऐवजी समांतर 30 मीटर रुंदीचा रस्ता करणे.

वर्षा भानुषाली :-

मिरा भाईदर महापालिकेच्या विकास आराखड्यामध्ये राई, मुर्धा व मोर्वा गावापर्यंत 30 मीटरचा रस्ता दर्शविण्यात आलेला आहे. सदर रस्त्यामध्ये ग्रामपंचायत कालावधीपासून गावकऱ्यांची घरे असून सदरचा रस्ता जर 30 मीटर रुंदीचा केल्यास नागरीकांच्या घरांचे नुकसान होणार असल्याने या गावातील रहिवाश्यांनी विरोध दर्शवून वेळोवेळी आंदोलने देखील पुकारलेली आहेत. परंतु जर या रस्त्याची रुंदी 20 मीटर पर्यंत केल्यास नागरीकांना सोयीचे होईल शिवाय नविन विकास आराखड्यात गावाच्या मागील बाजूने 30 मीटर रुंदीचा रस्ता दर्शविलेला आहे.

गावकऱ्यांनी सदर DP रस्ता 30 मीटर ऐवजी 20 मीटर करावा व याच गावांच्या बाहेरून जाणारा 18 मीटर रुंदीचा समांतर DP रस्ता हा 30 मीटर रुंदीचा करावा अशी मागणी केली आहे.

त्याअनुषंगाने भाईदर (प.), नेताजी सुभाषचंद्र बोस मैदान ते मोर्वा गावापर्यंत 30 मीटर रुंदीचा DP रस्ता 20 मीटर करावा व याच गावांच्या बाहेरून जाणारा 18 मीटर रुंदीचा समांतर DP रस्ता हा 30 मीटर रुंदीचा करणेस महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम 1966 चे कलम 37(1) अन्वये फेरबदल करण्याची कार्यवाही करण्यास ही मा. महासभा मंजूरी देत आहे.

विनोद म्हात्रे :-

माझे अनुमोदन आहे.

मा. महापौर :-

ठराव सर्वानुमते मंजूर.

जुबेर इनामदार :-

प्रशासन ह्या विषयावर काही निवेदन करेल का ?

मा. महापौर :-

प्रशासनाने गोषवारा दिलेला नाही प्रशासन निवेदन करत नाही याच्या संदर्भामध्ये तुम्हाला काही बोलायचे असेल तर बोला.

जुबेर इनामदार :-

केलेला ठराव विषय घेतला चर्चा झाली याच्यात एक मुद्दा मांडला निर्णय मांडला जर आहे अडचण त्या लोकांची अडचण आहे ते होणार आहे का ?

विनोद म्हात्रे :-

मॅडम, 13-06-2022 ला मी स्व:त जयेश भोईर आणि रोहिदासजी पाटील यांनी आपल्याला पत्र दिलं होतं त्या सदर लेटरवर तुम्ही असे लेटर दिले होते परंतु आम्ही त्यावर चर्चा केली होती की जे गाव आहे तिथे पेट्रोल पंप आहे रस्त्यावर जे घरे आहेत तिथे तो 15 मिटरचा रस्ता करावा आणि मुर्धा सोडून शाळेचा पुढे जो 20 मिटरचा रस्ता तुम्ही केलेला आहे तो करण्यात यावा अशी मी सुचना करत आहे जेणे करून मुर्धा गावातील लोकांचे घरांचे नुकसाण होणार नाही अशी माझी सुचना त्या ठरावामध्ये आहे.

जयेश भोईर :-

महापौर मॅडम, आपल्या परवानगीने बोलतो की त्या 30 मिटर रोडमध्ये बिल्डींगला मंजूरी दिलेल्या आहेत नगररचना विभागाने त्याच्यावर सांगावं की 30 मिटरने 5 बिल्डींग झालेल्या आहेत आणि पेट्रोल पंप पण झालेला आहे त्या 30 मिटरवर झालेला आहे. तुम्ही रोड कमी करा त्याबाबत माझी सुचना आहे.

रोहिदास पाटील :-

मी लेटर दिलेले आहे ज्या ठिकाणी आपण सेप्टी टॅक बनविलेला आहे त्याठिकाणी अस्तीत्वात असलेल्या जागेवर ते रस्ते तशी नकाशात त्याची नोंद घ्या.

प्रकरण क्र. 33 :-

भाईंदर उत्तन 30 मीटर रुंदीच्या रस्त्याऐवजी 20 मीटर रुंदीचा करणे व 18 मीटर रुंदीऐवजी समांतर 30 मीटर रुंदीचा रस्ता करणे.

ठराव क्र. 36 :-

मिरा भाईंदर महापालिकेच्या विकास आराखड्यामध्ये राई, मुर्धा व मोर्वा गावापर्यंत 30 मीटरचा रस्ता दर्शविण्यात आलेला आहे. सदर रस्त्यामध्ये ग्रामपंचायत कालावधीपासून गावकऱ्यांची घरे असून सदरचा रस्ता जर 30 मीटर रुंदीचा केल्यास नागरीकांच्या घरांचे नुकसान होणार असल्याने या गावातील रहिवाश्यांनी विरोध दर्शवून वेळोवेळी आंदोलने देखील पुकारलेली आहेत. परंतु जर या रस्त्याची रुंदी 20 मीटर पर्यंत केल्यास नागरीकांना सोयीचे होईल शिवाय नविन विकास आराखड्यात गावाच्या मागील बाजूने 30 मीटर रुंदीचा रस्ता दर्शविलेला आहे.

गावकऱ्यांनी सदर DP रस्ता 30 मीटर ऐवजी 20 मीटर करावा व याच गावांच्या बाहेरून जाणारा 18 मीटर रुंदीचा समांतर DP रस्ता हा 30 मीटर रुंदीचा करावा अशी मागणी केली आहे.

त्याअनुषंगाने भाईंदर (प.), नेताजी सुभाषचंद्र बोस मैदान ते मोर्वा गावापर्यंत 30 मीटर रुंदीचा DP रस्ता 20 मीटर करावा व याच गावांच्या बाहेरून जाणारा 18 मीटर रुंदीचा समांतर DP रस्ता हा 30 मीटर रुंदीचा करणेस महाराष्ट्र प्रादेशिक व नगररचना अधिनियम 1966 चे कलम 37(1) अन्वये फेरबदल करण्याची कार्यवाही करण्यास ही मा. महासभा मंजूरी देत आहे.

सुचक :- श्रीम. वर्षा भानुशाली अनुमोदन :- श्री. विनोद म्हात्रे

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. 34, उत्तन येथे सर्वधर्मीय स्मशानभूमी, दफनभूमीसाठी जागेचे आरक्षण करणे.

सिमा शहा :-

उत्तन, भाईंदर (प.), (पू.) व मिरारोड परिसरात सर्व धर्मियांकरीता स्मशानभूमी व दफनभूमीची जागा कमी पडत असल्याने प्रशासनाने मिरा भाईंदर क्षेत्रात स्मशान भूमी व दफन भूमीकरीता आरक्षित जागा लवकरात लवकर उपलब्ध करून देणेबाबत कार्यवाही करणेस ही मा. महासभा मंजूरी देत आहे.

श्रीप्रकाश सिंह :-

माझे अनुमोदन आहे.

निलम ढवण :-

महापौर मॅडम यावर प्रशासनाचा गोषवारा नाही.

मा. महापौर :-

मला वाटते की स्मशान भूमी आणि दफनभूमीसाठी आपण आरक्षणाची जागा दिली तर वाईट काय आहे.

जुबेर इनामदार :-

नाही आरक्षणाची जागा दर्शवून द्याना.

मा. महापौर :-

हा विषय घेतला त्याच्या नंतर प्रशासन गोषवारा देवू शकले असते ? त्यांना हे पटत नसेल पण आपण ह्या मिरा भाईंदर शहराचे नेतृत्व करतो आपल्याला माहित आहे तुम्हाला पण माहित आहे की दफनभूमीची जागा कमी पडते मॅडम तुम्हाला पण माहित असेल.

डिसा मर्लिन :-

मॅडम आम्हाला मीरा रोडला पण जागा कमी पडते.

मा. महापौर :-

मग मी हेच म्हणते याच्या पेक्षा आपण आरक्षणामध्ये ते आपल्याला ठेवावे लागेल.

जुबेर इनामदार :-

आरक्षणाची जागा तुम्ही आम्हाला द्याना साहेब दफनभूमीसाठी बोललं तर दिलं असता.

बगाजी शर्मिला :-

महापौर मॅडम, निवेदन द्यायच्या आधी फक्त हे विचारते विषय आला गोषवाच्यामध्ये स्पष्ट नाही उत्तनमध्ये. उत्तन मध्ये हिंदु स्मशान भूमी आहे कॅथलिकांची स्मशान भूमी आहे कब्रस्थान आहे.....

मा. उपमहापौर :-

उत्तनमध्ये म्हटलेले नाही ठरावामध्ये तुम्ही बरोबर ठराव ऐकला नाही परत एकाने वाचून घ्याव. ठरावामध्ये असे म्हटलेले आहे की मिरा भाईंदर क्षेत्रामध्ये ज्या मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या आरक्षित जागा आहेत त्या आरक्षित जागेमध्ये ज्या जागा आपल्याला उपलब्ध आहेत त्यामध्ये कस करता येईल हे तुम्ही नेमणूक करून द्याव उत्तनमध्ये नाही मिरा भाईंदर क्षेत्रामध्ये दफन भूमी स्मशान भूमी जिथे जिथे गरजेचे आहे. हा ठराव खाजगी जागेमध्ये चालणार नाही.

बगाजी शर्मिला :-

ठरावामध्ये उत्तनचा उल्लेख केलेला आहे.

मा. उपमहापौर :-

तुम्ही व्यवस्थित ठराव ऐकलेला नाही. ठरावामध्ये मिरा भाईंदर क्षेत्र म्हटलेले आहे.

गोविंद हेलन जॉर्जी :-

तुम्ही ठराव परत वाचायला सांगा.

मा. उपमहापौर :-

उत्तन, भाईंदर (प.), (पू.) व मिरारोड परिसरात सर्व धर्मियांकरीता स्मशानभूमी व दफनभूमीची जागा कमी पडत असल्याने प्रशासनाने मिरा भाईंदर क्षेत्रात स्मशान भूमी व दफन भूमीकरीता आरक्षित जागा लवकरात लवकर उपलब्ध करून देणेबाबत कार्यवाही करणेस ही मा. महासभा मंजूरी देत आहे.

प्रकरण क्र. 34 :-

उत्तन येथे सर्वधर्मीय स्मशानभूमी, दफनभूमीसाठी जागेचे आरक्षण करणे.

ठराव क्र. 37 :-

उत्तन, भाईंदर (प.), (पू.) व मिरारोड परिसरात सर्व धर्मियांकरीता स्मशानभूमी व दफनभूमीची जागा कमी पडत असल्याने प्रशासनाने मिरा भाईंदर क्षेत्रात स्मशान भूमी व दफन

भूमीकरीता आरक्षित जागा लवकरात लवकर उपलब्ध करून देणेबाबत कार्यवाही करणेस ही मा. महासभा मंजूरी देत आहे.

सुचक :- श्रीम. सिमा शाह

अनुमोदन :- श्री. श्रीप्रकाश सिंग

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. 35, मिरा भाईंदर महानगरपालिका आस्थापनेवरील अतिरिक्त शहर अभियंता (गट-अ) माता व बाल कल्याण अधिकारी (गट-अ) व सिस्टिम अॅनालिस्ट (गट-ब) या पदावर दिलेल्या पदोन्नतीस मान्यता मिळणेबाबत.

रिटा शहा :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या आस्थापनेवरील अधिकारी व कर्मचाऱ्यांना नेमणूक करणे व पदोन्नती देण्याचा अधिकार महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमाचे कलम 53 (1) अन्वये महापालिकेमध्ये निहित आहे.

महापालिकेतील अधिकारी / कर्मचारी यांना पदोन्नती देताना कोर्टाच्या निर्णयाच्या अधीन राहून तसेच चौकशीच्या निर्णयाच्या अधीन राहून तात्पुरत्या स्वरूपाची पदोन्नती देण्यात आलेली आहे. प्रशासनाने पदोन्नती दिलेल्या काही अधिकारी / कर्मचाऱ्यांबाबत कोर्टात प्रकरणे प्रलंबित आहेत व काहींची चौकशी सुरू असून निर्णय प्रलंबित आहे. पदोन्नती देताना काही अधिकारी / कर्मचारी यांना वंचित ठेवलेले आहे. मा. महासभेपुढे पदोन्नतीचा गोषवारा सादर करताना पात्र / अपात्र अधिकारी / कर्मचारी यांची सविस्तर माहिती सादर केलेली नाही. निवड समितीने पदोन्नतीबाबत घेतलेला निर्णयाची पूर्ण माहिती सभागृहाला दिलेली नाही. प्रशासनाने गोषवाऱ्यात परिपूर्ण माहिती सादर न केल्याने पदोन्नतीचा प्रस्ताव मंजूर केल्यास काही अधिकारी व कर्मचाऱ्यांवर अन्याय होण्याची शक्यता नाकारता येत नाही.

पदोन्नतीकरीता मा. महासभेची मंजूरी न घेता विविध अधिकाऱ्यांना परस्पर पदोन्नती दिलेली आहे ती नियमबाह्य आहे. पदोन्नतीस मंजूरी देणेस संयुक्तिक ठरणार नाही तसेच कोणत्याही अधिकारी / कर्मचाऱ्यांवर अन्याय होवू नये व पदोन्नतीस मंजूरी देताना महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम कलम 53 (1) चे उल्लंघन झालेले आहे त्यामुळे सदरचा प्रस्ताव फेटाळण्यात येत आहे. प्रशासनाने सविस्तर माहितीसह सदरचा प्रस्ताव पुढील मा. महासभेत सादर करावा असा मी ठराव मांडत आहे.

हेमा बेलानी :-

माझे अनुमोदन आहे.

बगाजी शर्मिला :-

महापौर मॅडम, आधीचा पण विषय होता 24 नंबरचा आणि आता पदोन्नती आणि याच्या बदल आपण बऱ्याच वर्षभरा पासुन आपण सभागृहात बोलत आहोत की बऱ्याच लोकांच्या पदोन्नती राहिलेल्या आहेत. जे राहिलेले आहेत पण आता पदोन्नती ठिक आहे पहिला एक होतं ह्या कोविडमध्ये आपल्या मिटींग झाल्या नाहीत तेव्हा हा विषय आला नाही तेव्हा आयुक्तांकडून प्रशासनाकडून एक निवेदन आलेले होते की ह्या पिरेडमध्ये आले नाहीत जेव्हा मिटींग असेल तेव्हा रितसर आपण ह्या पदोन्नतीचा विषय आपण महासभेसमोर आणणार. आता आपण प्रशासनाने पदोन्नती दिलेली आहे आणि आता विषय आलेला आहे. आता ह्या ठरावामध्ये असे आहे की हा पदोन्नतीचा विषय

फेटाडण्यात यावा किंवा पुढे ढकलण्यात यावा मग आता ज्यांना पदोन्नती दिलेली आहे ते ग्राह्य धरणार की नाही ह्या विषयाचा प्रशासनाने खुलासा करावा. आपल्या ह्या सभागृहामध्ये एक मोठे वातावरण असते की पदोन्नती दिली पाहिजे आपले जे कर्मचारी अधिकारी आहेत त्यांना न्याय मिळाला पाहिजे आणि एखादी पदोन्नतीचा विषय आल्या नंतर तो पुढे ढकलण्यात येतो हे काय योग्य वाटत नाही. महापौर मॅडम मी तुम्हाला पुन्हा एकदा विनंमपणे विनंती करते की हा जो विषय आहे पदोन्नतीचा असूदेत आपले अधिकारी वर्षानुवर्ष ह्या लोकांनी काम केलेली आहेत आपल्या महापालिकेसाठी आपल्या प्रत्येक लोकप्रतिनिधी बरोबर ते काम करत असतात अशा वेळेला त्या लोकांबद्दल काय फुस असेल आता जेव्हा गोषवारा आल्या नंतर आपल्याकडे 8 दिवसाची मुदत होती तोपर्यंत आपण ह्याबद्दल खुलासा प्रशासनाकडून घेणे अपेक्षित होते ते घेऊन नंतर आपण ठराव बनवायला पाहिजे असे मला वाटते. बाकी शेवटी आपले बहुमत आहे आपण जो ठराव कराल तोच पास होईल परंतु पदोन्नतीचा विषय परत एकदा त्या लोकांचा भावनेचा विषय आहे रिटायर्डमेंट पर्यंत आल्या नंतर देखील 17 वर्ष एकाच ठिकाणी राहिलेले अधिकारी आहेत तर त्या विषयी आपण हाकलवले हे कर्तव्य नाही हे लोकप्रतिनिधी म्हणून तर प्रशासनाने तो विषय आणलेला आहे त्याच्यावर आपण महापौर म्हणून काही तरी चांगला ठोस त्याच्यावर कार्यवाही करावी आणि याच्यावर एक प्रश्न होता की जी पदोन्नती दिलेली आहे ती ग्राह्य धरायची की नाही कारण तुम्ही समजा हा विषय फेटाडलेला आहे किंवा काय कार्यकारी अभियंता असूदेत किंवा उपअभियंता असूदेत कनिष्ठ अभियंता असू देत मग त्यांना परत त्या पदा वरून काढून घेणार आहोत का ह्या बाबत प्रशासनाने खुलासा करावा किंवा महापौर मॅडम आपण तसे आदेश द्यावेत.

मा. महापौर :-

आयुक्ताने खुलासा करावा.

मा. आयुक्त :-

कोविडचा प्रादुर्भाव मार्च 2020 पासून आपल्याकडे सुरु होता मी आयुक्त पदाचा चार्ज मार्च 2021 गेल्या नंतर मा. महापौर मॅडमने वेगवेगळ्या मिटींग घेतल्या. सभागृहातही आपल्या सर्व सन्मा. सदस्यांनी मागणी केली दर्म्यानच्या काळात मध्यांतरी आपले कार्यकारी अभियंता खांबित साहेब यांच्यावर गोळीबार झाला त्यावेळी देखील प्रमोशनचा विषय अयरणीवर आला. आणि अधिकारी/कर्मचारी सिनॅरीटी बघून प्रमोशन दिले जात नाही म्हणून लोकांचा मळगड आणि नैराश्य आले आहे म्हणून प्रशासनाला आपण वेळोवेळी निर्देशीत केले. त्यानुसार जुन-2021 पासून आतापर्यंत त्याच्यावर बऱ्या पैकी काम करून सिनॅरीटी 1992-93 स्थायीत्व प्रमाणपत्र आपल्या इथल्या बऱ्याच अधिकारी/कर्मचाऱ्यांचे झालेले नव्हते, 2004-5 पासून सिनॅरीटी झालेली नव्हती आणि तेव्हा पासून ते आतापर्यंतच्या कालावधीत कुठल्याच अधिकारी/कर्मचाऱ्याचे प्रमोशन होत नव्हते म्हणून प्रशासनाने याच्यावर विशेष मेहनत घेऊन शॉर्टमध्ये तुम्हाला सांगतो की कुठल्या कुठल्या कर्मचाऱ्याचे असे ठरलेले असते की प्रशासनाने काय काय केले आहे महापालिकेचे 922 अधिकारी/कर्मचारी यांचे स्थायीत्व प्रमाणपत्र 1992-93 चे प्रकरणे सगळे प्रलंबित होते ते करण्यात आलेले आहे. 289 अधिकारी/कर्मचारी असे होते त्यांची हिंदी भाषा परिक्षा सोडविण्या पासूनचे प्रमाणपत्र राहिले होते त्याच्यावर त्यांचे प्रमोशन देतायत नव्हते. 289 कर्मचाऱ्यांचे हिंदी भाषा परिक्षेत सुट दिली 210 अधिकारी/कर्मचाऱ्यांना मराठी भाषा परिक्षेत सुट दिली. ज्यांचे वय 45 पैक्षा कमी आहे ज्यांनी परिक्षा देणे गरजेचे होते त्यांना परिक्षेला बसवून ज्यांचे प्रमाणपत्र प्राप्त झाले त्यांना प्रमोशन देण्यात आले. महापालिकेचा 750 अधिकारी/कर्मचारी यांचे सेवा पुस्तक अतिषय स्टॅटर्ड होतं सेवा पुस्तक हा अधिकारी/कर्मचारी यांचा आरसा असतो परंतु विखुरलेले सेवा पुस्तक महापालिकेच्या अधिकारी/कर्मचारी यांनी जवळ पास 750 आपले कर्मचारी यांनी अधिकाऱ्यांचे सेवा पुस्तक अद्वयावत केले. 164 अधिकारी/कर्मचारी यांचे पुर्नविलोकन करण्यात आले 14 वारसा लोकांना अनुकंपा तत्वावर आपण काही जे कर्मचारी

कोविडमध्ये निधन झालं काही त्याच्या अगोदर होते नंतर होते अशा 14 लोकांना अनुकंपा तत्वावर आपण नौकरी दिलेली आहे. आणि जवळ पास ह्या सगळ्या पायपीठ केल्या नंतर चक्क अधिकारी/कर्मचारी यांना जवळ पास आपण प्रमोशन दिले आहे. 9 जणांना वारसा हक्क दिला लाढपांगे शिफारशी नुसार नियुक्त करण्यात आले त्यांनाही देण्यात आले. अशा वेगवेगळ्या टप्प्यावर चांगल्या प्रकारे काम केल्या नंतर आणि वेगवेगळे प्रशासनाला मा. महापौरांनी आणि सन्मा. मा. सभागृह सर्व पदाधिकारी यांच्या सुचने नुसार गेले वर्ष दिढ वर्ष आपण यावर मेहनत करून नंतर त्यांना प्रमोशनची कार्यवाही पूर्ण केली. यांच्यात वाक्य रचना अशी ऐकण्यात आली होती की काही अधिकारी कर्मचारी यांच्यावर अन्याय होण्याची शक्यता आहे असे जर आपल्या सन्मा. सदस्य यांच्या निदर्शनास आल्या नंतर त्यांनी तस प्रशासनाच्या लक्षात आणून द्याव. माझा माहिती नुसार काही कोर्ट केसेस अपवाद वगळता जवळ पास आपल्या महापालिकेतील पात्र अधिकारी/कर्मचारी यांचा प्रमोशनचा पार्ट आहे अधिकारी/कर्मचारी जे आहेत त्यांचा प्रमोशनचा विषय निकाली निघालेला आहे त्यांच्या सेवा पुस्तकात त्यांची सिनॅरीटी अद्ययावत केली, स्थायीत्व प्रमाणपत्र केले आहे, अनुकंपा तत्वाचे काम संपवलेले आहे आणि चांगल्या पध्दतीने आपण गेल्या अनेक वर्षा पासुनचे अधिकारी/कर्मचाऱ्यांची जी मरगळ होती ती झटकण्याचा प्रशासनाने प्रयत्न केलेला आहे. त्यानंतर यांच्यात मध्यंतरी त्या ठरावात उल्लेख होता की याच्यात अटीशर्तीचे उल्लंघन केले वगैरे आपण 2000 साला पासुन आतापर्यंतची आपली महापालिका अस्तित्वात आपल्या पासुन तिच प्रमोशनची पध्दत अवलंबलेली आहे. आणि सेम पध्दत इतर महापालिकांमध्ये पण अवलंबली जाते. प्रमोशन दिल्या नंतर महापालिकेच्या ते महासभे समोर असते ते माहितीस्तव ड्यु परवानगी साठी आपण आपणलेले असते. तरी आपली काही सुचना असतील त्यानुसार परत एकदा प्रशासन याचा अभ्यास करेल आणि अभ्यास पूर्ण झाल्या नंतर पुन्हा अभ्यास करून आपल्या समोर सादर करतील. शिवाय जर आपली काही मागणी असेल की ह्यांना रिव्हर्शनमध्ये करायचे असेल तर तसे आपण ठरावात म्हणावं मी तात्काळ त्यांची रिव्हर्शनाची ऑर्डर काढतो. 37 लोकांचे आहे त्यांना कार्योत्तर मंजूरी राज्यशासनाकडून आपण.....

मा. महापौर :-

आयुक्त महोदयांनी जो खुलासा केलेला आहे त्यानुसार सभागृहात जो एक ठराव झालेला आहे पदोन्नतीचा बाबतीमध्ये तर त्याच्यामध्ये असे वाटत असेल तर सभागृहाचे एकमत ठरत असेल तर मला असे वाटते की त्या ठरावामध्ये असे नमुद करावं की आता गटनेत्यांच्या बैठकीमध्ये तो विषय घेऊन त्या विषयाला मार्गी आणावा. जर सर्वांची इच्छा असेल तर प्लस कुठल्याही अधिकाऱ्यांवरती अन्याय होता कामा नये. आणि वारंवार आपण म्हणतो 18 ते 22 वर्ष झाली आज त्यांना आपण पदोन्नती दिली नाही तर पुढे त्यांच्या भविष्यामध्ये त्यांनी जे चांगले काम केले आहे त्याचा कुठेतरी गालबोट आहे आणि आपण लोकप्रतिनिधी आहोत आपल्या पिरेडमध्ये आपण आपल्याच अधिकाऱ्यांना पदोन्नती देऊ शकत नसो तर ही एक खेदाची बाब होते म्हणून मला असे वाटते ह्या विषयी ज्यांनी ठराव मांडलेला होता त्यात असे नमुद करून घ्याव की गटनेत्यांच्या बैठकीमध्ये चर्चा करून निर्णय घेण्यात येईल.

(सभागृहात गोंधळ)

एका ही जर महासभा माझा मते शेवटची असेल तर याच्या बदल निर्णय हा पेंडिंग राहिल.

निलम ढवण :-

महापौर मॅडम त्यापेक्षा आपण सांगितल्या नुसार.....

मा. उपमहापौर :-

महापौर मॅडम, कोणावर अन्याय होणार नाही ही सर्व सदस्यांची इच्छा आहे. याच्यामध्ये प्रस्तावामध्ये आणि ठरावामध्ये हे नमुद केलेले आहे त्यामध्ये सदर प्रस्ताव फेटाडण्यात येत आहे प्रशासनाने सविस्तर माहितीसह सदरचा प्रस्ताव पुढील महासभेत सादर करावा अशी सर्वानुमते आहे.

मा. महापौर :-

माझामते ही महासभा शेवटची असेल कारण 5 तारखेला आपली आरक्षण सोडत आहे त्याच्या नंतर महासभा घेण्याची मला वाटत नाही की गरज पडेल.

(सभागृहात गोंधळ)

गटनेत्यांच्या बैठकीमध्ये आपण हा विषय घेऊ.

चंद्रकांत वैती :-

महापौर मॅडम, हा अभ्यासांती विषय आलेला आहे आणि पदोन्नती देणे हा त्यांचा अधिकार आहे ती मिळालेली आहे पण आपण आता काही कारण टाकून.....

निलम ढवण :-

ज्यांना पदोन्नती मिळालेली आहे त्यांना कॅन्सल करू नका. ज्यांचा काही विषय असेल तर तुम्ही गटनेत्यांच्या बैठकीत विषय घ्या. महासभेत ज्यांचे आलेले आहे त्यांना सरळ मान्यता द्या.

मा. उपमहापौर :-

ढवण मॅडम सगळ्या सदस्यांची इच्छा आहे हा विषय पुन्हा महासभेमध्ये आला पाहिजे दुसरा विषय असा आहे.....

निलम ढवण :-

महापौर मॅडम म्हणाल्या ही शेवटची महासभा असेल.

मा. उपमहापौर :-

कोणी सांगितले शेवटची महासभा असेल ? महापौरांनी ते आपले मत मांडले. दुसरे अस आहे की 5 तारखेला आरक्षणा बदल वाटणी करणार आहेत ती फक्त लॉटरी पडणार आहे त्याच्यात हे नमुद नाही. माझे असे ठाम मत आहे की आपण पुढच्या महासभेमध्ये घेणार आहोत. याच्यात ज्याला भेटले तो खुश आहे आणि ज्याला भेटले नाही त्याला जबाबदार कोण आपल्याला प्रत्येकाला द्यायचे आहे. आमच्या काळामध्ये कोणी बाकी राहिले नाही पाहिजे हे आमचे मत आहे.

निलम ढवण :-

ती नाव तुम्ही सुचवा त्यांना पण सामावून घ्या तुम्ही त्यांची नाव सुचवा.

मा. महापौर :-

आयुक्त महोदय अशी कोण असतील त्यांना पण सामावून घ्याना.

रोहिदास पाटील :-

महापौर मॅडम ह्या सभागृहाची एवढीच एक इच्छा आहे की कोणावरही अन्याय होऊ नये.....

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

पुढचा विषय घ्या.

प्रकरण क्र. 35 :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिका आस्थापनेवरील अतिरिक्त शहर अभियंता (गट-अ) माता व बाल कल्याण अधिकारी (गट-अ) व सिस्टिम अॅनालिस्ट (गट-ब) या पदावर दिलेल्या पदोन्नतीस मान्यता मिळणेबाबत.

ठराव क्र. 38 :-

मिरा भाईंदर महानगरपालिकेच्या आस्थापनेवरील अधिकारी व कर्मचाऱ्यांना नेमणूक करणे व पदोन्नती देण्याचा अधिकार महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमाचे कलम 53 (1) अन्वये महापालिकेमध्ये निहित आहे.

महापालिकेतील अधिकारी / कर्मचारी यांना पदोन्नती देताना कोर्टाच्या निर्णयाच्या अधीन राहून तसेच चौकशीच्या निर्णयाच्या अधीन राहून तात्पुरत्या स्वरूपाची पदोन्नती देण्यात आलेली आहे. प्रशासनाने पदोन्नती दिलेल्या काही अधिकारी / कर्मचाऱ्यांबाबत कोर्टात प्रकरणे प्रलंबित आहेत व काहींची चौकशी सुरु असून निर्णय प्रलंबित आहे. पदोन्नती देताना काही अधिकारी / कर्मचारी यांना वंचित ठेवलेले आहे. मा. महासभेपुढे पदोन्नतीचा गोषवारा सादर करताना पात्र / अपात्र अधिकारी / कर्मचारी यांची सविस्तर माहिती सादर केलेली नाही. निवड समितीने पदोन्नतीबाबत घेतलेला निर्णयाची पूर्ण माहिती सभागृहाला दिलेली नाही. प्रशासनाने गोषवाऱ्यात परिपूर्ण माहिती सादर न केल्याने पदोन्नतीचा प्रस्ताव मंजूर केल्यास काही अधिकारी व कर्मचाऱ्यांवर अन्याय होण्याची शक्यता नाकारता येत नाही.

पदोन्नतीकरीता मा. महासभेची मंजूरी न घेता विविध अधिकाऱ्यांना परस्पर पदोन्नती दिलेली आहे ती नियमबाह्य आहे. पदोन्नतीस मंजूरी देणेस संयुक्तिक ठरणार नाही तसेच कोणत्याही अधिकारी / कर्मचाऱ्यांवर अन्याय होवू नये व पदोन्नतीस मंजूरी देताना महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम कलम 53 (1) चे उल्लंघन झालेले आहे त्यामुळे सदरचा प्रस्ताव फेटाळण्यात येत आहे. प्रशासनाने सविस्तर माहितीसह सदरचा प्रस्ताव पुढील मा. महासभेत सादर करावा असा मी ठराव मांडत आहे.

सुचक :- श्रीम. रिटा शाह

अनुमोदन :- श्रीम. हेमा बेलानी

ठराव सर्वानुमते मंजूर

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. 36, "महानगरपालिका क्षेत्रात मुलभूत सोयीसुविधांचा विकास" या योजनेअंतर्गत 06 प्रभागात "बॅटरी ऑपरेटेड लिटर सक्शन मशिन "गोब्लर" (सफाई यंत्र)" एकूण 12 मशिन खरेदी करणेबाबत.

सुरेश खंडेलवाल :-

सचिव साहेब जरा थांबा महापौर मॅडम मला बोलायची संधी द्या आम्हाला ह्या विषयावर बोलायचे आहे.

मा. महापौर :-

कोणत्या विषयावर बोलायचे आहे ?

सुरेश खंडेलवाल :-

आता जो एवढा मोठा विषय झाला कर्मचाऱ्यांच्या विषयावर आम्हाला बोलू द्या मॅडम.

मा. महापौर :-

बोला.

सुरेश खंडेलवाल :-

विषय असा आहे पहिला जो विषय झाला मॅडम आपण इथे चर्चेला बसलो आहोत आणि आता जो विषय चालू आहे आमचे गटनेते साहेबांनी आणि आपण जे बोलले जस ठराव केला आयुक्त महोदयांनी आपल्या भाषनमध्ये स्पष्ट केले आहे की ह्या प्रमोशनमुळे किती मोठा प्रकार मिरा भाईंदरमध्ये घडला. महापौर मॅडम तुम्ही साक्षी आहात त्या मिटींगमध्ये तुम्ही स्वतः होता तुम्ही असे आदेशीत केले होते की लवकरात लवकर ह्या प्रमोशनचा विषयामध्ये आयुक्त महोदय तुम्ही निर्णय घ्या. आयुक्त महोदय आम्ही तुमचे अभिनंदन करतो इतक्या वर्षा पासून हा विषय प्रलंबित होता

याच्या मागे कारण मी तुम्हाला स्पष्ट सांगतो कारण की कस आहे कोणीही ह्या विषयाला हातात धरला नाही. कारण सर्वांचा हेतुपूरस्कर असा होता की अधिकाऱ्यांनी आयुक्ताकडे जावे हात जोडावा त्यांची विनंती करावी की साहेब माझे प्रमोशन करा. आणि तस तुम्ही आहेना साहेब मी पहिल्यांदा तुमचे अभिनंदन करतो आणि गायकवाड साहेब तुमचे सुध्दा अभिनंदन करतो पहिल्यांदा असा विषय झाला मिरा भाईंदर शहरामध्ये की आयुक्त महोदयांनी आणि तुम्ही लवकरात लवकर जो विषय वर्षानुवर्ष प्रलंबित होता तो विषय घडला. म्हणजे आम्ही आमचे काही लोकांनी यांच्यावर आक्षेप घेतला महासभेपुढे हा विषय आणायचाच होता महासभेपुढे आणला. परंतु ह्याच दिवसाची आपण जर वाट बघत असाल की आपल्याला प्रमोशन करायचे नाही आपल्याला काहीना काही विक होतो जर एकदोन कोणी असेल ज्याच्या वर काही अन्याय झाला आहे कोण असे बोलतो कारणकी आयुक्त महोदयांनी आधी काय सांगितले की आम्हाला असे नावे द्या ज्यांच्यावर अन्याय झालेला आहे त्यांचे प्रमोशन नाही झाले आहे कारण आपण पुढे लगेच त्याच्यावर निर्णय घेऊ. त्याच्यासाठी तुम्ही बैठक लावा चालेल पण ऑलरेडी ज्यांचे प्रमोशन झालेले आहे ज्यांच्यामुळे काही प्रॉब्लेम नाही त्यांना पण आपण गृहीत धरून फेटाडला. माझा विषय असा आहे फेटाडण्याची गरज काय तुम्हाला मनात जर काही शंका असेल तर तुम्ही नाव सांगा त्यानुसार आपण पुढे महासभेत घेऊया ते बोलण्याची पध्दत असते मॅडम. आपण काय करतो ठरावामध्ये ते फेटाडला आणि पुढच्या महासभेमध्ये घ्या हा काय विषय आहे दोन्ही विषय कशाला आम्ही किती वेळा गेला महापौर मॅडम आणि तुम्ही ह्या डायसवर बसले आहेत. मी याच्या साठी बोलत आहे की हा जो विषय आपल्या शहरामध्ये घडला परत काय दुसर काही घडेल परत काही तरी होईल महापौर मॅडम हे चुकीचे आहे आपण पाहेंडा पाडत आहेत. मी बोलतो महासभेचा अधिकार आहे तुम्ही मिटींग लावली महासभेपुढे विषय आलेला आहे त्याची आपल्याला हरकत काय आहे आयुक्त महोदयांनी तो निर्णय घेतला त्या मताशी मी सहमत आहे कारण एवढ्या वर्षानुवर्ष मेहनत करून एवढे लवकरात लवकर अधिकाऱ्यांना प्रमोशन दिलेले आहे मी त्या मताशी सहमत आहे. आणि ज्याच्यावर अन्याय झालेलो आहे मी सांगतो आयुक्त महोदय आपले दोन उपायुक्त डेप्युटेशनचे आणि दोन उपायुक्त आपल्या मिरा भाईंदर महापालिकेचे असावेत त्यामुळे आपल्याला विनंती आहे की दोन असे मिरा भाईंदर महापालिकाचे अधिकारी असे आहेत त्यांच्यावर अन्याय झालेलो आहे आणि त्या दोन लोकांना तुम्ही समाविष्ट करा विषय संपला. महापौर मॅडम विषय एवढाच आहे दुसरा विषय नाही फक्त एकदोन विषयाला धरून आपण सर्वांना एकाच थाळीत 50 लोकांचे जेवढे आपण प्रमोशन केले आहे सर्वांना एकाच थाळीत मी ह्या मताशी अजिबात सहमत नाही. साहेब ते प्रमोशन झालेले आहे तुम्ही तुमच्या हिशेबाने बरोबर केलेले आहे. आपल्याला जर आपल्या भाषेत कुठल्या अधिकारीवर गुन्हा काही असेल तर बिंदास बोला पण सर्वांना एकाच थाळीमध्ये हे करू नका. एवढा मोठा विषय हाताळलेला आहे आपण अभिनंदनचा ठराव केला पाहिजे. त्याच्यामध्ये आपण आहेना हे फेटाडला आणि आमच्याकडे सर्वांनी यायचे मी अजिबात ह्या मताशी सहमत नाही.

मा. महापौर :-

सभागृहाने एकतर ठराव कारण मगाशी जेव्हा ठराव झाला त्या वेळेला कोणी काही बोलले नाही त्यावेळेला ठराव सर्वानुमते झाला त्या ठरावावर तुम्ही का बोलले नाही ? बघा ह्या सभागृहामध्ये आपण आहोत म्हणून ह्या सभागृहामध्ये पुन्हा तुम्हाला भूमिका घ्यायची असेल ही गोष्ट खरी आहे जेव्हा खांबित साहेबांवरती जेव्हा हल्ला झाला त्याच्या नंतर एच.ओ.डी. ची मिटींग मी घेतली होती. सर्व गटनेते, पदाधिकारी उपस्थित होते आयुक्त महोदयांना आम्ही आदेश दिला की लवकरात लवकर ह्या पदोन्नती द्या एवढे वर्षा पासून ते काम करतात हे सगळ ठरलेले आहे आणि त्यानुसार लोकांनी चांगले काम केले आणि ह्या पदोन्नतीचा विषय इथे आता सभागृहामध्ये हा विषय आलेला आहे तर आता सभागृहाची भावना त्या विषयावरती पुन्हा जागृत झालेल्या असतील तर ठरवा. मी सभागृहाच्या मताशी सहमत आहे तर योग्य तो निर्णय आपण घ्यावा.

मा. उपमहापौर :-

महापौर मॅडम, आपण हा विषय फेटाळलेला आहे आता इथे म्हणत आहेत पदोन्नती द्यायची की नाही द्यायची महापौर मॅडम मी स्पष्टीकरण देतो पहिला हा विषय पदोन्नती द्यायची आहे दुसरा विषय असा आहे हा हक्क कोणाचा होता महासभेचा हा अधिकार महापालिकेचा म्हणजे महासभेचा आहे. हा अधिकार आपला होत आहे हा अधिकार आपल्या नबोलता परस्पर हा जर विषय घेतला तर हा चुकीचा आहे. त्यामध्ये नमुद केलेले आहे हा तुम्हाला महासभेपुढे आणायचा होता नंतर तुम्ही पदोन्नती द्यायची होती. तुम्ही जे बोलत आहेत खांबित साहेबांवर हल्ला झाला परत तिच परिस्थिती आणायची आहे का तुम्हाला ? एकाला द्यायच एकावर अन्याय करायचा असे जर कोणी केले तर त्याचा जबाबदार कोण ? ज्याची बाकी असेल त्यांना जो काही विषय असेल बोला तुम्ही वारंवार गोल गोल फिरवत आहेत हे झाले ते झाले असे होत नाही. आमचे मत तुमच्या बरोबरच आहे द्या प्रत्येकाला द्या पण कोणाला डावलू पण नका. आता विषय राहिला कोणाचे बाकी आहे कोणाचे नाही ते परस्पर त्यांना देवून द्याना काही प्रॉब्लेम नाही.

सुरेश खंडेलवाल :-

उपमहापौर साहेब आपण आता स्वतः म्हटले की हा अधिकार महासभेचा होता प्रशासनाने परस्पर निर्णय घेतला. आता जे आपण बोलले आम्ही पण आयुक्तांना हा विषयावर बोललो होतो त्यांचे म्हणणे असे होते की आम्हाला 6 महिन्यांचा आत मध्ये हा विषय महासभेपुढे ठेवायचा आहे आणि हा विषय जेव्हा गंभीर होता म्हणून त्या लोकांनी फास्ट डिसीझन घेऊन हा विषय मार्गी लावला. मी तुमच्या मताशी सहमत आहे दोन जर पात्र आहेत तुम्हाला वाटते की त्यांच्यावर अन्याय झालेला आहे पण त्यांच्यामुळे आपण बाकीचे सर्व लोकांना ज्यांच्यावर अन्याय झालेला आहे म्हणजे तुम्ही काय करत आहेत चार पाच लोकांवर ज्यांच्यावर अन्याय झालेला आहे आणि जे 50-100 लोक त्यांच्यावर न्याय झालेला आहे ते न्याय वाल्यांना त्यांच्या बरोबर तुम्ही येतात त्यांच्या बरोबर करून घ्या आपण सोबतच करूया करायचे तर सोबत करायचे नाही तर अजिबातच नाही करायचे असा विषय आहे का? जे झाले आहे त्याच्यामध्ये कोणाची चुकी झाली आहे का ते पहिला आपल्याला म्हटले पाहिजे तर याच्यावर तुम्ही अन्याय केलेला आहे.

मा. उपमहापौर :-

मला तुम्हाला व्यक्तिगत एक प्रश्न विचारायचा आहे आपण शब्द देवू शकतात का की जे घडले आहे त्याच्यात ज्यांना प्रमोशन दिलेले आहे ते शंभर टक्के खरेच आहे प्रॅक्टिकल खरेच आहे त्याची जबाबदारी तुम्ही घेतात का ?

सुरेश खंडेलवाल :-

यस सर मी घेतो मी सर्वासमोर घेतो ज्याच्या बरोबर ज्यांना 20-22 वर्षे ज्यांच्यावर अन्याय होत होता तेव्हा आपण पण इथे सत्तेमध्ये आहोत कोणीही आयुक्ताने ह्या विषयावर लक्ष दिले नाही.

मा. उपमहापौर :-

इथे विषय सत्तेचा असत्यचा नाही.

सुरेश खंडेलवाल :-

तुम्ही आता काय बोलले की हा महासभेचा अधिकार आहे महासभेमध्ये आता पर्यंत हा विषय आपण का घेतला नाही. आता आयुक्तांनी निर्णय केला आता महासभेमध्ये घेतलाना हा विषय महापौर मॅडम मी आरोप करत नाही जे सत्य आहे ते बोलतो. आपल्याला हे करायचेच नाही आणि करून घ्यायचेच नाही.

ध्रुवकिशोर पाटील :-

महापौर मॅडम महापालिकेचा अॅक्ट आहे तो मी वाचून दाखवतो पहिला तर आयुक्तांचे खरच अभिनेंदन ह्या सभागृहाने टाळ्या वाजून करावे. साहेब तुम्ही हे करून शकलात बाकी दुसरा कोणीही

आयुक्त आजुन पर्यंत करु शकला नाही ही साहेब काळ्या दगडावरची रेष आहे. याच्यामध्ये मी राजकारण नाही करणार आपण खरच न्याय द्यायचा. महापौर मॅडम, जवळ जवळ 75 लोकांना पदोन्नती दिलेली आहे आयुक्त साहेबांनी अजुन पर्यंत असे आयुक्त साहेब आले नाहीत खंडेलवालजीने अभिनंदन केले मी पण अभिनंदन करतो आणि टाळ्या वाजुन करतो म्हणजे आयुक्त साहेबांनी चांगले काम केले. हे चांगले काम करत असताना अजुन आपल्याकडे असे अनेक अधिकारी आहेत त्यांच्या वरती अजुन पर्यंत त्यांची पदोन्नती झालेली नाही. आताच खंडेलवालजी बोलले की आमच्याकडे दोन उपायुक्त आपल्या महापालिकेचे असले पाहिजेत पण ते अजुन झालेले नाहीत मग हे आलेना.

सुरेश खंडेलवाल :-

मी बोललोना द्याना ते त्यांचा विषय घ्या.

ध्रुवकिशोर पाटील :-

आता ते सभागृहात चालले आहे की त्याला कुठे तरी त्याची व्यवस्थित मांडले पाहिजे म्हणून मी उभा राहिलो आहे की साहेब अजुनही आपल्याकडे उपायुक्त महापालिकेच्या अधिकाऱ्यांमार्फत भरण्याचे बाकी आहे. त्याच्या नंतर कार्यकारी अभियंत्याचे काम आता साहेबांनी केले वैद्यकिय अधिकाऱ्यांचे अजुनही एक पोस्ट बाकी आहे त्यांना पदोन्नती दिली पाहिजे ती अजुन भेटली नाही. त्याच्या नंतर सहाय्यक आयुक्तांची पण आपण पदोन्नती दिली पाहिजे ती पण अजुनपर्यंत भेटलेली नाही. त्याच्या नंतर लिपीकांची आताच ऑर्डर काढलेली त्याच्या नंतर अभियंत्याची जवळ जवळ 25 पद अजुनही रिक्त आहेत ती पण भरायची बाकी आहेत. सहाय्यक अग्निशमन केंद्र अधिकारी इथे अजुन पर्यंत पद भरायचे बाकी आहे म्हणजे अजुनही मॅडम अजुन पर्यंत पद भरायची बाकी आहेत. आणि आता खंडेलवाजी बोलले की 6 महिन्यांचा आत महापालिकेकडे सादर केले पाहिजे मॅडम तसे नाही माझा माहिती प्रमाणे ह्या महापालिका अॅक्ट मध्ये 53 नुसार नेमणूकीचा अधिकार कोणावरती विहित असणे क्र.1 महानगरपालिकेचा जो अधिकारी सहाय्यक आयुक्त ह्या पदाशी समतुल्य असल्यास किंवा त्यापेक्षा उच्च दरजाच्या पदावर आहे मग असे अधिकारी तात्पुरते असो किंवा कायम असो त्यांची नेमणूक करायचा अधिकार महानगरपालिकेमध्ये निहित असेल. महापालिका म्हणजे कोण आले महासभा म्हणजेच काय की महासभेस ते आले. निवड समितीने आणि साहेबांनी पदोन्नती फायनल केल्या नंतर आपल्या महासभेमध्ये आल पाहिजे आणि महासभाने मान्यता दिल्या नंतर आयुक्तांनी त्यांना पदोन्नती दिली पाहिजे. दुसरी गोष्ट मॅडम, हा महाराष्ट्र शासनाचा जी.आर. आहे ह्या जी.आर. नुसार दिलेला आहे परंतु तो तिथे नेमणूकी करीता क्र.5 मध्ये की वरील 3 व 4 नुसार निवड समितीने केलेली शिफारस महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमाच्या कलम-53 (1) कलम-53 (2) व कलम-53 (3) नुसार संबंधित सक्षम नियुक्ती प्राधिकाऱ्याकडे मान्यतेसाठी ठेवले आहे. म्हणजे आपल्याकडे मान्यतेसाठी ठेवणे. आणि आपल्याकडून मान्यता भेटल्या नंतर मग प्रशासनाने त्याच्या वरती कार्यवाही करुन त्यांना पदोन्नती दिली पाहिजे. परंतु त्यांनी महासभेला अधिकार दिलेले आहेत. आम्ही काय सांगितले तुम्ही आमच्याकडून मान्यता घ्या नंतर तुम्ही पदोन्नती द्या आणि अजुन पर्यंत असे भरपूर अनेक सुधार होत आहे हे तुमच्याकडे पण आहेत आमच्याकडे बरेच आहेत त्यांना अजुन पर्यंत पदोन्नती भेटली नाही असे सगळ्या पदोन्नतीचा प्रस्ताव एकत्रित करुन प्रशासनाने हा महासभेपुढे सादर केलेला पाहिजे. आम्हाला कोणालाही पदोन्नती देण्यामागे विरोध नाही आणि दिलीच पाहिजे महापौर मॅडम तुम्हीच मिटींग घेतली होती आणि तुम्हीच वारंवार सांगत होतात की पदोन्नती दिली पाहिजे आणि त्याप्रमाणे प्रशासनाने काम केले आहे. परंतु काम करताना अजुनही काही ठिकाणी पेडिंग आहे त्यांचे सगळ्यांचे एकत्र करा युध्द पातडीवरती कराना 8 दिवसात करा 28 ऑगस्ट पर्यंत आपण मिटींग लावू शकतो आणि आपण स्पेशल मिटींग पण त्यासाठी लावू शकतो अजुनही आपल्याकडे सफिशीएंट वेळ आहे आणि माझी आपणास विनंती आहे की आपण ताबडतोब आयुक्तांना विनंती करावी की येणाऱ्या 8 दिवसांच्या आतमध्ये सगळे जवेदे

अधिकारी आहेत त्या सर्वांचा विषय मिटवून टाका मुकने साहेबांचा विषय पेंडिंग आहे आणि दुसरा सचिन म्हात्रे यांचा विषय पेडिंग आहे. ते पण प्रस्ताव पेंडिंग आहेत की नाही म्हणजे अजुनही आपल्याकडे ते प्रस्ताव पेडिंग आहेत. माझी आपणास विनंती आहे आयुक्त साहेबांनी एवढे चांगले काम केले आहे म्हणजे हात्ती निघाला आहे आणि फक्त शेष बाकी आहे अशी म्हण आहे असे थोडेसे बाकी आहे ते केलेना तर आमचा काही विरोध नाही मॅडम सगळ्या सभागृहाची भावना आहे की सगळ्या अधिकाऱ्यांना आणि कर्मचाऱ्यांना पदोन्नती भेटली पाहिजे आणि ह्याच स्टेज वरती भेटली पाहिजे आणि अजुनही आपल्याकडे वेळ आहे अजुनही आयुक्त साहेबांनी प्रशासनाने ताबडतोब घ्या आपण स्पेशल मिटींग लावू आणि हा विषय मार्गी लावू.

मारुती गायकवाड :-

सन्मा. महापौर महोदय, सन्मा. आयुक्त साहेब अँक्युअली याच्यावरती अन्याय झाला त्याच्या वरती अन्याय झाला ह्या वगळून त्याला प्रमोशन दिले त्याला वगळून ह्याला प्रमोशन दिले अशी एकही केस नाही. मी अगदी जबाबदारीने सांगत आहे एकही अशी केस नाही. दुसरा विषय पाटील साहेब बोलले दोन उपायुक्त पात्र आहेत मी बऱ्याच वेळी मिटींगमध्ये बोललो आहे आपल्या महानगरपालिका केंद्रचा एकही अधिकारी उपायुक्त पदाला प्रमोशन देण्यासाठी पात्र नाही अगदी मी जबाबदारीने सांगत आहे. उपायुक्त पदांना प्रमोशन देणेसाठी महापालिकेतला एकही अधिकारी पात्र नाही. जे 3 सहाय्यक आयुक्त महापालिकेचे आहेत ते तिन्ही सहाय्यक आयुक्तांवरती अँटीकरप्शनच्या केसेस चालू आहेत त्या केसेसचा निकाल लागेपर्यंत एकालाही उपायुक्त पदी प्रमोशन द्यायचा देता येणार नाही. दुसरा विषय असा एकही केंद्र नाही की प्रमोशन दिलेलं नाही सहाय्यक अग्निशमन केंद्र अधिकारीसाठी एकही अधिकारी पात्र नाही जे त्याच्यावर क्वालिफिकेशन आहे ते क्वालिफिकेशन आहे त्यासाठी मी स्वतः फॉलप घेत आहे कारण हे क्वालिफिकेशन आमच्या लोकांचे नाही त्याच्याशी इक्विवॅलंसचे आम्हाला लेटर द्या जेणे करून आमची लोक प्रमोट होतील. असा एकही अधिकारी नाही की तो पात्र आहे त्याच्या वरून त्याला डावलून त्याचं प्रमोशन नकरता दुसऱ्या अधिकाऱ्याचे प्रमोशन केलेले आहे. हे प्रशासनावरती अँलिंगेशनचा केल्याचा प्रकार जाणवला म्हणून मी पोटतिडकीने बोलत आहे मी आयुक्त साहेबांना विनंती करतो आणि महापौर मॅडमला विनंती करतो असा कोणावरतीही अन्याय झालेला नाही. दुसरा विषय पाटील साहेब बोलले की प्रत्येक विषय महासभेकडे आला की मंजूर करा आणि नंतर प्रमोशन द्या अस करायला गेले तर एवढ्या स्पीडने प्रमोशन झाली नसती. बऱ्याच वेळा महापौर मॅडमच्या अध्यक्षतेखाली मिटींग झाली बऱ्याच वेळा गटनेत्यांच्या माध्यमातून महापौरांच्या अध्यक्षतेखाली मिटींग झाली. बऱ्याच वेळा प्रशासनाला निर्देश दिले पटापट प्रमोशनची काम संपवा प्रमोशन करून टाका आमच्या आस्थापनाच्या टीमला ह्याच महापालिकेचा स्टाफ आहे आम्ही शासनाचे लोक आहोत हे जे काम केले ते सर्व ह्या महापालिकेच्या स्टाफनेच केले आहे. मी आणि आयुक्त साहेब फक्त आम्ही नाममात्र आहोत. आम्ही फक्त त्या स्टाफकडून करून घेतले. आम्ही त्यांच्या पाठीमागे लागून त्या स्टाफ कडून करून घेतले हे काम सदर महानगरपालिकेच्या स्टाफने केले आहे. आपल्या महापालिकेतल्या अधिकाऱ्यांनी जी आमच्या आस्थापनेची चार पाच मुले आहेत यंग मुले आहेत 30-35 वयाचे त्या लोकांनी रात्रनदिवस मेहनत घेऊन त्यांनी काम केले आहे. त्यामुळे आमचे जस स्वागत केले आमचे जस अभिनंदन केले तस त्यांच पण अभिनंदन करा अशी मी सभागृहाला विनंती करतो. दुसरा विषय ह्या महापालिकेत यांच्या आधी 37 अधिकारी/कर्मचाऱ्यांचे प्रमोशन असे केले की त्यांना महासभेची आधी मान्यता घेण्यात आली नव्हती माझाकडे रेकॉर्ड आहे 37 अधिकारी/कर्मचाऱ्यांना महापालिकेची मान्यता नघेता प्रमोशन दिले त्याला कार्यात्तर मंजुरी दिलेली आहे. मी आता नाव वाचत नाही माझाकडे रेकॉर्ड आहे त्यामुळे आम्ही जे प्रमोशन दिलेले आहेत किंवा प्रशासनाने जे कार्यवाही केलेली आहे त्यात अजिबात एक टक्का सुध्दा त्यात चुकीचे केलेले नाही.

मा. आयुक्त :-

नाव वाचुन दाखवा.

मारुती गायकवाड :-

अजित पाटील आहेत शिरवळकर साहेब आहे बरेच लोक आहेत आणि आता साहेब बोलले मुकणे साहेब म्हात्रे साहेब तुम्ही बोलले यांची पी.एस.सी. चा पॅरा क्लोज करण्यापासुन त्यांची डी.ए. क्लोज करण्यापासुन साहेबांनी किती मेहनत घेतली आम्ही किती मेहनत घेतली तेव्हा आम्ही त्यांचे प्रमोशन केले. त्यामुळे सगळेच लोकांचे प्रमोशन केलेच पण ज्या लोकांचे प्रमोशन अतिशय अवघड होत त्या लोकांचे प्रमोशन सुध्दा आम्ही 24 तास रात्रनदिवस बसुन आपल्याच महापालिकेच्या स्टाफच्या मदतीने आम्ही ते प्रमोशन केलेले आहे. त्यामुळे प्रशासनावरती असे थोडस मला वाईट वाटले की याचे प्रमोशन डावलून त्याला प्रमोशन दिले त्याला डावलून त्याला केले हे आम्ही मेहनत घेतली त्याच्या वरती थोडस म्हणून मी हे पोटतिडकीने बोलत आहे. जास्त काही बोललो असेल तर सॉरी. साहेबांनी सांगितले मी नाव वाचुन दाखवतो याच्या आधी 37 लोक आहेत अजित पाटील (कर निर्धारक व संकलक) श्रीकांत मोरे, हरेश पाटील, शिवाजी बारकुंड, दिपक खांबित, केसरीनाथ म्हात्रे, विजय पाटील, स्वप्नील सावंत, संजय धोत्रे, मोहन म्हात्रे, सुजित सावंत, नरेंद्र पाटील, शेवटचे नाव वाचतो वासुदेव शिरवळकर.

(सभागृहात गोंधळ)

ध्रुवकिशोर पाटील :-

आता उपायुक्त गायकवाड साहेब बोलले एवढे आधी पास केले आता महासभेची मंजुरी घेत बसलो असतो तर हे प्रमोशन लवकर झाले नसते म्हणजे महापौर मॅडम हा आपल्यावर आरोप आहे की नाही? गायकवाड साहेब काय बोलले की हे जर आम्ही करत बसलो असतो तर हे प्रमोशन लवकरात लवकर देण्यात आले नसते म्हणजे काय महापौर मॅडम आपण महासभा लवकर लावत नाही याचा अर्थ असा होतो का ?

(सभागृहात गोंधळ)

मी हा जो अॅक्ट आहे तो दाखवत आहे तुम्ही आमची मान्यता घ्या आम्ही स्पेशल मिटींग लावू मी तुम्हाला काय सांगितले मॅडम ह्या केडर मध्ये 28 ऑगस्टच्या आत सर्व कर्मचाऱ्यांना सर्व अधिकाऱ्यांना पदोन्नती द्यायची.

चंद्रकांत वैती :-

महापौर मॅडम, ह्या सभागृहामध्ये अशी बरीच प्रथा आहेत ज्यांच्या कारकिर्दीत ह्या महापालिकेतील कर्मचाऱ्यांना अधिकाऱ्यांना सेवाप्रवेश नियमाचे वर्गिकरण करण्याचे ठरले. शासनाकडून सातत्याने सेवेतील त्यांना प्रेरणा देण्यासाठी प्रमोशन देण्याची पध्दत आहे. आपण जेव्हा सेवा प्रवेशाचे वर्गिकरण केले आणि त्याची मान्यता घेतली ह्या महासभेत आणि शासनाकडे मान्यता पाठवली त्यावेळेला आमच्या साहेब थोड पुढे जावून सांगतो की आज 9 ग्रामपंचायती एकत्र करुन आमची नगरपरिषद आणि त्यानंतर महानगरपालिका झाली. ह्या शहरामधले कर्मचारी तेव्हा कार्यरत होते. आज आमच्या ह्या मातीत जन्म घेतलेल्या ह्या मातीत काम केलेले कर्मचारी/अधिकारी आहेत ते पुढच्या फक्त दोन तीन वर्षातच ह्या महापालिकेत दिसणार नाहीत रिटायर्ड होत आहेत. आणि जे जे होते त्यांना आम्ही विनंत्या केल्या की तुम्हाला ही तुमची शैक्षणिक अहर्तता धारण करायची आहे तर त्यासाठी तुम्ही रिटायर्ड व्हायच्या आत तुम्ही ती शैक्षणिक अहर्तता धारण केली पाहिजे. आणि सोमोटो त्यांना प्रमोशन दिले त्याच्यामुळे आयुक्त साहेब तुम्ही जो निर्णय घेतला तो काय चुकला आहे किंवा महासभेची मान्यता आधी घ्यायला पाहिजे होती ह्या मताशी आम्ही नाहीत. आणि आजमितीस आपण ज्या ज्या कर्मचाऱ्यांना अधिकाऱ्यांना पदोन्नत्या दिलेल्या आहेत मग तो स्थायी आहे अस्थायी आहे ते महत्वाचे नाही परंतु त्याला पदोन्नती दिली आहे मग आता पुन्हा डिमोशन करणार का ? काही दिवसा पासुन त्यांनी तया चेअर वर बसुन अनेक निर्णय तो त्या पदाचा अधिकारी म्हणून त्यांनी जे निर्णय

घेतलेले आहेत त्यांनी ज्या सह्या केलेल्या आहेत ते तुम्ही निष्काशीत कराल काय ? सभागृहाला माझी विनंती आहे आपण ठराव केला आहे ठराव करताना आमच्या सभागृहातील काही सदस्यांची भावना होती की ह्या महापालिका क्षेत्रातील महापालिकेतील महापालिकेच्या कुटूंबातील काही कर्मचारी अनावधानाने सुटलेले आहेत किंवा त्यांना पदोन्नती देताना त्यांचा विचार केला गेला नाही. असे काही असेल तर आमच्याकडून जो ठराव झाला आहे की त्याच्यावर आपण सखोल अभ्यास करून सर्वांना पुढे काही राहिले आहेत त्यांनाही घेऊन तर त्यापेक्षा मला वाटते ठराव आपण पारीत केलेला आहे त्याला दुसरा कुठचा ठराव नाही माझे असे मत आहे माझी सभागृहाला विनंती आहे की तो ठराव आपण मागे घ्या आणि त्याच्यात एक दुरुस्ती करा उपसुचना घ्या आणि दुरुस्तीने ज्यांना पदोन्नती दिलेली आहे त्यांना त्या पदावर कार्यरत राहूदेत. आज काही अधिकारी महापालिकेत असे आहेत की ज्यांना प्रत्येक गोष्टीची जाणीव आहे आणि काय केले आहे आणि काय होतात. सगळ्यात जण एक झुटी आहे म्हणून करत नाही तर काही लोक जबाबदारी म्हणून करतात तर असे अधिकारी ह्या महापालिकेत आहेत. आणि जे जे सुटलेले आहेत अनावधानाने राहिलेले आहेत किंवा ज्यांचे पटकरण लक्षात आले नाही त्यांच्यासाठी अशा ठरावात नोंद करा आणि कार्योत्तर मंजुरी आपण देऊ शकतो. आधीही दिलेली आहे साहेब अजित पाटील, गणेश पाटील होते, विजय पाटील होते आमचे तर असे अधिकारी असे होते की ज्यांना सांगितले तुम्ही आता तुमची डिग्री पूर्ण करा बी.ए. किंवा बीकॉम करा पण ते जायला तयार नव्हते पदोन्नती नाही मिळाली तरी चालेल साहेब मला जायचं नाही त्यांनी केल्या तर आताही आपल्या महापालिकेचा परिवारामध्ये जे कर्मचारी अधिकारी म्हणून कार्यरत आहेत ते शिक्षणात कमी असतील कुठची संधी साधायची असेल तर तुमच उर्वरित शिक्षण तुम्ही पूर्ण करा. आणि सभागृहाला विनंती आहे की ज्या पदोन्नती झाल्या त्यांच डिमोशन करू नका. आज आपण ठराव करतोय म्हणजे आज त्यांना आपण खाली उतरवतोय पण तस करू नका ठरावामध्ये दुरुस्ती करा आणि त्यांना प्रमोशन द्या.

प्रभात पाटील :-

वि.वा शिरवाडकरांची एक कविता आहे दोन ओळी मी म्हणेन मोडून गेला कणा मोडून गेला संसार पण मोडला नाही कणा मांडीवर हात ठेवून फक्त लढ म्हणा. ह्या प्रमाणे त्या लोकांनी प्रयत्न केले त्यांनी त्यांच्या प्रमोशनचे पण प्रयत्न केले त्यांची बुध्दीमत्ता वाढविण्याचे पण प्रयत्न केले परंतु त्याबरोबर त्यांनी ह्या शहराला पुढे नेण्याचे अद्यापर्यंत प्रयत्न केले आणि कोणत्याही प्रयत्नाला यश देणे जस आयुक्तांच्या हातात शिफारस करणे आपले काम आहे त्यांनी कष्ट केले हे शहर मोठे झाले अजित पाटील इथे नमुना म्हणून उभे आहेत एवढ्याशा खुर्चीत बसून ते नगरपालिकेचा कारभार चालवत होते. एक छोटे 9 ग्रामपंचायतींचे एक गाव त्याचा ह्या एवढा मोठ्या महापालिकेत रूपांतर झाले. हे करत असताना फक्त नगरसेवकांनीच काम नाही केले तर अधिकाऱ्यांनी पण काम केले आपल्याकडून त्यांच्या काय अपेक्षा आहेत एक फोन गेला तर काम करतात नसेल तर मॅडम आज नाही तर उद्या करू असे सांगतात. पण ह्यांनी आपले काम करण्या पेक्षा ह्या नागरीकांचे काम करतात ह्या शहराचे काम करतात. त्याच्या मुळे मी अस म्हणणार नाही की ठराव चुकीचा झाला परंतु त्यांना आपल्याला आयुक्तांनी सुध्दा आपली भुमिका मांडताना सांगितले की जे कोणी काम केले नाही ते मी केले आणि ही गोष्ट खरी पण आहे. आज सुध्दा बरेचशे अधिकारी अजून गेले नसतील पालिका खाली झाली नसेल कान लावून बसले असतील की आपला काय निर्णय होईल त्यांचे खच्चीकरण होता कामा नये. त्यांना उभारी मिळाली पाहिजे ते दुसऱ्या दिवशी वेगाने काम करतील ते आशेने डोळे लावून बसलेले असतील त्यांची आशा मोडू नका. ते पाप आपल्या माथ्यावर नाको. मी असे म्हणेन की ठिक आहे आपला ठराव झाला आहे आयुक्त साहेबांना विचारा कायदा काय बोलतो हा ठराव आपल्या लागे घेता येणार का आणि त्याच्यामध्ये फेरप्रस्ताव आपल्याला एक ठराव सादर करता येतो का येत असेल तर करा नसेल येत तर माझा मते एक मिटींग लावा. आयुक्त साहेब तुमच्याकडे

जेवढी प्रकरणे आहेत तुम्ही तातडीने ती पुर्ण करा आणि येणाऱ्या महासभेमध्ये तो विषय आणून आपण तातडीने त्याला मंजुरी देवून टाकावी असे मी म्हणेन.

रोहिदास पाटील :-

महापौर मॅडम, कोविडच्या काळामध्ये हीच लोक कामावर होती कोविडच्या कामामध्ये बाहेरून येणारे अधिकारी महिने दोन महिने आले नाहीत आयुक्त साहोब तुमच्या बरोबर होती याची नोंद व्हायला पाहिजे.

मा. महापौर :-

सभागृहनेते आपल्याला ह्या विषया संदर्भामध्ये काय बोलायचे आहे का मला काही रुलिंग देयायची आहे का ह्या विषया संदर्भामध्ये ?

(सभागृहामध्ये गोंधळ)

जेव्हा 24 नंबरचा विषय ह्या सभागृहामध्ये वाचला गेला ठराव वाचला गेला त्या वेळेला तुम्ही शांत का बसले कोणी काही बोलले नाही.

सुरेश खंडेलवाल :-

महापौर मॅडम तुमच्या हस्ते अधिकाऱ्यांना पदोन्नती देण्यात आलेली आहे तुमच्या दालनामध्ये महापौर मॅडम आणि आता आपण त्यांना डिमोशन करतोय. तर माझे एकच निवेदन आहे की फेटाडल्या शिवाय जर आपल्याला पुढच्या महासभेमध्ये विषय घ्यायचा असेल तर तो फेटाडला हे शब्द काढा आणि यांना सांगा जे बाकीचे जे लोक आहेत त्यांचे पण घेऊन पुढच्या महासभेमध्ये सादर करा. फेटाडायचे नाही नाही तर मी माझा ठराव मांडणार आहे. महापौर मॅडम तुमच्या दालनामध्ये तुम्ही स्वतः तुमच्या हाताने पदोन्नती दिलेली आहे. आणि आता याचा उलटा आपण ठराव करता त्यांना फेटाडताय म्हणजे त्यांचे डिमोशन आपण करत आहोत मॅडम हे काय चालले आहे पत्रकार बंधू काय न्युज देणार हे काय चालले आहे.

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-

सभागृहनेते ह्या विषयावरती काय करायचे आहे ?

प्रशांत दळवी :-

महापौर मॅडम, आयुक्त महोदय निर्णय झेलेला आहे सभागृहाचे मत लक्षात घेता हा जो काही ठराव केलेला आहे आणि आयुक्त महोदय म्हणाले की ते पद रिव्हट न करता यांना दिलेल्या पदोन्नत्या तशाच ठेवून पुढील महासभेमध्ये सविस्तर प्रस्ताव सादर करावा. जे फेटाडण्याचे म्हटलेले होते ते कट करून आणि रिव्हट नकरता त्यांचा पदोन्नत्या तशाच ठेवून पुढील महासभेत रितसर सादर करावा.

मा. महापौर :-

त्या ठरावात तसे नमुद करा.

सुरेश खंडेलवाल :-

ज्यांचे झाले आहे ते मंजूर करा. ज्यांची पदोन्नती झाली आहे ते कायम ठेवा आणि बाकिच्यांचे जे बाकी आहे त्यांचे पुढच्या महासभेत सादर करा.

मा. महापौर :-

मला असे वाटते ह्या विषयावर चर्चा भरपूर झालेली आहे. ज्यांना पदोन्नती दिलेली आहे त्यांची कायम करावी आणि ज्यांना पदोन्नती दिलेली नाही त्यांची पुढच्या महासभेत सविस्तर प्रस्ताव सादर करावा. पुढचा विषय घ्या.

नगरसचिव :-

प्रकरण क्र. 36, "महानगरपालिका क्षेत्रात मुलभूत सोयीसुविधांचा विकास" या योजनेअंतर्गत 06 प्रभागात "बॅटरी ऑपरेटेड लिटर सक्शन मशिन "गोब्लर" (सफाई यंत्र)" एकूण 12 मशिन खरेदी करणेबाबत.

रिटा शहा :-

महापौर मॅडम, ठराव मी मांडलेला आहे आणि माझा ठरावाला बाकी सर्वाना कसा अधिकार आहे यात फेटाडायचा हा अधिकार कोणी दिलेला आहे ? ठराव मी मांडलेला आहे.

मा. महापौर :-

फक्त फेटाडण्यात येत आहे हा शब्द काढण्यात आला हे तुम्हाला मंजूर आहे की नाही ?

रिटा शहा :-

मला मंजूर नाही.

(सभागृहात गोंधळ)

जुबेर इनामदार :-

हा विषय पेंडिंग ठेवून एकत्र क्लब करावा.

रिटा शहा :-

मेरा बोलना वही है की जो ठराव मांडा है वो विषय पेंडिंग करो ।

(सभागृहात गोंधळ)

मा. महापौर :-


विषय क्र. 36, 37 आणि 38 पुढच्या महासभेमध्ये घेण्यात येतील. आजची महासभा तहकूब करण्यात येत आहे.

(सभा तहकूब झाल्याची वेळ सायं. 6.15 वा.)

सही/-

महापौर

मिरा भाईंदर महानगरपालिका


(वासुदेव शिरवळकर)
नगरसचिव
मिरा भाईंदर महानगरपालिका